# A DESCRIPTIVE CATALOGUE

OF

# THE SANSKRIT MANUSCRIPTS

## Volume IV

GOVERNMENT SANSKRIT COLLEGE,
SARASVATI BHAVAN LIBRARY, VARANASI.

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) ( Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

9-5 Scanned

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

# A Descriptive Catalogue

*of*

# The Sanskrit Manuscripts

***Acquired for and deposited in the Government Sanskrit College Library, Sarasvatī Bhavana, Varanasi, during the years 1791-1950***

***Edited by***
***Pandit KUBERANATH SHUKLA, M.A., Vyākaraṇāchārya,***
***Principal,***
***Govt. Sanskrit College, Varanasi.***

## *Volume IV*

## *PURĀNA-ITIHĀSA AND GITĀ MSS.*

***Prepared under the supervision of***
***SUBHADRA JHĀ,***
***Librarian, Govt. Sanskrit College, Varanasi,***

*by—*

**Shri Bibhuti Bhushan Bhattacharya, Shri Rajaram Bhatta Bhatta, Shri Raghunath Pandeya, Shri Tarakanath Bhattacharya, Shri Nandakumar Pathak, Shri Chandrabhanu Pandeya and Shri Nishakanta Pathak.**

***1957***

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

*Published by—*

The Superintendent of Printing and Stationery,
Government of Uttar Pradesh,
Allahabad.

*Printed by—*

Rameshwar Pathak,
The Tara Printing Works,
Varanasi.

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

काशिकराजकीयसंस्कृतमहाविद्यालयस्य
सरस्वतीभवनपुस्तकालये

१७९१ तमवर्षात् १९५० तमवर्षपर्यन्तं सङ्गृहीतानां
हस्तलिखितसंस्कृतग्रन्थानां

# विवरणपञ्जिका

यस्या अयं

## पुराणेतिहासगीताग्रन्थसङ्ग्रहात्मकः

चतुर्थो भागः

सरस्वतीभवनपुस्तकालयाध्यक्षस्य श्रीसुभद्रशर्मणः निर्देशेन
श्रीविभूतिभूषणभट्टाचार्य-श्रीराजारामभट्टभट्ट-श्रीरघुनाथपाण्डेय-श्रीतारक-
नाथभट्टाचार्य-श्रीनन्दकुमारपाठक-श्रीचन्द्रभानुपाण्डेय-
श्रीनिशाकान्तपाठकैः

सम्पादितः

१८७९ शक०

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

# हस्तलिखितग्रन्थविवरणपञ्जिकायाः

## चतुर्थो भागः

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४२२८ | भागवततात्पर्यदीपिका | नृहरिः वरदाचार्यजः | ५८८ । ( गणनया ) |
| १४२२९ | इन्द्रवरप्रदानम् | | १-७ । |
| १४२३० | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-१४ । |
| १४२३१ | " | | १-११ । |
| १४२३२ | माघमासमाहात्म्यम् | | १-७४ । |
| १४२३३ | गायत्रीमाहात्म्यम् | | १ । |
| १४२३४ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-२० । |
| १४२३५ | भागवतभावार्थदीपिका | | १-३२ । |
| १४२३६ | अयोध्यामाहात्म्यम् | | १-५९ । |
| १४२३७ | शिवविवाहः | | १ । |
| १४२३८ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-६ । |
| १४२३९ | भस्ममहिमा | | २-३ । |
| १४२४० | शिवविवाहः | | २-३, ५ । |
| १४२४१ | दानव्रतादिमाहात्म्यसंग्रहः | | ३० । ( गणनया ) |
| १४२४२ | पञ्चक्रोशीमाहात्म्यम् | | १-६, १२-१६ । |
| १४२४३ | कमलामाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १४२४४ | काशीमाहात्म्यसंग्रहः | नागेशः | १-४ । |
| १४२४५ | श्रीमद्भागवततत्त्वप्रदीपः | वल्लभाचार्यः | १-१२३, १२५-१३२, १-१०० । |
| १४२४६ | शिवमाहात्म्यम् | | २-३ । |
| १४२४७ | काशीमाहात्म्यकौमुदी | रघुनाथः रामदयालुशिष्यः | १-३१, १-३३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·२ × ४·३ | १० | ४६ | दे. ना. | का. | १७६१ | पू० | |
| ६ × ३·६ | ८ | १९ | ” | ” | | ” | प्रयागमाहात्म्ये । |
| ९·५ × ३·४ | ७ | ३६ | ” | ” | १५६९ | ” | मत्स्यपुराणान्तर्गतम् । |
| ७·८ × ३·४ | ७ | २१ | ” | ” | | अपू० | |
| १०·९ × ३·३ | ६ | ५२ | ” | ” | | पू० | |
| ७·७ × ३·६ | १० | ३५ | ” | ” | | अपू० | |
| ९·९ × ४·२ | ७ | २८ | ” | ” | | ” | |
| १२·२ × ५·३ | १२ | ४५ | ” | ” | | पू० | अष्टमस्कन्धीयचतुर्विंशोऽध्यायः । |
| ८·४ × ३·२ | ७ | ३३ | ” | ” | | ” | |
| १६·७ × ३·२ | ८ | ६० | वङ्ग. | ” | | अपू० | |
| ९·२ × ४·३ | ११ | ३० | दे. ना. | ” | | पू० | बालकाण्डे प्रथमः सर्गः । |
| ८·५ × ३·७ | १२ | २५ | ” | ” | | अपू० | |
| १३.८ × ३·१ | ७ | ५३ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| १०·४ × ६·८ | २४ | १६ | दे. ना. | ” | | ” | संवत्सरोत्सवकल्पलता च, अत्र विशेषतो वणिजां कृते तिलादि-नानाविधधेनुपर्वतदानद्वादशमास-कृत्य-माघमासादिमाहात्म्यानां वराह-मत्स्यस्कन्दपुराणतः संग्रहः । |
| ११·४ × ४·९ | १४ | ३४ | ” | ” | | ” | |
| ८·६ × ४·४ | ९ | ३९ | ” | ” | | पू० | |
| ९·९ × ४·४ | १४ | ४५ | ” | ” | | ” | |
| १०·७ × ५·६ | ९ | ३७ | ” | ” | १८४८ | अपू० | खण्डद्वयात्मको निबन्धः, द्वितीय-खण्डः पूर्णः । |
| ७·१ × ४·८ | ६ | १८ | ” | ” | | ” | |
| ९·७ × ४·१ | ९ | २७ | ” | ” | | पू० | पूर्वार्द्धोत्तरार्द्धात्मिका । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४२४८ | सनत्सुजातविवरणम् | | १-५० । |
| १४२४९ | काशीमाहात्म्यसंग्रहः | | १-१२ । |
| १४२५० | महाभारतटीका | रामकृष्णः | १-८३, १-४१ । |
| १४२५१ | गयामाहात्म्यम् | | १-५, ७-४४ । |
| १४२५२ | आनन्दवनमञ्जरी | | १४० । (गणनया) |
| १४२५३ | भागवतम् | | १-२७६ । |
| १४२५४ | ब्रह्मवैवर्तम् | | १-४६७ । |
| १४२५५ | दुर्जनमुखचपेटिका | रामाश्रमः | १-३ । |
| १४२५६ | " | " | १-४ । |
| १४२५७ | ब्रह्मवैवर्तम् | | १-३०२ । |
| १४२५८ | रामायणम् | वाल्मीकिः<br>टी. का. श्रीरामः | १-१९६, १-१६०, १६०-१९०, १-४, ४-६५, ६५-२५७, १-२५०, २५०-२५६ । |
| १४२५९ | विष्णुपुराणम् | | २९७ । (गणनया) |
| १४२६० | रामायणम् | वाल्मीकिः | २९९ । (गणनया) |
| १४२६१ | भागवतम् सटीकम् | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-८४, १-४२, १-११८, १-९७, १-८३, १-६३, १-६७, १-५८, १-५१, १-१५३, १-१३४, १-१४१, १-४५, १ । |
| १४२६२ | शिवपुराणम् | व्यासः | १-१३५ । |
| १४२६३ | भागवतम् | | १-३१, १-१७, १-५४, १-६५, १-४०, १-४५, १-३३, १-४१, १-३३, १-७८, १-७७, १-५२, १-२२ । |
| १४२६४ | ब्रह्मवैवर्तम् | | ९४-१४७ । |
| १४२६५ | " | | १-१५९, १-१९, १-६२, १-९७ । |
| १४२६६ | बृहन्नारदीयम् | | १-३०, ३२-१२३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·८ × ३ | ६ | ४७ | वङ्ग. | का. | | अपू० | |
| १०·८ × ६·७ | २२ | १७ | दे. ना. | ” | | ” | |
| २१·१ × २ | ४ | १२० | वङ्ग. | ता. प. | श० १५६६ | पू० | विरोधभञ्जिनी, आदिसभाश्वमेधिक-पर्वाणि । |
| ७·९ × ३·७ | ७ | २९ | दे. ना. | का. | १७२४ | अपू० | |
| ८·६ × ६·९ | १६ | ३१ | ” | ” | १७९२ | पू० | |
| १९·२ × ५ | ७ | ६४ | वङ्ग. | ” | | ” | सटिप्पणम्, दशमस्कन्धमात्रम् । |
| १६·८ × ४·४ | ८ | ५० | ” | ” | १६३७ श. | ” | कृष्णजन्मखण्डम् । |
| ११ × ४·७ | १३ | ४६ | दे. ना. | ” | १८९१ | ” | अत्र भागवतस्यार्षत्वमनार्षत्वं विचारितम् । |
| ८·१ × ५·२ | १५ | ३३ | ” | ” | | ” | ” |
| १३·३ × ६·५ | १२ | ४७ | ” | ” | | अपू० | कृष्णजन्मखण्डम्, १-८६ अध्याय-पर्यन्तम् । |
| १३·९ × ६·३ | १० | ५० | ” | ” | | ” | तिलकटीकोपेतम् । आरण्यकिष्किन्धायुद्धोत्तरकाण्डानि । |
| १३·५ × ५·१ | ९ | ४० | ” | ” | १८९९ | पू० | प्रथमतः षष्ठांशपर्यन्तम् । |
| १४ × ७ | १२ | ५७ | ” | ” | | अपू० | |
| १३·४ × ६·४ | ११ | ५५ | ” | ” | १८७४-१८७८ | पू० | |
| ११·१ × ४·७ | ८ | ३५ | वङ्ग. | ” | | ” | उत्तरखण्डम् । |
| १२·७ × ६·४ | १३ | ४५ | दे. ना. | ” | १९०७-१९०९ | ” | १-१२ स्कन्धाः । |
| १२·८ × ६·६ | १२ | ४३ | ” | ” | १८३० | अपू० | कृष्णजन्मखण्डम् । १०३-१३२ अध्यायपर्यन्तम् । |
| १२·९ × ६·६ | १२ | ४४ | ” | ” | १८३१ | ” | १-१३२ अध्यायपर्यन्तम् । |
| १२·७ × ५·५ | १३ | ४७ | ” | ” | | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४२६७ | भागवतम् | | २-९१, १-५४, ४६-१३१ (=१३२) १३३-२८८, १-१५४, १-११५, १-९३ । |
| १४२६८ | ब्रह्मवैवर्तपुराणम् | | १-८८, १०४-३८७ । |
| १४२६९ | भागवततात्पर्यदीपिका | नृहरिः वरदाचार्यात्मजः | २-३१, २-३६, २-४१, २-४२, १-१७, २-१८, १-३९, १-३, २, २-३०, ३५-३७, ३९-४०, ४२, ४५-५२, ५४-५६, ५८-१४३। |
| १४२७० | ब्रह्माण्डपुराणम् | | २८७ । ( गणनया ) |
| १४२७१ | रामायणम् सटीकम् | वाल्मीकिः टी. का. श्रीरामः | १-२२२. १-६०, ६८-४१३, १-२२८, १-२०२, १-२३९, १-५३, ५३-१५२, १५२, १५२, १५३-३२८, ३२८, ३२९-४६२, १-३०९ । |
| १४२७२ | भागवतम् | | २-८६, १-७८, १-७५, १-१३९, १४१-२४३, १-१६९, १-१२, १४-१३८, १-४७ । |
| १४२७३ | हरिवंशः सटीकः | टी. का. नीलकण्ठचतुर्द्धरः | १-४६६, १-७४, ७४-२५० । |
| १४२७४ | योगवासिष्ठसारः | | १-२६ । |
| १४२७५ | रामनाममाहात्म्यम् | | १-४६ । |
| १४२७६ | गङ्गामाहात्म्यम् | सोढदेवः | १-१४ । |
| १४२७७ | देशविभागनिर्णयः | | १ । |
| १४२७८ | कूर्मपुराणम् | | १-६०, ६०-२३८ । |
| १४२७९ | भागवतम् सटीकम् | टी.का. वीरराघवः शैलसुतः | १५१९ । ( गणनया ) |
| १४२८० | " " | टी.का. श्रीधरः | १-८१, १-४३, १-११८, १-९७, १-८४, १-६३, १-६७, १-५८, १-५१, १-१४८, १-१२९, १-१४८, १-४८ । |
| १४२८१ | पातालखण्डम् | | १-३८, ३८-४७, ५४-६०, ६०-९० । |
| १४२८२ | तापीमाहात्म्यम् | | १-२८६ । |
| १४२८३ | द्वारकामाहात्म्यम् | | १-६, ८, ३३-८१, ८३-८५ । |
| १४२८४ | महाभारतम् | | १-१८२ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १६·३ × ८·१ | १६ | ५९ | दे. ना. | का. | १८७१ श. १७३६ | अपू० | १-६ स्कन्धाः। |
| १४·५ × ७ | १२ | ४३ | ” | ” | | ” | कृष्णजन्मखण्डम्। |
| १०·९ × ४·४ | ११ | ४५ | ” | ” | १६६२ | ” | |
| १२·५ × ६·२ | ११ | ४५ | ” | ” | १८७८ | ” | |
| १४·२ × ७·५ | ८ | ४६ | ” | ” | १९०५ | ” | अयोध्याकाण्डादृते सर्वत्र पूर्णम्। |
| १६ × ८·२ | १५ | ५८ | ” | ” | | ” | सटीकम्, ७-१२ स्कन्धपर्यन्तम्। |
| १५·८ × ६ | १३ | ५४ | ” | ” | १८५६ | पू० | |
| ९·१ × ३·९ | ६ | २६ | ” | ” | | ” | |
| ११·६ × ५ | १० | ३४ | ” | ” | १९३५ | ” | |
| ९·५ × ३ | ११ | ३५ | ” | ” | १६५८ | ” | |
| १०·९ × ४·६ | ११ | ३६ | ” | ” | | अपू० | |
| १० × ६·३ | १३ | ३८ | ” | ” | १८३६ | पू० | |
| १३·६ × ७·१ | १७ | ५४ | ” | ” | १८५५-१८५७ | ” | |
| १३·७ × ७·२ | ५२ | १४ | ” | ” | १८४९-१८५२ | ” | |
| १३·२ × ६·८ | १२ | ४७ | ” | ” | | अपू० | स्कन्दपुराणे धर्मारण्यमात्रम्। |
| १०·२ × ६.६ | १० | २३ | ” | ” | १८४१ श. १७०६ | पू० | स्कन्दपुराणे। |
| १३·८ × ७·४ | १३ | ४९ | ” | ” | | अपू० | स्कन्दपुराणे। |
| १० × ४·७ | ११ | ४० | ” | ” | | पू० | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४२८५ | पाण्डुरङ्गमाहात्म्यम् | | १ । |
| १४२८६ | योगवासिष्ठसारः | | १-२३, २३-२५ । |
| १४२८७ | ब्रह्मवैवर्तपुराणम् | | १-४०, १-२२४, १-८८, १-४९ । |
| १४२८८ | आत्मपुराणम् | शङ्करानन्दः | १-१८२ । |
| १४२८९ | ब्रह्मपुराणम् | | १-२४, २४-३११ । |
| १४२९० | काशीमाहात्म्यम् | रघुनाथेन्द्रसरस्वती | १-११ । |
| १४२९१ | बृहन्नारदीयम् | | १-९२, ९२-१३८ । |
| १४२९२ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. वल्लभदीक्षितः | १-४०७ । |
| १४२९३ | गरुडपुराणम् | | ६७-८५, ५६-५९, ९०-१२९, १३२-२०० । |
| १४२९४ | प्रभासखण्डम् | | ३-१९, २१-९१, ९३-३०६, ३०८-४४९ । |
| १४२९५ | भक्तितरङ्गिणी सटीका | वैद्यनाथपायगुण्डे टी. का. बालकृष्णपायगुण्डे | १-४५, ४५-४६, १-१९, १-७, १०-१३०, १-६, ८, ८-३४, १-३७ । |
| १४२९६ | मत्स्यपुराणम् | | १-३१७ । |
| १४२९७ | भागवतम् | | १-१९२, १९४, १-२८, ३०-३२, ३२-४०, ४३-६९ (=७०) ७१-१५२ । |
| १४२९८ | सह्याद्रिखण्डम् | | १-१११, १-१६ (=१७) १८-५२, ५४-६५, ६५-८० । |
| १४२९९ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १-११९ । |
| १४३०० | भागवतटीका | श्रीधरस्वामी | १-२०६ । |
| १४३०१ | मल्लारिमाहात्म्यम् | | १-२१४ । |
| १४३०२ | भागवतम् | | २९६ । (गणनया) |
| १४३०३ | काशीस्थितिचन्द्रिका | सदाशिवः गदाधरसुतः | १-२५७ । |
| १४३०४ | नृसिंहपुराणम् | | १-१६३, १६३-१८१ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·२ × ४·७ | ९ | ५३ | दे. ना. | का. | | अपू० | स्कन्दपुराणे। |
| ९·२ × ४·८ | १२ | ३२ | " | " | १८६८ | पू० | सटीकः। |
| १३ × ६·४ | १५ | ५१ | " | " | १८३९ | " | ब्रह्मकृष्णजन्मप्रकृतिगणेशखण्डात्मकम्। |
| १२ × ५ | १४ | ४७ | " | " | | " | |
| १२·६ × ५·९ | १२ | ४६ | " | " | १८७७ | " | |
| १०·१ × ४·४ | ७ | २७ | " | " | १८८५ | " | |
| १२·४ × ५ | १० | ३९ | " | " | १९३६ | " | |
| १३·७ × ७·२ | १३ | ५२ | " | " | १८५८ | " | तृतीयस्कन्धः। |
| १२·६ × ६·३ | १५ | ४७ | " | " | | अपू० | |
| १३ × ४·९ | ९ | ४६ | " | " | | " | स्कन्दपुराणे। |
| १२ × ५·७ | ११ | ३७ | " | " | १८५० | " | ध्यानोपासनास्तुतिमहिमभक्तीतिपञ्चतरङ्गात्मिका, भागवतोद्धृता ग्र. नि. का. १२१०। |
| १२·७ × ५·१ | १६ | ६७ | " | " | १९०१ | पू० | |
| १४·९ × ५·५ | ९ | ५९ | " | " | | अपू० | दशमस्कन्धात्मकम्, सटीकम्। |
| १४ × ५·५ | १० | ४२ | " | " | १९२० | " | स्कन्दपुराणे। |
| ८·६ × ३·७ | ७ | २१ | " | " | | पू० | स्कन्दपुराणे। |
| ९·५ × ४·४ | १३ | २८ | " | " | १५६६ | " | दीपिका, दशमस्कन्धः। |
| ५·५ × ३·९ | ७ | १२ | " | " | | " | ब्रह्माण्डपुराणोक्तम् |
| ११ × ३·९ | १७ | ७८ | वङ्ग. | " | | अपू० | सप्तमस्कन्धाद् द्वादशस्कन्धान्तम्, सटीकम्। |
| ६·४ × ३·२ | १२ | ४२ | दे. ना. | " | | " | |
| ९·८ × ४·४ | ८ | ३० | दे. ना. | " | | " | |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४३०५ | वाल्मीकिरामायणम् | वाल्मीकिः | १-३३२ । |
| १४३०६ | स्कन्दपुराणम् | | १-४०२ । |
| १४३०७ | हरिवंशः सटीकः | टी.का. नीलकण्ठः | १-२९, २९-२३५, २३५-२८६, २८६-४३८। |
| १४३०८ | हाटकेश्वरमाहात्म्यम् | | ९४-१८९, १८९-३११ । |
| १४३०९ | हालास्यमाहात्म्यम् | | २-१५, ३३-१९६, १९६-१९८, २००, २०२-३१३, ३१५ । |
| १४३१० | मार्कण्डेयपुराणम् | | १-२३५, २३५-२५५, (=२५६) २५७-२७० । |
| १४३११ | अम्बिकाखण्डम् | | २, १८-२९, ८३-३०१ । |
| १४३१२ | शिवरहस्यम् | | १-११४ । |
| १४३१३ | काशीखण्डम् सटीकम् | टी.का. रामानन्दः | २-३९, १०१.१५७, १६७-२०५, २०५-३०५, ३६३-५०१, १९८-२०१, २०३-२३०, २३२-२५१ । |
| १४३१४ | भागवतम् | | २-६३५ । |
| १४३१५ | विष्णुपुराणम् | | १-२९९ (=३००-३०१) ३०२-४५० । |
| १४३१६ | काशीखण्डम् | | १-१६४, १७७-३०० । |
| १४३१७ | भागवतम् | टी.का. वल्लभदीक्षितः | १२९-४३४, ४३६-१००१ । |
| १४३१८ | शिवरहस्यम् | | ३-६७, ६९-११४, २१६-६२८ । |
| १४३१९ | नागरखण्डम् | | १-३१८ । |
| १४३२० | हरिवंशः | | १-३६८, (१-८), ३७९-४८३, ४८३-४८७ । |
| १४३२१ | वाराहपुराणम् | | २-४३, ४३-२५६, २५८, २५८-२९० । |
| १४३२२ | योगवासिष्ठः सटीकः | | ६८-१३८ । |
| १४३२३ | लिङ्गपुराणम् | | १-१९, २१-१७४, १-५१ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·९ × ३·५ | ९ | ३८ | कर्णा. | का. | | पू० | सुन्दरकाण्डम् । |
| १३·९ × ६·४ | ११ | ४६ | दे. ना. | " | | " | हिमवत्खण्डम् । |
| १३·६ × ६·२ | १२ | ४७ | " | " | | " | |
| १२·४ × ९ | १० | ४९ | " | " | | अपू० | स्कन्दपुराणे । |
| १३ × ९·३ | १० | ४१ | " | " | १८३९ | " | स्कन्दपुराणीयागस्त्यसंहितास्थम् । |
| १३ × ९ | ९ | ४४ | " | " | | पू० | |
| १९·४ × ६ | ११ | ५६ | " | " | | अपू० | स्कन्दपुराणीयम् । |
| १३·९ × ९·९ | ९ | ४४ | " | " | | पू० | ईशानाख्यद्वादशांशमात्रम् । |
| १३ × ६ | १३ | ४३ | " | " | | अपू० | स्कन्दपुराणस्थम् । |
| १०·९ × ४·७ | ८ | ३० | " | " | | " | श्लोकविषमव्याख्याश्रीलरूपचैतन्य-मतचन्द्रिकासमेतम् । प्रथमस्कन्धतः द्वादशस्कन्धान्तम् । |
| ११·६ × ९·७ | १२ | ४२ | " | " | | पू० | १-६ अंशाः । सटीकम् । |
| १०·२ × ४·६ | ९ | ३२ | " | " | | अपू० | स्कन्दपुराणीयम् । |
| १३·८ × ९·३ | ९ | ४२ | " | " | १७९९ | पू०* | सुबोधिनीटीकायुतम् । दशमस्कन्ध-पूर्वार्द्धे पञ्चमाध्यायतः प्रारब्धम् । |
| ९·८ × ४·३ | १० | ३१ | " | " | | अपू० | |
| १० × ९·७ | १० | ३१ | " | " | १९०२ | पू० | स्कन्दपुराणान्तर्गतम् । |
| १९·३ × ६·८ | १० | ४२ | " | " | १६२१ | अपू० | |
| १२·४ × ६·९ | १४ | ४९ | " | " | | " | |
| ११·९ × ९ | ११ | ५१ | " | " | १८२२ | " | |
| १३ × ६·३ | १६ | ४७ | " | " | १८८९ | " | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४३२४ | रामायणम् सटीकम् | वाल्मीकिः टी.का.देवरामभट्टः | १-१९२, १-४२१, १-१७५, १-१४६, १-१८३, १-३९५, १-२१६ । |
| १४३२५ | महाभारतम् | | १-१८३, १८५-२९९, २९९ । |
| १४३२६ | इतिहाससमुच्चयः | | १-११८ । |
| १४३२७ | महाभारतम् | | ४ । ( गणनया ) |
| १४३२८ | वराहपुराणम् | | १-१६५ । |
| १४३२९ | सूतसंहिता | | १ । |
| १४३३० | आदिपुराणम् | | ३-४८, ५१-१४७ । |
| १४३३१ | विष्णुपुराणम् | | १-३, ३-६६, ६६-१२४, १३२-२४९ । |
| १४३३२ | शिवरहस्यम् | | १-९५, १७५-३६० । |
| १४३३३ | कुमारिकाखण्डम् | | १-३१ ( =३२ ) ३३-२५१ । |
| १४३३४ | विष्णुपुराणम् | | २-७९ । |
| १४३३५ | गीतामाहात्म्यम् | | १-१२ । |
| १४३३६ | विष्णुपुराणम् सटीकम् | टी. का. रत्नगर्भभट्टाचार्यः | ४-१३३, १३३-२३७, ३०२-३९६, ४०७-४४५ । |
| १४३३७ | भागवतम् " | | १०५-१४७, १-२०, ५३-१२७, १४१-१४२, १४२-१७१ । |
| १४३३८ | महाभारतम् " | टी.का. नीलकण्ठः | ११२-१९५, १९५-२८०, १-१४३, १-५३२, १-३३८, १-७४, ( =७५ ) ७६-२९८, १-१५३, १-५३, १-५५, १-२९, १-९, १-२०, १-५५५, १-२६, २६-२४६, २४६-२७४, १-१३९, १-४१, १-१३, १-७, १-१४ । |
| १४३३९ | भागवतम् " | टी. का. वल्लभदीक्षितः | १-१७९, १८१-२२३, २२३-२३१ । |
| १४३४० | मत्स्यपुराणम् | | १-३९३ । |
| १४३४१ | ब्रह्मवैवर्तपुराणम् | | १-६० । |
| १४३४२ | महाभारतम् | | ३२८ । ( गणनया ) |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १४·१ × ७·२ | १४ | ४२ | दे॰ ना. | का. | १८९८-१८९९ | पू० | विषमपदव्याख्यानसहितम् । केवल-मारण्यकाण्डं नागूजीभट्टकृततिल-कोपेतम् । |
| १६ × ६·८ | ९ | ३८ | ” | ” | १४११ | ”* | आदिपर्व । |
| ११·७ × ५·७ | ११ | ३१ | ” | ” | १७१२ | ” | |
| १०·६ × ५·२ | ११ | ५० | ” | ” | | अपू० | शान्तिपर्व । |
| १२·५ × ५·५ | १० | ४० | ” | ” | १७९९ | पू० | |
| ८·२ × ४ | १० | ३२ | ” | ” | | अपू० | |
| १२ × ६ | १२ | ४२ | ” | ” | | ” | श्रीकृष्णचरितवर्णनात्मकम् । |
| ११·५ × ४·५ | १२ | ४४ | ” | ” | | ” | |
| ९·९ × ४.३ | १७ | ४१ | ” | ” | | ” | |
| १३·५ × ५·२ | ९ | ४० | ” | ” | | पू० | स्कन्दपुराणीयम् । गुप्तक्षेत्रमाहात्म्यम् । |
| १३·७ × ५·८ | १८ | ६९ | ” | ” | | अपू० | सुबोधिनीटीकायुतम् । |
| ७·१ × ४·५ | ७ | १५ | ” | ” | | पू० | |
| १२·३ × ५·४ | १० | ५० | ” | ” | | अपू० | वैष्णवाकूतचन्द्रिकासहितम् । |
| १३·१ × ६·६ | १४ | ४८ | ” | ” | | ” | दशमस्कन्धः । |
| १५·२ × ५·६ | १० | ५२ | ” | ” | १८५६ | ” | विराटोद्योगपर्वविहीनम् । |
| १३·८ × ७·१ | १२ | ५२ | ” | ” | १८५६ | ” | प्रथमस्कन्धः । |
| १३·३ × ७·३ | १३ | ३८ | ” | ” | | ” | |
| १२·८ × ६·५ | ११ | ३९ | ” | ” | | ” | |
| १३ × ५·८ | १४ | ५० | ” | ” | | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४३४३ | स्कन्दपुराणम् | | ६१-६२, ८४-१४६ । |
| १४३४४ | सूतसंहिता | | १-१६, १९-१९९ । |
| १४३४५ | महाभारतम् | कृष्णद्वैपायनो व्यासः | १-७८, १-१६१, १-८८, १-१४३, १-३९, १-२६८, १-७१, १-२११ । |
| १४३४६ | हिमवत्खण्डम् | | १, १-२८१ । |
| १४३४७ | नेपालमाहात्म्यम् | | १-२०, २२-२५, २९-६८, ७३-१०४ । |
| १४३४८ | गीतामाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १४३४९ | योगवासिष्ठः | | २ । गणनया |
| १४३५० | भागवतम् | | १-२ । |
| १४३५१ | लिङ्गपुराणम् | | १-१४१ ( = १४२ ), १४३-२०२, १-६८ । |
| १४३५२ | अध्यात्मरामायणम् | | १-५०, १, १-११९, १-६०, १-६६, १-४४, १-१३८, १-९८ । |
| १४३५३ | चतुःश्लोकीभागवतम् | | १-४ । |
| १४३५४ | महाभारतम् | | १-१८३, १-५९ । |
| १४३५५ | काशीमृतिमोक्षनिर्णयः | सुरेश्वराचार्यः | १-२२ । |
| १४३५६ | महाभारतम | | १-१६७ । |
| १४३५७ | योगवासिष्ठसारः सविवृतिकः | वि.का. महीधरः | १-४० । |
| १४३५८ | योगवासिष्ठः | | १-२ । |
| १४३५९ | सनत्सुजातीयं सटीकम् | टी.का. नीलकण्ठ-चतुर्धरः | १-५० । |
| १४३६० | भागवतम् | | १-४७५, ४७५, १-९७२ । |
| १४३६१ | बृहद्वासिष्ठसारसंग्रहः | | १-१४ । |
| १४३६२ | पद्मपुराणम् | | १-१८२ । |
| १४३६३ | योगवासिष्ठसारसंग्रहः | | १-७ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १९·२ × ६·२ | १४ | ९९ | दे. ना. | का. | १८०९ | अपू० | कुमारिकाखण्डम् । |
| १९·२ × ६·२ | १३ | ३७ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणस्था, यज्ञवैभवखण्डम् । |
| १७ × १०·९ | २१ | ४९ | ” | ” | | पू० | आदिसभावनविराटोद्योगभीष्म-द्रोणकर्णपर्वाणि । सभापर्व सटीकम् । |
| १९·२ × ९·९ | १८ | ४० | ” | ” | | ” | स्कान्दम् । |
| १२·२ × ३·९ | ८ | ४० | ” | ” | | अपू० | स्कन्दपुराणीयहिमवत्खण्डस्थम् । |
| ९·५ × ३·५ | ८ | १६ | ” | ” | | पू० | वाराहपुराणे । |
| ८·१ × ४·३ | ११ | ३० | ” | ” | | अपू० | उत्पत्तिप्रकरणम् । |
| ८ × ४·९ | ९ | ३२ | ” | ” | | पू० | भा. ३ स्कन्धे देवहूतिकपिलसंवादे भगवद्ध्यानम् । |
| १३·४ × ६·६ | १३ | ४५ | ” | ” | १८५० | ” | पूर्वार्द्धमुत्तरार्द्धञ्च । |
| १३ × ६·८ | ११ | ३८ | ” | ” | १८३४ | ” | |
| ५·९ × ४·२ | ७ | १२ | ” | ” | | ” | सप्तश्लोकीगीता च । |
| १२·८ × ६ | ११ | ३९ | ” | ” | | अपू० | आदिपर्व । |
| ८·७ × ३·५ | ६ | ३० | ” | ” | | पू० | |
| १३·८ × ६ | १० | ४२ | ” | ” | १६४२ श. | ” | कर्णपर्व । |
| ९·५ × ४·२ | १० | २८ | ” | ” | १६५४ | ” | |
| ११·५ × ४·९ | १० | ३५ | ” | ” | | अपू० | |
| १२ × ५·४ | ८ | ४२ | ” | ” | १७०२ श. | पू० | महाभारतोद्योगपर्वणि १-५अध्यायाः। |
| १३·५ × ५ | ६ | ५१ | ” | ” | | अपू० | सुबोधिनीटीकायुतम् । दशमोत्तरार्द्धम् । |
| ७·१ × ४·३ | १० | २६ | ” | ” | | पू० | |
| १५·४ × ६·७ | ११ | ५० | ” | ” | | अपू० | सृष्टिखण्डम् । |
| ९·४ × ४·२ | ८ | ३० | ” | ” | | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४३६४ | सप्तश्लोकीभागवतम् | | १-६ । |
| १४३६५ | जगन्नाथस्थितिः | | १-६ । |
| १४३६६ | पद्मपुराणम् | | १-९८, ९८-१३३, १३६-१८९, १९१-१९५, १९५, ७-५५, ६४-८८, ९६-१४७, (१-७), २९९, १०-१३, १५-६८, १३-१८, ३५-६६, ५-८०, १०-३२, १७-१३२, १३४-२११ । |
| १४३६७ | गयामाहात्म्यम् | | १-२१ । |
| १४३६८ | शिवरहस्यम् | | १-१५६, १५६-२५५ । |
| १४३६९ | श्रुत्यध्यायटीकासंग्रहः | रामानन्दतीर्थः | १-२, ४-१० । |
| १४३७० | योगवासिष्ठसारः | | ८-१९ । |
| १४३७१ | चित्रकूटमाहात्म्यम् | | १-३४ । |
| १४३७२ | अधिकमासमाहात्म्यम् | | २-२२ । |
| १४३७३ | भारतसावित्री | व्यासः | १-७ । |
| १४३७४ | मन्त्ररहस्यप्रकाशिका | नीलकण्ठः | १-३, ६ । |
| १४३७५ | काशीखण्डटीका | | १-७ । |
| १४३७६ | रामायणसारः | अग्निवेशमुनिः (?) | १-८ । |
| १४३७७ | रामायणसारसंग्रहः | श्रीनिवासः | १-८२, १०८, ११४-१८७ । |
| १४३७८ | रासपञ्चाध्यायी | | १-४१ । |
| १४३७९ | रुद्राक्षमाहात्म्यम् | | १-६ । |
| १४३८० | रामायणम् | वाल्मीकिः | १ । |
| १४३८१ | माघमाहात्म्यम् | | १-६५ । |
| १४३८२ | ब्रह्मवैवर्त्तपुराणम् | | १-८०, १-१५७, १-१२४, ( = १२५ ) १२६-२५४, २५२-३३६, १-५७ । |
| १४३८३ | मन्त्ररामायणम् | | १-६८ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८·२ × ४ | १६ | १५ | दे· ना. | का. | | पू० | द्वितीयस्कन्धनवमाध्यायस्तथैकादश-स्कन्धसटीकषड्विंशसप्तविंशाध्यायौ च |
| ८·८ × ४·७ | ८ | ३३ | ” | ” | | ” | मुक्तिचिन्तामणौ । |
| १३·५ × ६·६ | १५ | ४८ | ” | ” | | अपू० | उत्तरसृष्टिस्वर्गभूमिपातालखण्डानि । |
| १२.९ × ५·१ | १० | ५३ | ” | ” | | पू० | वायुपुराणीयम् । |
| १४·२ × ७·९ | १८ | ४७ | ” | ” | | अपू० | स्कन्दपुराणान्तर्गतम् । |
| १४·३ × २·६ | ६ | ५७ | ” | ” | १७०५ श. | ” | भागवतवेदस्तुतिटीका । |
| ७·२ × ३·१ | ८ | २४ | वङ्ग. | ” | | ” | आदौ पत्रत्रयं दे. ना. लिखितमवशिष्टं वङ्गाक्षरेणेति । ४-१० प्रकरणानि । |
| १३·५ × ५·५ | १२ | ३७ | दे. ना. | ” | १९०१ | पू० | वाल्मीकिरामायणस्थम् । |
| १२·४ × ६ | १४ | ४५ | ” | ” | १८५८ | अपू० | स्कन्दपुराणोक्तम् । |
| ९·७ × ४·६ | ८ | २१ | ” | ” | | पू० | महाभारतसाररूपा । |
| १३·६ × ६·८ | १७ | ५५ | ” | ” | | अपू० | भागवतव्याख्या । गोकुलकाण्डम् । |
| १२·४ × ६ | १७ | ५६ | ” | ” | | ” | |
| ११·६ × ६·१ | १६ | ४३ | ” | ” | १८७६ | पू० | |
| १०·७ × ४·६ | ७ | ३१ | ” | ” | | अपू० | |
| १०·८ × ४·६ | ८ | ४३ | ” | ” | | पू० | श्रीधरीसहिता । |
| ७ × ४·७ | ११ | २४ | ” | ” | | ” | |
| १२·८ × ६·८ | १९ | ५१ | ” | ” | | अपू० | राजनीतिविषयकव्याख्यापरं पत्र-मिदम् । |
| १२·३ × ४·७ | ९ | ४५ | ” | ” | | पू० | पद्मपुराणान्तर्गतम् । |
| १२·६ × ६·५ | १३ | ४६ | ” | ” | | ” | गणेशब्रह्मप्रकृतिश्रीकृष्णखण्डानि । |
| १३·१ × ५ | ११ | ५१ | ” | ” | | ” | सटीकम् । |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४३८४ | वेदस्तुतिटीका | | १-३, १-२, १-२ । |
| १४३८५ | वासिष्ठलैङ्गोपपुराणम् | | २-२४, २८-५० । |
| १४३८६ | स्यमन्तकोपाख्यानम् | | १-५ । |
| १४३८७ | योगवासिष्ठसारः | | १-२६ । |
| १४३८८ | रामायणसारः | अग्निवेशमुनिः | १-२१ । |
| १४३८९ | " | अप्पय्यदीक्षितः | १-१९ । |
| १४३९० | " | | १-३४ । |
| १४३९१ | राजधर्मः | | १-२२ । |
| १४३९२ | भागवतसारः | | ६-४६, १-९, ९-११. ५-९, ३०-९८,१-१० । |
| १४३९३ | वायुपुराणम् | | १-१२ । |
| १४३९४ | " | | १-१७०, २३०, २३२-३१५, ३१३-३७१ । |
| १४३९५ | भागवतम् | | १-२४, २६-३९, ३९-४०, ४२-५३ । |
| १४३९६ | पाराशरोपपुराणम् | | १-४८ । |
| १४३९७ | पुरुषोत्तममाहात्म्यम् | | १-१६, २६-२७ । |
| १४३९८ | " | | १-४६ । |
| १४३९९ | पुष्करप्रादुर्भावः सटीकः | टी. का. विश्वेश्वरः | १-८१ । |
| १४४०० | मल्लारिमाहात्म्यम् | | १-२१ । |
| १४४०१ | योगवासिष्ठसारः | | २-२६ । |
| १४४०२ | बदरीमाहात्म्यम् | | १-३० । |
| १४४०३ | रामायणम् | | १-३३, २२-२६, १-७०, १-३७, ४०-६४, १-५३, ५५-६९, १-८८, ९९-१११, ११३-१६१ । |
| १४४०४ | भागवतं सटीकम् | टी. का. विश्वनाथचक्रवर्ती | १, ३, ६-७, ९-१९, २१-२३, २५-३१, ३३, ३५-४३ । |
| १४४०५ | " " | टी. का. श्रीधरः | १-१२१, १२१-२२५ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·३ × ४·२ | १५ | ३६ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १० × ४·१ | ७ | ४१ | ” | ” | | ” | |
| ११·८ × ४·६ | ५ | ३७ | वङ्ग. | ” | | पू० | |
| १०·५ × ३·८ | ५ | २७ | ” | ” | | अपू० | |
| ९·२ × ४·२ | ७ | २५ | दे. ना. | ” | १६६० | पू० | |
| ११ × ३·९ | ९ | ६१ | ” | ” | | ” | |
| १०·८ × ५·१ | १२ | ३६ | ” | ” | | ” | |
| ११·५ × ४·८ | १२ | ४८ | ” | ” | १८०३ | ” | |
| १३·८ × ५·३ | ११ | ४१ | ” | ” | | अपू० | |
| १३ × ५·२ | १० | ४२ | ” | ” | | ” | |
| १३·१ × ५ | ९ | ४३ | ” | ” | १८५० | ” | |
| १४·६ × ६ | ११ | ४३ | ” | ” | | ” | तृतीयस्कन्धः । |
| १०·८ × ४·८ | ९ | ३३ | ” | ” | १७१८ | पू० | |
| ९·५ × ४ | १२ | २८ | ” | ” | | अपू० | |
| १२.८ × ४·९ | ११ | ५२ | ” | ” | | पू० | ब्रह्माण्डपुराणस्थम् । |
| १३·९ × ५·८ | १२ | ६० | ” | ” | | ” | हरिवंशस्थः । |
| १३·५ × ६·६ | १६ | ४६ | ” | ” | | ” | |
| ११·३ × ४ | ९ | ४६ | वङ्ग. | ” | | अपू० | सटिप्पणः, १-९ प्रकरणानि । |
| ८·५ × ४ | १२ | २८ | दे. ना. | ” | | पू० | स्कन्दपुराणान्तर्गतम् । |
| १२·१ × ७·२ | १३ | ३९ | ” | ” | १९०५ | अपू० | बालायोध्यारण्यकिष्किन्धासुन्दर-युद्धकाण्डात्मकम् । |
| १६·३ × ५·९ | १८ | ६५ | ” | ” | १८१६ | ” | ६ स्कन्धः । |
| १२·५ × ५·४ | १५ | ७० | वङ्ग. | ” | १६५३ श. | पू० | १० स्कन्धः ( पूर्वोत्तरार्द्धम् ) |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४४०६ | योगवासिष्ठसारः सटीकः | टी. का. महीधरः | १-३३ । |
| १४४०७ | योगवासिष्ठसारः सटीकः | टी. का. महीधरः | १-२१ । |
| १४४०८ | मथुरामाहात्म्यम् सचित्रम् | | १-१५ । |
| १४४०९ | बृहन्नारदीयपुराणम् | | १-९१ । |
| १४४१० | देवीभागवतस्थितिः | विद्यातीर्थः | १-९ । |
| १४४११ | नारदीयपुराणम् | | ६७ । ( गणनया ) |
| १४४१२ | ब्रह्मावर्त्तक्षेत्रमाहात्म्यम | | १-५५ । |
| १४४१३ | योगवासिष्ठम् सटीकम | टी. का. आनन्द-बोधेन्द्रभिक्षुः | १-६५० । |
| १४४१४ | भागवतं सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-६२ । |
| १४४१५ | सेतुमाहात्म्यम् | | १-१५० । |
| १४४१६ | मार्गशीर्षमाहात्म्यम् | | १-६३ । |
| १४४१७ | भागवतम् | | १-११५, १-१०३ । |
| १४४१८ | गणेशखण्डम् | | १-१२७ + २ । |
| १४४१९ | भारतश्रवणविधानम् फलश्रुतिश्च | | १-६ । |
| १४४२० | सत्योपाख्यानम् | | १-२४, २६-५७, १-३२ । |
| १४४२१ | काशीमाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १४४२२ | दशावतारकथा | | १-३ । |
| १४४२३ | पद्माधर्मसंवादः | | १-२ । |
| १४४२४ | पुराणोपपुराणपरिगणनम् | | १-४ । |
| १४४२५ | देविकामाहात्म्यम् | | १-११ । |
| १४४२६ | गीतामाहात्म्यम् | | १-१० । |
| १४४२७ | दशावतारप्रादुर्भावसमयः | | १-४ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७·८ × ४·१ | १० | २० | दे. ना. | का. | १७६२ | पू० | |
| ९·५ × ६·१ | १६ | ३८ | ” | ” | | ” | |
| १२·४ × ६·३ | १८ | ३९ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| १९·७ × ४·५ | ७ | ७८ | ” | ” | | ” | १-३८ अध्यायाः । |
| १०·८ × ४·६ | ९ | ३४ | दे. ना. | ” | | ” | |
| १४ × ३·२ | ९ | ५६ | ” | ” | | अपू० | |
| १० × ४·७ | ८ | ३० | ” | ” | १८८२ | पू० | |
| १३·६ × ६ | १२ | ५९ | ” | ” | १८२८ | ” | वासिष्ठतात्पर्यप्रकाशनाम्नीटीका, निर्वाणप्रकरणमुत्तरार्द्धम् । |
| १२ × ५·९ | १४ | ४७ | ” | ” | | ” | षष्ठस्कन्धः । |
| १९·६ × ४·१ | ९ | ७८ | वङ्ग. | ” | | ” | स्कान्दे, १-५२ अध्यायाः । |
| ९ × ४·१ | ८ | २९ | दे. ना. | ” | १८२७ | ” | |
| १२·४ × ६·४ | ११ | ३२ | ” | ” | १८९८<br>१८६३ श. | ” | दशमस्कन्धपूर्वार्द्धोत्तरार्द्धौ । |
| १४ × ४·७ | ९ | ४९ | ” | ” | १७४८ श. | ” | ब्रह्मवैवर्तपुराणस्थम् । |
| १० × ४ | ११ | ४६ | ” | ” | | ” | हरिवंशे |
| १३·१ × ६·४ | १६ | ४१ | ” | ” | १८८५ | अपू० | |
| १२·३ × ४·७ | १४ | ५२ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| ९ × ३·६ | ८ | ३१ | ” | ” | | ” | |
| ९·८ × ४·१ | ८ | ३२ | ” | ” | | ” | |
| ९·६ × ४·३ | १२ | ३४ | दे. ना. | ” | | ” | |
| १० × ४·६ | ९ | ३६ | ” | ” | १९२० | पू० | पद्मपुराणस्थम् । |
| ४·५ × ३·८ | ६ | ६ | ” | ” | १९२० | ” | वाराहपुराणे । |
| ५·३ × २·४ | ५ | २२ | ” | ” | | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४४२८ | केदारखण्डमाहात्म्यम् | | ९, ४८-५२, ६६-७१, १४०, १४९-१५३, १६३-१७१, १७३-१८३, १९५-२०९ । |
| १४४२९ | मुक्तिक्षेत्रप्रकाशः | भास्करः आपाजिभट्टसूनुः | १-३३ । |
| १४४३० | काशीखण्डम् | | १६-१८, ८०-८४, १०२, १०२-१०३, १०५-१०७, १११-११३ । |
| १४४३१ | सनत्सुजातीयम् | | १-७ । |
| १४४३२ | भागवतकथासंग्रहः | | १-५०, ५६-८३, ८३-८४, ८४ । |
| १४४३३ | भागवतम् सटीकम् | टीकाकारः श्रीधरस्वामी | १-५५ । |
| १४४३४ | ” ” | ” | १-५८, ५८-७५ । |
| १४४३५ | ” ” | टी. का. मधुसूदनः | १-१७ । |
| १४४३६ | ” ” | टी. का. विजयध्वजतीर्थमुनीन्द्रः | १-८३ । |
| १४४३७ | ” | | १-२४ । |
| १४४३८ | भागवतम् | | १-१२, १४, १७-८३ । |
| १४४३९ | ” | | १-१९८ । |
| १४४४० | भक्तिरत्नावली | | १-२३ । |
| १४४४१ | ब्रह्मपुराणम् | | २ । ( गणनया ) |
| १४४४२ | भागवतकथासारः | | १-४१, ४५-४९ । |
| १४४४३ | भागवतानुक्रमणी | बोपदेवः | १-६, १-२, १-३, १-३, १-२, १-२, १-३, १-१२, १-५ । |
| १४४४४ | भागवतम् | | १-४० । |
| १४४४५ | अध्यात्मरामायणम् | | ३-२५, २७-२८, ३०-४० । |
| १४४४६ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-३३, ३३-६६ । |
| १४४४७ | कपिलेश्वरमाहात्म्यम् | | १-४ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·६ × ८·१ | १३ | ४५ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १० × ५·२ | १० | ४० | ” | ” | | पू० | |
| १४·२ × ५·४ | ११ | ५७ | वङ्ग. | ” | | अपू० | |
| १४·३ × ३·६ | ९ | ५८ | ” | ” | | पू० | महाभारतोद्योगपर्वणि। |
| १६·७ × ७ | १२ | ५० | ” | ” | | अपू० | |
| ११·२ × ४·९ | ११ | ३१ | ” | ” | श. १५७५ | पू० | भावार्थदीपिकाटीकासहितम्, प्रथमस्कन्धः। |
| ११ × ४·९ | ११ | ३० | ” | ” | | ” | भावार्थदीपिकासहितम् द्वितीयस्कन्धः। |
| ११·३ × ५·५ | १४ | ४० | ” | ” | | ” | प्रथमस्कन्धीयाद्यपद्यत्रयस्य टीका। |
| १४ × ६ | ९ | ६० | ” | ” | | ” | पदरत्नावलीटीकासहितम्, सप्तमस्कन्धः। |
| १४ × ५.६ | ९ | ५३ | ” | ” | | ” | द्वादशस्कन्धः, १-१३ अध्यायाः। |
| १३·६ × ५·६ | ७ | ४४ | दे. ना. | ” | | अपू० | एकादशस्कन्धे १-३१ अध्यायाः। |
| ६·५ × ४ | ७ | १९ | ” | ” | | पू० | एकादशस्कन्धे १-३१ अध्यायाः। |
| ११·२ × ४·४ | १० | ४९ | ” | ” | १७९५ | ” | |
| १०·५ × ४·९ | १२ | ५० | ” | ” | | अपू० | |
| ११·९ × ४·८ | १२ | ४५ | ” | ” | | ” | |
| ११·७ × ५·३ | ८ | ५१ | ” | ” | | पू० | हरिलीला, १-७, ११-१२ स्कन्धाः। |
| १२ × ५ | १३ | ४५ | ” | ” | | ” | चतुर्थस्कन्धमात्रम्। |
| १२·६ × ४·५ | ९ | ६१ | ” | ” | | अपू० | सटिप्पणम्। अयोध्याकाण्डम्। |
| ९·६ × ४·४ | ९ | ३७ | ” | ” | | पू० | |
| ६.५ × ३·२ | ७ | २६ | ” | ” | | ” | कुमुद्वतीमाहात्म्ये। |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४४४८ | कार्तिकमाहात्म्यम् | | १-१८, २०-३५ । |
| १४४४९ | बहुलोपाख्यानम् | | १-१३, १६-१७ । |
| १४४५० | कार्तिकमाहात्म्यम् | | २-३० । |
| १४४५१ | ” ” | | १-४, ७-१४ । |
| १४४५२ | कामाख्याकवचमाहात्म्यम् | | १-५ । |
| १४४५३ | गायत्रीरामायणम् | | ३ । |
| १४४५४ | तुलसीमाहात्म्यम् | | १-५ । |
| १४४५५ | नारायणवर्म | | १-९ । |
| १४४५६ | नासिकेतोपाख्यानम् | | २, ६-४२ । |
| १४४५७ | पुराणोपपुराणखण्डादि-नामसूची | | ३ । |
| १४४५८ | प्रबोधिन्येकादशीमाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १४४५९ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-१३ । |
| १४४६० | कार्तिकमासमाहात्म्यम् | | १-४८ । |
| १४४६१ | ” ” | | १-४८ । |
| १४४६२ | कार्तिककृष्णैकादशीरमा-माहात्म्यम् । | | १-४ । |
| १४४६३ | ” ” | | १-३ । |
| १४४६४ | श्रावणकृष्णैकादशी-कामिकामाहात्म्यम् । | | १-३ । |
| १४४६५ | एकादशीमाहात्म्यवर्णनम् | | १६-१७, २४-२५ । |
| १४४६६ | शिवसंहिता | | २४ । (गणनया) |
| १४४६७ | काशीखण्डकथासंग्रहः | | १-१५ । |
| १४४६८ | भागवतव्याख्या | | २-१२ । |
| १४४६९ | कलिव्यवहारः | | १-२२ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६·९ × ४·३ | १४ | २५ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ८·५ × ३·९ | ९ | २५ | ” | ” | | ” | इतिहाससमुच्चये । |
| ९·८ × ४·२ | १२ | ४६ | ” | ” | १६७३ | ” | पद्मपुराणस्थम् । |
| ९·६ × ४·१ | ७ | २१ | ” | ” | | ” | |
| ९ × ४·८ | १० | ३६ | ” | ” | | पू० | कालिकापुराणे |
| ५·६ × ३·९ | १० | १४ | ” | ” | | अपू० | |
| ५·५ × ४·४ | १२ | १६ | ” | ” | | पू० | |
| ९·२ × ४·३ | ५ | २२ | ” | ” | | ” | भागवतषष्ठस्कन्धाष्टमाध्यायस्थम् । |
| १०·१ × ४·३ | ९ | ३३ | ” | ” | १८१४ | अपू० | |
| १८·१ × ४·६ | ४३ | १४ | ” | ” | | पू० | |
| ९·८ × ४·८ | १४ | ४७ | ” | ” | | ” | |
| ९ × ४·८ | १२ | ३२ | ” | ” | १८२५ | ” | |
| १०·६ × ३·९ | ९ | ४२ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणस्थम् । |
| ११·६ × ५·५ | १३ | ४० | ” | ” | | ” | ” |
| ९·४ × ४ | ९ | ४१ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्तस्थम् । |
| १० × ४·४ | १० | ३९ | ” | ” | | ” | ” |
| ९.४ × ४ | ८ | ४१ | ” | ” | | ” | ” |
| १२·६ × ४·९ | १३ | ५६ | ” | ” | | अपू० | वराहभविष्योत्तरकूर्मपुराणस्थम् । |
| १०·६ × ५·१ | १२ | ४२ | ” | ” | | ” | |
| १३·५ × ५·६ | ९ | ५३ | वङ्ग. | ” | | पू० | |
| ११ × ७ | १२ | ३८ | दे. ना. | ” | | अपू० | |
| १२·५ × ५ | ९ | ४१ | ” | ” | | पू० | भविष्यपुराणान्तर्गतः । |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४४७० | मूलरामायणम् | वाल्मीकिः | १-१५ । |
| १४४७१ | " " | " | १-१५ । |
| १४४७२ | " " | " | १-१७ । |
| १४४७३ | भागवतम् | | १-६७, १-४८, १-१३, १७-३६, १-३३, १-४१, १-३८, १-१९, २३-१८२ । |
| १४४७४ | " सटीकम् | टी. का. वल्लभाचार्यः | १-२५ । |
| १४४७५ | " | | १-१३०, २१४-२२१ । |
| १४४७६ | " | | १-४२ । |
| १४४७७ | " | | १-५१, १-२७, १-८९ । |
| १४४७८ | " | | १-१४, २० । |
| १४४७९ | " | | १-२६, ३०-७५ । |
| १४४८० | " | | १-१२६ । |
| १४४८१ | विष्णुपुराणम् सटीकम् | टी. का. रत्नगर्भभट्टाचार्यः | १-११७, १-६६, १-४३, १-९४ । |
| १४४८२ | गीतामाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १४४८३ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-४९ । |
| १४४८४ | काशीखण्डम् | | २-२३, २५-३६, ४०-४७, ४७-९६ । |
| १४४८५ | " | | १-६, ८-१५, १७ । |
| १४४८६ | गोपीगीतम् | | १-७ । |
| १४४८७ | गीतामाहात्म्यम् | | १-२, ५ । |
| १४४८८ | कोकिलव्रतमाहात्म्यम् | | ६ ( गणनया ) । |
| १४४८९ | मलिम्लुचव्रतकथा | | १-४ । |
| १४४९० | इतिहाससमुच्चयः | | २७ ( गणनया ) । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६·१ × २·९ | ८ | २४ | दे. ना. | का. | १९०६ | पू० | वाल्मीकिरामायणप्रथमोऽध्यायः। |
| ६·५ × ३·६ | ८ | १७ | ” | ” | | ” | |
| ७·८ × ३·७ | ६ | २२ | ” | ” | १९३१ | ” | बालकाण्डे प्रथमसर्गः। |
| १३·६ × ५·५ | ९ | ५१ | ” | ” | | अपू० | ४-१० स्कन्धाः। |
| १२·२ × ६·४ | ११ | ३७ | ” | ” | | पू० | २ स्कन्धः, अध्यायः १। |
| १०·५ × ५·३ | ११ | ४० | ” | ” | १६४६ | अपू० | दशमस्कन्धः। |
| ११·५ × ५·७ | १० | ३६ | ” | ” | | पू० | दशमस्कन्धे १५ अध्यायपर्यन्तम्। |
| १३·६ × ५·६ | ८ | ३७ | ” | ” | | ” | १-३ स्कन्धाः। |
| ११·२ × ५·७ | १३ | ४४ | ” | ” | | अपू० | द्वितीयस्कन्धः। |
| १३·८ × ५·५ | ९ | ५३ | ” | ” | १८६८ | ” | दशमस्कन्धोत्तरार्द्धम्। |
| १३·६ × ५·५ | ८ | ३७ | ” | ” | | पू० | दशमस्कन्धपूर्वार्द्धम्। |
| ११·७ × ७ | १३ | ४१ | ” | ” | | ” | १-६ अंशात्मकम्, तृतीयांशान्तं सटीकम्। |
| १४ × ४·६ | १० | ४२ | वङ्ग. | ” | | ” | स्कान्दम्। |
| ९·९ × ४·५ | ८ | २७ | ” | ” | | ” | कार्त्तिकव्रतोद्यापनविधिः। सनत्कुमार-संहितास्थम्। |
| १०·२ × ४·५ | १३ | ५१ | ” | ” | | अपू० | उत्तरार्द्धम्। स्कन्दपुराणस्थम्। |
| १० × ४·३ | १३ | ५८ | ” | ” | | ” | पूर्वार्द्धम्। |
| ६·१ × ४·२ | ७ | १५ | ” | ” | | पू० | युगलगीतञ्चापूर्णम्। |
| ११ × ४·८ | १३ | २८ | ” | ” | | अपू० | |
| ८ × ३·८ | १४ | ३१ | ” | ” | | पू० | |
| ८·८ × ३·८ | १० | ३३ | ” | ” | | ” | |
| ९ × ३·३ | ९ | ४४ | ” | ” | | अपू० | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४४९१ | मल्लारिमाहात्म्यम् | | १-६, १-८, १-२, ६, १-७, १-५, १-५, १-८ १-४, १-७, १-५, १-५, १०, १-१६ । |
| १४४९२ | गीतामाहात्म्यम् | | १-६ । |
| १४४९३ | भागवतम् सटीकम् | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-७९ । |
| १४४९४ | ” | ” | १-३ । |
| १४४९५ | श्रवणद्वादशीमाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १४४९६ | पद्मैकादशीमाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १४४९७ | पञ्चक्रोशीयात्रामाहात्म्यम् | | ४-३२ । |
| १४४९८ | पञ्चक्रोशीमाहात्म्यम् | | २-२४ । |
| १४४९९ | ” | | १-१९ । |
| १४५०० | नृसिंहचतुर्दशीकथा | | १-५ । |
| १४५०१ | निर्जलैकादशीमाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १४५०२ | नारायणवर्मोपदेशः | | १-३ । |
| १४५०३ | ” | | १-५ । |
| १४५०४ | काशीमाहात्म्यम् | | १४ (गणनया) । |
| १४५०५ | पुराणदानमाहात्म्यम् | | १-८ । |
| १४५०६ | पौषशुक्लपुत्रदैकादशी माहात्म्यम् | | १-४ । |
| १४५०७ | फाल्गुनशुक्लामर्दकी-माहात्म्यम् | | १-३ । |
| १४५०८ | फाल्गुनशुक्लामर्दक्येकादशी माहात्म्यम् | | १-४ । |
| १४५०९ | योगवासिष्ठसारः | | २-३७ । |
| १४५१० | मलमासपुत्रदैकादशी-माहात्म्यम् | | १-४ । |
| १४५११ | भागवतम् | | १-५६ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६·६ × ४ | ७ | १९ | वङ्ग. | का. | १९०० १७६५ श. | अपू० | ब्रह्माण्डपुराणक्षेत्रखण्डस्थम् । |
| १४·५ × ५·९ | ९ | ३३ | दे. ना. | ” | | पू० | |
| ११·६ × ५·५ | १२ | ३९ | ” | ” | १६४८ | ” | प्रथमस्कन्धः । |
| १२·८ × ६·७ | ११ | ३९ | ” | ” | | अपू० | द्वितीयस्कन्धः । |
| ९·५ × ५ | ११ | ३६ | ” | ” | | पू० | |
| ९·४ × ४ | ८ | २९ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ८·७ × ४·२ | ७ | २० | ” | ” | | अपू० | ब्रह्मवैवर्तस्थम् । |
| १० × ४·५ | ९ | २८ | ” | ” | १८९३ | ” | ” |
| ९·९ × ४·४ | १२ | ३१ | ” | ” | १७६२ | पू० | ” |
| १०·७ × ४·५ | ९ | ३२ | ” | ” | १९०९ | ” | वैशाखशुक्लचतुर्दशी । हेमाद्रौ । |
| ९·७ × ४·४ | १० | ४२ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्तस्थम् । |
| ९·५ × ४·५ | ६ | २३ | ” | ” | १९१७ | ” | भागवतषष्ठस्कन्धाष्टमोऽध्यायः । |
| ९·८ × ३·७ | ७ | ३५ | ” | ” | | ” | ” |
| १२ × ६ | १६ | ४९ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·४ × ४·८ | ९ | ३० | ” | ” | १८८३ | पू० | गौरीतन्त्रस्थम् । |
| १० × ४·४ | १० | ३८ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डस्थम् । |
| ९·८ × ४·३ | १० | ४२ | ” | ” | | ” | ” |
| ९·९ × ४·४ | १० | ३६ | ” | ” | | ” | ” |
| ११ × ४·८ | ८ | ४० | ” | ” | | अपू० | |
| ६·७ × ५·६ | १३ | १४ | ” | ” | | पू० | भविष्योत्तरस्थम् । |
| ९ × ५·४ | १४ | ४३ | ” | ” | १८०६ | ” | एकादशस्कन्धः । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४५१२ | भागवतम् | | १-३ । |
| १४५१३ | " | | ३-४२ । |
| १४५१४ | " | | १-८ |
| १४५१५ | सौरसंहिता | | १-३३ । |
| १४५१६ | ब्रह्मवैवर्तपुराणम् | | १-८१ |
| १४५१७ | " | | १३५-१५६ । |
| १४५१८ | एकादशीमाहात्म्यम् | | ६१-७० । |
| १४५१९ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १-५१ । |
| १४५२० | महाभारतम् | | २४-४८, २२०-२२१, |
| १४५२१ | योगवासिष्ठसारः | वि. महीधरः | १-३४ । |
| १४५२२ | काशीमाहात्म्यसंग्रहः | | १-६२, ६४-७० । |
| १४५२३ | भागवतम् | | १-३५, ३५-६९ । |
| १४५२४ | पौषकृष्णैकादशीमाहात्म्यम् | | १ । |
| १४५२५ | शालग्रामशिलापरीक्षा | | १-६० । |
| १४५२६ | सनत्सुजातीयविवरणम् | शङ्कराचार्यः | १-३२ । |
| १४५२७ | योगवासिष्ठसारः | | १-४, ६-१३ । |
| १४५२८ | योगवासिष्ठसारः | | १-३० । |
| १४५२९ | भागवतम् | | १-३९, १-२१, १-७३ । |
| १४५३० | महाभारतम् | | १-६०, ६४, ८५-९० । |
| १४५३१ | भागवतम् | | १-२६ । |
| १४५३२ | चतुःश्लोकीभागवतम् | टी. का. हरिः | १-२ । |
| १४५३३ | रामायणसारः | अप्पय्यदीक्षितः | १-१२ । |
| १४५३४ | सह्याद्रिखण्डम् | | १-९ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७ × ५·४ | ९ | १८ | दे. ना. | का. | | पू० | एकादशस्कन्धप्रथमाध्यायः |
| ७·२ × ४·७ | ८ | १६ | ” | ” | | अपू० | दशमस्कन्धः। |
| ६·३ × ४·९ | १३ | २५ | ” | ” | | ” | चतुर्थस्कन्धः। |
| ९·९ × ४·३ | १३ | ३३ | ” | ” | | पू० | |
| १२·७ × ६·२ | १६ | ४२ | ” | ” | १७७८ | ” | कृष्णजन्मखण्डम्। तृतीयविभागः। |
| १२ × ४·५ | १२ | ३८ | ” | ” | | अपू० | प्रकृतिखण्डम्। |
| ९·१ × ४·३ | १० | ३४ | ” | ” | | ” | |
| १०.२ × ६·३ | १६ | ३० | ” | ” | १७८० | पू० | स्कान्दे। |
| १३·६ × ५·१ | ११ | ४२ | वङ्ग. | ” | | अपू० | भीष्मपर्व। |
| ९·५ × ६·१ | ११ | २५ | दे. ना. | ” | | पू० | सविवरणः। |
| ७·३ × ४·१ | ९ | ३२(?) | आन्ध्र. | ” | | अपू० | |
| ११·९ × ५·२ | १० | ३८ | दे. ना. | ” | १५७१ | पू० | तृतीयस्कन्धमात्रम्। |
| ९·७ × ४·२ | ६ | २५ | ” | ” | | अपू० | |
| ६·४ × ४·६ | १३ | १६ | ” | ” | १७५४ | पू० | |
| ९·९ × ६·२ | १६ | ३६ | ” | ” | | ” | |
| ७·५ × ३·९ | १० | २८ | ” | ” | | अपू० | |
| ९·४ × ५·१ | १० | २८ | ” | ” | | ” | |
| ११·९ × ५·९ | १३ | ३५ | ” | ” | | पू० | १-३ स्कन्धाः। |
| ११·३ × ५·२ | १३ | ३७ | ” | ” | | अपू० | |
| ११·९ × ५·९ | ११ | ३६ | ” | ” | | ” | ११ स्क. ५ अ. मराठीटीकायुतम् |
| ८ × ५ | १० | २४ | ” | ” | १७९९ श. | ” | मराठीसमश्लोकीयुतम्। |
| ११ × ४·५ | १५ | ५६ | ” | ” | १७२६ | ” | |
| ९·५ × ४·३ | १३ | ४५ | ” | ” | | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४५३५ | भागवतम् | | २-९, १४-६७ । |
| १४५३६ | " | | १-१८ । |
| १४५३७ | भगवद्गीतामाहात्म्यम् | | १-८ । |
| १४५३८ | आत्मपुराणम् | | ५-१३ । |
| १४५३९ | भागवतम् सटीकम् | टी.का.श्रीधरस्वामी | १, ३-१२, ९ । |
| १४५४० | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-७५, १-३८, १-११८, २-५५, ७४-९८, १-५६, १-८, १०-५६, १-४७, १-५६, १-१४२, १-४६ । |
| १४५४१ | शिवसंहिता | | १-३६, ३८-४३, ६२-६५, ६७-७१ । |
| १४५४२ | विश्वेश्वरमाहात्म्यम् | | १-२२ । |
| १४५४३ | विराटपर्वपदार्थचन्द्रिका | | १-१८, १८-४१ । |
| १४५४४ | रामायणसारम् | अग्निवेशमुनिः | १-८ । |
| १४५४५ | रामायणतत्त्वदीपिका | महेश्वरः (महेशः) | १-६७, ४-११४, ११, १३-२१, २४ । |
| १४५४६ | भगवन्नाममाहात्म्यम् | | १-३४ । |
| १४५४७ | चैत्रमासमाहात्म्यम् | | २-१५ । |
| १४५४८ | मल्लारिमाहात्म्यम् | | १-३४ । |
| १४५४९ | काशीखण्डम् | | २-५० । |
| १४५५० | रेवाखण्डम् | | १ । |
| १४५५१ | काशीखण्डम् | | १२ ( गणनया ) । |
| १४५५२ | नागरखण्डम् | | १-७८ । |
| १४५५३ | हरिवंशः | | २३-५० । |
| १४५५४ | " | | १-५ । |
| १४५५५ | " | | ३७-५४ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·५ × ४·२ | ९ | ३७ | दे॰ ना॰ | का॰ | | अपू॰ | |
| १२·३ × ६·४ | १५ | ४८ | ” | ” | | पू॰ | वेदस्तुतिमात्रम्, सटीकम्। |
| ५·४ × ३·४ | ७ | १२ | ” | ” | | ” | पाद्मम्। |
| ९·६ × ४·६ | १२ | ३२ | ” | ” | | अपू॰ | |
| ७·४ × ४·४ | ११ | २८ | ” | ” | | ” | १० स्कन्धे १३ अध्यायः। |
| ११·८ × ५·८ | १४ | ४४ | ” | ” | | ” | १-४, ६-९, ११-१२, स्कन्धाः। |
| ९·३ × ४·४ | ११ | २८ | ” | ” | १७४४ | पू॰ | विश्वरूपदर्शनम्, रामसहस्रनाम, मातृकानिघण्टुः, रामगीता, रामोत्तरतापिन्युपनिषत्, सामुद्रिकं रामोपासना च। |
| ११·२ × ४·४ | १० | ४१ | ” | ” | | अपू॰ | स्कन्दपुराणीयकाशीखण्डस्थम्। |
| ८·९ × ३·९ | १४ | ३७ | ” | ” | | पू॰ | |
| ११·८ × ५·१ | १३ | ४७ | ” | ” | १८५१ | ” | |
| ११·६ × ५·३ | १० | ४३ | ” | ” | | अपू॰ | युद्धकाण्डम्। |
| १०·३ × ४·७ | ९ | ३१ | ” | ” | | पू॰ | |
| ९·८ × ४·४ | ८ | २७ | ” | ” | | अपू॰ | स्कन्दपुराणीयहिमवत्खण्डस्थम्। |
| १३ × ६·५ | ११ | ४४ | ” | ” | | पू॰ | ब्रह्माण्डपुराणीयक्षेत्रखण्डस्थम्। |
| १०·१ × ४·५ | ९ | ३२ | ” | ” | | अपू॰ | |
| ८·४ × ४·९ | १० | ४१ | ” | ” | | ” | |
| १३·५ × ५·७ | १० | ४७ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणीयम्, गङ्गावर्णनम्। |
| १२·६ × ४·८ | १३ | ५७ | ” | ” | | ” | |
| १३·८ × ५·४ | ९ | ४१ | ” | ” | | ” | |
| १२·३ × ४·८ | १२ | ४५ | ” | ” | | ” | कैलासयात्रा। |
| १२ × ४·८ | १० | ५७ | ” | ” | १८२८ | ” | ” |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४५५६ | विनायकमाहात्म्यम् | | १-२४, २४-५७ । |
| १४५५७ | हरिवंशः सटीकः | टी.का. नीलकण्ठः | १-८५ । |
| १४५५८ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | ४-६४ । |
| १४५५९ | रेणुकामाहात्म्यम् | | १-६४ । |
| १४५६० | आनन्दकाननमाहात्म्यम् | | २-८ । |
| १४५६१ | भागवतमाहात्म्यम् | | १-२६ । |
| १४५६२ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-४२, ४४-४७, ४६ । |
| १४५६३ | आमलीग्राममाहात्म्यम् | | १-१०६, ११०-११३, ११६-११७ । |
| १४५६४ | शिवपुराणम् | | १-१२, १६-१०९ । |
| १४५६५ | हरिवंशः | | ८७-९० । |
| १४५६६ | भागवतम् | | ४-२८ । |
| १४५६७ | माघमासमाहात्म्यम् | | १-५१ । |
| १४५६८ | वेदस्तुतिव्याख्या | कविचूडामणि-चक्रवर्ती | १-३१ । |
| १४५६९ | रामायणसारः | अग्निवेशमुनिः | १-१८ । |
| १४५७० | महाभारतकूटश्लोकटीका | विमलबोधः | १-४४ । |
| १४५७१ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-७ । |
| १४५७२ | तत्त्वदीपः | वल्लभाचार्य-दीक्षितः | १-३१ । |
| १४५७३ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-८४ । |
| १४५७४ | जन्माद्यस्येतिश्लोकव्याख्या | जयरामगावलिः | १-३ । |
| १४५७५ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. वल्लभदीक्षितः | १-१०८ । |
| १४५७६ | अध्यात्मरामायणम् | | १-७१ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३ × ६·४ | १० | ३५ | दे. ना. | का. | | पू० | स्कन्दपुराणे । |
| १०·५ × ५ | १२ | ४७ | ” | ” | १८९६ | ” | वामनप्रादुर्भावेद्विसप्ततितमेऽध्याये ६५ श्लोकमारभ्यहरिवंशश्रवण-फलान्तभागः । |
| १३·२ × ७ | १२ | ५९ | ” | ” | १४४८ | अपू० | स्कन्दपुराणीयम् । |
| १५·७ × ५·८ | १२ | ३९ | ” | ” | | पू० | स्कन्दपुराणीयसह्याद्रिखण्डस्थम् । |
| ८ × ४·२ | ५ | २३ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·४ × ५·५ | १२ | ३९ | ” | ” | १८३६ | पू० | |
| १२·९ × ६·४ | १० | ३१ | ” | ” | १८७२ | अपू० | द्वादशस्कन्धः । |
| १५·५ × ५·९ | १२ | ५७ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणीयसह्याद्रिखण्डस्थम् । |
| ९·८ × ४·२ | १२ | ३९ | ” | ” | | ” | |
| १२·४ × ५·६ | ११ | ४६ | ” | ” | | ” | त्रिपुरवधहरिवंशवृत्तान्तसंग्रहः । |
| ११·७ × ६·६ | १० | ३४ | ” | ” | | ” | दशमस्कन्धैकादशाध्यायपर्यन्तम् । |
| ११·९ × ५ | १२ | ४२ | ” | ” | | पू० | वसिष्ठदिलीपसंवादरूपम् । |
| १३·५ × ६·६ | १२ | ३८ | ” | ” | १८९० | ” | |
| ८·३ × ४·३ | ७ | ३० | ” | ” | | ” | |
| ११·१ × ५·४ | १६ | ५४ | ” | ” | १८२९ | ” | |
| १२·६ × ५·३ | ९ | ३५ | ” | ” | | ” | बालकाण्डम् , १ सर्गः । |
| ११·१ × ४·९ | १६ | ४७ | ” | ” | १७८५ | ” | ५ स्कन्धस्य १३५ श्लोकतः १२ स्कन्धसमाप्तिं यावत् । |
| १०·९ × ४·६ | १५ | ५६ | ” | ” | | ” | तृतीयस्कन्धः । |
| ९·७ × ४·२ | १४ | ४९ | ” | ” | | ” | भागवते । |
| १३·४ × ५·४ | ८ | ४३ | ” | ” | | ” | दशमस्कन्धे १६-२५ अ० । |
| १३·१ × ५ | ९ | ५५ | ” | ” | १७६० | ” | युद्धकाण्डोत्तरकाण्डे । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४५७७ | गणेशपुराणम् | | १-१६८, १-१०४, १०६-१२५, १२५-१३२, १३४-१९२ । |
| १४५७८ | गीतामाहात्म्यम् | | ३ ( गणनया ) । |
| १४५७९ | अध्यात्मरामायणम् सेतुटीकायुतम् | टी.का. रामवर्मा | १-३९, १-४७, १-३९, १-४६, १-२९, १-९८, १-५, ५-६९ । |
| १४५८० | गीतामाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १४५८१ | भागवतटीका 'सारबोधिनी' | | १-२८ । |
| १४५८२ | भागवतम् | | ४-४३ । |
| १४५८३ | " | | १७७ ( गणनया ) । |
| १४५८४ | रासक्रीडा | | १-४ । |
| १४५८५ | ललितोपाख्यानम् | | १-३२ । |
| १४५८६ | वायुपुराणम् | | १ । |
| १४५८७ | गीतामाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १४५८८ | अष्टावक्रीयाख्यानम् | | १-१३ । |
| १४५८९ | फाल्गुनशुक्लद्वादश्यामामर्दकीमाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १४५९० | आश्विनशुक्लपापाङ्कुशैकादशीमाहात्म्यम् | | १ । |
| १४५९१ | आषाढशुक्लैकादशीमाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १४५९२ | " | | २१-२३ । |
| १४५९३ | पाण्डुरङ्गमाहात्म्यम् | | १ । |
| १४५९४ | भागवतमाहात्म्यम् | | १-१८ । |
| १४५९५ | कोकिलामाहात्म्यम् | | १-१८, २६ । |
| १४५९६ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-१२ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·८ × ६·३<br>१४ × ७·६ | ११<br>१६ | ३६<br>४४ | दे ना. | का. | १८२७ | अपू० | पूर्वार्द्धोत्तरार्द्धरूपम् । |
| ७·९ × ४·७ | १९ | १३ | ” | ” | | पू० | |
| १२·६ × ६·६ | १४ | ४० | ” | ” | १८४६ | ” | |
| १०·२ × ४·६ | ११ | ३७ | ” | ” | | ” | स्कान्दे । |
| १२·५ × ४·७ | ११ | ५० | ” | ” | | अपू० | तृतीयस्कन्धे षडध्यायांशान्ता । |
| १२·८ × ५·१ | ८ | ३४ | ” | ” | | ” | सटीकम् । स्क० १० पू० ? अ० ४३ । |
| १४·१ × ५·५ | ८ | ३५ | ” | ” | | ” | दशमस्कन्धपूर्वार्द्धम् । |
| ९·८ × ३·६ | १० | ३९ | ” | ” | | पू० | टिप्पणीसहिता । भागवत-दशमस्कन्धपूर्वार्द्धे ३१ अध्याये । |
| ९·६ × ४·२ | ११ | ४४ | ” | ” | | अपू० | ब्रह्माण्डोत्तरपुराणस्थम् । |
| १२·४ × ६·४ | १२ | ४४ | ” | ” | | ” | |
| ९·९ × ४·२ | ११ | २३ | ” | ” | | ” | वाराहपुराणे । |
| १३·२ × ५·४ | १२ | ५२ | ” | ” | | ” | महाभारतारण्यपर्वस्थम् । |
| ९·२ × ४·१ | १० | ४० | ” | ” | | पू० | |
| १०·१ × ४·२ | १० | ३९ | ” | ” | | अपू० | |
| ९·६ × ४·३ | १० | ३२ | ” | ” | | पू० | |
| १२·४ × ४·९ | १३ | ५१ | ” | ” | | अपू० | भविष्योत्तरपुराणस्थम् । |
| १३·४ × ७ | १४ | ६६ | ” | ” | | ” | |
| १३·४ × ६·४ | १३ | ६२ | ” | ” | १८७५ | पू० | पद्मपुराणान्तर्गतम् । |
| १३·५ × ७·३ | १३ | ४२ | ” | ” | | अपू० | स्कन्दपुराणीयकनकाद्रिखण्डे । |
| १२·९ × ५·९ | १४ | ४३ | ” | ” | | ” | टिप्पणीसहितम् । युद्धकाण्डे १७ सर्गः, १८ सर्गस्य श्लोकाः १४ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४५९७ | आषाढशुक्लैकादशी-माहात्म्यम् | | १ । |
| १४५९८ | बाणगङ्गामाहात्म्यम् | | २-३, ८-९ । |
| १४५९९ | काशीखण्डकथासंग्रहः | | १-८ । |
| १४६०० | शङ्खमाहात्म्यम् | | १ । |
| १४६०१ | शरभकथा | | ६४ ( गणनया ) । |
| १४६०२ | गरुडपुराणम् | | १-६५ । |
| १४६०३ | गयामाहात्म्यम् | | १-१२ । |
| १४६०४ | " | | १-१९ । |
| १४६०५ | " | | १-३१ । |
| १४६०६ | कृष्णजन्मकथा ? | | १, १, ३-११ । |
| १४६०७ | काशीसारोद्धारः | | १-८, ८-२०, २५-३२ । |
| १४६०८ | काशीमाहात्म्यम् | | १-२३ । |
| १४६०९ | काशीप्रादुर्भावः | | २ ( गणनया ) । |
| १४६१० | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-४० । |
| १४६११ | " | | १-५ । |
| १४६१२ | कार्त्तिकमासमाहात्म्यम् | | २३-२४, २९-४० । |
| १४६१३ | राजगृहमाहात्म्यम् | | १-८ । |
| १४६१४ | रामायणभारतयोरावश्यक-पद विवरणम् | | १-८ । |
| १४६१५ | लिङ्गपुराणम् | | ७१ ( गणनया ) । |
| १४६१६ | गीतामाहात्म्यम् | | १-२८ । |
| १४६१७ | वायवीयसंहिता | | ७६ ( गणनया ) । |
| १४६१८ | कार्त्तिकमासमाहात्म्यम् | | ६-३१, ३१-७६ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·९ × ४·३ | १० | ४४ | दे. ना. | का. | | अपू० | ब्रह्मपुराणे । |
| ९·३ × ४ | ६ | ३४ | ” | ” | | ” | |
| १४·१ × ५·३ | ८ | ५२ | ” | ” | | ” | |
| ७ × ४·४ | १५ | ३२ | ” | ” | | ” | |
| ५·४ × ४·९ | ९ | १५ | ” | ” | | ” | |
| ११·१ × ५·६ | १३ | ३४ | ” | ” | १८७१ | पू० | |
| ८·९ × ४·१ | १० | ३९ | ” | ” | १८६१ | ” | गरुडपुराणस्थम् । |
| १०·२ × ४·७ | ११ | ४२ | ” | ” | | ” | वायुपुराणस्थम् । १-८ अध्यायाः । |
| ९·३ × ४·२ | ९ | ३१ | ” | ” | | अपू० | ” |
| ९·८ × ४·४ | १२ | ५९ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्ते । |
| १० × ४·५ | ९ | ३८ | ” | ” | | ” | सर्वपुराणस्थः । |
| १२·७ × ५ | १० | ५२ | ” | ” | | पू० | पद्मपुराणोक्तम् । १-५ अध्यायाः । |
| ९ × ३·९ | ८ | ३४ | ” | ” | | अपू० | ब्रह्मवैवर्तोत्तरखण्डे । |
| ८·७ × ३·९ | १० | ३२ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणस्थम् । |
| १०·२ × ४·५ | ८ | ३१ | ” | ” | | ” | सनत्कुमारसंहितास्थम् । |
| ९·८ × ४·३ | ९ | ४५ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणस्थम् । |
| १०·४ × ४·८ | ११ | ४२ | ” | ” | १८६५ | पू० | |
| १०·४ × ४·४ | १४ | ४६ | ” | ” | १७१८ | ” | |
| १०·५ × ५·२ | १२ | ४५ | ” | ” | | अपू० | |
| ८·२ × ५·३ | १८ | ३६ | ” | ” | १८७१ | पू० | पाद्मे । |
| १०·६ × ५ | १२ | ४१ | ” | ” | | अपू० | |
| १०·४ × ४·६ | १० | २५ | ” | ” | | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४६१९ | अध्यात्मरामायणम् | | १-१५ । |
| १४६२० | इतिहाससमुच्चयः | | १-२, ५-१४, १६-४०, ४५-१०३ । |
| १४६२१ | इन्दिरैकादशीव्रतमाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १४६२२ | इन्दिरामाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १४६२३ | इन्दिराव्रतमाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १४६२४ | इन्दिरैकादशीमाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १४६२५ | गीतामाहात्म्यम् | | १-५ । |
| १६६२६ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १४६२७ | गीतामाहात्म्यम् | | १-२३, २३-४४ । |
| १४६२८ | जैमिनिभारतम् | | १-२० । |
| १४६२९ | मार्कण्डेयपुराणम् | | १-६, ६-१९४ । |
| १४५३० | अध्यात्मरामायणम् | | १-४२, १-४६, १-३१, १-२७, २७-३६, १-१८, १-५६, १-१२, २७-४२ । |
| १४६३१ | अजैकादशीपुत्रदैकादशी-माहात्म्यम् | | २-३ । |
| १४६३२ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १-१७ । |
| १५६३३ | अद्भुतरामायणम् | वाल्मीकिः | १-२३, २३-३६ । |
| १४६३४ | अध्यात्मरामायणम् | | ५०-६९ । |
| १४६३५ | ” | | १-२३ । |
| १४६३६ | गीतामाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १४६३७ | अगस्त्यसंहितापरमरहस्यम् | | ३९, ४८-६५ । |
| १४६३८ | फाल्गुनशुक्लामर्दकी-माहात्म्यम् | | २ ( गणनया ) । |
| १४६३९ | वैशाखमाहात्म्यम् | | १-६८ । |
| १४६४० | वेदपारायणमाहात्म्यम् | | १-३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·२ × ९ | ९ | ५० | दे. ना. | का. | | पू० | सुन्दरकाण्डम् । |
| ११·१ × ४·७ | ९ | ३५ | ” | ” | | अपू० | |
| ९·५ × ४·१ | ९ | ४० | ” | ” | | ” | आश्विनकृष्णैकादशीमाहात्म्यम् । |
| १० × ४·३ | १० | ३९ | ” | ” | | पू० | |
| ९·८ × ४·२ | १२ | ३२ | ” | ” | | ” | |
| ९·३ × ४ | ९ | ४१ | ” | ” | | ” | |
| ६·१ × ४ | ९ | २१ | ” | ” | १६६२ श. | ” | स्कान्दे । |
| ११·७ × ५·६ | १० | ३६ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणस्थम् । |
| १२·७ × ४·८ | ९ | ४३ | ” | ” | | ” | पाद्मे । |
| १२ ७ × ४·८ | १० | ५५ | ” | ” | | अपू० | अश्वमेधपर्वणि अ० १० श्लोकाः ३२ । |
| १२·७ × ५·८ | १३ | ४३ | ” | ” | १५७९ | पू० | |
| १२·५ × ६·५ | १२ | ४७ | ” | ” | | अपू० | बालायोध्यारण्यकिष्किन्धासुन्दर-युद्धोत्तरकाण्डानि । |
| १० × ४·३ | ७ | ३४ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डभविष्ययोः क्रमेण । |
| १०·१ × ३·६ | ६ | ३९ | ” | ” | | पू० | स्कन्दपुराणान्तर्गतम् । ६,७ अध्यायौ । |
| १२·४ × ७·१ | १३ | ३८ | ” | ” | १८४१ | ” | |
| १३·३ × ५·२ | ९ | ५६ | ” | ” | | अपू० | आरण्यकाण्डम् । |
| १३ × ५ | ९ | ४५ | ” | ” | | पू० | किष्किन्धाकाण्डम् । |
| ७·६ × ३·७ | २१ | ४६ | ” | ” | | ” | गीतास्तोत्रमपि स्कान्दम् । |
| १२ × ६·२ | १० | ४० | ” | ” | | अपू० | |
| ९·७ × ४·७ | ९ | २७ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डे । |
| ९·६ × ४·३ | १० | ४८ | ” | ” | १८३७ | पू० | स्कन्दपुराणस्थम् । |
| ८·९ × ३·९ | ८ | ३० | ” | ” | | ” | भविष्योत्तरपुराणस्थम् । |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४६४१ | फाल्गुनपूर्णिमामहोत्सवः | | १-६ । |
| १४६४२ | द्वारकामाहात्म्यम् | | १-९६ । |
| १४६४३ | भागवतामृतम् | | १-३०, ३७-१३९ । |
| १४६४४ | प्रयागमाहात्म्यम् | | २ ( गणनया ) । |
| १४६४५ | वेणुगीतम् सटीकम् | टी. का. रामकृष्णमिश्रः | १-४९ । |
| १४६४६ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | २-२३, २६-४६, ६१-८४ । |
| १४६४७ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-३८ । |
| १४६४८ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | ५४-७०, ७२-७८ । |
| १४६४९ | ” ” | ” | ३०-६१, ६३-७१, ७३, ७३ । |
| १४६५० | ” | | १-२२, १-१०, १-१३, १५-३७, १-३४, १-२६, १-१८, १८-२१, १-२१, १-२६, १-२६, १-६०, १-६०, १३९, १-१७ । |
| १४६५१ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-१० । |
| १४६५२ | ” | | १-१० । |
| १४६५३ | प्रबोधिन्येकादशी-माहात्म्यम् | | १-४ । |
| १४६५४ | कार्त्तिकीयहरिप्रबोधिन्ये-कादशीमाहात्म्यम् | | १-७ । |
| १४६५५ | कार्त्तिकशुक्लपक्षीयप्रबो-धिन्येकादशीमाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १४६५६ | हरिप्रबोधिन्येकादशीव्रतम् | | १-५ । |
| १४६५७ | भाद्रशुक्लैकादशीकामिका-माहात्म्यम् | | १-३ । |
| १४६५८ | पौषशुक्लैकादशीपुत्रदा-माहात्म्यम् | | १-४ । |
| १४६५९ | पौषकृष्णैकादशीमाहात्म्यम् | | ३-४ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·३ × ४ | ८ | २९ | दे. ना. | का. | | पू० | भविष्योत्तरे। |
| १०·५ × ४·८ | ९ | ३८ | ” | ” | १७५१ | ” | स्कान्दे, प्रह्लादोक्तम्। |
| १२·५ × ६·३ | १३ | ३३ | ” | ” | | अपू० | दिग्दर्शिनीसहितम् पूर्वखण्डम्। |
| ९·८ × ३·९ | १२ | ३० | ” | ” | | ” | मत्स्यपुराणे। |
| १२·२ × ५·७ | ९ | २९ | ” | ” | | पू० | भागवते १० सं० २१ अध्यायः। |
| १०·५ × ५·५ | ११ | ३३ | ” | ” | १६२१ | अपू० | द्वितीयस्कन्धः। |
| ८·५ × ३·७ | १० | ३४ | ” | ” | | ” | ब्रह्मपुराणे। |
| १३·४ × ५·९ | ११ | ५६ | ” | ” | | ” | प्रथमस्कन्धः। |
| १२·३ × ६·८ | १५ | ३८ | ” | ” | | ” | ” |
| ११·६ × ६ | १५ | ३४ | ” | ” | १७३८ श. | पू० | प्रथमस्कन्धतोद्वादशस्कन्धान्तम्। |
| १० × ३·९ | १३ | ३३ | ” | ” | | अपू० | मत्स्यपुराणे। |
| ९·७ × ५ | १३ | ३५ | ” | ” | १८५१ | पू० | ” |
| १० × ४·४ | १० | ४० | ” | ” | | ” | |
| ८·७ × ४·२ | ९ | २८ | ” | ” | | अपू० | |
| ९·४ × ४ | ९ | ४१ | ” | ” | | पू० | स्कान्दे। |
| ९·८ × ४·२ | १० | ३५ | ” | ” | १८५३ | ” | स्कन्दपुराणस्थम्। |
| ९·३ × ४ | ९ | ३८ | ” | ” | | ” | |
| ९·३ × ४ | ९ | ३९ | ” | ” | | अपू० | ब्रह्माण्डपुराणस्थम्। |
| ९·३ × ३·९ | ९ | ४३ | ” | ” | | ” | सौपर्णपुराणस्थम्। |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४६६० | पौषकृष्णैकादशीमाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १४६६१ | पुष्करमाहात्म्यम् | | १-४० । |
| १४६६२ | पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम् | | १-३१ । |
| १४६६३ | ,, | | १-५ । |
| १४६६४ | ,, | | १-३९ । |
| १४६६५ | पापाङ्कुशैकादशीमाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १४६६६ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-११ । |
| १४६६७ | भविष्यपुराणम् | | १-१२ । |
| १४६६८ | शाम्बपुराणम् | | ११७ ( गणनया ) । |
| १४६६९ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-१४ । |
| १४६७० | भूखण्डम् | | ५३, ५३, ५७-५९, ६, (६०) ६१ । |
| १४६७१ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-६१, ६१-१०० । |
| १४६७२ | अयोध्याखण्डम् | | २-६२ । |
| १४६७३ | सभापर्वोद्योगपर्वटीका | | २-६१ । |
| १४६७४ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १३२ ( गणनया ) । |
| १४६७५ | महाभारतम | | ९० ( गणनया ) । |
| १४६७६ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. वल्लभदीक्षितः | १-१२८ । |
| १४६७७ | ,, ,, | ,, | १-१६५ । |
| १४६७८ | ,, | | १-११८ । |
| १४६७९ | ,, सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-४३ । |
| १४६८० | ,, ,, | ,, | १-९७ । |
| १४६८१ | ,, ,, | ,, | १-९७ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·१ × ४·४ | १० | ४० | दे. ना. | का. | | पू० | सौपर्णपुराणस्थम् । |
| १०·२ × ४·९ | १० | ३० | ” | ” | | ” | पद्मपुराणस्थम् । |
| १२·९ × ४·९ | ९ | ४२ | ” | ” | १८६१ | ” | स्कन्दपुराणस्थम् । |
| १३·३ × ५·४ | १२ | ४० | ” | ” | | अपू० | ” |
| १०·९ × ४·७ | १२ | ४३ | ” | ” | १७४१ | पू० | |
| ९·४ × ४ | ९ | ४४ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्तस्थम् । |
| ८·६ × ४·२ | १४ | ४१ | ” | ” | | अपू० | मत्स्यपुराणस्थम् । |
| १०·६ × ४·४ | ८ | ४५ | ” | ” | | ” | |
| ११·४ × ५·१ | ९ | ३२ | ” | ” | १८१२ | ” | |
| ८·१ × ५ | ९ | २१ | ” | ” | | ” | |
| १३·४ × ५·१ | ९ | ४४ | ” | ” | १८८७ | ” | स्कन्दपुराणीयम् । |
| १२·९ × ६·५ | १३ | ४४ | ” | ” | १८४१ | पू० | पद्मपुराणीयपातालखण्डस्थम् । |
| १३·६ × ५·२ | ९ | ४९ | ” | ” | | अपू० | स्कन्दपुराणीयम् । |
| ९ × ३·९ | १४ | ४४ | ” | ” | | ” | |
| ११·५ × ५·२ | ११ | ४० | ” | ” | १६४१ | पू० | उत्तरकाण्डम । गोस्वामितुलसीदास-लेखापितम् । |
| २० × १·४ | ३ | १२५ | वङ्ग. | ताल. | | अपू० | विराटपर्व । |
| १३·२ × ६·५ | १० | ४३ | दे. ना. | का. | | पू० | दशमस्कन्धचतुर्थाध्यायान्तम् । |
| १३·७ × ७·१ | १४ | ४८ | ” | ” | १८५७ | ” | द्वितीयस्कन्धः । |
| १३·६ × ५·४ | १२ | ६१ | ” | ” | | ” | तृतीयस्कन्धः । |
| १६ × ७·३ | १० | ५३ | ” | ” | | ” | भावार्थदीपिकायुतम् द्वितीयस्कन्धः । |
| १४·९ × ५·८ | ११ | ५३ | ” | ” | १७१४ | ” | भावार्थदीपिकायुतम् चतुर्थस्कन्धः । |
| १६·२ × ७·५ | ११ | ५३ | ” | ” | | ” | ” ” |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४६८२ | तत्त्वदीपः | वल्लभदीक्षितः | १-४५ । |
| १४६८३ | गर्गसंहिता | | ३९१ ( गणनया ) । |
| १४६८४ | आनन्दकाननमाहात्म्यम् | | १-६ । |
| १४६८५ | अध्यात्मरामायणम् | | १-२०, १-३० । |
| १४६८६ | तत्त्वदीपः | वल्लभाचार्यः | १-१०९ । |
| १४६८७ | भागवतटीकाप्रथमश्लोक-विवरणम् | वल्लभः | १-२ । |
| १४६८८ | क्रियायोगसारः | | १-१०६ । |
| १४६८९ | इतिहाससमुच्चयः | | १-२०, २२-५१ । |
| १४६९० | गारुडमहापुराणम् | | १-५५, ६६-६८ । |
| १४६९१ | गीतामाहात्म्यम् | | १-४२ । |
| १४६९२ | वायवीयसंहिता | | १-५ । |
| १४६९३ | " सटीका | टी. का. श्रीधरः | १-१४८ । |
| १४६९४ | तत्त्वदीपः | वल्लभाचार्यः | १-५३ । |
| १४६९५ | तत्त्वदीपनिबन्धयोजना | पुरुषोत्तमः | १-१४, १-१५, १-१२, १-८८, १-२०, १-४२, १-२१, १-१२ । |
| १४६९६ | भागवतम् | | १४-१०४ । |
| १४६९७ | धर्मारण्यमाहात्म्यम् | | २-३८, ४०-९१, ९३-१०३ । |
| १४६९८ | श्रीमालमाहात्म्यम् | | ७७-८९, ९८-१०४ । |
| १४६९९ | शङ्करसंहिता | | ३-५९, ६१-१२५, १-६८, ७० । |
| १४७०० | हरिवंशः | | ६-२२ । |
| १४७०१ | स्यमन्तकोपाख्यानम् | | १-९ । |
| १४७०२ | ब्रह्मसंहिता सटीका | टी. का. जीवगोस्वामी | १-२० । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·९ × ६·५ | १२ | ३५ | दे. ना. | का. | १८४९ | पू० | भागवतव्याख्यानरूपः, स्क० ५ श्लो. १३६तो द्वादशस्कन्धपर्यन्तम् । |
| ११ × ४·६ | १० | ३५ | ” | ” | १९२२ | अपू० | |
| १२·२ × ६ | १४ | ४२ | ” | ” | | ” | वायुपुराणस्थम् । |
| १०·३ × ५·५ | १३ | ३७ | ” | ” | | पू० | बालकाण्डमयोध्याकाण्डञ्च ब्रह्माण्ड-पुराणोत्तरखण्डस्थम् । |
| ११·५ × ४·९ | १० | ३५ | ” | ” | | पू० | निबन्धाख्यस्वोपज्ञटीकायुतः । |
| ८·२ × ६ | १० | २३ | ” | ” | | ” | |
| १४·३ × ४·८ | १६ | ५४ | वङ्ग. | ” | | ” | पद्मपुराणान्तर्गतः । |
| १०·९ × ५·४ | १५ | ५४ | दे. ना. | ” | | अपू० | |
| १३·३ × ६·८ | १३ | ४८ | ” | ” | | ” | |
| १२ × ४·९ | १० | ४१ | ” | ” | | पू० | पद्मपुराणस्थम् । |
| ९·६ × ४·३ | ९ | ३७ | ” | ” | | ” | ५ अध्यायः । |
| १३·९ × ६ | १२ | ५२ | ” | ” | १६५२ | ” | एकादशस्कन्धः । |
| १० × ५·२ | १० | २९ | ” | ” | | ” | निबन्धाख्यस्वोपज्ञटीकासहित-शास्त्रार्थवर्णनं नाम प्रथमप्रकरणम् । |
| ११·१ × ४·९ | ११ | ४७ | ” | ” | १८५२ | ” | |
| १३ × ४·५ | ८ | ५२ | ” | ” | | अपू० | दशमस्कन्धः । |
| ११ × ४·४ | ७ | २९ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणीयपातालखण्डे । |
| ११ × ४·८ | ९ | ३९ | ” | ” | | ” | |
| १०·१ × ५·५ | ६ | २९ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणस्था । |
| १२·६ × ४·३ | ७ | ३५ | ” | ” | | ” | कैलासयात्रा । |
| ८·६ × ४·३ | १० | २६ | ” | ” | | पू० | स्कन्दपुराणस्थम् । |
| १२ × ५·८ | १४ | ४५ | ” | ” | | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४७०३ | तुलजामाहात्म्यम् | | २४-३२ । |
| १४७०४ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-५९ । |
| १४७०५ | व्यासचरित्रम् | | १-५२ । |
| १४७०६ | भागवतम् | | १-३३, १-१८, १-५९, १-६३, १-५१, १-४२, १-३६, १-४२, १-४५, १-११, १०-१८५, १-५८, १-२४ । |
| १४७०७ | पञ्चक्रोशमाहात्म्यम् | | १-९ । |
| १४७०८ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-१९८+ |
| १४७०९ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १-७४ । |
| १४७१० | महाभारतम् | | २२८ (गणनया) । |
| १४७११ | निष्कलाध्यायः | | १-१५ । |
| १४७१२ | सनत्सुजातीयम् | | १-५८ । |
| १४७१३ | महाभारतविषमश्लोक-व्याख्या | | २०-५०, ५३-७३ । |
| १४७१४ | मार्कण्डेयपुराणम् | | १-११, ११-१४९ । |
| १४७१५ | इतिहाससमुच्चयः | | १-३०, ३०-५७ । |
| १४७१६ | अध्यात्मरामायणम् | | १-४० । |
| १४७१७ | " " | | १-८ । |
| १४७१८ | द्वारकामाहात्म्यम् | | १५ (गणनया) । |
| १४७१९ | तुलसीमाहात्म्यम् | | १-३४ । |
| १४७२० | ज्येष्ठैकादशीमाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १४७२१ | ज्येष्ठशुक्लैकादशी-माहात्म्यम् | | १-४ । |
| १४७२२ | ज्येष्ठकृष्णैकादश्यपरा-माहात्म्यम् | | १-२ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·४ × ४·९ | ९ | ३३ | दे·ना. | का. | | अपू० | ६-१२ अध्यायाः। |
| १२ × ५·५ | ११ | २९ | ” | ” | | पू० | भक्तिचन्द्रोदयस्थम्। |
| १३·६ × ५·५ | ११ | ४४ | ” | ” | | पू० | स्कन्दपुराणीयसनत्कुमारसंहितास्थम्। एकविंशत्यध्यायपर्यन्तम्। |
| ११·३ × ५·५ | १३ | ३९ | ” | ” | १८२१ | ” | |
| ९·३ × ३·६ | ७ | ३३ | ” | ” | | ” | |
| १२·६ × ५·९ | ११ | ५९ | ” | ” | १८७४ | | उत्तरकाण्डम्। भट्टदेवरामसंगृहीत-विषमपदव्याख्यानसहितम्। |
| १३·१ × ५·९ | १२ | ४३ | ” | ” | | पू० | स्कन्दपुराणे। |
| १०·२ × ५·४ | ९ | २४ | ” | ” | | ” | सभापर्व। |
| ८·२ × ४·५ | ७ | २५ | ” | ” | | ” | महाभारतभीष्मपर्वस्थः। |
| १०·२ × ३·६ | ९ | ३६ | ” | ” | | अपू० | महाभारतोद्योगपर्वस्थम्। |
| ९·३ × ३·९ | ९ | ४४ | ” | ” | | ” | |
| १२·८ × ६·३ | १५ | ५० | ” | ” | १८३२ | पू० | |
| ११·८ × ६ | १३ | ४६ | ” | ” | १८५५ | पू० | |
| ९·१ × ५·३ | १८ | ४२ | ” | ” | | पू० | ब्रह्माण्डपुराणोत्तरखण्डस्थम्। बालायोध्यारण्यकाण्डानि। |
| १० × ४·५ | १४ | ४६ | ” | ” | | अपू० | बालकाण्डम् आरण्यकाण्डांशश्च। |
| १०·८ × ४·६ | १२ | ४४ | ” | ” | | ” | प्रह्लादसंहितायाम्। |
| ११·१ × ४·१ | ९ | ४४ | ” | ” | १६९४ | पू० | विष्णुधर्मोत्तरे। |
| ९·९ × ४·३ | १० | ४२ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डपुराणस्थम्। |
| ९·४ × ४·१ | ९ | ४० | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्तस्थम्। |
| ९·५ × ४ | ९ | ३९ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डपुराणस्थम्। |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४७२३ | चैत्रशुक्लकामदैकादशी-माहात्म्यम् | | १-२, २-३ । |
| १४७२४ | " " | | १-३ । |
| १४७२५ | चैत्रकृष्णैकादशी-माहात्म्यम् | | १-४ । |
| १४७२६ | चैत्रकृष्णपापमोचन्येका-दशीमाहात्म्यम् | | १ । |
| १४७२७ | चैत्रकृष्णपक्षपापमोचनी-माहात्म्यम् | | २ ( गणनया ) । |
| १४७२८ | चित्रगुप्तकथा | | १-१० । |
| १४७२९ | धनुर्मासमाहात्म्यम् | | १-७ । |
| १४७३० | चातुर्मास्यमाहात्म्यम् | | १-५७ । |
| १४७३१ | गरुडपुराणम् | | १-५३ । |
| १४७३२ | " | | २-३६ । |
| १४७३३ | भागवतानुक्रमणिका | बोपदेवः | १-१६, १६-३७ । |
| १४७३४ | भारताकूतचन्द्रिका | रत्नगर्भभट्टाचार्यः | १-७० । |
| १४७३५ | मत्स्यपुराणम् | | १-८४ + (२) । |
| १४७३६ | महाभारतम् सटीकम् | टी. का. नीलकण्ठः गोविन्दसूरिसूनुः | १-८९ + (१) । |
| १४७३७ | " | | १-४९ । |
| १४७३८ | " | | १९४ ( गणनया ) । |
| १४७३९ | " | | १-५४ । |
| १४७४० | " | | १-६६ । |
| १४७४१ | वेदस्तुतिटीका पदार्थसरसी | गङ्गोत्तमनरोत्तमः | १-५ । |
| १४७४२ | भ्रमरगीतम् | टी. का. विश्वनाथचक्रवर्त्ती | १-६ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·८ × ४·४ | १० | ४१ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ९·४ × ३·९ | ९ | ४० | ” | ” | | ” | वाराहपुराणस्थम् । |
| ९·४ × ४·१ | ९ | ३६ | ” | ” | | ” | भविष्योत्तरपुराणस्थम् । |
| ९·८ × ४·२ | ४ | ४० | ” | ” | | अपू० | ” |
| ९·७ × ४·७ | १० | ३६ | ” | ” | | ” | ” |
| ८·२ × ४·८ | ७ | २१ | ” | ” | १७९७ | पू० | कायस्थोत्पत्तिकथेति परमार्थः । |
| ९·७ × ४·२ | ९ | ३७ | ” | ” | | ” | १–४ अध्यायाः । |
| ९·८ × ४·६ | १० | २६ | ” | ” | १८०६ | ” | स्कन्दपुराणान्तर्गतम् । |
| ९·२ × ४·३ | ९ | ३८ | ” | ” | | ” | १–१० अध्यायाः । |
| १२·७ × ६·१ | १४ | ३२ | ” | ” | १७८० | अपू० | |
| १०·७ × ४·९ | १० | ३९ | ” | ” | | ” | हरिलीलाख्या सटीका । |
| ८·८ × ३·८ | ९ | ३२ | ” | ” | | ” | आदिपर्व । |
| ९·९ × ४·३ | १९ | ४७ | ” | ” | | पू० | त्रिपुराख्यानतःसमाप्तिं यावत् । |
| १६·४ × ६·३ | १३ | ६७ | ” | ” | | अपू० | भारतदीपाख्यटीकायुतम् , आदिपर्व । |
| १४·४ × ७·३ | १२ | ४८ | ” | ” | | पू० | शल्यपर्व । |
| १३·८ × ७·१ | १८ | ६० | ” | ” | | ” | द्रोणपर्व । |
| १४·४ × ७·३ | १४ | ५८ | ” | ” | १७९३ | ” | गदापर्व । |
| १४·५ × ७ | १२ | ५२ | ” | ” | १८५४ | ” | विराटपर्व । |
| १३·९ × ७·१ | २१ | ९१ | ” | ” | | ” | एकादशश्लोकपर्यन्ता भागवते । |
| १३·८ × ७·३ | १९ | ४४ | ” | ” | | ” | सारार्थदर्शनीटीकायुतम् भागवतस्थम् । दशमश्लोकपर्यन्तम् । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४७४३ | एकादशीमाहात्म्यम् | | २-७ । |
| १४७४४ | मलमासकृष्णैकादशी-माहात्म्यम | | १-२ । |
| १४७४५ | मलमासमाहात्म्यम् | | १-५ । |
| १४७४६ | अधिमासशुक्लकमलैका-दशीव्रतकथामाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १४७४७ | मलमासशुक्लकमलैकादशी माहात्म्यम् | | १-२ । |
| १४७४८ | महाभारतम् | | १-१६२ । |
| १४७४९ | " | | १-४४, ४६-१६१ । |
| १४७५० | वेदस्तुतिव्याख्यायाः व्याख्या | व्या.का. रघुनाथः | १-१४, १४, १४-१९ । |
| १४७५१ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-१६, १६-२८, २८-२९, २९-६१ । |
| १४७५२ | मलमासमाहात्म्यम् | | १-५ । |
| १४७५३ | भागवतसुबोधिन्याष्टीका | विट्ठलदीक्षितः | १-१५८ + (१), १-६९, ७३-९० । |
| १४७५४ | महाभारतम् | व्यासः | १-३४ । |
| १४७५५ | हरिलीला सटीका | बोपदेवः । टी.का. मधुसूदन-सरस्वती | २-१३, १३-१४, १६-२८ । |
| १४७५६ | भविष्यपुराणम् | | ३२-४१, ४१-११८ । |
| १४७५८ | सनत्कुमारसंहिता | | १-४८, २-१५ । |
| १४७५९ | भागवतम् | | १-२१ । |
| १४७६० | इन्द्रप्रस्थमाहात्म्यम् | | १-५७ । |
| १४७६१ | केदारमाहात्म्यम् | | १-१५ । |
| १४७६२ | अध्यात्मरामायणम् | | १-२८ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·४ × ४ | ९ | ३९ | दे. ना | का. | | अपू० | मत्स्यपुराणे । |
| १०·१ × ४·६ | ९ | ३१ | ” | ” | १९०९ | पू० | भविष्योत्तरपुराणे । |
| ७ × ४ | ९ | २९ | ” | ” | १७४१ | ” | शिवपुराणे । |
| १० × ४·५ | ८ | २९ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| १०·५ × ४·३ | १० | ४२ | ” | ” | | ” | ” |
| १२·४ × ५·६ | ११ | ४३ | ” | ” | १६६३ | ” | जैमिनिभारतम् । अश्वमेधपर्व । |
| ११·१ × ४·९ | ११ | ४५ | ” | ” | | अपू० | ” ” |
| ११·७ × ५·५ | १३ | ४१ | ” | ” | | पू० | श्रीधरीव्याख्यायाः व्याख्या । |
| ९·५ × ५·३ | १० | २९ | ” | ” | | ” | पाद्मम् । |
| ९·९ × ४·५ | १२ | ३८ | ” | ” | | ” | भागवत १० स्कं० २९ अध्यायोऽपि । |
| १२·५ × ४·९ | ९<br>१० | ४५<br>५१ | ” | ” | १८६० | अपू० | विवृतिप्रकाशाख्या । |
| १३·८ × ५·७ | १२ | ४८ | ” | ” | १६७८ | पू० | आश्रमवासिकपर्व । कवीन्द्राचार्य-सरस्वतीसंग्रहस्थम् । |
| १३·८ × ५·४ | ७ | ५८ | ” | ” | | अपू० | भागवतानुक्रमणिकाविवेकटीका-सहिता । |
| १३·८ × ५·४ | ९ | ३८ | ” | ” | | ” | |
| १३·८ × ७·८ | १३ | ५० | ” | ” | | | स्कन्दपुराणस्था दशमाध्यायपर्यन्ता । |
| ६·३ × ५ | १५ | १८ | ” | ” | | पू० | १० स्कं० २२, २९-३३ अध्यायाः अत्र वल्लभसम्प्रदायभाषागीतान्यपि |
| १३·५ × ५·४ | ११ | ४४ | ” | ” | | ” | सौभरिसंहितास्थम् । |
| १२·७ × ५ | ११ | ६० | ” | ” | | ” | वायुपुराणस्थम् । |
| १३ × ५·२ | १० | ४० | ” | ” | | ” | उत्तरकाण्डम् । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४७६२ | कायस्थोत्पत्तिकथा | | १-१० । |
| १४७६३ | भागवतम् | | १, १३-१४, ५५-५९, ६१-६२, ७०-७१ । |
| १४७६४ | भागवतमाहात्म्यम् | | १-२०, २२-४१, ४३-८५ । |
| १४७६५ | भागवतवादार्थनिर्णय-सारोद्धारप्रकाशः | दामोदरशास्त्रिदेवः | १-१३ । |
| १४७६६ | अद्भुतमाहात्म्यम् | | १-३६ । |
| १४७६७ | नागरखण्डम् | | २-११ । |
| १४७६८ | अध्यात्मरामायणम् | | १-१९० । |
| १४७६९ | रामाश्वमेधः | | १-१०९, १०९-१३१ । |
| १४७७० | पुरुषोत्तमक्षेत्रमाहात्म्यम् | | १-३०, ४२-५० । |
| १४७७१ | वायुपुराणम् | | २-४९ । |
| १४७७२ | भागवतम् सटीकम् | | १-४४ । |
| १४७७३ | प्रह्लादचरितम् | | १-१५ । |
| १४७७४ | कार्तवीर्यार्जुनमाहात्म्यम् | | १-२४ । |
| १४७७५ | काशीमाहात्म्यम् | | १-३० । |
| १४७७६ | धर्मयुधिष्ठिरयज्ञः | | १-४, ६-१५ । |
| १४७७७ | नासिकेतोपाख्यानम् | | १-३७ । |
| १४७७८ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-७० । |
| १४७७९ | " | | १-११ । |
| १४७८० | " | | १-११ । |
| १४७८१ | ऐश्वर्यकादम्बिन्यामुत्तर-लीलावर्णनम् | | १-८ । |
| १४७८२ | नाममाहात्म्यम् | | १-६ । |
| १४७८३ | कल्किपुराणम् | | १-६३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·२ × ४·५ | ६ | २० | दे. ना. | का. | | पू० | पद्मपुराणस्था । |
| ११ × ४·६ | ९ | ३६ | ” | ” | | अपू० | तृतीयस्कन्धः । |
| १२·५ × ४·७ | ९ | ४२ | ” | ” | | अपू० | पद्मपुराणान्तर्गतम् । |
| १०·६ × ४·२ | ७ | ३५ | ” | ” | | पू० | |
| ९·३ × ४·६ | ९ | २८ | ” | ” | १९०२ | ” | ” |
| ८ × ४·३ | ६ | २६ | ” | ” | | अपू० | स्कन्दपुराणीयम् । |
| १२·७ × ६ | ११ | ३५ | ” | ” | | पू० | |
| १२·७ × ६·५ | ११ | ५३ | ” | ” | | अपू० | पाद्मे पातालखण्डे १-६६ अध्यायाः । |
| १०·८ × ५·९ | १६ | ४१ | ” | ” | | ” | स्कान्दम् , जगन्नाथमाहात्म्यम् । |
| १२·९ × ३·४ | ६ | ५७ | ” | ” | | पू० | |
| १४ × ५·३ | ११ | ४३ | ” | ” | | ” | चक्रवर्त्तीटीकायुतम् । |
| ९·७ × ४·१ | ९ | ३८ | ” | ” | | ” | विष्णुपुराणस्थम् । |
| ८·६ × ५ | ८ | २१ | ” | ” | १९१६ | ” | |
| ९·९ × ५ | ११ | ३० | ” | ” | १८५७ | ” | नारदपुराणोक्तम् । |
| ९·५ × ४·२ | ६ | २६ | ” | ” | | अपू० | महाभारतान्तर्गतः मातङ्गरूपेण धर्मस्य युधिष्ठिरद्वारि आगमनम् । |
| १३·६ × ६·५ | ११ | ३८ | ” | ” | | पू० | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ९.५ × ५ | ९ | ३२ | ” | ” | | ” | |
| ६·५ × ३·८ | १० | २१ | ” | ” | | ” | |
| ८·९ × ३·९ | ७ | २६ | ” | ” | | ” | |
| १२·५ × ६·७ | १४ | ३२ | ” | ” | | ” | |
| १२·८ × ६·४ | १२ | ४० | ” | ” | | अपू० | |
| १३ × ६·१ | ११ | ४० | ” | ” | १८९५ | पू० | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४७८४ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १-७८ । |
| १४७८५ | भागवतसुबोधिन्याष्टीका | विट्ठलदीक्षितः | १-१४६ । |
| १४७८६ | सुबोधिनीटीकायाः काचित्टीका | | १-४८ । |
| १४७८७ | श्रीधरीटीकायाष्टीका | राघवानन्दतीर्थः रामचन्द्रानन्द-तीर्थशिष्यः | १-२३ । |
| १४७८८ | भागवतभ्रमरगीतटिप्पणम् | दयानाथव्यासः | १-९ । |
| १४७८९ | भागवताध्यायत्रयप्रक्षिप्तत्व-समर्थनम् | गोपेश्वरः | १-५ । |
| १४७९० | भागवतसुबोधिनीप्रकाशः | पुरुषोत्तमः पीताम्बरतनूजः | १-३१ । |
| १४७९१ | ” | ” | १-१७, १९-५४ । |
| १४७९२ | भागवतसुबोधिनीटीकायाः टिप्पण्याः प्रकाशः | ” | १-८० । |
| १४७९३ | भागवतवेदस्तुतिटीका | | १-१८ । |
| १४८९४ | ” | टी. का. रघुनाथचक्रवर्त्ती | १-५ ५-३३ । |
| १४७९५ | मार्गशीर्षमाहात्म्यम् | | १-३८, ५१-८२ । |
| १४७९६ | एकादश्युत्पत्तिमाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १४७९७ | इतिहाससमुच्चयः | | १-१२३ । |
| १४७९८ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-५२, ८९-९८, १०० । |
| १४७९९ | ” सटीकम् | ” | ११५-१२६ । |
| १४८०० | ” सटीकम् | ” | १८-५१ । |
| १४८०१ | विरजामाहात्म्यम् | | १-५१ । |
| १४८०२ | रुक्माङ्गदचरित्रम् | | १-५७ । |
| १४८०३ | महाभारतम् | | ४७-१२४ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·४ × ४·३ | ११ | ४१ | दे. ना. | का. | १८९६ | पू० | स्कन्दपुराणान्तर्गतम् । |
| १३·४ × ५·६ | ११ | ४३ | ” | ” | | ” | विवृतिप्रकाशाख्या । दशमस्कन्धस्य-प्रकरणद्वयम् । |
| १२·४ × ४·८ | १० | ४८ | ” | ” | | ” | दशमस्कन्धे प्रथमाध्यायतः पञ्चमार्धं यावत् । |
| १२·६ × ४·९ | ११ | ५७ | ” | ” | | ” | उपोद्घातः, प्रथमं प्रकरणम् । |
| १२·९ × ४·८ | ११ | ४२ | ” | ” | | ” | |
| १२·५ × ४·८ | ६ | ३४ | ” | ” | | ” | |
| १२·४ × ४·९ | १२ | ४५ | ” | ” | | अपू० | प्रथमस्कन्धः । |
| १२·४ × ४·९ | १० | ४८ | ” | ” | | ” | ” |
| १२·६ × ४·८ | ९ | ३२ | ” | ” | १८६७ | पू० | स्कन्ध १०, अ० २६-३० पर्यन्तः । |
| १०·६ × ५ | ११ | ३६ | ” | ” | | ” | प्रसिद्धटीकाभ्योभिन्ना |
| ९·८ × ४·२ | १० | ३६ | ” | ” | | ” | श्रीधरीटीकायाः टीका । |
| १०·७ × ४·६ | ९ | ३८ | ” | ” | | अपू० | सटीकम् । स्कान्दम् । |
| १०·३ × ४·५ | १२ | ५१ | ” | ” | १८११ | पू० | मत्स्ये । |
| ११·४ × ५·३ | १० | ३६ | ” | ” | १६०० | ” | |
| १५·५ × ६·७ | १० | ५९ | ” | ” | | अपू० | दशमस्कन्धः । |
| १३·८ × ६ | १४ | ५१ | ” | ” | | ” | दशमस्कन्धः । |
| १३·५ × ६·९ | १४ | ५१ | ” | ” | | ” | पञ्चस्कन्धः । |
| १०·५ × ४·८ | १० | ३५ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डपुराणे १-१७ अध्यायाः । |
| १० × ४·३ | ११ | ४१ | ” | ” | १५५२ श. | पू० | नारदपुराणे । |
| १४·१ × ५·८ | १५ | ५३ | ” | ” | १६७५ | अपू० | कर्णपर्व । |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४८०४ | अध्यात्मरामायणम् | | १-४१, ४६-५३, ५३-५५, १-२९, १-३०, १-१९, १-६२ । |
| १४८०५ | " | | १-१५ । |
| १४८०६ | यतिमाहात्म्यम् | | १ । |
| १४८०७ | महाभारतम् सटीकम् | टी. का. चतुर्धरनीलकण्ठः गोविन्दसूरिसूनुः | १-३७९ । |
| १४८०८ | मार्गशीर्षमाहात्म्यम् | | १-५५ । |
| १४८०९ | माघमासमाहात्म्यम् | | १-५३ । |
| १४८१० | " | | ८-९ । |
| १४८११ | काशीतत्त्वप्रकाशः | वेदवृत्तबालकृष्णः | १-४ । |
| १४८१२ | धर्मविषयसंवादः | | २-७ । |
| १४८१३ | महाभारतयुद्धकालनिर्णयः | | १-३ । |
| १४८१४ | महाभारतम् | | १-७ । |
| १४८१५ | महाभारतम् | | १-९१, ९१-११६, ११६-१५३ । |
| १४८१६ | हरिहरसंवादः | | १-१० । |
| १४८१७ | जातिसम्बन्धनिर्णयः | | १-९ । |
| १४८१८ | पञ्चक्रोशीमाहात्म्यम् | | १-५ । |
| १४८१९ | हरिलीला | | १-१५ । |
| १४८२० | वैशाखमाहात्म्यम् | | १-१२१ । |
| १४८२१ | विश्वरूपदर्शनम् | | १-२ । |
| १४८२२ | मलमासमाहात्म्यम् | | १, ३ । |
| १४८२३ | रामायणम् | | २ ( गणनया ) । |
| १४८२४ | " | | १-३० । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·७ × १९·२ | ८ | ३८ | दे. ना. | का. | | अपू० | बालकाण्डमारभ्य युद्धकाण्डान्तम् । |
| ९·९ × ४·४ | ११ | ३३ | ” | ” | | ” | सुन्दरकाण्डपञ्चमसर्गमात्रम् । |
| १०·३ × ३·१ | ३६ | २० | ” | ” | | पू० (?) | |
| १९·९ × ६·३ | १२ | ५३ | ” | ” | १८४५ | पू० | भारतभावदीपयुतम् आदिपर्व । |
| १२ × ४·६ | ८ | ३७ | ” | ” | | ” | स्कान्दम् । |
| १३ × ५·१ | ९ | ४८ | ” | ” | | ” | पाद्मम् , वसिष्ठदिलीपसंवादात्मकम् । |
| १२·८ × ६ | १४ | ४३ | ” | ” | | अपू० | पाद्मम् । |
| १०·६ × ४·५ | ६ | ३९ | ” | ” | १९०१ | पू० | |
| १०·१ × ४·४ | १० | ३१ | ” | ” | | अपू० | महाभारतीयः । |
| १२·१ × ६·३ | १६ | ४८ | ” | ” | | ” | |
| १३ × ५·८ | १२ | ४१ | ” | ” | १६९० | पू० | विशोकपर्व । |
| १८·३ × ३·८ | ५ | ६२ | वङ्ग. | ” | | ” | विराटपर्व ७२ संख्याकमतिरिक्त-पत्रमपि वर्तते । |
| १०·६ × ४·४ | ७ | ३३ | दे. ना. | ” | | ” | श्रीकृष्णस्य शिवम्प्रति आत्मबोध-पृच्छा । |
| १३·८ × ४·८ | ८ | ४४ | वङ्ग. | ” | १९३९ | ” | ब्रह्मवैवर्ते । |
| ९·५ × ४·३ | ९ | ४० | दे. ना. | ” | | ” | |
| ९·७ × ३·९ | ८ | २९ | ” | ” | | अपू० | |
| ९ × ४ | ७ | ३० | ” | ” | | पू० | पद्मपुराणान्तर्गतपातालखण्डस्थम् । |
| ८·५ × ४ | ११ | ३४ | ” | ” | १७२६ | ” | भारते उद्योगपर्वणि । |
| ९·६ × ४·४ | १३ | २८ | ” | ” | | अपू० | विप्रप्रोक्तम् । |
| ७ × ३·७ | ७ | २५ | ” | ” | | ” | युद्धकाण्डम् । |
| ८·३ × ४·७ | ५ | १५ | ” | ” | १९३६ | पू० | शतश्लोकी । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४८२५ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-११८, १३०। |
| १४८२६ | आदित्यपुराणम् | | ३६ ( गणनया )। |
| १४८२७ | इतिहाससमुच्चयः | | १-८७। |
| १४८२८ | शिववर्म | | १-१०। |
| १४८२९ | षट्तिलैकादशीमाहात्म्यम् | | १-४। |
| १४८३० | वैशाखमाहात्म्यम् | | १-७१। |
| १४८३१ | हरिवंशः | व्यासः | १-७९। |
| १४८३२ | महाभारतम् सटीकम् | टी. का. नीलकण्ठचतुर्द्धरः | १-२००, २२९-२३३, १-१०२, १-१४, १-२२, १-२६, ४६४-५७१, १-६, १-११, १-९१। |
| १४८३३ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १। |
| १४८३४ | धनुर्मासमाहात्म्यम् | | १, ६। |
| १४८३५ | पञ्चक्रोशीमाहात्म्यम् | | १७-१८। |
| १४८३६ | धनुर्मासमाहात्म्यम् | | १ – (+१), २-७। |
| १४८३७ | " " | | २-५। |
| १४८३८ | दुर्वाससउपाख्यानम् | | ५ ( गणनया )। |
| १४८३९ | दशावतारनिरूपणम् | लक्ष्मीपतिः | १-३९। |
| १४८४० | चैत्रशुक्लैकादशीमाहात्म्यम् | | १-४। |
| १४८४१ | चतुःश्लोकीभागवतम् | | १। |
| १४८४२ | गोमतीमाहात्म्यम् | | १-४। |
| १४८४३ | गङ्गामाहात्म्यसंग्रहः | बोपदेवः | १-२४। |
| १४८४४ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | ३८। |
| १४८४५ | " " | | ५। |
| १४८४६ | " " | | ३५-३७। |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११·६ × ४·८ | १० | ३९ | दे. ना. | का. | | अपू० | उत्तरकाण्डम् । |
| १७·७ × ५·१ | ९ | ५० | ” | ” | | ” | |
| ९·३ × ४·७ | १४ | २९ | ” | ” | श. १४९६ | पू० | महाभारतसङ्क्षेपः । |
| ५·९ × ४ | ७ | १३ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणे ब्रह्मोत्तरखण्डे । |
| ८·४ × ४·७ | १२ | २३ | ” | ” | | ” | |
| ८·७ × ४·२ | ११ | ३८ | ” | ” | १७५६ | ” | स्कन्दपुराणस्थम् । |
| ११ × ४·९ | ११ | ५० | ” | ” | १८१७ | अपू० | कैलासयात्रातःफलश्रवणान्तोभागः। |
| १२·९ × ६·४ | १६ | ३६ | ” | ” | १८४८<br>१८४९ | ” | भारतभावदीपयुतम् । उद्योग-भीष्म-सौप्तिक-स्त्री-शान्ति-महाप्रस्थानिक, स्वर्गारोहण-सभापर्वाणि । |
| ९·३ × ४·२ | १७ | ३३ | ” | ” | | ” | |
| ९·७ × ४·२ | ९ | ३३ | ” | ” | | ” | |
| ८·७ × ४·२ | ११ | ३० | ” | ” | | ” | |
| ९·९ × ४·४ | १० | ३१ | ” | ” | | पू० | |
| ९·७ × ४·३ | १० | ३५ | ” | ” | | अपू० | पञ्चरात्रागमे, १-३ अध्यायाः । |
| १२·१ × ५·६ | ११ | ३७ | ” | ” | | ” | महाभारतस्यारण्यकपर्वणि, युधिष्ठिरसंवादश्च । |
| ९·६ × ४·३ | ९ | ३१ | ” | ” | | पू० | |
| ९·६ × ४·३ | ७ | ३३ | ” | ” | | ” | |
| ५·१ × ३·३ | ८ | १९ | ” | ” | | ” | |
| ८·८ × ४·१ | ८ | १९ | ” | ” | | ” | |
| १०·१ × ६·४ | ९ | ३१ | ” | ” | | ” | |
| १०·३ × ४·२ | १२ | ४० | ” | ” | | अपू० | पद्मपुराणस्थम् । |
| ९·३ × ४ | ६ | २५ | ” | ” | | ” | |
| १०·४ × ४·४ | १२ | ३५ | ” | ” | | ” | ” |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४८४७ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | २-१७, २७-३४, ३९-४१ । |
| १४८४८ | " " | | १-१९ । |
| १४८४९ | कलिरूपवर्णनम् | | १-२ । |
| १४८५० | एकादशीमाहात्म्यम् | | १ । |
| १४८५१ | " " | | २ ( गणनया )। |
| १४८५२ | " " | | २६-२९ । |
| १४८५३ | आषाढशुक्लपक्षैकादशी-माहात्म्यम् | | १ । |
| १४८५४ | कमलैकादशीमाहात्म्यम् | | ४ । |
| १४८५५ | अध्यात्मरामायणम् | | १-२९ । |
| १४८५६ | " सटीकम् | | १-३५, १-४६, १-२७, १-३४, ३६, ३६-३७, १-२४, १-७४, १-२, १२-३२, ५०-५३ । |
| १४८५७ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-११,१४-२३ + १५ ( गणनया ) । |
| १४८५८ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १-४२ ( ४२ = ४३, ४४ ), ४५-९२ । |
| १४८५९ | नासिकेतोपाख्यानम् | | १-५७ । |
| १४८६० | काशीमाहात्म्यम् | | १-३६, ३८-५५, ६०-१९० । |
| १४८६१ | भागवतम् | | १-२५ । |
| १४८६२ | मथुरामाहात्म्यम् | | १-२८ । |
| १४८६३ | वैशाखमाहात्म्यम् | | १-५४ । |
| १४८६४ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-१३३ । |
| १४८६५ | " " | टी. का. श्रीधरः | १-७९, १-४३, १-११८, १-९७, १-८३, १-६२, १-६७, १-५८, १-५१, १-१४४, १-१२९, १-१४३, १-४२ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·४ × ४·४ | १० | ३६ | दे. ना. | का. | | अपू० | द्वितीयादारभ्यैकोनविंशोऽध्यायान्तम् । पाद्मम् । |
| ९·९ × ४ | १० | ३२ | ” | ” | | पू० | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| १०·४ × ५·१ | ११ | ३४ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणीयमथुराखण्डस्थम् । |
| ८·४ × ३·४ | ९ | ३४ | ” | ” | | अपू० | |
| ९·१ × ४·७ | १२ | २८ | ” | ” | | ” | आषाढशुक्लैकादशीश्रावणकृष्णैकादशीमाहात्म्यम् । |
| ९·४ × ४·१ | ९ | ३३ | ” | ” | | ” | |
| ९·१ × ४ | १२ | ३८ | ” | ” | | ” | |
| ८·५ × ३·८ | ९ | २८ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डपुराणीयम् । |
| १२ × ५·३ | ११ | ४० | ” | ” | | ” | उत्तरकाण्डम् । |
| १२·३ × ६·४ | १६ | ३८ | ” | ” | | ” | केवलमुत्तरकाण्डमपूर्णम् । |
| ९·३ × ४·४ | १० | ४३ | ” | ” | | ” | |
| १२·३ × ६·५ | १० | ३६ | ” | ” | | पू० | स्कान्दम् । अत्र महापतितमुक्तिदं पुराणश्रवणमाहात्म्यमस्ति । |
| ८·५ × ३·७ | ८ | २८ | ” | ” | | ” | |
| ९·८ × ४·५ | ८ | ३४ | ” | ” | | अपू० | वायुपुराणीयलक्ष्मीसंहितास्थम् । |
| ९·८ × ४·५ | ७ | २६ | ” | ” | | ” | दशमस्कन्धः । |
| ९·५ × ४·३ | ९ | ३४ | ” | ” | | पू० | |
| ११·४ × ४·८ | १२ | ३५ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणीयपातालखण्डस्थम् । |
| १४ × ५·४ | १३ | ५४ | ” | ” | | ” | दशमस्कन्धोत्तरार्द्धम् । |
| १२ × ५·१ | १३ | ५३ | ” | ” | १७६४ | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४८६६ | काशीखण्डम् सटीकम् | टी.का. रामानन्दः | १-५३, ५३-१०४, १०४-१०९, १११-३६१, ३६३-४८५, १-७२, ७२-२२५, २२५-२८९, २८९-३०३ । |
| १४८६७ | वेदगर्भापुरीमाहात्म्यम् | | १-११ । |
| १४८६८ | अग्निपुराणम् | | ८२ ( गणनया ) । |
| १४८६९ | वेङ्कटेशगिरिमाहात्म्यम् | | १-९१ । |
| १४८७० | पौषमाहात्म्यम् | | १-८ । |
| १४८७१ | मलमासमाहात्म्यम् | | १-४, २१-२३ । |
| १४८७२ | भागवतमाहात्म्यम् | | १-१९ । |
| १४८७३ | चातुर्मास्यमाहात्म्यम् | | १-१४१ । |
| १४८७४ | सेतुखण्डम् | | १-८१ । |
| १४८७५ | भागवतम् | | ५६-७० । |
| १४८७६ | " | | १-६६ । |
| १४८७७ | " सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १८ ( गणनया ) । |
| १४८७८ | " " | | ४९-५०, ५२-५३ । |
| १४८७९ | " " | टी. का. श्रीधरः | १-६२, । |
| १४८८० | " " | टी. का. श्रीधरः | १-१२१ । |
| १४८८१ | मल्लारिमाहात्म्यम् | | १-११४ । |
| १५८८२ | भागवतानुक्रमणिका | | १-६, ८, ८-११ । |
| १४८८३ | " " | बोपदेवः | १-७, ९-११ । |
| १४८८४ | भ्रमरगीतटिप्पणी | | २-४ । |
| १४८८५ | वेदस्तुतिः सटीका | टी. का. कवि-चूडामणिचक्रवर्ती | १-४ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·४ × ६·६ | १३ | ३४ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १३ × ९ | १० | ९४ | ” | ” | १८६६ | ” | ब्रह्माण्डपुराणे नारदमार्कण्डेयसंवादे। |
| १३ × ३·३ | ९ | ९२ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·४ × ९·९ | ११ | ३४ | ” | ” | | पू० | वाराहपुराणे क्षेत्रकाण्डे। |
| १२·३ × ४·८ | १० | ३७ | ” | ” | | ” | भविष्योत्तरपुराणे मान्धातानारद-संवादे। |
| १२·३ × ४·६ | ७ | ४२ | ” | ” | | अपू० | भविष्यपुराणे। |
| १२·४ × ४·८ | ७ | २३ | ” | ” | | पू० | पद्मपुराणे। |
| १२·४ × ४·८ | ९ | ३९ | ” | ” | | ” | वाराहपुराणस्थम्। |
| १३·२ × ९·९ | १४ | ९० | ” | ” | | पू० | स्कान्दम्। |
| १४·९ × ६·१ | ११ | ६० | ” | ” | | अ पू० | दशमस्कन्धपूर्वार्द्धम्। १६–२१ अध्यायाः। |
| १३·१ × ९·६ | ११ | ६० | ” | ” | | अपू० | दशमस्कन्धपूर्वार्द्धम्। १–२० अध्यायाः। |
| १२·८ × ६·९ | १२ | ४९ | ” | ” | | ” | भावार्थदीपिकायुतं नवमस्कन्धः। |
| १४·२ × ९·४ | १३ | ९० | ” | ” | | ” | अष्टमस्कन्धः। |
| १४·६ × ९·८ | १३ | ४८ | ” | ” | | पू० | षष्ठस्कन्धः। |
| १३·२ × ६ | ११ | ३३ | ” | ” | | ” | भावार्थदीपिकायुतम्। पञ्चमस्कन्धः। |
| ६·२ × ४·२ | ८ | ११ | ” | ” | | अपू० | |
| १०·८ × ३·७ | ७ | ४० | ” | ” | | पू० | हरिलीलाख्या। |
| ९·७ × ४·३ | १० | ३० | ” | ” | १७७७ | अपू० | ” |
| ९·४ × ४·७ | १९ | ३९ | ” | ” | | ” | भागवते। |
| १० × ४·३ | १३ | ४२ | ” | ” | | ” | अन्वयबोधिनीयुता। भागवत-दशमस्कन्धे। |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४८८६ | रासपञ्चाध्यायी | | १-२५ । |
| १४८८७ | " | | १-१८ । |
| १४८८८ | भाद्रपदकृष्णेअजैकादशी-माहात्म्यम् | | १-२ । |
| १४८८९ | " | | १-२ । |
| १४८९० | भगवदुक्तज्ञानरहस्यम् | | १-४ । |
| १४८९१ | सुबोधिनीकारिकाव्याख्या | घनश्यामसुत-गोपीशः | १-१८ । |
| १४८९२ | पुरुषोत्तमक्षेत्रमाहात्म्यम् | | १२७ ( गणनया ) । |
| १४८९३ | भागवतम् | | १-२६ । |
| १४८९४ | भविष्यपुराणम् | | २-५, ७-३६ । |
| १४८९५ | पद्मपुराणम् | | १, ३-१०९ । |
| १४८९६ | चातुर्मास्यमाहात्म्यम् | | १-५६ । |
| १४८९७ | होलिकामाहात्म्यम् | | २-२८ । |
| १४८९८ | ब्रह्मोत्तरखण्डः | | १-६७ । |
| १४८९९ | काशीमाहात्म्यम् | | १-३८, ४०-११७ । |
| १४९०० | प्रजागरपर्वटिप्पणी | | ६ ( गणनया ) । |
| १४९०१ | भागवतम् सटीकम् | | १८०-२०८ । |
| १४९०२ | " " | | १-२९ । |
| १४९०३ | होलिकामाहात्म्यम् | | १-४१ । |
| १४९०४ | भागवतम् | | १-४७ । |
| १४९०५ | अर्बुदमाहात्म्यम् | | १-१०८ । |
| १४९०६ | बदरिकाखण्डम् | | १-३३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७·२ × ३·५ | ७ | २२ | दे. ना. | का. | | पू० | भागवतदशमस्कन्धपूर्वार्द्धे । |
| ८·४ × ४·४ | ९ | २३ | ” | ” | | ” | ” ” |
| ९·४ × ३·९ | ९ | ३६ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| १० × ४·४ | १० | ३८ | ” | ” | | ” | ” |
| ९·८ × ४·४ | १४ | ४५ | ” | ” | | ” | सुबोधिनीयुतम् । भागवतद्वितीय-स्कन्धनवमाध्यायस्थषट्श्लोकाः । |
| ९·६ × ४·२ | ९ | ३१ | ” | ” | | ” | भागवतप्रथमस्कन्धस्य । |
| १०·९ × ४·६ | ९ | ३८ | ” | ” | १९१५ | अपू० | स्कान्दम्, जगन्नाथमाहात्म्यम् । |
| ७·८ × ४·९ | ७ | १९ | ” | ” | १९१० | पू० | दशमस्कन्ध पूर्वार्द्धे रासपञ्चाध्यायी । |
| ९·४ × ४·४ | १० | २९ | ” | ” | | अपू० | नवमीकल्पयुतम् । |
| १२·८ × ६·५ | ११ | ४२ | ” | ” | १९२९ | ” | पातालखण्डम । मुद्रितपाताल-खण्डतोभिन्नम् । |
| ९·२ × ४·१ | १० | ३६ | ” | ” | | पू० | |
| ९·४ × ४·२ | ९ | ३४ | ” | ” | १८६७ | अपू० | पद्मपुराणीयपातालखण्डे । |
| ९·७ × ४·१ | ११ | ३४ | ” | ” | | पू० | स्कन्दपुराणस्थः । |
| १० × ४·४ | १२ | ३४ | ” | ” | | अपू० | तृतीयविभागे विंशाध्यायपर्यन्तम् । |
| ९ × ३·८ | १४ | ३९ | ” | ” | | पू० | महाभारते उद्योगपर्वणि । |
| १०·९ × ४·६ | १४ | ४४ | ” | ” | १९९४ | अपू० | दशमस्कन्धः। ४६-५७ अध्यायपर्यन्तम्। |
| १०·९ × ४·५ | ९ | ३० | ” | ” | | ” | दशमस्कन्धः। १-५ अध्यायपर्यन्तम् । |
| १०·५ × ४ | ७ | ३४ | ” | ” | १८५८ | पू० | पद्मपुराणीयपातालखण्डस्थम् १–६ अध्यायान्तम् । |
| ११ × ४·५ | १० | ३८ | ” | ” | १९८९ | ” | पञ्चमस्कन्धः । |
| १२·२ × ४·७ | ७ | ४१ | ” | ” | १८६९ | ” | स्कन्दपुराणस्थम् । |
| १३·५ × ५·१ | ९ | ४५ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणीयम् । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४९०७ | गरुडपुराणम् | | १-१२ । |
| १४९०८ | भागवतानुक्रमणिका | वल्लभाचार्यः | १०८, ११०-१२२ । |
| १४९०९ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १, ३-४३, ४६-४७ । |
| १४९१० | महाभारतटीका | टी. का. अर्जुनमिश्रः | १४ ( गणनया ) । |
| १४९११ | पुष्करप्रादुर्भावटीका | | २-९० । |
| १४९१२ | पाराशरोपपुराणम् | | १-४७ । |
| १४९१३ | भागवतम् सटीकम् | | १७१-१८२, १८४-२२२, २२४-२३०, २३२-२४५, २४५-३०४ । |
| १४९१४ | महाभारतोद्योगपर्वटीका | कृष्णशर्मा | २-२४ । |
| १४९१५ | भागवतभावार्थदीपिका | टी. का. श्रीधरस्वामी | १-१०, १३-४०, ४२-४३ । |
| १४९१६ | भागवतदशमस्कन्धविवृतिः | विट्ठलदीक्षितः | ५२, ५४-१७४ । |
| १४९१७ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | १-८३ । |
| १४९१८ | " " | " | १-९७ । |
| १४९१९ | " " | " | १-७९ । |
| १४९२० | सूतसंहिता सटीका | टी. का. माधवाचार्यः | १-६०, १-४७, १-२२, २२-३२ । |
| १४९२१ | पयोष्णीमाहात्म्यम् | | १-४४ । |
| १४९२२ | बृहन्नारदीयपुराणम् | | १-५ । |
| १४९२३ | भागवतम् | | १-२३ । |
| १४९२४ | भागवतम् | | १-८ । |
| १४९२५ | " सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | १-६ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·४ × ४·३ | ९ | ३६ | दे. ना. | का. | | अपू० | प्रथमाध्यायतः पञ्चमाध्यायान्तम् । |
| ७·४ × ४·९ | ८ | १६ | ” | ” | | ” | अत्रैव जैमिनीयसूत्रभाष्यं, माया-वादनिराकरणं, भक्तिहंसश्च । |
| ११ × ४·२ | ९ | ३३ | ने. | ” | | ” | पद्मपुराणस्थम् । |
| १२·५ × १·८ | ६ | ७४ | वङ्ग | ताल. | | ” | |
| ९·५ × ४ | १३ | २९ | दे. ना. | का. | १७०६ श. १५७१ | ” | |
| ८·८ × ३·७ | १० | ३२ | ” | ” | | पू० | |
| १०·९ × ४·६ | १० | ३० | ” | ” | | अपू० | तत्त्वप्रदीपिकाविवरणसमेतम् । दशमस्कन्धे ५९–९० अध्यायाः । |
| १०·८ × ४·७ | १२ | ५८ | ” | ” | | ” | |
| १२·२ × ५·२ | १४ | ५१ | ” | ” | १५७१ | ” | प्रथमस्कन्धः । |
| ११·९ × ५ | ८ | ३० | ” | ” | | ” | ७-२६ अध्यायाः । |
| १४·४ × ६·१ | १४ | ४१ | ” | ” | | पू० | पञ्चमस्कन्धः । |
| १३·५ × ५·८ | १० | ५६ | ” | ” | १६३० | ” | चतुर्थस्कन्धः । |
| १४ × ५·५ | १३ | ४६ | ” | ” | श. १६७० | ” | प्रथमस्कन्धः । |
| १३·२ × ५·३ | १० | ४४ | ” | ” | | ” | तात्पर्यदीपिकासहिता । माहात्म्य, ज्ञान, मुक्तिनामकखण्डत्रयात्मिका स्कन्दपुराणीया । |
| ८·८ × ४·३ | ११ | २३ | ” | ” | | ” | वाराहपुराणस्थम् । |
| १३·२ × ३·४ | ६ | ३४ | वङ्ग. | ” | | अपू० | |
| १८·२ × ४·८ | १० | १०० | ” | ” | | ” | क्वचित्सटीकम्, द्वितीयस्कन्धः । |
| १८·२ × ५·१ | १२ | ८४ | ” | ” | | ” | क्वचित्सटीकम्, चतुर्थस्कन्धः । |
| १६·७ × ३·५ | ११ | ९० | ” | ” | | ” | प्रथमस्कन्धः । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४९२६ | महाभारतम् | व्यासः | २-५ । |
| १४९२७ | मार्गशीर्षमाहात्म्यम् | | १-१४ । |
| १४९२८ | रामायणकथा | | २१-३९ । |
| १४९२९ | रुचिकथा | | १-५ । |
| १४९३० | शतरुद्रीयम् ? | | ४-९ । |
| १४९३१ | भागवतटीका | | १-१५ । |
| १४९३२ | वैद्यनाथलिङ्गमाहात्म्यम् | | १-८२ । |
| १४९३३ | काशीमाहात्म्यम् | | १-१६० । |
| १४९३४ | मथुरामाहात्म्यम् | | १-५६ । |
| १४९३५ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | २९-५५ । |
| १४९३६ | मलमासकथा | | १-२, १४-१५ । |
| १४९३७ | गयामाहात्म्यम् | | २-३६ । |
| १४९३८ | भागवतमाहात्म्यम् | | १-१५( १५ = १६ ) १७-२२ । |
| १४९३९ | ” | | १-३८ । |
| १४९४० | काशीमाहात्म्यम् | | १-३४ ( ३४ = ३५ ) ३६-५२ । |
| १४९४१ | केदारमाहात्म्यम् | | १-३५ । |
| १४९४२ | मुक्तिचिन्तामणिः | | १-२८, २८-३७ । |
| १४९४३ | भगवन्नाममाहात्म्यम् | | १-४१ । |
| १४९४४ | जेष्ठमाहात्म्यम् | | १-३६ । |
| १४९४५ | भागवतमाहात्म्यम् | | १-१७ । |
| १४९४६ | वैशाखमाहात्म्यम् | | १-१०३ । |
| १४९४७ | तुलसीमाहात्म्यम | | १-४७ । |
| १४९४८ | जलधरोपाख्यानम् | | २, ४-१३, १५-६१ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११·२ × ३·५ | ६ | ३३ | वङ्ग. | का. | | अपू० | भीष्मपर्वदशमाध्यायमात्रम् । |
| ११·८ × ४·८ | १३ | ३२ | ” | ” | | पू० | स्कान्दे । |
| १२·७ × ४·७ | ८ | ५८ | ” | ” | | अपू० | गद्यमयी रामायणकथा । |
| १२·७ × २·४ | ४ | ३२ | ” | ” | | ” | मार्कण्डेयपुराणे । |
| विभिन्नः | १२ | ४९ | ” | ” | | ” | द्रोणपर्वणि । |
| ११·१ × ४·७ | ११ | ४६ | दे. ना. | ” | | ” | |
| ९·९ × ४·५ | ७ | २४ | ” | ” | | पू० | पद्मपुराणीयपातालखण्डे । |
| ९·३ × ४·२ | ८ | ३१ | ” | ” | | अपू० | वायुपुराणीयम् । |
| ९·५ × ४·४ | ९ | ३६ | ” | ” | १८७८ | पू० | |
| ९·९ × ४·४ | १० | ३४ | ” | ” | | अपू० | |
| ६·८ × ४·५ | १८ | ३५ | ” | ” | | ” | |
| ९·२ × ४·१ | ८ | ३४ | ” | ” | | ” | |
| १२·४ × ४·८ | ७ | ४३ | ” | ” | | पू० | प्रचलितभागवतमाहात्म्यभिन्नमिदम् |
| १२·३ × ४·८ | ७ | ३८ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणीयम् । |
| १२·२ × ४·८ | ७ | ३९ | ” | ” | | ” | |
| १२·४ × ४·८ | ७ | ३४ | ” | ” | १८३५<br>१७३९ श. | ” | वायुपुराणे । |
| १२·४ × ४·७ | ७ | ३२ | ” | ” | १८६५ | ” | जगन्नाथमाहात्म्यम्, नानागमश्रुति-पुराणोक्तम् । |
| १२·३ × ४·७ | ७ | ४७ | ” | ” | १८६१ | ” | अनेकग्रन्थात्सङ्गृहीतम् । |
| १२·४ × ४·५ | ७ | ३७ | ” | ” | | ” | भीष्मयुधिष्ठिरसंवादरूपम् । |
| १२·४ × ४·८ | ७ | ३१ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणे । |
| १२·४ × ४·७ | ७ | ३९ | ” | ” | १८६५ | पू० | पद्मपुराणीयपातालखण्डे । |
| १२·४ × ४·८ | ९ | ३० | ” | ” | | ” | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| १०·९ × ४ | ९ | ३९ | ” | ” | १५६६ | अपू० | पद्मपुराणान्तर्गतम् । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४९४९ | सुधर्माविलासः सटीकः | रघुराजसिंहजूदेवः विश्वनाथात्मजः | १-११६ । |
| १४९५० | ज्ञानोपदेशः | | १-३ । |
| १४९५१ | तुलसीपूजामाहात्म्यम् | | १ । |
| १४९५२ | दशविधब्राह्मणोत्पत्ति-वर्णनम् | | १-७ । |
| १४९५३ | भागवतम् | | २-५ । |
| १४९५४ | धनुर्मासमाहात्म्यम् | | ७६-१०९ । |
| १४९५५ | धर्मज्ञानसंवादः ? | | १-८ । |
| १४९५६ | नासिकेतोपाख्यानम् | | १-२, ६-२१, २३, २५-२६, २९-३२ । |
| १४९५७ | निर्जलैकादशीमाहात्म्यम् | | ९-३४, ४०-४३ । |
| १४९५८ | गरुडपुराणम् | | १-२,७-१२, १५-१९, २१-२२, २५-२७, ३०-३३, ६६-७९, ८१-८४, ८६-८८ । |
| १४९५९ | क्रियायोगसारः | | १-१५३ । |
| १४९६० | महाभारतम् | | ६१२ ( गणनया ) । |
| १४९६१ | कैलाशसंहिता | | १-५० । |
| १४९६२ | पुष्करप्रादुर्भावटीका | नैमिषीयः सम्राट् रामः | १-२६, २८-२९, ३४, ३६, ३८-५२, ५५-५६, ५८-५९ । |
| १४९६३ | भागवतगूढशब्दार्थः | | १-२ । |
| १४९६४ | हरिवंशटिप्पणम् | | ४-३४, ३७-४४ । |
| १४९६५ | गङ्गामाहात्म्यम् | | १-१० । |
| १४९६६ | हनुमत्संहिता | | १-१८ । |
| १४०६७ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. वल्लभदीक्षितः | ५८१-५९१ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·५ × ६·६ | १३ | ६९ | दे. ना. | का. | १९१३ | पू० | |
| ८·८ × ३·७ | ८ | २८ | ” | ” | | ” | बृहन्नारदीयः । |
| ९·७ × ४·१ | १० | ३४ | ” | ” | | अपू० | |
| ९·६ × ४·३ | ११ | ३९ | ” | ” | १८८४ | पू० | स्कन्दपुराणान्तर्गतम् । |
| ८·१ × ३·८ | १० | ३० | ” | ” | | अपू० | एकादशस्कन्धः । |
| १०·१ × ४·६ | ९ | २८ | ” | ” | | ” | |
| ८·३ × ३·६ | १० | ४१ | ” | ” | | पू० | महाभारते, मातङ्गरूपेणधर्मस्य युधिष्ठिरद्वारि आगमनम् । |
| १०·७ × ५·६ | १० | २४ | ” | ” | १९०१<br>१७६६ | अपू० | |
| १०·६ × ४·६ | ९ | ३४ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्तस्थम् । |
| १०·१ × ४·४ | ९ | ३० | ” | ” | १८६१ | ” | |
| १८·५ × ३.३ | ६ | ६४ | वङ्ग. | ” | | पू० | पद्मपुराणान्तर्गतः । |
| १५·२ × ६·२. | १२ | ४५ | दे. ना. | ” | १६६५ | अपू० | आदिविराटोद्योगपर्वाणि । |
| ८·२ × ३·७ | १० | ३८ | ” | ” | | पू० | शैवे पुराणे । |
| ११.७ × ३·२ | ७ | ४१ | ” | ” | १५८७ | अपू० | |
| ९·३ × ४·२ | १५ | ५० | ” | ” | | पू० | वेदस्तुतौ श्लोकचतुष्टयस्य श्रीधरकृत व्याख्यानस्थः । |
| १० × ४·२ | ९ | ३७ | ” | ” | | अपू० | |
| ६·८ × ४·५ | ९ | २७ | ” | ” | १७७८ | पू० | |
| १२·८ × ४·९ | ७ | ४१ | ” | ” | १८७२ | ” | |
| १२·८ × ५·८ | १३ | ४१ | ” | ” | | अपू० | दशमस्कन्धः, सुबोधिनीयुतम् । |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४९६८ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १-६८ । |
| १४९६९ | नारायणवर्मोपदेशः ? | | १-४ । |
| १४९७० | महाभारतम् | | १-९४ । |
| १४९७१ | अगस्त्यसंहिता | | १-८, ११ । |
| १४९७२ | त्रैलोक्यविजयापराजिता | | १-२ । |
| १४९७३ | हरिवंशः सटीकः | टी. का. विश्वेश्वरः | १-४८ । |
| १४९७४ | सदाशिवसंहिता | | १-१३ । |
| १४९७५ | भागवतम् सटीकम् | | १-५९, १-३५, १-१०८, १-८९, १-६३, १-५०, १-७१, १-५१, १-४३, १-१२७, १-११६, १-१०८, १-३३ । |
| १४९७६ | पञ्चक्रोशीमाहात्म्यम् | | १-१५ । |
| १४९७७ | अद्भुतरामायणम् | | १-४२ । |
| १४९७८ | अध्यात्मरामायणम् | | १-१५६ । |
| १४९७९ | मोक्षोपायसारः | अभिनन्दः | १-२० (=२०+२१), २२-१२१ (=१२१, १२२) १२३-१७५ । |
| १४९८० | गणेशपुराणम् | | ४२०-४२१, ४२३-४७३, ४७८, ४८०-४८७, ४८९, ४९१-४९८, ५०२ । |
| १४९८१ | ” | | १-१८, २-३४, ३६ । |
| १४९८२ | पद्मपुराणम् | | १-४५ । |
| १४९८३ | शिवपुराणम | | १-२१८, १-४८ (=४८, ४९) ५०-११२ । |
| १४९८४ | भागवतम् | | १-१३८ । |
| १४९८५ | भागवतटीका | विश्वनाथचक्रवर्त्ती | ५९ ( गणनया ) । |
| १४९८६ | वैष्णवतोषिणी | सनातनगोस्वामी | ३४ ( गणनया ) । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·१ × ६·४ | १३ | ३६ | दे. ना | का. | १८४९ १७१४ श. | पू० | स्कन्दपुराणस्थम् । |
| ७·९ × ४ | ८ | २४ | ” | ” | | ” | भागवते ६ स्कं० ८ अ० । |
| १४·४ × ५·७ | १० | ४७ | ” | ” | | अपू० | अश्वमेधपर्व । |
| १०·६ × ४·७ | ११ | ३७ | ” | ” | | ” | |
| १०·२ × ४ | ९ | ५० | वङ्ग. | ” | | पू० | विष्णुधर्मोत्तरे । |
| १४ × ६·८ | १४ | ६० | दे. ना. | ” | १६७६ | ” | पुष्करप्रादुर्भावान्तः । |
| ११ × ५ | १० | ४५ | ” | ” | | ” | नवमदशमाध्यायौ, रामानुजवेद-संवादे । |
| १४·४ × ७ | १३ | ५० | ” | ” | १९१८ १९२० | ” | |
| १० × ३·८ | १० | ३९ | ” | ” | १७३५ | ” | ब्रह्मवैवर्तस्थम् । |
| ११·४ × ५·६ | ११ | ४१ | ” | ” | १८२७ | ” | |
| ११·२ × ५·१ | ११ | ३८ | ” | ” | १७२८ | ” | |
| ११·३ × ४·८ | १० | ३१ | ” | ” | १५७२ | ” | योगवासिष्ठसमुद्धृतः । |
| ९·६ × ५·६ | १० | २८ | ” | ” | | ” | |
| १३·५ × ६·१ | १३ | ३५ | ” | ” | | अपू० | |
| १५·५ × ३ | ७ | ५६ | वङ्ग. | ” | | ” | उत्तरखण्डम् । |
| १२·५ × ४·८ | १० | ४० | ” | ” | | पू० | |
| ११·५ × ४·९ | ९ | २८ | दे. ना. | ” | १५९१ | ” | नवमस्कन्धः । |
| १४ × ५·५ | ११ | ३५ | ” | ” | १९२० | ” | सारार्थदर्शिनी, १, ६, १६, २८-२९ ३२-३३ ४१, ४५-४६ अध्यायस्थ पत्राणि । |
| १४ × ५·८ | १० | ४३ | ” | ” | | ” | भागवतस्य टीकेयम् । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १४९८७ | भागवतम् सटीकम् । | | १-७५, ७७-८५, ८७-११५ । |
| १४९८८ | " " | टी. का. वल्लभदीक्षितः | १-४९ । |
| १४९८९ | रामायणसारः | अग्निवेशमुनिवरः | १-५ । |
| १४९९० | त्रैलोक्यविजयापराजिता | | १-४ । |
| १४९९१ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | २१-७२ । |
| १४९९२ | यमुनामाहात्म्यम् | | १-१२ । |
| १४९९३ | पुरुषोत्तममाहात्म्यम् | | १-१३ । |
| १४९९४ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १२-६३ + ३ । |
| १४९९५ | गरुडपुराणम् | | १-११, २२-२७, २९ । |
| १४९९६ | " | | १४, २४, २९ । |
| १४९९७ | धनुर्मासमाहात्म्यम् | | २-६ । |
| १४९९८ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-८४ । |
| १४९९९ | " " | | १ । |
| १५००० | पञ्चप्रेतोपाख्यानम् | | २-३ । |
| १५००१ | एकादशीमाहात्म्यम् | | २४-४२, ९६-११५ । |
| १५००२ | काशीमाहात्म्यम् | | १७-१८ । |
| १५००३ | गरुडपुराणम् | | ४-२७, ३०-३१, ३३ । |
| १५००४ | बृहद्रामायणम् | | १-३७ । |
| १५००५ | काशीमाहात्म्यम् | | १-१०५ । |
| १५००६ | ब्रह्मखण्डम् | | २-७८ । |
| १५००७ | पुरुषोत्तममाहात्म्यम् | | १-६३, ६५-११२, ११४-१७२ । |
| १५००८ | गरुडपुराणम् | | २०, २८ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·८ × ९·४ | ९ (११) | ३९ | दे. ना. | का. | १८४८ | अपू० | दशमस्कन्धः १-४ अध्यायाः । |
| १३·६ × ९·४ | ११ | ४३ | ” | ” | | ” | सुबोधिनीयुतम् एकादशस्कन्धः १-४ अध्यायाः । |
| ९·८ × ३·९ | १९ | ५५ | ” | ” | १८०३ | पू० | |
| १२·९ × ३·१ | ९ | ५६ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| ९·९ × ४·५ | ७ | २७ | दे. ना. | ” | | अपू० | पद्मपुराणे । |
| ९·८ × ४·६ | ८ | ४० | ” | ” | | पू० | ” |
| ४·९ × ९·८ | १० | ३४ | ” | ” | | ” | स्कान्दम् । |
| १३·९ × ९·६ | ११ | ५१ | ” | ” | | अपू० | ४-१६ अध्यायान्तोभागः । |
| १०·३ × ४·७ | १० | ४४ | ” | ” | | ” | |
| १० × ४·६ | ९ | ३४ | ” | ” | | ” | |
| ९·१ × ३·९ | ९ | ४१ | ” | ” | | ” | पञ्चरात्रागमे । |
| ९·९ × ४·६ | ९ | २६ | ” | ” | १८९४ | पू० | पद्मपुराणीयम् । |
| ९·४ × ४·५ | ८ | २२ | ” | ” | | अपू० | ” |
| १४·६ × ३·५ | ९ | ५८ | वङ्ग. | ” | श. १७६२ | ” | |
| ९·५ × ३·४ | ५ | २८ | दे. ना. | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्तभविष्योत्तरस्कन्द-ब्रह्माण्डपुराणमूलकम् । |
| ११·९ × ४·५ | ९ | ३१ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्तस्थम् । |
| ९·७ × ४·४ | ११ | ४९ | ” | ” | | ” | |
| १२·९ × ४·९ | ८ | ४२ | ” | ” | १८८८ | पू० | चित्रकूटमाहात्म्ये । |
| ९·६ × ४·२ | ११ १३ | ३८ | ” | ” | १८७१ | ” | ब्रह्मवैवर्तस्थम् । |
| १८ × ३·४ | ६ | ६६ | वङ्ग | ” | श. १७२७ | अपू० | ” |
| १७·८ × ३·४ | ९ | ६० | ” | ” | | ” | स्कान्दम् । |
| १०·३ × ४·९ | १० | ४२ | दे. ना. | ” | | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५००९ | गरुडपुराणम् | | ३-२३, २५-३३. ३५-४३, ५१ । |
| १५०१० | प्रबोधिनीमाहात्म्यम् | | ४ ( गणनया ) । |
| १५०११ | भागवतम् | व्यासः | २-१३६ । |
| १५०१२ | रामायणम् | वाल्मीकिः | २६-१६५ । |
| १५०१३ | महाभारतटिप्पणी | | १-११५ । |
| १५०१४ | शतरुद्रीयमाहात्म्यम् | | १३ ( गणनया ) । |
| १५०१५ | रामायणटीकामङ्गलम् | | १-२ । |
| १६०१६ | नारदीयपुराणम् | | १-२३, २७-३५,३७-४८, ५०-७०, ७३-८६। |
| १५०१७ | रामायणतत्त्वम् | आत्रेयोबालकृष्णः | १-१८ । |
| १५०१८ | माहेश्वरसंहिता | | १-३२ । |
| १५०१९ | महाभारतीयश्लोकानां-व्याख्या | नारायणसर्वज्ञः | ९-१३, १५-१६, १६-२९, ५९-६३+१ । |
| १५०२० | महाभारतदुष्करश्लोकानां-टिप्पणिका | विमलबोधः | १-५८ । |
| १५०२१ | विष्णुपुराणव्याख्या | श्रीधरयतिः | २-३४, ३६-४७, ४९-१०२, १०४-१२०. १२२-२०२ + ३ । |
| १५०२२ | भागवतम् सटीकम् | टी.का. जयरामः | १-५४, ५४-७५ । |
| १५०२३ | ” | | १-३६ । |
| १५०२४ | ” | | १-६३ । |
| १५०२५ | भागवतभावार्थदीपिका | श्रीधरस्वामी | १-४ । |
| १५०२६ | अध्यात्मरामायणम् | | १ । |
| १५०२७ | भागवतम् सटीकम् | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-४ । |
| १५०२८ | काशीतत्त्वप्रकाशिका | | १-१०६ । |
| १५०२९ | भागवतम् | व्यासः | १-५ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·२ × ६·४ | १६ | ४२ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ८·८ × ४·१ | ९ | २९ | ” | ” | | पू० | स्कान्दम् । |
| ९·९ × ४·५ | ९ | २७ | ” | ” | | अपू० | प्रथमस्कन्धः । |
| ६·७ × ३·७ | ९ | २८ | ” | ” | १८१६ | ” | बालकाण्डम् । |
| १०·७ × ४·४ | १२ | ५४ | ” | ” | | ” | 'विषमपदी' । आदिसभावनपर्व्व-णामपूर्णा टिप्पणी । |
| १३·८ × १·३ | ७ | ? | द्रावि. | ताल. | | अपू० | |
| ९·५ × ४·२ | ७ | २३ | दे. ना. | का. | | ” | |
| १०·१ × ५ | १० | ३५ | ” | ” | १४७५ श. | अपू० | १-४० अध्यायाः । |
| ८·४ × ३·२ | ७ | ४० | ” | ” | १७५९ | पू० | |
| १० × ४·८ | ९ | २८ | ” | ” | १७९२ | ” | बृहद्वामनपुराणांशः । |
| ११·१ × ४·३ | १० | ५० | ” | ” | | अपू० | |
| १०·८ × ४·५ | १२ | ६० | ” | ” | | पू० | |
| ९ ९ × ५·५ | १० | ३७ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·७ × ६·२ | १३ | ५२ | ” | ” | १८६७ | पू० | वेदस्तुत्यध्यायमात्रम् । |
| ११·१ × ५·१ | १० | ५० | ” | ” | | ” | नवमस्कन्धः । |
| १२·२ × ४·५ | ८ | ४२ | ” | ” | १६११ | ” | पञ्चमस्कन्धः । |
| १२·४ × ६·३ | १३ | ४८ | ” | ” | | अपू० | प्रारम्भभागः । |
| १२·२ × ६·५ | १२ | ४८ | ” | ” | | ” | सटीकम् । |
| १२·५ × ६ | ११ | ४१ | ” | ” | | ” | भावार्थदीपिकाख्याटीकाप्रारम्भभागः। |
| १०·८ × ४·७ | ११ | ५० | ” | ” | | ” | |
| १०·५ × ४·६ | ५ | १९ | ” | ” | | पू० | दशमस्कन्धे द्वात्रिंशोऽध्यायः । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम। | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५०३० | भागवतम् | व्यासः | १-१० । |
| १५०३१ | ललितोपाख्यानम् | | १-१६० । |
| १५६३२ | पञ्चक्रोशीमाहात्म्यम् | | १-३९ । |
| १५०३३ | काशीखण्डम् | | १-७१ । |
| १५०३४ | भागवतम् | | १-४९ । |
| १५०३५ | मूलरामायणम् | | १-८ । |
| १५०३६ | भूगोलोत्पत्तिः | | १-१२ । |
| १५०३७ | भावार्थदीपिका | श्रीधरः । | १-२६ । |
| १५०३८ | धर्मसंवादः | | १-७ । |
| १५०३९ | ब्रह्मवैवर्तपुराणम् | | १-२, ५-९, ११-१०५ । |
| १५०४० | भागवतम् | | १-६ । |
| १५०४१ | अध्यात्मरामायणम् | | १-१९, १-३१, १-२१, १-२२, १-१२, १-३७ । |
| १५०४२ | बृहन्नारदीयपुराणम् | | ५७-७८, ९६-१२५ १३०-१६२ । |
| १५०४३ | पञ्चाक्षरीमाहात्म्यम् | | १-७ । |
| १५०४४ | काशीखण्डम् सटीकम् | | २६५ ( गणनया ) । |
| १५०४५ | जयैकादशीमाहात्म्यम् | | १-६ । |
| १५०४६ | तुलसीमाहात्म्यम् | | १-४, ६-४३ । |
| १५०४७ | धर्मकथा | | १-५ । |
| १५०४८ | कल्किबुद्धावतारकथनम् | | १-३ । |
| १५०४९ | नारायणवर्म | | १-५ । |
| १५०५० | गरुडपुराणम् । | | १-८४ । |
| १५०५१ | ” | | १-४८, ४८-४९, ४९-५०, ५०-७० । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १४·४ × ४·५ | ७ | २६ | दे· ना. | का. | | पू० | दशमस्कन्धे २९-३० अध्यायौ । |
| १०·७ × ४·७ | ८ | ३२ | ” | ” | | अपू० | ब्रह्माण्डोत्तरपुराणस्थम् । हिन्दी-टिप्पणसहितम् । |
| ९·६ × ३·२ | ७ | ३४ | ” | ” | १८६३ | पू० | ब्रह्मवैवर्ते । |
| १०·५ × ४·४ | १२ | ३७ | ” | ” | | अपू० | |
| ११·५ × ५ | १० | ४१ | ” | ” | | ” | तृतीयस्कन्धः । |
| ९·७ × ४·८ | १० | २७ | ” | ” | | पू० | |
| ७·५ × ४·४ | ९ | २३ | ” | ” | | अपू० | |
| १०·१ × ४·५ | १० | ४१ | ” | ” | १८८८ | पू० | भागवतसङ्क्षेपः । |
| १०·१ × ४·४ | १२ | ३३ | ” | ” | | ” | महाभारतान्तर्गतः । |
| ९·७ × ४·३ | ९ | ४७ | ” | ” | १८३२ | अपू० | गणपतिखण्डम् । |
| ११·१ × ४.७ | १० | ४२ | ” | ” | १८६९ | पू० | नवमस्कन्धस्यैकादशोऽध्यायः । अन्तिमपत्रे श्रीतुलसीदासकृतं 'वरवैरामायण'श्चेति । |
| १३·८ × ५·२ | १२ | ५४ | ” | ” | | | युद्धकाण्डान्तम् । |
| ८ × ४·२ | १४ | २९ | ” | ” | | अपू० | |
| ९·४ × ४·१ | ११ | ३७ | ” | ” | १६५३ | पू० | लिङ्गपुराणोक्तम् । |
| १४·६ × ५·४ | १३ | ५३ | वङ्ग | ” | | अपू० | स्कन्दपुराणान्तर्गतम् । |
| १२·५ × ३·९ | ८ | ४५ | दे. ना. | ” | १८४९ | पू० | |
| ९ × ५ | १० | २४ | ” | ” | | अपू० | विष्णुधर्मोत्तरपुराणान्तर्गतम् । |
| ९·४ × ४·५ | १० | ४२ | ” | ” | | पू० | महाभारतान्तर्गता । |
| ६·८ × ३·६ | १४ | ३६ | ” | ” | १७६० | ” | तत्ससर्थकपुराणान्तरोद्धरणानि च । |
| ९·५ × ४·२ | ६ | २९ | ” | ” | | ” | भागवते षष्ठस्कन्धेऽष्टमोऽध्यायः । |
| १०·५ × ४·५ | ८ | २९ | ” | ” | १९०६ | | |
| १०.७ × ४·२ | १० | ३८ | ” | ” | १८८४ | ” | प्रेतखण्डान्तम् । |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५०५२ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-३३ । |
| १५०५३ | कार्ष्णिरामायणम् | | १-४९ । |
| १५०५४ | काशिकातिलकम् | नीलकण्ठः रामभट्टात्मजः | १-११ । |
| १५०५५ | काशीमुक्तिप्रकाशिका | आत्मसुखः | १-४८ । |
| १५०५६ | कैलासयात्रा | | १-७१ । |
| १५०५७ | दुर्जनमुखचपेटिका | रामाश्रमः | १-४ । |
| १५०५८ | ब्रह्मवैवर्तपुराणम् | | १४-१६, २७, २९, ७१, ९४ । |
| १५०५९ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-७३ । |
| १५०६० | काशीमाहात्म्यम् | | १-३० । |
| १५०६१ | क्रियायोगसारः | | १-२७ । |
| १५०६२ | भागवतम् | व्यासः | १-१३५ । |
| १५०६३ | " | " | १-९, ९-७८ । |
| १५०६४ | " सटीकम् | | ७-५९ । |
| १५०६५ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-८९ । |
| १५०६६ | मूर्तिरहस्यम् | | १-१६ । |
| १५०६७ | देवीभागवतस्थितिः | शैवनीलकण्ठः | १-१४ । |
| १५०६८ | उत्पन्नैकादशीमाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १५०६९ | काशीस्वरूपकथनम् | | १ । |
| १५०७० | गरुडसंवादः | | १-३ । |
| १५०७१ | दुर्जनमुखचपेटिका | रामाश्रमः | १-८ । |
| १५०७२ | देवीभागवतस्थितिः | | १-९ । |
| १५०७३ | अध्यात्मरामायणम् सटीकम् | टी.का. रामवर्मा | १-१६, १६-३८, १-१६, १६-३४, १-२९, १-३१, १-१९, १-५८, १-३८ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३ × ३·७ | ९ | ९ | वङ्ग. | का. | | अपू० | |
| १० × ४·५ | १२ | २९ | दे. ना. | ” | | पू० | |
| १२·३ × ३·५ | ९ | ५७ | ” | ” | | ” | |
| १०·७ × ४·६ | ६ | २९ | ” | ” | | ” | |
| १० × ४·६ | ९ | ३३ | ” | ” | १८९३ | ” | |
| १०·१ × ४·६ | ९ | ३६ | ” | ” | | ” | श्रीमद्भागवतस्यैव भागवतत्वप्रतिपादकोऽयं ग्रन्थः। |
| १०·२ × ४·८ | १२ | ४२ | ” | ” | | अपू० | |
| ८·६ × ४ | ९ | ३८ | ” | ” | १८२९ | पू० | सनत्कुमारसंहितान्तर्गतम्। |
| ९·५ × ४·३ | ११ | ३३ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्त्ते। |
| १५·२ × ६·५ | ११ | ४७ | ” | ” | | अपू० | पद्मपुराणान्तर्गतः। |
| ९·९ × ४·३ | ७ | २९ | ” | ” | | पू० | एकादशस्कन्धः। |
| १६·१ × ५·५ | १२ | ६३ | वङ्ग. | ” | | अपू० | |
| १३·७ × ७ | ९ | ३६ | दे. ना. | ” | | ” | दशमस्कन्धः द्वादशाध्यायपर्यन्तः। |
| ९·५ × ४·३ | ७ | ३८ | ” | ” | | पू० | भविष्योत्तरे। |
| ४·८ × ३·४ | ८ | १२ | ” | ” | १७६३ | ” | देवीमाहात्म्ये। |
| १०·६ × ४·६ | ८ | ३९ | ” | ” | | ” | |
| ९·१ × ५·३ | १३ | २९ | ” | ” | | ” | |
| १५·६ × ६ | २३ | ३४ | ” | ” | | अपू० | |
| ९·६ × ४·३ | ८ | २३ | ” | ” | | ” | |
| ९·८ × ४·६ | ८ | २९ | ” | ” | | पू० | |
| १०·८ × ४·५ | ७ | ४२ | ” | ” | | अपू० | |
| १४·२ × ५·५ | १२ | ५२ | ” | ” | | पू० | सेतुटीकासहितम्। |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १९०७४ | भागवतभावार्थदीपिका | टी. का. श्रीधरः | १-४३, १-२७, १-७६, १-६४, १-९१, १-३९, १-४१, १-३२, १-२८, १-९१, १-८०, १-९४, १-२८। |
| १९०७५ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | ११२ ( गणनया )। |
| १९०७६ | विष्णुपुराणम् " | | १-९७। |
| १९०७७ | महाभारतम् | | १-९। |
| १९०७८ | मन्त्रभागवतम् सटीकम् | टी.का. गोविन्द-सूनुनीलकण्ठः | १-९२। |
| १९०७९ | मन्त्रकाशीखण्डम् | | १-२७। |
| १९०८० | काशीमाहात्म्यवर्णनम् | | ११ ( गणनया )। |
| १९०८१ | कामधेनुः ? | | १-२। |
| १९०८२ | कायस्थपुराणम् | | ३-२८। |
| १९०८३ | उद्योगपर्वणिप्रजागरः | | २-११। |
| १९०८४ | इतिहाससमुच्चयः | | १-२३, २९-९२। |
| १९०८५ | आपद्धर्मविषमपदव्याख्या | अनन्तभट्टः | १-१७, २१-२२। |
| १९०८६ | धर्माधिकारिवंशवर्णनम् | वेणीरामपण्डितः | १-१३। |
| १९०८७ | रुक्मिणी संदेशः | टी. का. वामनः | १। |
| १९०८८ | देवीभागवतस्थितिः | नीलकण्ठः | १-१४। |
| १९७८९ | गोत्रिरात्रव्रतकथा | | १-६। |
| १९०९० | काशीमाहात्म्यसारः | | १-१४, १६-१७। |
| १९०९१ | पद्मपुराणम् | | १-९४, १-६१, १-६१, १-५८, १-५९। |
| १९०९२ | कालिकापुराणम् | | १-१८२, १८२-२०१, २०३-२२५। |
| १९०९३ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-२३। |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·९ × ५·५ | ११ | ३९ | दे. ना. | का. | | पू० | १-१२ स्कन्धाः । |
| १०·७ × ४·८ | ९ | ४२ | ” | ” | | अपू० | षष्ठदशमस्कन्धांशाः । |
| १२ × ४ | १० | ४९ | ” | ” | | ” | प्रथमांशः । |
| १३·१ × ५·८ | ११ | ४२ | ” | ” | | ” | प्रास्थानिकपर्व । |
| १०·६ × ५·२ | ११ | ३७ | ” | ” | १९३२ १७९७ श. | ” | मन्त्ररहस्यप्रकाशिकाख्यटीकोपेतम् । |
| १३·४ × ७ | १२ | ४९ | ” | ” | | ” | |
| १०·३ × ४·६ | १० | २७ | ” | ” | | ” | |
| ९·६ × ३·१ | १० | ३२ | ” | ” | | पू० | काव्यप्रकरणम् । गौरीगणेशसंवादरूपम् । |
| १० × ५·५ | ८ | ३० | ” | ” | १९२९ १७९४ श. | अपू० | पद्मपुराणीयम् । |
| ८·९ × ३·८ | १४ | ४४ | ” | ” | | ” | |
| १०·२ × ४·४ | ८ | ३३ | ” | ” | | ” | |
| ९·२ × ३·९ | १० | ३१ | ” | ” | | ” | महाभारतटीका । |
| ७·४ × ४·६ | ११ | २३ | ” | ” | | पू० | |
| ६·७ × ३·३ | ८ | २६ | ” | ” | | अपू० | समश्लोकी, मराठीभाषाटीकोपेतः श्लोकद्वयात्मकः भागवते १०सं०५२श्लो० । |
| १०·२ × ४·५ | ९ | ३७ | ” | ” | | पू० | |
| १०·५ × ४·४ | १३ | ३६ | ” | ” | | ” | भविष्योत्तरपुराणस्था । |
| १० × ४·७ | ११ | ५३ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·८ × ६·४ | १७ | ५१ | ” | ” | १८२३-१८२४ | पू० | १-५ खण्डात्मकम् । |
| १८·८ × ४·५ | ८ | ७६ | वङ्ग. | ” | | अपू० | |
| १७·७ × ६·९ | १० | ६३ | ” | ” | | ” | चतुर्थस्कन्धे साद्धषष्ठाध्यायमात्रम् । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५०९४ | ॐकारमाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १५०९५ | महाभारतम् | व्यासः | १-४७ + २ । |
| १५०९६ | पराशरोपपुराणम् | | १-६३ । |
| १५०९७ | कार्त्तिकपुराणम् ? | | १-४६ । |
| १५०९८ | वनपर्वार्थदीपिका | अर्ज्जुनमिश्रः | १-७, ९-११२, ११७-११८, १२१-१२६ । |
| १५०९९ | वाल्मीकिरामायणम् सटीकम् | टी.का. देवराम भट्टः शिवलाल पा०पादानुयायी | १-१६३, १-३०२, १-१५०, १-२०८, १-२१७, २१९-३१०, ३१२-३७८, १-९६, १००-२०९, १-१६९ । |
| १५१०० | ” | | १-४२, १-३८ (= ३९)-१६९, १-१५ (= १६) -१२२, १-९८, १-१०१, १-१११, १-८३, ८३-१२२, १२४-२२६, ३४-१४८ । |
| १५१०१ | एकादशीमाहात्म्यसङ्ग्रहः | | १-१५, १७-३४, ३९-५३ । |
| १५१०२ | अध्यात्मरामायणम् | | २ ( गणनया ) । |
| १५१०३ | मूलरामायणम् | | १ । |
| १५१०४ | शिवलिङ्गवर्णनम् | | १ । |
| १५१०५ | रामायणम् सटीकम् | वाल्मीकिः टी.का. भट्टदेवरामः | १-१७६, १७८-२०४, २०४-२०७ । |
| १५१०६ | ” ” | वाल्मीकिः | १-२९३, २९५-३२९ । |
| १५१०७ | ” ” | वाल्मीकिः टी.का. भट्टदेवरामः | १-८९, ८९-२१६ । |
| १५१०८ | भागवतम् ” | व्यासः टी. का. श्रीधरस्वामी | १-९०, १-४८, १-१४५, १-१३५, १-९२, १-७५, १-७६, १-७२ १-६४, १-१८०, १-१५०, १-३६, ३४-१८२, १-४९ । |
| १५१०९ | सूतसंहिता | | १७८ (गणनया ) । |
| १५११० | रामायणम् सटीकम् | वाल्मीकिः टी.का. भट्टदेवरामः | १-२२४, १-४२१, १-१७५, १-१५२ । |
| १५१११ | महाभारतम् | | १-६, ६-४१ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८·३ × ३·९ | ९ | २५ | वङ्ग | का. | | अपू० | |
| १७·५ × १·२ | ६ | | द्रावि. | ताल. | | पू० | मौसलादिस्वर्गारोहणान्तम् । |
| १७ × १·१ | ६ | | ” | ” | | ” | |
| १४·७ × १·१ | ७ | | ” | ” | | ” | पाद्मम् । |
| १३·२ × १·५ | ५ | ६८ | वङ्ग | ” | | अपू० | |
| १२·६ × ६·३ | १३ | ३९ | दे.ना. | का. | १८७२ | ” | बालकाण्डत उत्तरकाण्डं यावत्, युद्धकाण्डं खण्डितम् । पत्रमेकमायुर्वेदस्यापि । |
| १३ × ५·५ | ८<br>११ | ४१ | ” | ” | १८४६<br>१७३५ | ” | बालकाण्डतः समाप्तिं यावत् बालकाण्डं खण्डितम् । आरण्यकाण्डं द्विरावृत्तम् । |
| १२·३ × ५·५ | १२ | ३४ | ” | ” | | ” | |
| ८·५ × ४·६ | १२ | २९ | ” | ” | | ” | किष्किन्धाकाण्डम् । |
| ६·४ × ३·७ | ७ | २२ | ” | ” | | ” | |
| ९·४ × ४·६ | १३ | ३८ | ” | ” | | ” | आग्नेयेमहापुराणे गायत्रीब्रह्म-निर्वाणम् । |
| १३·७ × ७·१ | ११ | ३८ | ” | ” | | ” | सुन्दरकाण्डम् । |
| १४·७ × ७·८ | ११ | ३३ | ” | ” | | ” | युद्धकाण्डम् । |
| १४·७ × ८ | ११ | ३९ | ” | ” | | पू० | उत्तरकाण्डम् । |
| १४ × ७·७ | १३ | ४० | ” | ” | | ” | १-१२ स्कन्धाः । |
| १७ × १·२ | ७ | ११० | द्रावि. | ताल. | | ” | स्कान्दे, यज्ञवैभवखण्डः । |
| १४·५ × ७·७ | १० | ५१ | दे.ना. | का. | | ” | बालकाण्डमयोध्याकाण्ड-मारण्यकाण्डं किष्किन्धाकाण्डञ्च । |
| १३·१ × ६·४ | ११ | ४१ | ” | ” | १७७२<br>१६३७ श. | ” | आश्रमवासिकपर्व । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १९११२ | माघमासमाहात्म्यम् | | १-४७ । |
| १९११३ | ” | | १-९७ । |
| १९११४ | मूलरामायणम् | वाल्मीकिः | १-१० । |
| १९११५ | ” | ” | ६,८-९, ११-१२ । |
| १९११६ | ” | ” | ३ । |
| १९११७ | महाभारतम् | | १-२२० । |
| १९११८ | जैमिनिभारतम् | | १-४५, ८३-८९, ९१-२६७ । |
| १९११९ | रासपञ्चाध्यायीसव्याख्या | टी. का. वल्लभाचार्यः | १-१०, १२-१३, १५-२८, ३०-४३, ४७-५६, ५८-६२, ६५-८२, ८४-१०५, ११२ । |
| १९१२० | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-२२ । |
| १९१२१ | गयामाहात्म्यम् | | १-३७ । |
| १९१२२ | व्यङ्कटाद्रिमाहात्म्यम् | | ३, ७-८, ११-१३, १५, २२, २७, २९-३०, ३२-३३, ३६-३८, ४२, ४४-४५, ४७, ५०-५२, ५५, ५७-६० । |
| १९१२३ | महाभारतटीका | अर्जुनमिश्रः | १-५, ७, ११-१३, २७-३८, १-४, १-२४, २७-४०, १-१४, १-४ । |
| १९१२४ | भगवद्भक्तिमाहात्म्यम् | | २-४, ६-३० । |
| १९१२५ | महाभारत सटीकम् | टी.का. नीलकण्ठ चतुर्द्धरः | १५७१ ( गणनया ) । |
| १९१२६ | मुद्गलपुराणम् | | १-६६, ६६-८०, १००-१०७, १०९, १११-११८, १४२-१५१,१५३, १५३, १५५-१६१, ३-१२६, ११९-१३४ । |
| १९१२७ | एकाम्रपुराणम् | | १-१८२, १-६९ । |
| १९१२८ | पद्मपुराणम् | | ६-३३ । |
| १९१२९ | गरुडपुराणम् | | १-३९ । |
| १९१३० | वैशाखमाहात्म्यम् | | १-३८ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·८ × ९·७ | १२ | ४० | दे. ना. | का. | १८३७ १७०२ श. | पू० | पद्मपुराणे, उत्तरखण्डे, वसिष्ठ-दिलीपसंवादे । |
| १३·१ × ९·९ | १० | ३७ | " | " | १६९७ | " | पद्मपुराणस्थम् । |
| ९ × ३·२ | २१ | ८ | " | " | | " | |
| ६·३ × ३·६ | ७ | २१ | " | " | | अपू० | |
| ६·४ × ३·७ | ७ | १९ | " | " | | " | |
| १९ × ४ | ७ | ५१ | वङ्ग. | " | १५९० | पू० | आश्वमेधिकपर्व । |
| १२·८ × ४·४ | ९ | ४० | दे. ना. | " | | अपू० | १-६० अध्यायपर्यन्तम् । |
| १२ × ९·९ | ८ | ३२ | " | " | १६१३ श. | " | सुबोधिनी |
| ९·८ × ४·७ | ९ | ३३ | " | " | | " | मात्स्ये । |
| ९·९ × ९ | ११ | २९ | " | " | १७४९ | पू० | वायुपुराणे १–८ अध्यायाः । |
| १०·१ × ४·७ | १० | ४४ | " | " | | अपू० | वामनपुराणे । |
| ११·६ × ३·८ | १० | ८३ | वङ्ग. | " | | " | आदि, वन, विराट, उद्योग, भीष्म, द्रोण, पर्वाणाम् । |
| १०·६ × ९·६ | १० | २७ | दे. ना | " | | " | |
| १३·९ × ७·१ | १२ | ६१ | " | " | | " | भारतभावदीपयुतम् । विराटोद्योग-कर्णाश्वमेधिकशान्तिपर्वाणि । शान्तिपर्वणिराजदानापन्मोक्षधर्माः । |
| १४·४ × ६·६ | १० | ३७ | " | " | १७१३ श. | " | प्रथमखण्डम् । |
| ११·८ × ६·१ | ९ | ३९ | " | " | १८३४ | " | १-४३, ९३-७० अध्यायाः |
| १३ × ४·७ | १० | ६१ | वङ्ग. | " | | " | पातालखण्डम् । |
| १२·६ × ९·९ | १४ | ४५ | " | " | १८८२ | पू० | १–३३ अध्यायान्तम् । |
| १४·१ × ७·४ | १८ | ४१ | " | " | १८१४ १६७९ श. | " | पाद्मे पातालखण्डे, नारदाम्बरीष-संवादे । |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५१३१ | पुराणपाठानुक्रमः | | १-३ । |
| १५१३२ | भगवच्चरितामृतरहस्यसङ्ग्रहः | हरिकृष्णः | ९-१८ १८-२५ । |
| १५१३३ | लोकेव्यवायेतिश्लोकव्याख्या | काशीनाथोपाध्यायः | १-५ । |
| १५१३४ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-८४, २५-२६, ३१-३२, ३५-३६, १-७७, ७९-११६, १०८-१६५, १-१०४ । |
| १५१३५ | महाभारतम् सटीकम् | टी. का. नीलकण्ठः | १९६४ ( गणनया ) । |
| १५१३६ | मलमासकृष्णैकादशी-कामदामाहात्म्यम् | | १ । |
| १५१३७ | भागवतम् | | १-२३ । |
| १५१३८ | ब्रह्माण्डोत्तरपुराणम् | | १-२२ । |
| १५१३९ | गणेशपुराणम् | | ६४-१२४, १२६-१४७, १४७-१६८, ३२, ३२-३५, ३७-७१, ७३-१२१, १२३-२५०, २५२-२७२ । |
| १५१४० | अध्यात्मरामायणम् सटीकम् | टी. का. श्रीरामवर्मा | १-४५, १-५१, १-३६, १-४१, १-२५, १-७५, (=७६), ७७-८०,१-३४ (=३५), ३६-५५ । |
| १५१४१ | अध्यात्मरामायणम् | | १-१९४ । |
| १५१४२ | भागवतकथाकथनक्रमः | | १-६०, १-७, १-१७, १-३९, १-१५, १-१६, १-१७, १-३३, १-१०४ । |
| १५१४३ | काशीखण्डम् | | १-५७, ८९-४०५ । |
| १५१४४ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-७१, १-२९, १-२८, १-१२, १-५२, १-११, १-४१, १-७, १-१०, १-४१, १-२९, १-१२४(=१२५-१२८) १२९-२०१, १-५, १-६, १-१३, १-८ । |
| १५१४५ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-७०, १-६४, (=६५) ६६-१२७, १२७-१२८, १-५७, ५७-५९, ६७-८७, १-८०, १-६, ६-२२, २२-४८, ५०-५२, ५४-१०२, १०२, १-१३२, १३४-१४०, (=१४१), १४२-१६३, १-९१ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १६·४ × ३·४ | ८ | ६२ | वङ्ग. | का. | | पू० | भागवतस्य । |
| १४·३ × ४·५ | ७ | ४९ | दे. ना. | ” | | अपू० | रासपञ्चाध्यायीव्याख्या । |
| १०·३ × ४·६ | ११ | ५२ | ” | ” | | ” | भागवते ११ स्कन्धे । |
| १४·४ × ५·४ | ११ | ५१ | मैथि. | ” | १७४७ श.<br>१७६६<br>१७७५ | ” | आरण्यकिष्किन्धासुन्दरलङ्कोत्तर-काण्डान्तम् । |
| १३·४ × ६·९ | १२ | ३६ | दे. ना. | ” | १८९१ | ” | आदिसभावनविराटकर्णशल्यसौप्तिकविशोकस्त्रीपर्वाणि, शान्तिपर्वणि राजधर्मश्च । |
| ७·८ × ३·७ | ९ | ३० | ” | ” | | ” | भविष्योत्तरपुराणे । |
| १३ × ६·७ | १० | ३४ | ” | ” | १८५९<br>१७२४ श. | पू० | द्वितीयस्कन्धः । |
| १२·८ × ५·१ | ११ | ४३ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·८ × ५·८ | ११ | ४० | ” | ” | | ” | पूर्वोत्तरखण्डात्मकम् । |
| १२·३ × ६ | १२ | ४० | ” | ” | १८५१ | पू० | |
| १०·४ × ४·३ | ९ | ३९ | ” | ” | | अपू० | ब्रह्माण्डपुराणे उत्तरखण्डे |
| १३·५ × ४·१ | ५ | ३६ | वङ्ग. | ” | | पू० | |
| १६·७ × ५·३ | ८ | ३६ | ” | ” | | अपू० | स्कान्दम् । |
| १९·१ × ४ | १७ | ८९ | ” | ” | वङ्गाब्दः<br>१२९६<br>१२९७ | ” | नवीनचन्द्रशर्मकृतवङ्गभाषा-टीकोपेतञ्च । |
| १३ × ७·३ | १४ | ४३ | दे. ना. | ” | | पू० | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १९१४६ | रामायणम् | | ६-८, ४६, ५१-११६, ११८-१३३, १०८-१३१, १३३-१४२, १६३, १८०-१८४, १८८, २२२, ५७-१६०, ११९-२२७, २२९-२८९, १-६८, ६८-१११ । |
| १९१४७ | महाभारतटीका | रत्नगर्भः | १-२५, १-११ । |
| १९१४८ | महाभारतम् | | १-१९९, १९९-२८९ । |
| १९१४९ | " सटीकम् | टी. का. नीलकण्ठः | १-१०३ । |
| १९१५० | वनपर्वकथासङ्ग्रहः | | १-१९२ । |
| १९१५१ | भागवतकथासङ्ग्रहः | | |
| १९१५२ | योगनिद्रासंविधानम् | | १-२ । |
| १९१५३ | पुण्डरीकमाहात्म्यम् | | १८-४० । |
| १९१५४ | भागवतसारार्थदर्शिनी-टीका | विश्वनाथचक्रवर्ती | १-४३, ४३-५९, ६४-७०, ७२-१५३ १५६-२१३, २२२-२६७, २६९-३०८, ३११-३५०, ३५२-४४४, ४४७-५१०, ५०१-५५६, ५७३, ६५१, ६९३-७६७, ७६७-१००१, १००३-१०४०, १०४२-१०६२ । |
| १९१५५ | पुरुषोत्तममाहात्म्यम् | | १-९५, ९७-१५७, । |
| १९१५६ | भगवद्भक्तिमाहात्म्यम् | | १-३०५, ३०५-३४९, ३४९-३५१ । |
| १९१५७ | ब्रह्मवैवर्तपुराणम् | | १-२१, २३, २५-३००, ३१६-३५७, १-१३७, १-१९० । |
| १९१५८ | महाभारतम् | | १-१२ । |
| १९१५९ | " | | १-३८ । |
| १९१६० | काशीमाहात्म्यम् | | १-२७ । |
| १०१६१ | भागवतम् सटीकम् | | १-५८ । |
| १९१६२ | अमरनाथयात्रा | | १-१२, १४-२७ । |
| १९१६३ | काशीमाहात्म्यम् | | १-४१ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·९ × ५·३ | १४ | ४१ | दे. ना. | का. | | अपू० | बालअयोध्यासुन्दरलङ्कोत्तर-काण्डानि । |
| ११ × ४·८ | ११ | ३३ | ” | ” | | ” | आदिद्रोणपर्वणोः । |
| १२·८ × ६·८ | १३ | ४२ | ” | ” | | ” | द्रोणपर्व । |
| १२·८ × ६·६ | १२ | ४७ | ” | ” | | ” | विराटपर्व । |
| १७·३ × १·५ | ४ | ५८ | वङ्ग. | ता. प. | १७२० श. | पू० | १-८ अध्यायाः । |
| १९·५ × १·५ | ३ | ७५ | ” | ” | | अपू० | अतिजीर्णत्वात् पत्रगणनानर्हं पुस्तकम् । |
| ९·६ × ४·२ | १८ | ४१ | दे. ना. | का. | १८५४ | पू० | हरिवंशे । आर्यास्तवश्च । |
| १० × ४·६ | ११ | २८ | ” | ” | | अपू० | शिवपुराणे एकादशरुद्रसंहितायाम् । |
| ११·३ × ५·४ | ६ | २७ | ” | ” | | ” | १० स्क० १-८६ अध्यायाः । |
| १२·९ × ४·७ | १० | ५७ | वङ्ग. | ” | १६४२ श. | पू० | |
| १३ × ६·३ | ११ | ३३ | ” | ” | १८९७ | ” | भक्तमाल । |
| १२·९ × ४·९ | ८ | ३४ | दे. ना. | ” | १९२७ | अपू० | |
| १३·३ × ५·८ | १० | ४३ | ” | ” | १६८५ | ” | मौशलपर्व । |
| १३·४ × ५·८ | १० | ४८ | ” | ” | | ” | आश्रमवासिपर्व । |
| १२·५ × ६·२ | ९ | २९ | ” | ” | | अपू० | |
| १३·९ × ७·४ | १० | ५१ | ” | ” | | पू० | द्वादशस्कन्धः । |
| ६·३ × ६ | १२ | २४ | ” | ” | | अपू० | भृङ्गीशसंहितास्था । |
| १४ × ७·१ | १५ | ३७ | ” | ” | | पू० | पद्मपुराणान्तर्गतम् । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १९१६४ | भागवतमाहात्म्यम् | | १-६ । |
| १९१६५ | महाभारततात्पर्यनिर्णयटीका | वरदराजाचार्यः | २-९४ । |
| १९१६६ | काशीमाहात्म्यम् | | १-४३ । |
| १९१६७ | रामायणम् सटीकम् | वाल्मीकिः | १-१४४, १-२९०, १-३४, ३४-१२७, १-११९, १-१५०, १-२४६, १-५८, ५८-१४६, १-६, १-६ |
| १९१६८ | ,, ,, | टी.-श्रीरामः | १-१४४, १-४२, ६३-१५७, १५९-१६०, १६८ । |
| १९१६९ | तत्त्वदीपनिबन्धविवृति-टिप्पणी | कल्याणरायः मुरलीधरात्मजः | १-७ । |
| १९१७० | रामायणम् | वाल्मीकिः | ३-१५९, १६२ । |
| १९१७१ | पद्मपुराणम् | | १-९२, १-११५, १-३४, १-१७२, १-२९, १-४००, १-३१३ । |
| १९१७२ | भ्रमरगीतटीका | | १-६ । |
| १९१७३ | भागवतस्यटीकायाष्टीका | | ४९-८३ । |
| १९१७४ | भागवतम् | | १-१७३ । |
| १९१७५ | ,, | | १-२३९ । |
| १९१७६ | भागवतसूचिका | अनूपनारायणः | १-५ । |
| १९१७७ | भागवतसूचनिका | | १-१४ । |
| १९१७८ | भागवतसारांशः | | २-१४ । |
| १९१७९ | भागवतसारार्थः | | १-१२ । |
| १९१८० | भागवतमाहात्म्यम् | | १-९ । |
| १९१८१ | ,, | | १-१६ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११·६ × ४·८ | १३ | ४७ | दे. ना. | का. | | पू० | गौरीतन्त्रे पुराणदानमाहात्म्ये १-५ पटलानि । |
| १०·८ × ४·७ | ९ | ४६ | ” | ” | | अपू० | |
| ११·२ × ४ | ७ | ३६ | ” | ” | १७२३ | पू० | पाद्मे पातालखण्डे । |
| १२·९ × ६·७ | १५ | ४५ | ” | ” | १८३६-१८३७ | ” | |
| १४·५ × ७·५ | १३ | ७० | ” | ” | | अपू० | बालायोध्याकाण्डे । |
| १२·६ × ५·१ | ९ | ३९ | ” | ” | | ” | प्रथमप्रकरणम् । |
| १४·६ × ७·१ | १४ | ५४ | ” | ” | | ” | बालकाण्डम्, विषमपदटीकासहितम् । |
| १४ × ७·५ | १४ | ३९ | ” | ” | | ” | आदिपातालभूमिब्रह्मोत्तरसृष्टि-खण्डानि । |
| ११·१ × ७ | १९ | ३९ | ” | ” | | पू० | अत्र चित्रजल्पपदार्थस्य विशेष-विवेचनं वर्तते । |
| १२·२ × ४·९ | ८ | ३३ | ” | ” | | अपू० | दशमस्कन्धपूर्वार्द्धम् । |
| १२·७ × ७·३ | १५ | ४२ | ” | ” | १८९५ | पू० | भावार्थदीपिकाभाषाटीकासहितम् दशमस्कन्धोत्तरार्द्धम् । ५०-९० अध्यायाः । |
| १२·७ × ७·२ | १३ | ३४ | ” | ” | | ” | भावार्थदीपिकाभाषाटीकासहितम् दशमस्कन्धपूर्वार्द्धम् । १-४९ अध्यायाः । |
| ९·४ × ४·२ | १४ | ३८ | ” | ” | १८६५ | ” | विद्वद्विनोदिनी । |
| १२·४ × ४·८ | ९ | ४५ | ” | ” | | ” | भागवतानुक्रमणिका । |
| ९ × ५·१ | ९ | २१ | ” | ” | | अपू० | गद्यात्मकः, टीकासङ्क्षेपरूपः । |
| १०·१ × ५·३ | १६ | ३० | ” | ” | | पू० | |
| १३·३ × ५·४ | ९ | ३६ | ” | ” | १८१३ (१८०१३)? | ” | स्कन्दपुराणान्तर्गतम् । |
| ११·५ × ५·८ | १५ | ४४ | ” | ” | १८३९ | ” | पद्मपुराणस्थम् । १-६ अध्यायाः । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५१८२ | भागवतविवरणम् | पुरुषोत्तमः | १-२५, २५-३० । |
| १५१८३ | भागवततात्पर्यम् | श्रीमदानन्दतीर्थ-भगवत्पादः | १-२, ४-१२ । |
| १५१८४ | तत्त्वदीपः | | १-१८ । |
| १५१८५ | " | वि. का. इन्दिरेशभट्टः | १-४ । |
| १५१८६ | सेतुमाहात्म्यम् | | २-७, ९-५० । |
| १५१८७ | भागवतटिप्पणिका | पुरुषोत्तमः | २-४०, १-१४३, १-३, १-२३ । |
| १५१८८ | " | " | १-१० । |
| १५१८९ | भागवतं किङ्कल्पीयमिति विचारः | | १-३ । |
| १५१९० | तत्त्वदीपप्रकाशावरणभङ्गः | पुरुषोत्तमः | १-२०, १-८, १-२२, १, १-४, ४-३१ । |
| १५१९१ | " | पीताम्बरः | १-८४ । |
| १२१९२ | " | पुरुषोत्तमः | १-९८, १२२-१३६ । |
| १५१९३ | महाभारतम् | | १-७९ । |
| १५१९४ | वराहपुराणम् | | १-७९ । |
| १५१९५ | महाभारतम् | | ५३-८८, ९०-१५१ । |
| १५१९६ | रासपञ्चाध्यायी | | १-२०, ३५-७५, ५३-८३ । |
| १५१९७ | भागवतम् | | १-१७ । |
| १५१९८ | गोपीगीतम् सटीकम् | टी. वनमालिभट्टः | १-५ । |
| १५१९९ | काशीमाहात्म्यम् | | ५-८४ । |
| १५२०० | भार्गवपुराणम् | | १-४४, ४४-१४८ । |
| १५२०१ | हरिवंशः | | १-१८१, १८१-३०५, ३०७-३३८, ३५३-३६८, ३७७, ३८४-४२९, ४५६-४७४ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·८ × ४·८ | १० | ४७ | दे. ना. | का. | | अपू० | एकादशस्कन्धस्य वल्लभकृत-सुबोधिन्याष्टीका। |
| ९·१ × ३·७ | ९ | ४१ | " | " | १८७१ | " | द्वितीयस्कन्धः। |
| ९·७ × ४·३ | ८ | २७ | " | " | १८६९ | पू० | भागवतव्याख्यानात्मकप्रकीर्णटिप्पणी |
| ८·१ × ३·९ | ७ | २३ | " | " | | " | भागवतव्याख्यानात्मकनिबन्धाद्य-पदविवरणम्। |
| १० ३ × ४·६ | १२ | २७ | " | " | | अपू० | भविष्योत्तरे १-९ अध्यायाः, जैमिनीपुराणे म. भा. आरण्यपर्वणि १-४ अध्यायाः। |
| १२·६ × ४·८ | १० | ३८ | " | " | | " | भागवतसुबोधिन्युपरि। |
| १२·९ × ४·८ | ९ | ३१ | " | " | | " | भागवतसुबोधिन्युपरि काचिट्टिप्पणी। |
| १२·४ × ४·८ | १० | ४२ | " | " | | पू० | |
| १२·९ × ४·८ | ११ | ५१ | " | " | | " | भागवतव्याख्यानात्मकः, १-४ स्कन्धाः। |
| १२·९ × ४·९ | ११ | ४६ | " | " | | " | भागवतव्याख्यानात्मकः। |
| १२·९ × ५ | ११ | ५२ | " | " | | अपू० | सर्वनिर्णयप्रकरणम्। |
| १४·१ × ७·३ | १२ | ३९ | " | " | १६४५ | पू० | सभापर्व। |
| १३·३ × ६·८ | १५ | ४५ | " | " | | " | |
| १२·४ × ५·७ | १७ | ४६ | " | " | १७५५ | " | उद्योगपर्व। |
| १४·५ × ५·८ | १४ | ४४ | " | " | १८१४ | अपू० | विशुद्धरसदीपिकासहिता। |
| ११·२ × ७·१ | १९ | ४६ | " | " | | पू० | पदार्थसरसीटीकासहितम्, १० स्कन्धे २९ अध्यायः। |
| ११·१ × ७ | १७ | ५० | " | " | | " | भक्तितरङ्गिणीटीका। |
| ११·५ × ५·३ | १३ | ३४ | " | " | १७४५ | अपू० | १-२६ अध्यायाः, ब्रह्मवैवर्ते। |
| १३·१ × ६·९ | १५ | ४८ | " | " | १८६९ | पू० | |
| १७·४ × ३·७ | ८ | ६८ | वङ्ग. | " | | अपू० | |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५२०२ | अद्भुतरामायणम् | | १-३९ । |
| १५२०३ | क्रियायोगसारः | | १-१२२ । |
| १५२०४ | अध्यात्मरामायणम् | | १-१७९ (=१८० – १८९) १९०-२२४ । |
| १५२०५ | " " | | १-७०, ७२-११८, ११८-११९, ११९-१२९ । |
| १५२०६ | रामायणम् सटीकम् | वाल्मीकिः टी. का. श्रीरामः | १-३३३, १-१७९, १-१६५ । |
| १५२०७ | " " | " | १-२१२, १-१५२, २०४-२०६, २०९-३७० । |
| १५२०८ | महाभारतम् | | १-३२, (=३३) ३४-३१० । |
| १५२०९ | " | | १-१५५, १-२ । |
| १५२१० | वाल्मीकिरामायणम् | टी. का. रामः | १-१५०, १-३७१ । |
| १५२११ | जैमिनिभारतम् | जैमिनिः | १-५५, ५७-१७०, १७० । |
| १५२१२ | महाभारतम् | | १-२६६ । |
| १५२१३ | अध्यात्मरामायणम् | | २६, २८-४६ । |
| १५२१४ | महाभारतम् सटीकम् | व्यासः टी.का. नीलकण्ठः | १-९१, ५९-१००, ११०-४७१ । |
| १५२१५ | अध्यात्मरामायणम् | | १, ३७-३९, ४४-११६, १४९-१५१ । |
| १५२१६ | महाभारतम् सटीकम् | व्यासः टी.का. नीलकण्ठः | १-३५९ । |
| १५२१७ | भारतसावित्री | | १-४ । |
| १५२१८ | मन्त्ररामायणम् सटीकम् | टी.का. नीलकण्ठः | १-५४ । |
| १५२१९ | भारतसावित्री | | १ । |
| १५२२० | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | १-४८ । |
| १५२२१ | " | | ४-३५ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १७ × ४·७ | ९ | ६६ | वङ्ग. | का. | १७४९ श. १२३४ व. | पू० | उत्तरकाण्डे १-२५ सर्गाः । |
| १६·२ × ५ | ८ | ५४ | " | " | १५९८ श. | " | पद्मपुराणे १-२५ अध्यायाः । |
| ९·७ × ५·८ | १२ | २६ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| १८ × ४·५ | ९ | ५० | " | " | | " | |
| १२·८ × ६·५ | १४ | ४२ | " | " | १७७५ | पू० | अयोध्यारण्यकिष्किन्धाकाण्डानि । |
| १२·८ × ६·५ | ९ | ३६ | " | " | १८७२ (?) | अपू० | सुन्दरकाण्डं पूर्णं लङ्काकाण्डमपूर्णम् । |
| १३·९ × ६·५ | १२ | ३३ | " | " | | " | वनपर्व । |
| १५·२ × ३·१ | ६ | ६५ | ने. | " | ७८५ (?) | पू० | सभापर्व । |
| १०·२ × ५ | १३ | ५० | दे. ना. | " | | " | रामायणतिलकनामटीकासहितम् । बालकाण्डायोध्याकाण्डे । |
| १५·१ × ३·३ | ८ | ६५ | ने. | " | | अपू० | आश्वमेधिकपर्व । |
| १२·७ × ६·५ | १५ | ५० | दे. ना. | " | | पू० | उद्योगपर्व । |
| १३·८ × ७·१ | १२ | ५२ | " | " | | अपू० | |
| १२·७ × ६·५ | १२ | ५९ | " | " | १८४७ १७१३ श. | " | भारतभावदीपटीकायुतम्, वनपर्व । |
| १०·३ × ४·७ | १२ | ४८ | " | " | | " | |
| १२·५ × ६·६ | १५ | ५० | " | " | १८४५ १७१० श. | पू० | आदिपर्व । |
| १४·४ × ३·८ | ७ | ४५ | वङ्ग. | " | | " | |
| १३·५ × ७ | १६ | ४७ | दे. ना. | " | १८९५-१८९६ | " | |
| ७·९ × ४·१ | ६ | १६ | " | " | | अपू० | |
| १४·१ × ६·१ | ९ | ५७ | " | " | १७७५ | पू० | भावार्थदीपिकाटीकासहितम् । |
| १३·४ × ६·२ | १३ | ५४ | " | " | | अपू० | एकादशस्कन्धः । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५२२२ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | १-१४९ । |
| १५२२३ | " | | ६०-६५ । |
| १५२२४ | भागवतम् | | १-५ । |
| १५२२५ | " सटीकम् | | ५६-७० । |
| १५२२६ | महाभारतम् | | १-३०, २९-६९, ७१-८७ । |
| १५२२७ | " | | १-९३, ९३-९८, ९८-१५७, १५७-२३५ । |
| १५२२८ | " | | १-२७३ । |
| १५२२९ | रामाश्वमेधः | | १-१४६ । |
| १५२३० | माघमासमाहात्म्यम् | | १-४७ । |
| १५२३१ | मार्गशीर्षमाहात्म्यम् | | १-३३ । |
| १५२३२ | महाभारततात्पर्यप्रकाशः | सदानन्दः | १, १-९ । |
| १५२३३ | महाभारततात्पर्यप्रकाशः | " | १-१०, १०-१६, १८-२८, १-१०, १-४, १-४, १-१०, १-५, ५, १-१०, २-७, १०, १२-१८, १८-२१ । |
| १५२३४ | महाभारततात्पर्यटीका | देवबोधः | १-२८ । |
| १५२३५ | भारततात्पर्यम् | | ३-७ । |
| १५२३६ | उद्योगपर्वटीका | | १-१० । |
| १५२३७ | वराहपुराणम् | | २-७२, ७४-८४ । |
| १५२३८ | वामनैकादशीमाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १५२३९ | मोक्षैकादशीमाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १५२४० | मूलरामायणम् | | १-६ । |
| १५२४१ | मोक्षैकादशीमाहात्म्यम् | | १-३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १९·३ × ६ | १० | ४२ | दे. ना. | का. | १६९३ | पू० | भावार्थदीपिकासहितम्। एकादशस्कन्धः। |
| ९ × ३·९ | १४ | ५१ | ” | ” | १८७१ | अपू० | सटिप्पणम्। दशमस्कन्धपूर्वार्द्ध-चतुर्दशोऽध्यायः। |
| ९·१ × ४ | ७ | २७ | ” | ” | १८७१ | पू० | दशमस्कन्धपूर्वार्द्धस्य त्रयोदशोऽध्यायः। |
| १५ × ९·९ | १२ | ५२ | ” | ” | | अपू० | दशमस्कन्धपूर्वार्द्धः। |
| १४·१ × ६·३ | ११ | ५३ | ” | ” | | ” | आश्वमेधिकपर्व। |
| १२·४ × ९·६ | १० | ३७ | ” | ” | | पू० | शान्तिपर्वराजधर्मः। |
| १२·३ × ९·६ | १० | ३९ | ” | ” | | ” | शान्तिपर्वदानधर्मः। |
| १२·९ × ६·६ | १२ | ४४ | ” | ” | १८९८ | ” | पद्मपुराणोक्तः। |
| १४·७ × ९·६ | ८ | ४० | ” | ” | १८२९ | ” | पद्मपुराणोक्तम्। |
| १४·१ × ९·६ | १२ | ५१ | ” | ” | १७३८ | ” | स्कन्दपुराणोक्तम्। |
| १२·४ × ४·९ | १३ | ४७ | ” | ” | | अपू० | भारतसारोद्धारः। दानधर्मपर्वमोक्षधर्मपर्वणी। |
| १२·५ × ४·८ | १२ | ५१ | ” | ” | | ” | भारतसारोद्धारः। आदिसभावनविराटोद्योगभीष्मद्रोणकर्णशल्यगदासौप्तिकैषिकविशोकस्त्रीशान्तिपर्वाणि। |
| १०·५ × ४·४ | १२ | ३९ | ” | ” | | ” | ज्ञानदीपिका। अपूर्वं पुस्तकम्। |
| ७ × ४·९ | १५ | २७ | ” | ” | | ” | |
| १२·४ × ४·९ | १२ | ४४ | ” | ” | | ” | |
| १०·८ × ४·६ | ८ | ३६ | ” | ” | | ” | |
| ९·७ × ४·३ | ९ | ३६ | ” | ” | | पू० | स्कन्दपुराणोक्तम्। |
| १० × ४·३ | १० | ४१ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डपुराणोक्तम्। |
| ६·९ × ४·४ | १२ | २४ | ” | ” | | ” | वाल्मीकिरामायणस्य प्रथमः सर्गः। |
| १०·१ × ४·८ | १० | ३५ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डपुराणोक्तम्। |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १९२४२ | मोक्षैकादशीमाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १९२४३ | रामायणसारः | अग्निवेशमुनिः | १-१४ । |
| १९२४४ | माघमासमाहात्म्यम् | | १-६७ । |
| १९२४५ | ” ” | | २-४१ । |
| १९२४६ | ” ” | | ८९-९०, १ । |
| १९२४७ | ” ” | | १-२३, २३-४३, ४३-८८ । |
| १९२४८ | माघशुक्लैकादशीमाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १९२४९ | मार्गशीर्षमासमाहात्म्यम् | | १-४२ । |
| १९२५० | ” ” | | १-८३ । |
| १९२५१ | माघमासमाहात्म्यम् | | १-१४, १७-२१, २३, २६-४९, ५१-५९, ६१-७४, ७७-७८ । |
| १९२५२ | ” ” | | ४२-७५ । |
| १९२५३ | माघकृष्णे षट्तिलैकादशीमाहात्म्यम् | | २-३ । |
| १९२५४ | ” ” | | १-३ । |
| १९२५५ | महाभारतम् | | १६२ । ( गणनया ) |
| १९२५६ | महाभारतादिशास्त्राणां वादिनिराकरणार्थाः श्लोकाः | | १-१२ । |
| १९२५७ | महाभारततात्पर्यसंग्रहः | | १-२ । |
| १९२५८ | वाल्मीकिरामायणम् | | १-८९, १-१५४, १-७३, ७३-९२, १-९२, १-१३०, १-१९६, १९६-२०८, १-१३० । |
| १९२५९ | रोहिणाष्टमीमाहात्म्यम् | | ७-१०, १२ । |
| १९२६० | महाभारतम् | | १-२३, ३०-३९, ३३-१००, १०२-३२६ । |
| १९२६१ | हरिवंशः सटीकः | टी. का. नीलकण्ठः | १-१२८(= १२९) १३०-५९३, ५९३-६२४ (= ६२५-६२६) ६२७-६७९ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·५ × ४·१ | ८ | ४५ | दे. ना. | का. | | पू० | ब्रह्माण्डपुराणोक्तम् । |
| ८·८ × ४ | ११ | ३४ | ” | ” | | ” | |
| १०·५ × ४·६ | १२ | ३५ | ” | ” | | अपू० | वायुपुराणान्तर्गतम् । |
| १०·१ × ४·४ | ९ | ३२ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणान्तर्गतम् । |
| १०·७ × ४·६ | ९ | ३५ | ” | ” | | ” | ” ” |
| १०·९ × ४·७ | ९ | ३५ | ” | ” | १७४९ | पू० | ” ” |
| ९·३ × ४ | १० | ४३ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणोक्तम् । |
| १०·१ × ४·३ | ९ | ३४ | ” | ” | १८३९ | ” | स्कन्दपुराणान्तर्गतम् , १-१६ अध्यायाः । |
| १० × ४·५ | ११ | ३२ | ” | ” | १७३१ | ” | स्कन्दपुराणान्तर्गतम् । |
| ९·५ × ३·९ | ९ | २८ | ” | ” | १६०४ | अपू० | पद्मपुराणान्तर्गतम् । |
| १० × ४·३ | ९ | ३१ | ” | ” | १८३९ | ” | ” ” |
| ९·७ × ४·२ | १० | ३४ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ९·४ × ३·९ | ९ | ३९ | ” | ” | | पू० | ब्रह्माण्डपुराणे द्वादशीकल्पे । |
| ११ × ४·६ | ७ | २७ | ” | ” | १६८७ | अपू० | |
| ८ × ४·४ | ७ | १८ | ” | ” | | ” | वसुखेन्दुयुते । |
| ७ × ४·७ | ११ | २४ | ” | ” | | ” | |
| १३·१ × ४·९ | १० | ५१ | ” | ” | १७६३-१७६४ | पू० | |
| ८·८ × ३·८ | ८ | २८ | ” | ” | | अपू० | भाद्रकृष्णाष्टम्या एवापभ्रष्टं नाम । |
| १६·५ × ३·८ | ७ | ७० | ने. | ” | ८१२ (?) | ” | आदिपर्व । |
| १३ × ६·५ | ११ | ५५ | दे. ना. | ” | १८३६ | पू० | भारतभावदीपाख्यटीकायुतः । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५२६२ | हरिवंशः सटीकः | टी. का. नीलकण्ठः | १-२९, ३०-३१ । |
| १५२६३ | " " | " | १-२४, ४९-६२, ६४-१२२ । |
| १५२६४ | इतिहाससमुच्चयः | | १-९८, १००। |
| १५२६५ | सङ्क्षेपशङ्करजयः | माधवः (शारदा-पीठवासी माधवाचार्यः) | १-९४ । |
| १५२६६ | महाभारतम् | | १-१२, १४-२१, २५-५२, ९७-१७३, १७६-२५९, २६७-२७९ । |
| १५२६७ | " | | १-१५७, १५७-२१८, २२०-३७६ । |
| १५२६८ | " | | १-१० । |
| १५२६९ | महाभारतटीका | विमलबोधः | १-३५ । |
| १५२७० | हरिवंशः | | १-३२० । |
| १५२७१ | विराटपर्वटीका | | १५-२५ । |
| १५२७२ | अद्भुतरामायणम् | | १-४५ । |
| १५२७३ | हरिवंशः | | १-५०९, ५०९-५१०, ५१०-५३४, ५३४-५८३ । |
| १५२७४ | भागवतम् सटीकम् | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-१८१ । |
| १५२७५ | " " | " | १-१४८ । |
| १५२७६ | " " | " | १-५७, १-३८, १-११२, १-८७, १-६७, १-६८ । |
| १५२७७ | विराटपर्व | | ९-५६ । |
| १५२७८ | वेणुगीतम् सटीकम् | टी.का. धनपतिः | १-८ । |
| १५२७९ | काशीमाहात्म्यम् | | १-१६ । |
| १५२८० | बृहन्नारदीयपुराणम् | | १-१०१, १०५-११४ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·९ × ६·५ | १५ | ४६ | दे. ना. | का. | १८३९ | अपू० | भारतभावदीपाख्यटीकायुतः १-१० अध्यायाः, वृत्तान्तसंग्रहफल-श्रवणमाहात्म्याख्यचरमाध्यायौ च। |
| १२ × ५·७ | १४ | ४२ | " | " | | " | भारतभावदीपाख्यटीकायुतः। |
| १३ × ४·७ | १० | ५१ | " | " | | " | महाभारतात्सङ्गृहीतः। |
| ९·७ × ४·५ | १२ | ३७ | " | " | | पू० | १-१६ सर्गपर्यन्तः। शङ्करदिग्विजयः। |
| १०·७ × ५·९ | १२ | २४ | " | " | | अपू० | भीष्मपर्व। |
| १३·८ × ५·४ | ७ | ४१ | वङ्ग. | " | | पू०* | शान्तिपर्वणि राजधर्मः। |
| ८ × ४·१ | ६ | २४ | दे. ना. | " | | अपू० | सभापर्व। |
| १९·६ × ५·५ | ११ | ६१ | " | " | ९०० नेपालसं. | पू० | दुर्बोधपददीपिका। |
| १९·१ × ४·७ | १० | ७५ | ने. | " | ८११ (?) | " | महाभारतखिलरूपः। |
| १४·१ × ४ | ११ | ६७ | वङ्ग. | " | | अपू० | |
| १५·१ × ५·८ | ११ | ५५ | दे. ना. | " | १८४४ | पू० | |
| १३·२ × ६·३ | ११ | ४१ | " | " | | " | |
| १४ × ७·५ | ११ | ५० | " | " | १८८३ | " | दशमस्कन्धोत्तरार्द्धम्। |
| १४ × ७·४ | १३ | ५२ | " | " | | " | एकादशस्कन्धः। |
| १४·१ × ७·३ | १४ | ५५ | " | " | १८८८ | " | १-६ स्कन्धाः। |
| १३·३ × ४·६ | १० | ३७ | वङ्ग. | " | | अपू० | महाभारते। |
| ११ × ७ | १९ | ३९ | दे. ना. | " | | पू० | गूढार्थदीपिकाख्या, भा० १० स्क० २१ अध्यायः। |
| १२·८ × ४·८ | ८ | ३२ | वङ्ग. | " | | " | मात्स्यमविमुक्तमाहात्म्यम्। |
| १५·४ × ३·६ | ८ | ६० | दे. ना. | " | | अपू० | |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १९२८१ | काशीखण्डम् | | १-२४२ । |
| १९२८२ | महाभारतम् | | १-१४, ४०-८४, १-३४, ३४-२७० । |
| १९२८३ | " | | ५१-९७, १६१-१८१, १८३-२७६, २८२-३४९ । |
| १९२८४ | " | | १-१८ । |
| १९२८५ | " | | १-१९ । |
| १९२८६ | " | | १-६० । |
| १९२८७ | " | | १-३२, ४३-१८५ । |
| १९२८८ | भागवतम्, सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | १-१३१, १३३-१४८ । |
| १९२८९ | कथाप्रशंसा | | १-३ । |
| १९२९० | पुराणसमुच्चयः | | १-५ । |
| १९२९१ | गरुडपुराणम् | | १-५२ । |
| १९२९२ | भागवतम्, सटीकम् | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-९५ । |
| १९२९३ | " " | " | १-९२ । |
| १९२९४ | " " | " | १-८१ । |
| १९२९५ | कालिकापुराणम् | | १-२३६, २३६-२६१ । |
| १९२९६ | रामरासः | | १-१०४, १०४-१८४ । |
| १९२९७ | महाभारतम् | | १-८, ८-२१४ (=२१५), २१६-२७३ । |
| १९२९८ | " | | १-९३, ९५-१५१ । |
| १९२९९ | योगवाशिष्ठम् | वाल्मीकिः | १, ११६-२५८, १-२२६ । |
| १९३०० | भागवतम्, सटीकम् | टी. का. श्रीज्ञानेश्वरः | १-३८, १-६ । |
| १९३०१ | रामायणम् | वाल्मीकिः | २-१३३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १९·१ × ८·५ | ११ | ४८ | वङ्ग. | का. | | पू० | |
| १२·५ × ५·८ | १० | ३६ | दे. ना. | ” | | अपू० | शान्तिपर्वण्यापन्मोक्षधर्मौ। |
| ११·२ × ५·२ | ११ | ३९ | ” | ” | | ” | आदिपर्व। |
| १२ × ५·७ | १३ | ३३ | ” | ” | | पू० | स्त्रीपर्व। |
| १२·५ × ५·४ | ११ | ४४ | ” | ” | १७७० | ” | सौप्तिकपर्व। |
| १४·४ × ६ | १० | ३६ | ” | ” | १६९३ | ” | शल्यपर्व। |
| १४·५ × ६·७ | १३ | ५४ | ” | ” | | अपू० | द्रोणपर्व। |
| १२·७ × ६·७ | १४ | ५० | ” | ” | | ” | दशमस्कन्धपूर्वार्द्धम्। |
| ६·५ × ४·१ | ८ | १७ | ” | ” | | पू० | ब्रह्मोत्तरखण्डे। |
| ८·५ × ३·६ | ११ | ३२ | ” | ” | | ” | अष्टादशपुराणदानाध्यायः, अत्र तत्तत्पुराणोपपुराणानां श्लोकसंख्या च परिगणिता। |
| ११·९ × ४·४ | १० | ४० | ” | ” | | ” | प्रेतकल्पः १-३५ अध्यायाः। |
| १६·८ × ६·४ | ८ | ३८ | ” | ” | | ” | सप्तमस्कन्धः। |
| १६·८ × ६·३ | ८ | ५९ | ” | ” | | ” | अष्टमस्कन्धः। |
| १६·७ × ६·३ | ९ | ५२ | ” | ” | | ” | नवमस्कन्धः। |
| १२·९ × ६·६ | १३ | ४१ | ” | ” | १८५१ | ” | |
| १२·४ × ४·७ | ७ | ३५ | ” | ” | १८६५ | ” | कोशलखण्डे १-१५ अध्यायाः। |
| १३·९ × ५·६ | १० | ५५ | ” | ” | १७२७ | ” | द्रोणपर्व। |
| ११·३ × ५·८ | १३ | ४० | ” | ” | | अपू० | आदिपर्व। |
| १० × ४·६ | १० | ४१ | ” | ” | | ” | निर्वाणोपशमप्रकरणद्वयमेव। |
| १० × ५·६ | ११ | २९ | ” | ” | | पू० | महाराष्ट्रभाषायां टीका। एकादशस्कन्धे पञ्चमाध्यायस्य। तथैकादशस्कन्धस्यैकादशाध्यायस्य २०-२२ श्लोकानामपि टीका। |
| १०·९ × ४·७ | १० | ५१ | ” | ” | | अपू० | उत्तरकाण्डम्। |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५३०२ | योगवासिष्ठसारसंग्रहः | | २२-२३८ । |
| १५३०३ | आदिपुराणम् | | ३८-४३, ५९-८२ । |
| १५३०४ | नृसिंहपुराणम् | | १-७३ । |
| १५३०५ | शाम्बपुराणम् | | १-१३६ । |
| १५३०६ | उमोत्तरखण्डम् | | १-४, ४-२३, २५-५२, ५४-६९ । |
| १५३०७ | देवीपुराणम् | | १-२५० । |
| १५३०८ | पराशरपुराणम् | | १-४७ । |
| १५३०९ | परानन्दपुराणम् | | १-१४, १४-८०, १५१-१९४ । |
| १५३१० | देवीभागवतम् | | २-३४, १-२१, १-५१, १-२९, २९-४१, २-४, ४-६३, १-८५, १-६०, २-३६, १-१४८, १-१८, १-४०, १-१२७ । |
| १५३११ | देवीपुराणम् | | २-२१०, २१२-२४८ । |
| १५३१२ | शङ्करदिग्विजयः | माधवः शारदापीठवासी | १-१८७ । |
| १५३१३ | योगवासिष्ठम् | वाल्मीकिः | १-१५, १-८८, १-३४, १-५५, १-८७, १-१२३ । |
| १५३१४ | " सटीकम् | टी. का. माधव-सरस्वती | १-११, १-५९, ५९-६८, ७०-८१, १-७३, १-९४ । |
| १५३१५ | " | वाल्मीकिः | २-२२८ । |
| १५३१६ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १-४३ । |
| १५३१७ | एकादशीमाहात्म्यम् | | ४१-५७ । |
| १५३१८ | देवीभागवतम्, सटीकम् | टी.का.नीलकण्ठ-भट्टःरङ्गनाथात्मजः | १-१०६, १-४४, १-१०९, १-८३, १-११६, १-५१, ७४-१११, १-८७, १२८-१३९, १३५-१४९, १-२२२, १-२५, १-६९, १-७०। |
| १५३१९ | महाभारतम् | | २-७०, ७२-१२९ । |
| १५३२० | चतुःश्लोकीभागवतम् | | १-२ । |
| १५३२१ | पञ्चक्रोशीमाहात्म्यम् | | १-२४ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·४ × ४·८ | ९ | २८ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १२·८ × ६·६ | १२ | ५९ | ” | ” | | ” | |
| १३·१ × ६·६ | १४ | ४८ | ” | ” | १८५० | पू० | |
| १३·१ × ५ | ९ | ४५ | ” | ” | | ” | |
| १२ × ३·८ | ८ | ५४ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·८ × ५ | ९ | ४० | ” | ” | १७६५ | पू० | |
| १२·७ × ४·८ | ९ | ३९ | ” | ” | | ” | |
| १२·६ × ५ | ९ | ३२ | ” | ” | १८३५ | अपू० | |
| १३·१ × ५ | ११ | ५४ | ” | ” | १८४८ | ” | |
| ४·१ × ३·७ | ७ | ५८ | ने. | ” | १६०९ (? | ” | |
| १०·८ × ४·७ | ९ | ३१ | दे. ना. | ” | | पू० | |
| १५·२ × ५·३ | १५ | ७३ | ” | ” | | ” | मुमुक्षूत्पत्तिस्थित्युपशम-निर्वाणप्रकरणात्मकम् । |
| १३·२ × ५·१ | १४ | ६० | ” | ” | | अपू० | मुमुक्षूत्पत्युपशमनिर्वाण-प्रकरणरूपम् । |
| १० × ४·६ | ९ | ३४ | ” | ” | | ” | |
| १०·६ × ४·६ | ८ | ३२ | ” | ” | १६७० | पू० | स्कान्दम् |
| ९·६ × ४·८ | ११ | ३३ | ” | ” | | अपू० | |
| १४·१ × ७·३ | १२ | ४७ | ” | ” | १९०४ | ” | |
| १३·२ × ६·६ | १६ | ४६ | ” | ” | | ” | भीष्मपर्व । |
| ५·१ × ४ | ९ | १६ | ” | ” | | पू० | |
| ६ × ४·५ | १० | १७ | ” | ” | | ” | अग्निपुराणे । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १९३२२ | माघमाहात्म्यम् | | १-१३ । |
| १९३२३ | महाभारतम्, सटीकम् | टी.का. नीलकण्ठः | ३६७८ ( गणनया ) । |
| १९३२४ | " " | " | १-४१ । |
| १९३२५ | " " | " | १-१० । |
| १५३२६ | " " | " | १-६ । |
| १५३२७ | " " | " | १-१४ । |
| १५३२८ | " | | १-४३, ४३-२८९ । |
| १५३२९ | " | | १-५७, ५७-८८ । |
| १५३३० | " | | १-१७४, १७४-३३२, ३३२-३५६ । |
| १५३३१ | " सटीकम् | टी. का. नीलकण्ठः | १-१४६ । |
| १५३३२ | " " | | १-७९ । |
| १५३३३ | " " | टी. का. नीलकण्ठः | १-९८, ९४-२६१, २६१-३८१ । |
| १५३३४ | " " | टी. का. नीलकण्ठश्चतुर्द्धरः गोविन्दात्मजः | १-२६३ । |
| १५३३५ | पञ्चक्रोशीमाहात्म्यम् | | १-१७ । |
| १५३३६ | नरसिंहपुराणम् | | १-२६, ३२-५४, ६०-९१, ९१-९९, १०६-१२९ । |
| १५३३७ | बृहद्धर्मपुराणम् | | १-२६९ । |
| १५३३८ | महाभारतम् | | १-३०४, ३०४-३१५ । |
| १५३३९ | " | | १-२१३ । |
| १५३४० | हरिश्चन्द्रोपाख्यानम् | | १-७ । |
| १५३४१ | श्रावणशुक्लपुत्रदैकादशी-माहात्म्यम् | | १-३ । |
| १९३४२ | कालिकापुराणम् | | २-७५ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·६ × ४·१ | ९ | ३९ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १५·९ × ६ | ९ | ५९ | ” | ” | | ” | मौसलपर्वविहीनम् । |
| १२·७ × ६·८ | ११ | ४३ | ” | ” | | पू० | आश्रमवासिकपर्व । |
| १२·८ × ६·७ | १३ | ४७ | ” | ” | १८४६ | ” | मौसलपर्व । |
| १२·८ × ६·७ | ११ | ४६ | ” | ” | १८४७ | ” | महाप्रास्थानिकपर्व । |
| १२·८ × ६·७ | १२ | ४२ | ” | ” | | ” | स्वर्गारोहणपर्व । |
| १३·४ × ६ | १० | ४५ | ” | ” | | ” | आदिपर्व । |
| १४·१० × ६·१ | १० | ४७ | ” | ” | १६९१ | ” | सभापर्व । |
| १२·३ × ५ | ११ | ४३ | ” | ” | | अपू० | आरण्यकपर्व । |
| १२·८ × ६·७ | १४ | ४४ | ” | ” | | पू० | आश्वमेधिकपर्व । |
| १२·८ × ६·६ | १४ | ४१ | ” | ” | | ” | शान्तिपर्व ( आपद्धर्मः ) । |
| १२·६ × ६.६ | १४ | ४७ | ” | ” | १८४७ १७१२ श. | ” | ” ( मोक्षधर्मः ) । |
| १३·२ × ६·४ | १५ | ३९ | ” | ” | | ” | उद्योगपर्व । |
| ८·९ × ४·९ | १३ | ३४ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्ते । |
| १४ × ३·३ | ७ | ५४ | नेवारी | ” | | अपू० | |
| २१·९ × ४·९ | ८ | ४३ | वङ्ग. | ” | १८४७ १७११ श. | पू० | |
| १३·९ × ५·८ | १० | ४८ | दे. ना. | ” | | ” | द्रोणपर्व । |
| १३·९ × ६·५ | ११ | ४२ | ” | ” | | ” | भीष्मपर्व । |
| १०·८ × ५·४ | १२ | ३९ | ” | ” | १८७२ | अपू० | पद्मपुराणोक्तम् । |
| १० × ४·४ | १० | ३८ | ” | ” | | पू० | भविष्यपुराणोक्तम् । |
| १३·२ × ५·४ | १० | ३६ | ” | ” | | अपू० | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५३४३ | विजयैकादशीमाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १५३४४ | वैशाखकृष्णवरूथिन्ये-कादशीमाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १५३४५ | मोहिन्येकादशीमाहात्म्यम् | | ३-५ । |
| १५३४६ | वैशाखकृष्णवरूथिन्ये-कादशीमाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १५३४७ | वैशाखमासमाहात्म्यम् | | १-९९ । |
| १५३४८ | ” | | १-७, ९-२८, २८-९८ । |
| १५३४९ | वैशाखशुक्लमोहिन्येकादशी माहात्म्यम् | | १-३ । |
| १५३५० | शिवपुराणम् | | १-९८ । |
| १५३५१ | श्रावणकृष्णकामिकैका-दशीमाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १५३५२ | श्रावणशुक्लपुत्रदैकादशी-माहात्म्यम् | | १-३ । |
| १५३५३ | वाल्मीकिरामायणम् सटीकम् | टी. का. रामः | १-१०५, १६१-२२५, २२७-२४७ । |
| १५३५४ | ” ” | ” ” | १-१८८ । |
| १५३५५ | महाभारतम् | | १-१९८ । |
| १५३५६ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-३१, ३१-४० । |
| १५३५७ | महाभारतम् | | १-५० । |
| १५३५८ | ” | | १-८२ । |
| १५३५९ | ” | | १-५७ । |
| १५३६० | ” | | १-२० । |
| १५३६१ | ” | | १-१३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·४ × ४·१ | ९ | ४२ | दे. ना | का. | | पू० | फाल्गुनकृष्णपक्षस्य । स्कन्दपुराणोक्तम् । |
| १० × ४·५ | ८ | २४ | ” | ” | | अपू० | |
| ९·८ × ४·४ | ८ | ३३ | ” | ” | | पू०* | वैशाखशुक्लपक्षस्य । |
| ९·४ × ३·९ | ९ | ३९ | ” | ” | | ” | भविष्योत्तरपुराणोक्तम् । |
| ८·९ × ४·१ | ८ | २४ | ” | ” | १७८४ | ” | स्कन्दपुराणोक्तम् । |
| १०·८ × ४·८ | १० | २९ | ” | ” | | अपू० | ” |
| ९·६ × ४·१ | ९ | ३७ | ” | ” | | पू० | कूर्मपुराणोक्तम् । |
| १० × ६ | १७ | ३७ | ” | ” | | ” | |
| ९·७ × ४·३ | १० | ४३ | | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्तोक्तम् । |
| ९·४ × ४ | १० | ४२ | ” | ” | | ” | भविष्योत्तरपुराणोक्तम् । |
| १२·९ × ६·६ | १२ | ४५ | ” | ” | १८४८ | अपू० | रामायणतिलकाख्यटीकायुतम् । युद्धकाण्डम् । |
| १५·८ × ६·३ | ११ | ४१ | ” | ” | | पू० | रामायणतिलकाख्यटीकायुतम । बालकाण्डम् । |
| १४ × ६·२ | १० | ४४ | ” | ” | १६५२ | ” | अनुशासनपर्व । |
| ९·७ × ५ | १२ | ४० | ” | ” | | अपू० | |
| १४·८ × ५·७ | ११ | ६७ | ” | ” | १६७५ | पू० | गदापर्व । |
| १४·४ × ५·६ | ११ | ४७ | ” | ” | १७६३ | ” | कर्णपर्व । |
| १३·२ × ५·४ | ११ | ४८ | ” | ” | १६४७ | ” | शल्यपर्व । |
| १३·८ × ५·५ | ११ | ४८ | ” | ” | | ” | स्त्रीपर्व । |
| १२·९ × ५·६ | १० | ४० | ” | ” | | ” | सौप्तिकपर्वण्यैषिकपर्व । |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५३६२ | महाभारतम् | | १-८ । |
| १५३६३ | " | | १-१०० । |
| १५३६४ | " | | १-६७, ६९-९५ । |
| १५३६५ | " | | १-१९ । |
| १५३६६ | जैमिनिभारतम् | | १-१०९ । |
| १५३६७ | " | | १-१७३ । |
| १५३६८ | महाभारतम् | | १-१०० । |
| १५३६९ | " | | २, ४-७७, ८२-८६ । |
| १५३७० | अध्यात्मरामायणम्, सटीकम् | टी. का. श्रीरामः | १-१३, १५-४१, १-६२, १-३८ (=३९) ४०-६६, १-१७, ३८-४४, ४६-५०, ५०-६२ । |
| १५३७१ | केदारखण्डम् | | १०३-१३५ । |
| १५३७२ | " | | १-९१ । |
| १५३७३ | भागवतम्, सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | २-१५, ४५ । |
| १५३७४ | " " | " | २-३१, ४२ । |
| १५३७५ | धनुर्माहात्म्यम् | | १ । |
| १५३७६ | निबन्धविवृतियोजना | लालूभट्टापरनामा बालकृष्णः | १-३३ । |
| १५३७७ | पद्मपुराणम् | | ३८-६१ । |
| १५३७८ | माघमाहात्म्यम् | | ३६-३७ । |
| १५३७९ | रामशिलामाहात्म्यम् | | १-६ । |
| १५३८० | शिवपुराणम् | | २, २८-३१ । |
| १५३८१ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | २-३१ । |
| १५३८२ | " " | | १०९-१७६, १७६-१९२, २-७९, ७९-१०८ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·७ × ५·६ | ११ | ५२ | दे. ना. | का. | १६५५ | पू० | विशोकपर्व । |
| १३·४ × ५·७ | ९ | ४० | ” | ” | १७४५ | ” | अश्वमेधपर्व । |
| १२ × ५ | ११ | ३७ | ” | ” | | अपू० | विराटपर्व । |
| ९·७ × ४·९ | १० | ३२ | ” | ” | | पू० | मुसलपर्व । |
| १५·२ × ६·८ | १२ | ६० | ” | ” | १७९७ | ” | अश्वमेधपर्व । |
| १२·४ × ६·३ | १४ | ३७ | ” | ” | | ” | ” |
| १२·६ × ५·६ | १० | ३९ | ” | ” | | ” | शान्तिपर्वणि राजधर्मप्रकरणम् । |
| १२ × ४·६ | ९ | ४० | ” | ” | | अपू० | शान्तिपर्वण्यापद्धर्मनिरूपणम् । |
| १३·१ × ६·८ | १३ | ४१ | ” | ” | १८३७ | ” | आरण्यकिष्किन्धालङ्कोत्तरकाण्डानि। |
| ११·३ × ४·६ | १४ | ३७ | ” | ” | १६५४ श. | ” | स्कन्दपुराणीयम् । |
| १२·६ × ६·६ | १३ | ३२ | ” | ” | | ” | त्रयोविंशत्यध्यायपरिमितम् । |
| १६·४ × ६·३ | ९ | ४१ | ” | ” | | ” | द्वादशस्कन्धः । |
| १६ × ६·८ | ९ | ४९ | ” | ” | | ” | पञ्चमस्कन्धः । |
| ६·१ × ४·७ | १५ | २९ | ” | ” | | ” | |
| ९·१ × ५·८ | १३ | ३६ | ” | ” | | पू० | अत्र शास्त्रार्थप्रकरणमेव । |
| ११·४ × ४·९ | १० | २९ | ” | ” | | अपू० | उत्तरखण्डम्-दिलीपवशिष्ठ-संवादरूपम् । |
| १०·९ × ४·८ | १३ | ४२ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणोत्तरखण्डे दिलीपवसिष्ठ-संवादरूपम् । |
| ६·९ × ३·८ | ७ | १६ | ” | ” | १८५६ | पू० | स्कन्दपुराणे मानसखण्डे । |
| १३·३ × ५·९ | १० | ३३ | ” | ” | | अपू० | |
| १३ × ७ | ९ | ३४ | ” | ” | | ” | दशमस्कन्धस्य प्रथमाध्यायतः षष्ठाध्यायस्थ ३७ श्लोकपर्यन्तम् । |
| १३·२ × ५·५ | ८ | ३८ | ” | ” | | ” | संक्षेपरूपम् । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्य | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५३८३ | ब्रह्मवैवर्तम् | | ३९-८०, ८२-८३, ८५-१७८। |
| १५३८४ | काशीखण्डम् | | १-६१, ५६-८२, १२७-१७०, २०७-२४६, १-११०। |
| १५३८५ | मार्कण्डेयपुराणम् | | १-८०। |
| १५३८६ | महाभारतम् | | ९-१६३। |
| १५३८७ | भागवतपुराणम् | | १-२३, १-२४, २४-२४१, १-१३०, १-६३, १-१९। |
| १५३८८ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-२८। |
| १५३८९ | देवीभागवतस्थितिः | नीलकण्ठः (शैवः) | १-१०। |
| १५३९० | सौरसंहिता | | ३-५१। |
| १५३९१ | भागवतटिप्पणी | टिप्पणीकारः आचार्यः ? | १-८, १७-२३, ३३-६६। |
| १५३९२ | देवीभागवतस्थितिः | विद्यातीर्थः | १-७। |
| १५३९३ | विष्णुपुराणम् | | १-३९। |
| १५३९४ | " | टी.का. श्रीधरयतिः | १-७९, १-३६, १-५६, १-६०, ५७-७९, १-१३। |
| १५३९५ | गर्गसंहिता | | १-५५, ५८-६१, १-४३, १-६७, १-४७, १-१२८, १-३४, १-२०। |
| १५३९६ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १-९६। |
| १५३९७ | शिवतत्त्वसुधानिधिः | | १-८६। |
| १५३९८ | हालास्यमाहात्म्यम् | | १-१६२। |
| १५३९९ | भागवतम् | | |
| १५४०० | महाभारतम् | | १-३६, ३६-१४४। |
| १५४०१ | " | | १-३, २-१३६। |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११·२ × ४·१ | ८ | ३१ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ११·७ × ५ | ९ | ४२ | ” | ” | १६४७ | ” | स्कन्दपुराणीयम् । |
| १२·३ × ५·५ | १० | ३७ | ” | ” | | ” | |
| १६·३ × ३·२ | ७ | ६६ | वङ्ग. | ” | | ” | अतीव जीर्णम् । |
| ११·९ × ४·६ | १४ | ४६ | दे. ना. | ” | | पू० | मूलमात्रम् । १-१२ स्कन्धाः । |
| १०·१ × ४·४ | ८ | २७ | ” | ” | | ” | मत्स्यपुराणोक्तम् १-१० अध्यायाः । |
| १०·५ × ४·५ | ११ | ४७ | ” | ” | | ” | |
| १०·७ × ४·६ | १० | ३० | ” | ” | | अपू० | स्कन्दपुराणीया । |
| १० × ६ | १६ | ३४ | ” | ” | | ” | नवमस्कन्धपर्यन्ता । |
| १०·६ × ४·५ | ११ | ३६ | ” | ” | | पू० | |
| ११·५ × ४·२ | १० | ४१ | ” | ” | १५९५ | ” | चतुर्थांशमात्रम् । १-२४ अध्यायाः । |
| १२·७ × ६·५<br>११·२ × ५·७<br>१४·७ × ६·५ | १३<br>११<br>१३ | ४०<br>३७<br>४१ | ” | ” | १८५० | अपू० | स्वप्रकाशाख्यटीकायुतम् । पञ्चम-षष्ठांशावपूर्णौ । |
| १३·८ × ६·८ | ९ | ३५ | ” | ” | १९१३ | ” | |
| १७ × १·३ | ८ | | द्रावि. | ताल. | | ” | स्कन्दपुराणस्थम् । कतिचित्पत्राणि कीटभक्षितानि । |
| १६·५ × १·३ | ७ | | ” | ” | | पू० | |
| १८·९ × १·४ | ८ | | ” | ” | | ” | |
| २८ × २·१ | | | वङ्ग | ” | | अपू० | अतिजीर्णत्वात्पत्रगणनाऽशक्या । |
| १९·५ × ३·८ | ५ | ५८ | ” | का. | | पू० | विराटपर्व । |
| २२ × ४.१ | ८ | ६६ | ” | ” | श.१६३ (?) | अपू० | शान्तिपर्वणि मोक्षधर्मः । उञ्छवृत्त्युपाख्यानान्तो ग्रन्थः । आदौ पत्रत्रयं राजधर्मस्य । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १९४०२ | महाभारतम्, सटीकम् | टी. का. नीलकण्ठः | १-५२४, ५२४-६७७, ६७९-७१९, १-२ । |
| १९४०३ | " " | " | १-६०१ । |
| १९४०४ | " " | " | १-२११ । |
| १९४०५ | मन्वन्तरवर्णनम् | | १-६ । |
| १९४०६ | " | | २-६ । |
| १९४०७ | कालिकाखण्डम् | | १-५ । |
| १९४०८ | नागरखण्डम् | | २६७ ( गणनया ) । |
| १९४०९ | वायुपुराणम् | | १-२०६ । |
| १९४१० | जगन्नाथमाहात्म्यम् | | १-३१ । |
| १९४११ | ब्रह्मपुराणम् | | १-२१७, १-३ । |
| १९४१२ | सुबोधिनीयोजना | बालकृष्णः | १-११५ । |
| १९४१३ | वेदस्तुतिव्याख्या | रघुनाथचक्रवर्ती | १-२२ । |
| १९४१४ | महाभारतम्, सटीकम् | टी. का. नीलकण्ठः | १-१६७ । |
| १९४१५ | " " | " | १-४४९, १ । |
| १९४१६ | " | | १-१३ । |
| १९४१७ | " सटीकम् | टी. का. नीलकण्ठः | १-७४, ७४-४४९, १ । |
| १९४१८ | " " | " | १-४६ । |
| १९४१९ | " | | १-८५ । |
| १९४२० | " | | १-९३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·७ × ६ | ११ | ३९ | दे. ना. | का. | | अपू० | भारतभावदीपाख्यटीकायुतम् । वनपर्व । |
| १३·७ × ६ | १० | ३४ | " | " | | पू० | " आदिपर्व । |
| १३·७ × ६·१ | १० | ३९ | " | " | | " | " सभापर्व । मध्ये कीटदष्टम् । |
| १०·८ × ७·१ | १६ | २० | " | " | | " | मत्स्यपुराणे १३२ अध्याये । |
| १०·८ × ७·१ | २० | १६ | " | " | | अपू० | " |
| ८·४ × ४·४ | ९ | २८ | " | " | १९३७ | पू० | स्कान्दम् । प्रथमाध्यायमात्रम् । |
| १३·१ × ५·३ | ९ | ४१ | " | " | | अपू० | स्कान्दम् । |
| १३·३ × ८ ३ | २० | १६ | " | " | | पू० | १-२७ अध्यायाः । |
| १२·३ × ५ | १२ | ४१ | " | " | १८३७ | " | पद्मपुराणे । |
| १३·१ × ६·७ | १४ | ४२ | " | " | १८४८ | " | सूचीपत्रसहितम् । |
| ९ × ५·९ | १४ | ३७ | " | " | | " | दशमस्कन्धभागवतपञ्च-विंशाध्यायस्य । |
| ११·७ × ५·७ | १३ | ३५ | " | " | | " | श्रीधरव्याख्यायाः व्याख्येयम् । |
| १३·७ × ६ | ९ | ३५ | " | " | | " | भारतभावदीपाख्यटीकायुतम् । विराटपर्व । |
| १३·७ × ६·१ | ८ | ३४ | " | " | | " | " उद्योगपर्व । |
| १३·८ × ६ | १० | ४३ | " | " | | " | विशोकपर्व । स्त्रीपर्वान्तर्गतम् १-८ अध्यायाः । |
| १३·७ × ५·९ | १० | ३५ | " | " | | " | भारतभावदीपाख्यटीकायुतम् भीष्मपर्व । |
| १३·७ × ६ | १० | ३७ | " | " | | " | भारतभावदीपाख्यटीकायुतम् सौप्तिकैषीकपर्वणी । |
| १३·७ × ६ | १० | ३४ | " | " | | " | शल्यपर्व । १-२९ अध्यायाः ह्रद-गदापर्वरहितम् । |
| १३·७ × ६ | १० | ३९ | " | " | | " | गदापर्व । शल्यपर्वान्तर्गतम् । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५४२१ | महाभारतम् | | १-४८२ । |
| १५४२२ | " सटीकम् | टी.का.नीलकण्ठः | १-२८० । |
| १५४२३ | महाभारतार्थसंग्रहदीपिका | अर्जुनमिश्रः | १-७२ । |
| १५४२४ | वेदस्तुतिटीका | कविचक्र-चूडामणिः | १-३९ । |
| १५४२५ | अध्यात्मरामायणम | | १-१७, १-४६, १-२८, १-१७, १-११, १-३९, १-२८ । |
| १५४२६ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-९ । |
| १५४२७ | महाभारतार्थसंग्रहदीपिका | अर्जुनमिश्रः | १-११६ । |
| १५४२८ | पञ्चक्रोशमाहात्म्यम् | | १-२९ |
| १५४२९ | महाभारतम् , सटीकम् | टी.का.नीलकण्ठः | १-१३८ । |
| १५४३० | विष्णुपुराणम् " | टी. का. श्रीधरस्वामी | १-८४, १-५५, १-५८, १-६५, १-७९, १-३६ । |
| १५४३१ | भागवतम् " | " | १-५९, १-४१, १-१२७, १-९५, १-८१, १-५९, १-६७, १-५२, १-५१, १-१६२, १-१४७, १-१४८, १-४२ । |
| १५४३२ | काम्यकवनप्रवेशवर्णनम् | | ९-११ । |
| १५४३३ | भागवतम् | | २ । |
| १५४३४ | क्रियायोगसारः | | १-१६४ । |
| १५४३५ | भागवतम् | | १-११७ । |
| १५४३६ | वेदस्तुतिः सटीका | टी.का.नीलकण्ठः | १-५५ । |
| १५४३७ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-८ । |
| १५४३८ | अध्यात्मरामायणम् | | २-३५, १-४९, १-३७, १-४०, १-२६, १-७९, १-४४ । |
| १५४३९ | माघमाहात्म्यम् | | १-१७० । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·७ × ६ | १० | ३० | दे· ना. | का. | | पू० | द्रोणपर्व । |
| १३·८ × ६ | १० | ३४ | ” | ” | | ” | भारतभावदीपाख्यटीकायुतम् । कर्णपर्व । |
| १०·८ × ४·७ | १० | ४३ | ” | ” | १७१० | ” | आदिपर्वविवेचनम् । |
| १३·१ × ६·२ | १३ | ४९ | ” | ” | | ” | भागवत १० स्कं० ८७ अ० । |
| १२·९ × ५·५ | १४ | ४९ | ” | ” | | ” | |
| ६·६ × ४ | १० | २४ | ” | ” | | ” | बालकाण्डे १ सर्गः । |
| ९·५ × ४·२ | ९ | ३८ | ” | ” | १८५२ | ” | आदिपर्वविवेचनम् । |
| ८·६ × ५·४ | ११ | ३९ | ” | ” | १९१२ | ” | ब्रह्मवैवर्त्ते । |
| १३ × ५·८ | ११ | ४४ | ” | ” | १७६५ | ” | कर्णपर्व । |
| १४·७ × ७ | ११ | ५० | ” | ” | १८४७ | ” | |
| १२·६ × ७·२ | १५ | ३७ | ” | ” | | ” | भावार्थदीपिकाटीकायुतम् । |
| ६·२ × ४·६ | ७ | १६ | ” | ” | | अपू० | महाभारतोक्तम् । |
| ६·५ × २·४ | ५ | १९ | ” | ” | | ” | द्वितीयस्कन्धान्तर्गतनवमाध्यायस्य सप्तश्लोकात्मकम् । |
| १२·७ × ५·७ | ८ | ४५ | ” | ” | | पू० | पद्मपुराणे चतुर्विंशत्यध्यायात्मकः । |
| १२·१ × ४·७ | ७ | ३१ | ” | ” | | ” | एकादशस्कन्धात्मकम् । |
| १२·४ × ४·८ | १० | ५३ | ” | ” | १८८० | ” | भागवतदशमस्कन्धस्था । |
| ७·५ × ४·१ | १० | २७ | ” | ” | | ” | बालकाण्डस्य प्रथमः सर्गः । |
| ७·३ × ४·५ | ९ | २३ | ” | ” | | अपू० | बालकाण्डादुत्तरकाण्डान्तम् । |
| ९·७ × ४·२ | ८ | ३१ | ” | ” | १९१० श. १७७५ | पू० | वायुपुराणे । |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५४४० | अधिकमासमाहात्म्यम् | | १-३७ । |
| १५४४१ | वेदस्तुतिटीकाव्याख्यानम् | | १-२३ । |
| १५४४२ | इतिहाससमुच्चयः | | १-१०७ । |
| १५४४३ | जैमिनिमहाभारतम् | | २-२२, १-९, ११, १३-१५ । |
| १५४४४ | " " | | ३७ ( गणनया ) । |
| १५४४५ | " " | | ५८-६९, ७३-७५, ७७-१६९ । |
| १५४४६ | महाभारतम् | टी का. नीलकण्ठः | १-३२ । |
| १५४४७ | " | " | १-१११, ११२-५१८ । |
| १५४४८ | बिल्वकेश्वरमाहात्म्यम् | | १-२, २-३५ । |
| १५४४९ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-२१ । |
| १५४५० | इन्दिरैकादशीमाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १५४५१ | अधिकमासमाहात्म्यम् | | १-४२ । |
| १५४५२ | विष्णुपुराणम् | | १-३९, ३९-४७, १-२७, १-२७, १-३७, १-३५, ३७-५०, १-१८ । |
| १५४५३ | वैशाखमाहात्म्यम् | | १-१५ । |
| १५४५४ | कोकिलाव्रतम् | | १-१३ । |
| १५४५५ | वैशाखमाहात्म्यम् | | १-६३ । |
| १५४५६ | भागवतम् | | १-२५८ । |
| १५४५७ | कोकिलामाहात्म्यम् | | १-३७ । |
| १५४५८ | पञ्चक्रोशमाहात्म्यम् | | १-२२ । |
| १५४५९ | भागवतम् | | २-४१, ४३-१८९, १९१-२७२, २७४-३३१, ३३५-३८५, ३८३-४४१ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·१ × ४·५ | ९ | ३० | दे. ना. | का. | १९१३ १७७८ श. | पू० | स्कान्दम् । |
| १०·७ × ४·६ | १३ | ३४ | ” | ” | | ” | भागवतस्थवेदस्तुतेः श्रीधरस्वामिकृत-व्याख्याया व्याख्या । |
| ९·५ × ४·१ | १० | ३८ | ” | ” | १८४५ | ” | १-३३ अध्यायाः । |
| ९·८ × ४·४ | १० | ४२ | ” | ” | | अपू० | अश्वमेधपर्व । |
| १०·८ × ४·३ | ८ | ४६ | ” | ” | | ” | आश्वमेधिकपर्व । |
| ११·१ × ४·८ | १३ | ३९ | ” | ” | | ” | ” ” |
| १०·९ × ४·६ | ९ | ३७ | | | | | |
| १३·७ × ६ | १० | ४२ | ” | ” | | पू० | भारतभावदीपाख्यटीकायुतम्, स्त्रीपर्व । |
| १३·७ × ६ | ८ | ४३ | ” | ” | | अपू० | भारतभावदीपाख्यटीकायुतम्, शान्तिपर्व । |
| ७·५ × ४ | ७ | २० | ” | ” | १७८२ श. | पू० | पद्मपुराणीयम् । |
| ६·४ × ३·२ | ५ | १५ | ” | ” | | ” | बालकाण्डस्य प्रथमः सर्गः । |
| ९·३ × ४·२ | ७ | ३४ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्तोक्तम् । |
| १२·५ × ५·५ | १२ | ४२ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·३ × ६ | १३ | ४२ | ” | ” | १९४० | पू०* | षडंशयुतम्, पाराशरीयसंहितायाम् । |
| १०·५ × ६·७ | ११ | २३ | ” | ” | | अपू० | स्कान्दम् । |
| १०·४ × ५ | १३ | ३५ | ” | ” | | ” | भविष्योत्तरपुराणे उत्तरखण्डे हर-नारदसंवादे । |
| ९·९ × ४·५ | १२ | ३४ | ” | ” | १८४२ | पू० | स्कान्दम्, अन्ते नवग्रहदानविषयश्च । |
| ६·६ × ३·७ | ६ | १६ | ” | ” | १९०९ | ” | ११ स्कन्धमात्रम् । |
| ९·९ × ४·९ | १२ | ३९ | ” | ” | | ” | भविष्योत्तरपुराणे । |
| १० × ४·३ | ९ | २० | ” | ” | | ” | |
| २२·२ × ४·१ | ७ | ९० | वङ्ग. | ” | | अपू० | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५४६० | भागवतम् | | १-६०, १-४३, १-११६, १-९५, १-८३, १-६०, १-६६, १-६६, १-५९, १-१९०, १-१४८, १-४३ । |
| १५४६१ | तत्तदेकादशीमाहात्म्यम् | | ४०-४८, ५८-६३, ६५-६९ । |
| १५४६२ | गोपीगीतम् | | २ गणनया । |
| १५४६३ | पञ्चक्रोशमाहात्म्यम् | | १-१९ । |
| १५४६४ | गयामाहात्म्यम् | | १-१६ । |
| १५४६५ | मार्गशीर्षमाहात्म्यम् | | १-५७ । |
| १५४६६ | अधिकमासमाहात्म्यम् | | ८० । ( गणनया ) |
| १५४६७ | वैशाखमाहात्म्यम् | | १-५७ । |
| १५४६८ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-८९, १-८ । |
| १५४६९ | गरुडपुराणम् | | १-२१, २१-५१ । |
| १५४७० | कूर्मपुराणम् | | १-१०३ । |
| १५४७१ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-५५ । |
| १५४७२ | गरुडपुराणम् | | १-३६, ३६-६५ । |
| १५४७३ | भागवतमाहात्म्यम् | | १-१७ । |
| १५४७४ | नरदेहे दशावतारवर्णनम् | | १-८ । |
| १५४७५ | भागवतभावार्थदीपिका-दीपनम् | राधारमणदासः | १-९ । |
| १५४७६ | वेदस्तुतिः सटीका | टी. का. श्रीधरस्वामी | १, १-७ । |
| १५४७७ | भागवतस्य सङ्क्षिप्ताख्यानम् | | १-८९ । |
| १५४७८ | हरिभक्तिसुधोदयः | | ६२-७४, ७७, ८३-८६, ८८-८९ । |
| १५४७९ | भागवतटीका | | १-२८ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १४·४ × ७·७<br>१४·८ × ७·८ | १७ | ४४ | दे. ना. | का. | १८८० | पू० | श्रीधरीटीकोपेतम् । दशमस्कन्धोत्तरार्द्धरहितम् । सचित्रं सुन्दराक्षरयुतम् । |
| १०·३ × ५·८ | १४ | २९ | ” | ” | | अपू० | |
| ९·६ × ३·९ | ९ | ३४ | ” | ” | | पू० | |
| १२·१ × ४·८ | ९ | ४२ | ” | ” | १९१४ | ” | ब्रह्मवैवर्तपुराणे तृतीयविभागे । |
| १०·८ × ५·४ | ११ | ४४ | ” | ” | | ” | वायुपुराणे श्वेतवाराहकल्पे । |
| १०·८ × ५·४ | १० | ४३ | ” | ” | | ” | स्कान्दम् । |
| १०·९ × ५·७ | १२ | ३० | ” | ” | | ” | ३० अध्यायपरिमितम् । स्कान्दम् । |
| ९·८ × ५·२ | ११ | ४६ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणे पातालखण्डे । |
| १०·६ × ५·८ | ९ | २३ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणोक्तसनत्कुमार-संहितायाम् । |
| १०·७ × ४·७ | ८ | २७ | ” | ” | १७३६ | ” | आदितः १० अध्यायान्तम् । |
| १३·४ × ६·३ | ११ | ४१ | ” | ” | | ” | |
| १२·४ × ५·३ | १० | ४० | ” | ” | | ” | सनत्कुमारसंहितायां बालखिल्योक्त-सूर्यारुणसंवादरूपम् । |
| १०·४ × ४·४ | ९ | ३९ | ” | ” | | ” | |
| १०·७ × ५·७ | १२ | ५४ | ” | ” | १९११ | ” | पद्मपुराणे उत्तरखण्डे । |
| ९ × ५·५ | ११ | ३२ | ” | ” | | अपू० | |
| ९ × ४·२ | १० | ३५ | ” | ” | | ” | श्रीधरटीकायाः द्वितीयस्कन्ध-व्याख्यानम् । |
| १२·२ × ५·७ | ९ | २८ | ” | ” | | पू० | भागवतदशमस्कन्धस्था । |
| १२·२ × ४·९ | ११ | ४४ | ” | ” | | ” | षष्ठस्कन्धादारभ्य द्वादशस्कन्धान्तम् । |
| ११ × ४·३ | ९ | ३९ | ” | ” | | अपू० | नारदीयपुराणोक्तः । |
| १३·३ × ४·१ | ७ | ४३ | ” | ” | | ” | आदितः श्लोकत्रयव्याख्या । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १९४८० | महाभारतम् | टी. का. नीलकण्ठः | १-९० । |
| १९४८१ | हरिवंशः | वेदव्यासः | १, १३४-१८३, १८३-१८४, १८४-१८५, १८५, १८६, १८६-१८७, १८७-१८८, १८८-१८९, १८९-१९०,१९०-१९१, १९१-१९२, १९२-१९३, २०२-२४७, २४९-२५३, २७०-२७२,२७४-२९९, ३०१-३३०, ३५१-३९८, ४००-४११, ६०९-६७४ । |
| १९४८२ | योगवासिष्ठे सप्तभूमिकाः | | १-२ । |
| १९४८३ | रामायणसारः | अग्निवेशः | १-३० । |
| १९४८४ | अध्यात्मरामायणम् | | १. ४-१६, १४-१८८ । |
| १९४८५ | ब्रह्मणः कल्पभेदेन नामानि | | १ । |
| १९४८६ | अष्टादशोपपुराणनामानि | | १ । |
| १९४८७ | वाल्मीकिरामायणटीका | | १-१७, ५४-६५, १-३०, १-३७, ३७-४४, १-४९, ५१, ५२-६९, १-३६ । |
| १९४८८ | गरुडपुराणम् | | १-६८ । |
| १९४८९ | विनायकाविर्भावप्रकारः | | १-४ । |
| १९४९० | काशीमाहात्म्यम् | | १-१२(=१३) १४-६४ । |
| १९४९१ | नासिकेतोपाख्यानम् | | १-३७ । |
| १९४९२ | अध्यात्मरामायणम् | | १-५०,१-७५,१-५१,१-३०,३२-४७,१-२६ । |
| १९४९३ | भागवतम् | | १-५ । |
| १९४९४ | तारकरामब्रह्ममन्त्रः | | १-२, ५-९ । |
| १९४९५ | षोडशयोगचिह्नानि | | १-२ । |
| १९४९६ | वृन्दावनरहस्यम् | | १-१६ । |
| १९४९७ | श्रावणमाहात्म्यम् | | १-४७ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १५·९ × ६·१ | १२ | ६८ | दे. ना. | का. | | पू० | भारतभावदीपाख्यटीकायुतम् । शल्यपर्व । |
| १२·१ × ५·३ | १० | ४८ | ” | ” | | अपू० | महाभारतखिलरूपः । |
| ५·८ × ४ | ११ | १८ | ” | ” | | पू० | |
| ६·८ × ४·२ | ७ | २० | ” | ” | | ” | |
| १२·३ × ४·८ | ९ | ३९ | ” | ” | | अपू० | |
| ५·७ × ४·३ | ७ | २८ | ” | ” | | पू० | लिङ्गपुराणे । |
| ९·७ × ४·३ | १० | ४६ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्ते काशीरहस्ये । |
| १४·४ × ५·७ | १४ | ६० | ” | ” | १७४४ | अपू० | कतकम् । अयोध्यारण्यकिष्किन्धा-युद्धोत्तरकाण्डात्मिका । |
| ९·२ × ३·६, ९·६ × ४·४ | ९ | ३० | ” | ” | १६४३ | पू० | महीधरहस्तलेखः । |
| १०·५ × ४·६ | ९ | २१ | ” | ” | १९०४ | ” | गणेशपुराणोत्तरखण्डषष्ठाध्याये । |
| ७·९ × ३·७ | ८ | ३१ | ” | ” | | | पद्मपुराणीयपातालखण्डस्थम् । |
| १३·७ × ५·३ | ९ | ३९ | ” | ” | १९३२ | ” | १-१८ अध्यायाः, जनमेजयप्रश्ने वैशम्पायनोक्तम् । |
| ८·७ × ४·५ | १० | १८ | ” | ” | | ” | सुन्दरकाण्डान्तम् । |
| ५·९ × ४·१ | ७ | १३ | ” | ” | | अपू० | तृतीयस्कन्धस्थम् । देवहूतिं प्रति कपिलोपदिष्टसाधनानुष्ठानम् २८ अध्यायान्तर्गतम् । |
| ५·७ × ३·९ | ९ | १३ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणे शिवपार्वतीसंवादे । |
| ५·७ × ४ | ११ | १५ | ” | ” | | पू० | पद्मपुराणे । |
| ७·७ × ४·४ | ९ | २२ | ” | ” | | ” | वराहसंहितायां धरणीवराहसंवादे । |
| ११ × ५·२ | ११ | ३९ | ” | ” | १७६८ | ” | स्कान्दम् । ईश्वरसनत्कुमारसंवा-दात्मकम् । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५४९८ | गङ्गामाहात्म्यम् | | १-१०९ । |
| १५४९९ | गयामाहात्म्यम् | | १-३९ । |
| १५५०० | बलदेवाह्निकम् | | १-३ । |
| १५५०१ | द्वारकामाहात्म्यम् | | १-११३ । |
| १५५०२ | महाभारतम् | | २-१५ । |
| १५५०३ | " | | १-१४ । |
| १५५०४ | अध्यात्मरामायणम् | टी.का. रामवर्मा | १-३१, १-९, १२-२१, २४-३६, २-९, ९-२९, ९-११, ११-२०, २०-२२, १-२२, १-३५, ६-१२, २४-३६ । |
| १५५०५ | वायुपुराणम् | | १-७ । |
| १५५०६ | सेतुमाहात्म्यम् | | १४० । |
| १५५०७ | वायुपुराणम् | | १७६, १७९, १८२-२०३, २०५-२०९, २११-२२८ । |
| १५५०८ | रामायणरहस्यम् | अग्निवेशमुनिः | १-२ । |
| १५५०९ | ढुण्ढिप्रादुर्भावकथा | | १-९ । |
| १५५१० | मयूखादित्यद्रौपदादित्याख्यानम् | | १-६ । |
| १५५११ | भागवततत्त्वदीपः | वल्लभदीक्षितः | १-३२, १-२२ । |
| १५५१२ | मन्त्रभागवतव्याख्या | | १-२१ । |
| १५५१३ | भागवतनिर्णयः | दामोदरशास्त्री | १-२ । |
| १५५१४ | आदिपुराणम् | | १-५१ । |
| १५५१५ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १(=२) ३-१२ । |
| १५५१६ | पाराशरोपपुराणम् | | १-५ । |
| १५५१७ | महाभारतदुःखदश्लोकटिप्पणी | विमलबोधः | ६० । (गणनया) |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३ × ५·४ | ८ | २९ | दे. ना. | का. | १९२७ | पू० | स्कान्दे केदारखण्डे। |
| १०·७ × ३·९ | ७ | ४९ | ” | ” | १८१६ | ” | वायुपुराणे श्वेतवाराहकल्पे सनत्कुमारनारदसंवादे। |
| ९·५ × ५ | १३ | ३२ | ” | ” | | ” | हरिवंशोक्तम्। |
| १०·७ × ४·८ | ८ | २७ | ” | ” | | ” | स्कान्दम्। |
| ९ × ४·८ | १२ | २३ | ” | ” | १७६६ | अपू० | स्वर्गारोहणपर्व। |
| १०·२ × ४·७ | ७ | २५ | ” | ” | १७९८ | पू० | अश्वमेधपर्वणि धर्मयुधिष्ठिरयज्ञः। |
| १३ × ६·३ | १७ | ४८ | ” | ” | | अपू० | सेतुनामटीकायुतम्। |
| १३·१ × ५·१ | ९ | ५० | ” | ” | | ” | |
| १३·३ × ७ | १३ | ४८ | ” | ” | १८७४ | ” | स्कन्दपुराणे। |
| १३·१ × ५ | ९ | ४४ | ” | ” | | ” | |
| १३·७ × ५·२ | १२ | ५८ | ” | ” | | ” | |
| ९·५ × ३·७ | ८ | ३३ | ” | ” | | ” | काशीखण्डे ५७ अध्यायः। |
| ९ × ४·१ | ८ | २३ | ” | ” | | ” | काशीखण्डे ४९ अध्यायः। |
| १२·६ × ४·९ | ११ | ६५ | ” | ” | | ” | |
| ११·५ × ४·८ | १३ | ७६ | ” | ” | १७५३ | पू० | समूला। |
| ८·८ × ३·५ | १० | ३१ | ” | ” | १९०४ १७६९ श. | ” | |
| ९·९ × ६·१ | १९ | ४१ | ” | ” | | ” | |
| ५·१ × ३·३ | ९ | २२ | ” | ” | १४७५ श. | ” | बालकाण्डे संक्षेपनामा १ सर्गः। |
| ११·१ × ६·२ | ११ | ५० | ” | ” | १८५७ | ” | अष्टादशोऽध्यायः। |
| १२·२ × ४·६ | १४ | ४५ | ” | ” | | ” | |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५५१८ | वैशाखमाहात्म्यम् | | १-५८ । |
| १५५१९ | वाल्मीकिटीका | महेश्वरतीर्थः | ४४-४५, ४५-४६ । |
| १५५२० | शालग्रामपरीक्षा | | १-४ । |
| १५५२१ | सम्बन्धजातिनिर्णयः | | २-१२ । |
| १५५२२ | अध्यात्मरामायणम् सटीकम् | टी. का. रामवर्मा | २-३२, १-२९, १-२३, १-२२, १-१३, १-४०, १-२४ । |
| १५५२३ | भागवतम् " | टी. का. श्रीधरस्वामी | १-११६, ११८ । |
| १५५२४ | " " | " | १-२०, २२-३८, १-११८, १-९७, १-८२, १-६३, १-६७, १-५५, १-४७ । |
| १५५२५ | जैमिनिभारतम् | | १५७-१७४ । |
| १५५२६ | गरुडपुराणम् | | १-४० । |
| १५५२७ | जैमिनिभारतम् | | १-९५ । |
| १५५२८ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-१४ । |
| १५५२९ | जैमिनिभारतम् | | १-१६२ । |
| १५५३० | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | १-२७७, २७९-३४५, ३४५-५६५, १-४८ । |
| १५५३१ | महाभारतम् | | १२१-१३७, १४२-१४५, १४९-१७४, २८४, ३२५-३३१ । |
| १५५३२ | हरिनाममाहात्म्यम् | | ३-४, ७ । |
| १५५३३ | कल्किपुराणम् | | १-३० । |
| १५५३४ | रुद्राक्षमाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १५५३५ | काशीमरणफलम् | | १-२ । |
| १५५३६ | अध्यात्मरामायणम् | | ३-९, ११-३४ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११ × ९ | १२ | ३३ | दे. ना. | का. | १९७७ | अपू० | पद्मपुराणे । |
| १४·९ × ६·२ | ११ | ६४ | ” | ” | | ” | तत्त्वदीपिका । आरण्यकाण्डे २८-२९ सर्गौ । |
| ९·६ × ३·९ | ७ | ३१ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्ते महापुराणे । |
| ९·७ × ४·६ | ९ | २९ | ” | ” | | पू० | ब्रह्मखण्डे. सूतशौनकसंवादे १३ अध्यायः । |
| १२·६ × ६·९ | १२ | ४४ | ” | ” | | अपू० | सेत्वाख्यटीकायुतम् । प्रथमपत्रपातेऽपि न मुख्यग्रन्थहानिः । |
| १४·३ × ९·९ | १२ | ५० | ” | ” | | ” | तृतीयस्कन्धः । |
| १४·३ × ९·९ | ११ | ४९ | ” | ” | | ” | द्वितीयतृतीयचतुर्थपञ्चमषष्ठसप्तमनवमद्वादशस्कन्धात्मकम् । |
| ११·७ × ४·६ | ११ | ४० | ” | ” | १८९३ १७९८ श. | ” | अश्वमेधपर्व । |
| १३·७ × ४·९ | ११ | ४४ | ” | ” | | पू० | विष्णुतार्क्ष्यसंवादात्मकं प्रेतकल्पमात्रम् । |
| १६ × ६ | १३ | ५५ | ” | ” | | ” | अश्वमेधपर्व । |
| १२·७ × ९·९ | १९ | ४८ | ” | ” | | अपू० | युद्धकाण्डम् । |
| १३·६ × ९·६ | ८ | ४५ | ” | ” | | पू० | अश्वमेधपर्व । |
| १४·१ × ७·४ | १५ | ४५ | ” | ” | १८९९ | ” | प्रथमस्कन्धादारभ्य सप्तमस्कन्धपर्यन्तं तथा द्वादशस्कन्धोऽपि वर्तते । |
| ११ × ४·८ | ९ | ३९ | ” | ” | | अपू० | आदिपर्व । १ पत्रं ७८० अङ्कितमद्भुतशान्तेः । |
| ९ × ३·१ | ७ | १९ | ” | ” | | ” | |
| १२·९ × ४·६ | ८ | ३६ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| १२·९ × ४·४ | ९ | ३८ | ” | ” | | पू० | पद्मपुराणे । |
| १२·७ × ४ | ८ | ४१ | ” | ” | | ” | काशीखण्डे । |
| १२ × ९·४ | १० | ४० | ” | ” | | अपू० | ब्रह्माण्डे बालायोध्याकाण्डे । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५५३७ | स्कन्दपुराणम् | | १-३७ । |
| १५५३८ | महाभागवतम् | व्यासः (?) | १-५ । |
| १५५३९ | " | " | १०७-११५ । |
| १५५४० | " | " | १-८७ =(८८) ८९-२१० । |
| १५५४१ | भागवतम् | | १-२ । |
| १५५४२ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-२२ । |
| १५५४३ | " | " | १-२९ । |
| १५५४४ | पुरुषोत्तममाहात्म्यम् | | १-५९, ५०-१६१, १७२-१७३ । |
| १५५४५ | महाभारतम् | | × |
| १५५४६ | " | | १ । |
| १५५४७ | अध्यात्मरामायणम् | | ११-२२, १-१६, ८-२६ । |
| १५५४८ | हरिवंशः | टी. का. श्रीधरस्वामी (?) | १-७१ । |
| १५५४९ | महाभारतम् | | १२ (गणनया) । |
| १५५५० | अध्यात्मरामायणम् | | १-२०२ । |
| १५५५१ | महाभारतम् सटीकम् | टी. का. (?) | ७५ (गणनया) । |
| १५५५२ | महाभारतम् " | टी. का. नारायणः (?) | ४४ (गणनया) । |
| १५५५३ | " | | ५-३३, ३६-१०५ । |
| १५५५४ | " | | २-८,१०-११, १३-१६, ८१-९४, ९६-१०१, १४४-१५६, १५८-१६०, १६२-१६३ । |
| १५५५५ | " | | २०३-२३१, २३३-२३४, २३६, २४६-२७२, २७४-२८५, ३२२-३४२, ३४३-३९२, ३९४-३९९, =(४००) ४०१-४०६ । |
| १५५५६ | " | | ३-२७, २९-४१ । |
| १५५५७ | " | | १-३० । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·२ × ५ | १२ | ५० | वङ्ग. | का. | | अपू० | केदारखण्डम् । |
| १२·७ × ४·९ | ९ | ३९ | ” | ” | | ” | |
| १२·४ × ४·८ | ८ | ४० | ” | ” | | ” | ४०-४२ अध्यायभागः । |
| १२·६ × ४·८ | ९ | ४३ | ” | ” | १७२४ श. | पू० | |
| ७ × ४·६ | ६ | १९ | दे. ना. | ” | | ” | चतुःश्लोकी । |
| ७ × ४·५ | ६ | १८ | ” | ” | | ” | बालकाण्डे सङ्क्षेपनामा १ सर्गः । |
| ७·१ × ४·५ | ५ | १३ | ” | ” | | ” | ” |
| १३·१ × ४·७ | १० | ४९ | वङ्ग. | ” | | ” | स्कान्दे उत्तरखण्डम् । |
| २३·८ × १·९ | ५ | ८२ | ” | ता. प. | | अपू० | अतिजीर्णत्वात्पत्रसंख्या दातुमनर्हा । |
| ११·३ × ५·२ | ११ | ३८ | दे. ना. | का. | | ” | आदिपर्व । १८२ तमं पत्रमस्ति । |
| १२·५ × ६·३ | ११ | ३३ | ” | ” | | ” | |
| १५·९ × ६·८ | १० | ६३ | ” | ” | | अपू० | मिताक्षरानामटीकायुतः । |
| १२·४ × ५·६ | १४ | ३४ | ” | ” | | ” | सभापर्व । |
| १६·४ × ५·७ | ९ | ४९ | वङ्ग. | ” | १४५१ श. | पू० | |
| १६·१ × ७·७ | १४ | ५० | दे. ना. | ” | | अपू० | वनपर्व । १ पत्रं ३८ अङ्कितं मोक्षपर्वणः। |
| १५·९ × ६·७ | १० | ४७ | ” | ” | | अपू० | शान्तिपर्वणि मोक्षधर्मः । |
| १३·५ × ५·१ | १० | ५० | ” | ” | | ” | उद्योगपर्व । |
| १०·५ × ४·६ | ११ | ४७ | ” | ” | | ” | भीष्मपर्व । |
| ११·३ × ५·२ | ९ | ३९ | ” | ” | १७५० | ” | द्रोणपर्व । |
| १२·७ × ५·८ | १४ | ४४ | ” | ” | | ” | शान्तिपर्वणि राजधर्मः । |
| १६·४ × ६·७ | ११ | ४७ | ” | ” | | पू० | शान्तिपर्वणि आपद्धर्मः । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५५५८ | महाभारतम् | | १-३३, ३३-१०१, १०१-१६६, १६६-१७३, १७५-१८५, १८७-२१६ । |
| १५५५९ | " | | १-५० । |
| १५५६० | " | | २२ ( गणनया ) । |
| १५५६१ | हरिवंशः सटीकः | टी. का. नीलकण्ठश्चतुर्द्धरः | ६-७१, ७३-१०१, १०१-१३४, १३६-१७९ । |
| १५५६२ | " | | १-१९४, २७८-३९६, ३९६-४०२, ४०४-४०७, ४११-४६४ । |
| १५५६३ | " | | १०-५४, ५७-३११, ३१३-४१८ । |
| १५५६४ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | १-१२६, १-९९ । |
| १५५६५ | " " | " | १-६७ । |
| १५५६६ | पुरुषोत्तममाहात्म्यम् | | १-१९२ । |
| १५५६७ | काशीमाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १५५६८ | ओङ्कारमहिमा | | १-४ । |
| १५५६९ | गीतामाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १५५७० | शालग्राममाहात्म्यम् | वेदव्यासः | १-२ । |
| १५५७१ | काशीखण्डम् | | ७-३२ । |
| १५५७२ | मथुरामाहात्म्यसंग्रहः | | १-१९ । |
| १५५७३ | भागवतसंग्रहः | | ५-३० । |
| १५४७४ | गायत्रीमाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १५५७५ | अध्यात्मरामायणम् | | १-३३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२ × ५·६ | १२ | ४४ | दे. ना. | का. | | अपू० | अनुशासनपर्वणि दानधर्मः । |
| ११·१ × ४·८ | १० | ३९ | ” | ” | | ” | आश्रमवासिकपर्व । सर्वतो भिन्नमिदम् । |
| ९·८ × ४·९ | १० | ३४ | ” | ” | | ” | महाप्रास्थानिकपर्व । अत्र पर्ववर्णनं व्युत्क्रमेण । |
| १३·३ × ६·२ | १२ | ४२ | ” | ” | | ” | |
| १४ × ५·९ | १३ | ४२ | ” | ” | | ” | |
| १३·९ × ६·७ | १२ | ४० | ” | ” | | ” | |
| १७·७ × ६·९ | ११ | ४६ | ” | ” | १८६२ | पू० | दशमस्कन्धः । |
| १३ × ६·३ | ९ | ५५ | ” | ” | | ” | सप्तमस्कन्धः । |
| १७·५ × १·२ | ४ | ६५ | ” | ता. प. | | ” | स्कन्दपुराणे । |
| १२·५ × ४·७ | १० | ५१ | वङ्ग. | का. | | अपू० | |
| १२·६ × ४·९ | १० | ४९ | ” | ” | | पू० | काशीखण्डे । |
| १२·९ × ४·९ | १२ | ४८ | ” | ” | | ” | |
| १२·६ × ४ | १२ | ४६ | ” | ” | | ” | |
| १२·७ × ४·८ | ११ | ५४ | ” | ” | | अपू० | स्कन्दपुराणे । २९ गङ्गासहस्रनाम, ३० वाराणसीरहस्यम्, ७२ दुर्गाविजयः, ७३ ओङ्कारमाहात्म्यम्, ९६ व्यासशापमोक्षणम्, ९७ लिङ्गतीर्थमितिनामकाः षडध्यायाः । |
| ११·५ × ४·५ | १२ | ४४ | ” | ” | | पू० | |
| १०·५ × ४ | १२ | ३८ | ” | ” | | अपू० | |
| १६·५ × ३·५ | ९ | ५९ | ” | ” | | ” | |
| १२·७ × ५·१ | ९ | ४२ | ” | ” | | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५५७६ | देवीभागवतम् | | १-६६, १-४२, १-९९, १-७९, १-१०९, १-१०१ । |
| १५५७७ | काशीतत्त्वप्रकाशिका | शिवयोगी रघुनाथेन्द्रः | १-१९, ३३ । |
| १५५७८ | अध्यात्मरामायणम् | | १-१०३ । |
| १५५७९ | विष्णुपुराणम् | | १-२१२, २१२-२१३, २१३-२१९ । |
| १५५८० | गीतामाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १५५८१ | रामायणम् | वाल्मीकिः | २-१३, ५५-६९, ७४-८१, ८७-११७ । |
| १५५८२ | ” | ” | १-२० । |
| १५५८३ | ” | ” | २-३, ५-६, ६-१० । |
| १५५८४ | ” | ” | १-२१ । |
| १५५८५ | ” | ” | १-४७, ४९-६९ । |
| १५५८६ | ” | ” | २-३५ । |
| १५५८७ | ” | ” | १-२१, २३-२४, २८-२९, ३४-३९, ४४, ५०-७४ । |
| १५५८८ | ” | ” | १-३०, ३०-४२ । |
| १५२८९ | ” | ” | १-१२० । |
| १५५९० | ” | ” | १-६२ । |
| १५५९१ | ” | ” | १, ३, ८-१० । |
| १५५९२ | ” | ” | २५२-२९६ । |
| १५५९३ | ” सटीकम् | | १-१४, १८-२२, २२-२४, २६-२७, ३०-३९ । |
| १५५९४ | ” ” | टी. का. रामः | १४-१४६, १४८-१६३, १६७, १६९-१९७ । |
| १५५९५ | ” ” | टी. का. रामः | २-५९, ६१-१४९, १५३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·९ × ४·७ | ८ | ४४ | वङ्ग. | का. | | पू० | |
| १२·३ × ४·३ | १० | ४९ | " | " | | अपू० | पुराणानुसारेण । |
| १२·७ × ४·८ | १२ | ९५ | " | " | १७०३ श. | पू० | |
| १३ × ९ | ८ | ९१ | " | " | | " | |
| १२·५ × ४·६ | १२ | ४७ | " | " | | " | स्कान्दे । |
| १०·७ × ४·२ | ९ | ३९ | दे. ना. | " | १६६६ | अपू० | बालकाण्डम् । |
| १२·९ × ६·६ | १६ | ४३ | " | " | | " | किष्किन्धाकाण्डम । |
| १३·६ × ९·८ | १२ | ४३ | " | " | | " | " |
| १४ × ९·३ | १४ | ४४ | " | " | | " | युद्धकाण्डम् । |
| १२·९ × ६·५ | १२ | ३७ | " | " | | " | बालकाण्डम् । |
| १३·१ × ९·९ | १३ | ३९ | " | " | | " | युद्धकाण्डम् । |
| १४·८ × ९·२ | ११ | ४३ | " | " | | " | किष्किन्धाकाण्डम् । |
| १३·५ × ६ | १० | ४३ | " | " | | " | बालकाण्डम् । |
| १३·८ × ९·६ | १० | ४२ | " | " | | " | पत्राणि स्पर्शानर्हाणि । अयोध्या-काण्डम् । |
| १८·५ × ९·८ | १३ | ९९ | " | " | | पू० | बालकाण्डम् । लेखको दुर्लभमिश्रः सं. १७०१ । १-६४ सर्गाः । |
| ९·८ × ९·९ | ९ | २३ | " | " | १९३८ | अपू० | बालकाण्डे प्रथमः सर्गः । |
| ८·९ × ३·४ | १० | ३४ | " | " | १७६१ | " | युद्धकाण्डम् । |
| १२ × ५·५ | १२ | ३९ | " | " | | " | बालकाण्डम् । |
| १२·९ × ९·५ | ११ | ४८ | " | " | | " | तिलकाख्यटीकायुतम् । बाल-काण्डम् । |
| १२·९ × ९·५ | १८ | ९८ | " | " | | " | तिलकाख्यटीकायुतम् । किष्किन्धा-काण्डम् । |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५५९६ | रामायणम् सटीकम् | वाल्मीकिः टी. का. रामः | १-८८, ८८-१९४ । |
| १५५९७ | " " | वाल्मीकिः | ६६ । ( गणनया ) |
| १५५९८ | काशीखण्डम् | | १-७ । |
| १५५९९ | अध्यात्मरामायणम् | | १२ । ( गणनया ) |
| १५६०० | काशीकेदारमाहात्म्यम् | | १-७ । |
| १५६०१ | गीतामाहात्म्यम् | | ५ । ( गणनया ) |
| १५६०२ | ब्रह्मवैवर्तपुराणम् | | १-५ । |
| १५६०३ | भागवतम् | | २०-५१, ५५ । |
| १५६०४ | " | | २४ । ( गणनया ) |
| १५६०५ | शिवपुराणम् | | १-१२२ । |
| १५६०६ | व्यासशुकसंवादः | | ५-१९ । |
| १५६०७ | काशीमाहात्म्यम् | | १-१३२ । |
| १५६०८ | गर्गसंहिता | गर्गाचार्यः | १-३२, १-३०, १-१७, १-२५, १-८२, १-१४, १-१९, १-२८, १-४० । |
| १५६०९ | रामायणम् | वाल्मीकिः | ५, ७-१९ । |
| १५६१० | महाभारतम् | | १-४ । |
| १५६११ | " | | × × । |
| १५६१२ | हरिवंशः | | १-५६, ६२-४४७ । |
| १५६१३ | महाभारतम् | | १-८७ । |
| १५६१४ | भागवतटीका | श्रीधरस्वामी | १-२७, २९-४०, ४३, २-३३ । |
| १५६१५ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | ५४-७० । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·७ × ५ | ११ | ४२ | दे. ना. | का. | | पू० | तिलकाख्यटीकायुतम्। सुन्दर-काण्डम्। |
| १४ × ७·३ | ७ | ३५ | ” | ” | | अपू० | अयोध्याबालारण्यकाण्डानि। |
| १९·३ × ३·५ | ९ | ८९ | वङ्ग. | ” | | पू० | क्षेत्रतीर्थवर्णनाख्यः ९७ अध्यायः। |
| १३·२ × ४·३ | ११ | ५५ | ” | ” | | ” | बालकाण्डे २ सर्गः, उत्तरकाण्डे रामगीताख्यपञ्चमाध्यायश्च। |
| १९·२ × ३·४ | ८ | ७९ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्ते खिले। |
| १८·७ × ३·४ | ४ | ५८ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·८ × ४·७ | ७ | ४० | ” | ” | | पू० | ब्रह्मखण्डे षष्ठाध्यायमात्रम्। |
| १५·८ × ६·१ | १६ | ७९ | ” | ” | | अपू० | सटीकम्। ३ स्कन्धे २६ अध्या-यान्तभागः। |
| १५·८ × ६·१ | १६ | ६७ | ” | ” | | ” | भावार्थदीपिकाख्यटीकायुतम्। तृतीयस्कन्धे २१-३३ अध्यायान्तभागः। |
| १७ × ३·१ | ५ | ५० | ” | ” | १७०० श. | पू० | उत्तरखण्डम्। |
| १०·२ × ४·३ | ११ | ३६ | दे. मा. | ” | १८३५ | अपू० | पितृपुत्रसंवादो वा, महाभारते। |
| १२·३ × ४·८ | ८ | ४५ | ” | ” | १८४८ १७१३ श. | पू० | ब्रह्मवैवर्तीयम्। |
| १४·७ × ५·९ | ११ | ४८ | ” | ” | | ” | |
| ९·४ × ४·१ | ७ | २१ | ” | ” | | अपू० | मूलरामायणम्। |
| १३·८ × ५·४ | १० | ५३ | ” | ” | | ” | उद्योगपर्व। १-३ अध्यायाः। |
| १३·५ × ५ | १२ | ४९ | वङ्ग. | ” | | ” | भीष्मपर्व। स्पर्शभङ्गुराणि पत्राणि। |
| ११·१ × ४·७ | १२ | ४१ | दे. ना. | ” | | ” | |
| १३·९ × ६ | ११ | ४७ | ” | ” | | पू० | आश्वमेधिकपर्व। |
| १३·८ × ५·७ | ११ | ५३ | ” | ” | | अपू० | भावार्थदीपिका। पञ्चमषष्ठस्कन्धयोः। |
| १३·५ × ७·१ | १७ | ४१ | ” | ” | १८५४ | ” | प्रथमस्कन्धः। |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५६१६ | भागवतम्, सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | १-५२ । |
| १५६१७ | " " | " | १-४८, ५०-७५, ७७-८४ । |
| १५६१८ | " " | " | १-६७ । |
| १५६१९ | " " | टी. का. विजयध्वजभट्टारकः | १-५१ । |
| १५६२० | " " | " | १-५१ । |
| १५६२१ | " " | " | १-१४४ । |
| १५६२२ | महाभारतम् | | ६-२८ । |
| १५६२३ | " | | २-९१ । |
| १५६२४ | " | | २९-३०, ३३-५२, ५८ । |
| १५६२५ | " | | १६७-१९५ । |
| १५६२६ | " सटीकम् | टी. का. नीलकण्ठः | १-१२ । |
| १५६२७ | " | | ३ । ( गणनया ) |
| १५६२८ | महाभारतव्याख्या | | ३-१३ । |
| १५६२९ | महाभारतसभापर्वसंक्षेपः | | १०-२१ । |
| १५६३० | हरिवंशः | | ३६-५५ । |
| १५६३१ | " | | ४१ । ( गणनया ) |
| १५६३२ | " | | ९-१०, १२-१७, २९, २९-३८, ५-२८ । |
| १५६३३ | " सटीकः | टी. का. नीलकण्ठः | २-१०१, १०१-११२ । |
| १५६३४ | सावित्र्युपाख्यानम् | | १ । |
| १५६३५ | महाभारतसावित्री | | १-५ । |
| १५६३६ | हरिवंशवृत्तान्तसंग्रहः | | १-३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·७ × ५·७ | १२ | ४७ | दे. ना. | का. | | पू० | द्वितीयस्कन्धः । |
| १३·५ × ७·१ | ११ | ५७ | ” | ” | | अपू० | पञ्चमस्कन्धः । |
| १३·५ × ५·८ | १२ | ५३ | ” | ” | | पू० | सप्तमस्कन्धः । |
| १३·१ × ६ | १२ | ६३ | ” | ” | | ” | अष्टमस्कन्धः । |
| १३·९ × ५·४ | १२ | ४७ | ” | ” | | ” | ” |
| १४ × ५·५ | १० | ६१ | ” | ” | | ” | दशमस्कन्धोत्तरार्द्धम् । |
| १२·५ × ५·८ | १६ | ४२ | ” | ” | | अपू० | उद्योगपर्व । |
| १२·९ × ७·२ | १३ | ३४ | ” | ” | | ” | आदिपर्व । |
| १०·८ × ४·५ | १८ | ४७ | ” | ” | | ” | अश्वमेधपर्व । |
| १२·७ × ५·७ | १३ | ५२ | ” | ” | | ” | शान्तिपर्वणि मोक्षधर्मः । |
| १२·६ × ६·४ | १९ | ४७ | ” | ” | १८५३ | पू० | भारतभावदीपयुतम् । उद्योग-पर्वान्तर्गतप्रजागरपर्वणि विदुर-नीतिः । १-९ अध्यायाः । |
| १२ × ५.१ | १४ | ६० | ” | ” | | अपू० | उद्योगपर्वणि प्रजागरोपाख्यानम् । |
| ८·८ × ३·७ | ११ | ३५ | ” | ” | | ” | सभापर्वणो विषमपदाख्य-व्याख्या । |
| १२·७ × ४·९ | १० | ४७ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| ११·५ × ५·२ | १० | ३९ | दे. ना. | ” | | ” | महाभारतखिलरूपः । |
| १२ × ५ | १० | ५५ | ” | ” | | ” | ” |
| १५·३ × ६·३ | १५ | ६६ | ” | ” | | ” | ” |
| १३·२ × ६·६ | ११ | ४२ | ” | ” | | ” | |
| १०·८ × ४·६ | १० | ४० | ” | ” | | ” | वनपर्वान्तर्गतम् । |
| ९·६ × ४·५ | १३ | ३८ | ” | ” | | पू० | ” |
| ८·७ × ५·४ | १० | २२ | ” | ” | १९०३ | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १९६३७ | वृत्तान्तसंग्रहः | | १-२ । |
| १९६३८ | महाभारतटीका | विमलबोधः | ४ । ( गणनया ) |
| १९६३९ | महाभारतसंक्षेपः | | १-३९ । |
| १९६४० | माघमाहात्म्यम् | | १-८ । |
| १९६४१ | काशीमरणफलम् | | १ । |
| १९६४२ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-५४ । |
| १९६४३ | कलिकालजयोपायः | | १ । |
| १९६४४ | शालग्रामशिलामाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १९६४५ | काशीमरणफलम् | | १ । |
| १९६४६ | चतुःश्लोकीभागवतम् | | १-३ । |
| १९६४७ | भागवतम् सटीकम् | टी.का. श्रीधरः | १-५२ । |
| १९६४८ | ढुण्ढिप्रादुर्भावः | | १-६ । |
| १९६४९ | गीतामाहात्म्यम् | | १ । |
| १९६५० | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | १-५१ । |
| १९६५१ | योगवासिष्ठम् सटीकम् | टी. का. आत्मसुखः उत्तमसुखपूज्य-पादशिष्यः | १२३ । ( गणनया ) |
| १९६५२ | ,, | | ९३ । ( गणनया ) |
| १९६५३ | ,, | | २-९ । |
| १९६५४ | ,, सटीकम् | टी. का. आत्मसुखः उत्तमसुखपूज्य-पादशिष्यः | १, ४६-८५, २७-३६, ४९, ५२-९४ । |
| १९६५५ | महारामायणम् | | ४, ४-६, ११-१६, १९-३५, ३५-३६, ३८-४१, ४४ । |
| १९६५६ | अद्भुतरामायणम् | | १-४२ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·३ × ९·६ | १६ | ५३ | दे. ना. | का. | १८३४ | पू० | हरिवंशश्रवणमाहात्म्यञ्च । |
| ९ × ३·८ | ९ | ४६ | ” | ” | | अपू० | महाभारताख्यानदुर्बोधपद-भञ्जिकाटीका । |
| १२·७ × ४·८ | ८ | ४ | वङ्ग. | ” | | ” | आदिपर्वणः कथासङ्क्षेपः । |
| ११·७ × ४·७ | १९ | ४३ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणे । |
| १३ × ४·९ | १४ | ५१ | ” | ” | | पू० | |
| १५·५ × ६ | ११ | ४६ | दे. ना. | ” | | अपू० | सुन्दरकाण्डम् । |
| १३·४ × ३·८ | ८ | ५४ | वङ्ग. | ” | | ” | लिङ्गपुराणे । |
| १४·२ × ३·३ | ६ | ४२ | ” | ” | | पू० | |
| १२·८ × ३·४ | ९ | ५९ | ” | ” | | अपू० | |
| ६ × ३·३ | ५ | १३ | दे. ना. | ” | | पू० | |
| १७·४ × ३·८ | ११ | ९५ | वङ्ग. | ” | | अपू० | १० स्कन्धस्य १७ अध्यायान्तभागः । |
| १२·७ × ३ | ८ | ५९ | ” | ” | | ” | काशीखण्डे । |
| १३·३ × ४ ७ | १२ | ५५ | ” | ” | | ” | |
| १४·८ × ६·६ | ११ | ५१ | दे. ना. | ” | | पू० | नवमस्कन्धः । |
| १३·१ × ५·७ | १० | ५२ | ” | ” | | अपू० | निर्वाणोत्पत्तिवैराग्यमुमुक्षूपशम-प्रकरणानि । |
| १३·३ × ५·२ | ९ | ५२ | ” | ” | | ” | |
| ९·७ × ४·२ | १४ | ३२ | ” | ” | | ” | |
| १२·३ × ५·७ | ११ | ५६ | ” | ” | | ” | निर्वाणप्रकरणमुत्पत्तिप्रकरणञ्च । |
| १०·६ × ४·२ | १० | ४१ | ” | ” | | ” | |
| १२·९ × ४·९ | १२ | ४१ | ” | ” | | पू० | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १९६९७ | अग्निवेशरामायणम् | अग्निवेशमुनिः | ७-१२, १४ । |
| १९६९८ | आर्षरामायणम् | | ५८-७२ । |
| १९६९९ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | १-१४७, १-५२, ५७-१२७ । |
| १९६६० | ” ” | ” | १-४५ । |
| १९६६१ | नासिकेतोपाख्यानम् | | १-२१ । |
| १९६६२ | ” | | १-४, ६-१०, १२-३९ । |
| १९६६३ | अध्यात्मरामायणम् | | ३-४, ८, १३-१५, २३-२९, ३३-४३, ४५ ४७-५३ । |
| १९६६४ | अध्यात्मरामायणटीका | रामवर्मा | १-२ । |
| १५६६५ | अध्यात्मरामायणम् सटीकम् | | १-३, १-७, ११-२१ । |
| १५६६६ | ” | | १-३, ७-३१, २२-५३, ६०-७० । |
| १५६६७ | ” | | १, ३-२८, २८-२९, ८१ । |
| १५६६८ | ” | | १-६९, ६९-११०, ११०-११२, ११२-११८, १२१, १२३-१२८, १३०-१५९, १५९-१६३, २-२६ । |
| १५६६९ | अध्यात्मरामायणम् | | १-४५, ४७-११३, ११५-१५४, १५७-१६२, १६५-१६९, १७२-२१५ । |
| १५६७० | महाभारतम् | | ११६ । ( गणनया ) |
| १५६७१ | महाभारतटीका | | १-३८ । |
| १५६७२ | महाभारतम् | | १७-४३, ४६-५२, १३६-१४०, १८१-१९२, २०५, २४५-२९१ । |
| १५६७३ | पञ्चप्रेतोपाख्यानम् | | १-२ । |
| १९६७४ | वाल्मीकिरामायणकथा-सङ्क्षिप्तसङ्ग्रहः | | १०-१९, १९, ३०-३५ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·७ × ५·२ | १२ | २८ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १३·३ × ६·६ | १६ | ४३ | ” | ” | | ” | वाल्मीकिरामायणम्, अयोध्याकाण्डम्। |
| १४ × ६·२ | १३ | ४१ | ” | ” | | ” | दशमस्कन्धः। |
| १४·९ × ७·१ | १६ | ३७ | ” | ” | | पू० | द्वादशस्कन्धः। |
| ११ × ६·९ | १४ | ३६ | ” | ” | | ” | १-१३ अध्यायाः। |
| १२·६ × ४·८ | ८ | ३९ | ” | ” | | अपू० | |
| ९·८ × ४·३ | १० | ३६ | ” | ” | | ” | अयोध्याकाण्डम्। |
| ९·२ × ५ | २२ | ४८ | ” | ” | | पू० | सेतुः। अध्यात्मरामायणमाहात्म्यस्य रामहृदयापरनामधेयस्य टीका। |
| १३·२ × ६·७ | ८ | ५४ | ” | ” | | अपू० | युद्धकाण्डम्। बालकाण्डस्य १-३ पत्राणि, अध्यात्मरामायणमाहात्म्यरूपाणि। |
| १४·६ × ४·५ | ८ | ३३ | ” | ” | | ” | युद्धोत्तरकाण्डे। |
| ११·४ × ४·९ | १३ | २९ | ” | ” | १८१६ | ” | अयोध्याकाण्डम्। |
| १३·४ × ४·५ | ८ | ३६ | ” | ” | १८४३ | ” | |
| १०·४ × ४·५ | १२ | ३७ | ” | ” | | ” | |
| १४·४ × ३·२ | ६ | ५३ | वङ्ग. | ” | | ” | विराटपर्व। |
| १६·४ × ३ | ७ | ७६ | ” | ” | | ” | विराटपर्व। |
| १६ × ४ | ७ | ४९ | ” | ” | | ” | आदिपर्व। |
| १८·५ × ४·४ | ८ | ७० | ” | ” | | पू० | |
| १३·८ × ३·८ | ८ | ४७ | ” | ” | | अपू० | |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १९६७५ | महाभारतम् | | २६३ ( गणनया ) । |
| १९६७६ | भागवतम् सटीकम् | | १-९२ । |
| १९६७७ | वैष्णवतीर्थमाहात्म्यम् | | १ । |
| १९६७८ | भागवतम् | | १३-३९ । |
| १९६७९ | भागवतव्याख्या | सुदर्शनाचार्यः | १-३० । |
| १९६८० | भागवतटीका | मधुसूदन-सरस्वती (?) | १-१० । |
| १९६८१ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. रघुनाथः विश्वनाथानुजः रघुवरशिष्यः | १-३ । |
| १९६८२ | भागवततात्पर्यम् | खण्डदेवः (?) | १-१८ । |
| १९६८३ | वेदस्तुतिः सटीका | टी. का. सुदर्शनाचार्यः | १-१० । |
| १९६८४ | वेदस्तुतौ श्रीधरीटीका-व्याख्या | काशीनाथ-उपाध्यायः | १-२७ । |
| १९६८५ | विनायकमाहात्म्यम् | | १-६९ । |
| १९६८६ | काशीमाहात्म्यम् | | १-८० । |
| १९६८७ | भागवतविवृतिप्रकाशः | विट्ठलदीक्षितः | १-३२३ । |
| १९६८८ | ब्रह्मरहस्यसंहिता | वात्स्यः | १-१३, १३-३१, ३१-३३, ३३-४६, ४६, ४६-४९, ४९-६४, ६४-६६ । |
| १९६८९ | आत्मपुराणम् | शङ्करानन्दः | १-३९६ । |
| १९६९० | विष्णुधर्मोत्तरपुराणम् | | २-२९७, १-२२९, १-६, २-२८, ३०-३३, ३८-१६६, १६६-३२८ । |
| १९६९१ | भागवतवादितोषिणी | गणेशः | १-५ । |
| १९६९२ | भागवतभावार्थदीपिका | | २६१ । ( गणनया ) |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १९ × ३ | ६ | ६४ | वङ्ग. | का. | | अपू० | भीष्मपर्व । अतिजीर्णम् । |
| १३·५ × ५·२<br>१२·९ × ८·२ | ११ | ५९ | दे. ना. | ” | | पू० | श्रीधरीव्याख्याधारेण कृतव्रज-भाषाटीकोपेतम् । नवमस्कन्धः । |
| ९·६ × ३·२ | ९ | ४२ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| १२·७ × ४·९ | ११ | ६८ | दे. ना. | ” | | अपू० | दशमस्कन्धपूर्वार्द्धः । अतिजीर्णं पुस्तकं सुन्दराक्षरञ्च । |
| ९·९ × ५·१ | १३ | ४२ | ” | ” | | पू० | प्रथमस्कन्धस्य १-१९ अध्यायाः । |
| १२·६ × ६·६ | १५ | ३२ | ” | ” | | अपू० | प्रथमस्कन्धस्यादिमश्लोकद्वयस्य । |
| १४ × ७·३ | १६ | ४५ | ” | ” | | ” | जन्माद्यस्यादिश्लोकत्रयात्मकम् । |
| १२·५ × ७·८ | १९ | ४६ | ” | ” | | ” | प्रथमस्कन्धतः पञ्चमस्कन्धस्य २४ अध्यायपर्यन्तम । |
| १३·२ × ३·४ | ६ | ७८ | ” | ” | १८४६ | पू० | भागवते । |
| १३·७ × ६·८ | १७ | ३७ | ” | ” | | ” | सुबोधिन्याख्या । भागवतदशम-स्कन्धोत्तरार्द्धे ८७ अध्यायः । |
| १२·८ × ५·५ | ११ | ३८ | ” | ” | | ” | स्कान्दम् । गणेशावतारवर्णनम् । |
| १२·४ × ६·२ | १३ | ४० | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्तपुराणे । |
| ११·३ × ४·९ | ८ | ३१ | ” | ” | १७५५ | ” | १० स्कन्धः । |
| ९ × ४·२ | १० | ४२ | ” | ” | | ” | १-४ अध्यायाः, सनत्सुजातनारद-संवादरूपा । |
| १२·८ × ६·४ | १४ | ४३ | ” | ” | | ” | |
| ११·९ × ४·८ | ११ | ४१ | ” | ” | १६४८ | अपू० | काण्डत्रयम् । |
| १०·२ × ४·५ | ११ | ३९ | ” | ” | | पू० | अत्र व्यास एव ग्रन्थकारो न बोपदेव इति विचारः । |
| १२·१ × ६·१ | १२ | ३५ | ” | ” | १७१६ श. | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १९६९३ | विष्णुधर्मोत्तरपुराणम् | | ६२० । ( गणनया ) |
| १९६९४ | स्कन्दपुराणम् | | १-१३, ९, १-१०, १०-२६, २८-५३, २-२६ । |
| १९६९५ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-२८ । |
| १९६९६ | रामायणम् | अग्निवेशमुनिः | १-१० । |
| १९६९७ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-६९ । |
| १९६९८ | माघमाहात्म्यम् | | १-३८ । |
| १९६९९ | गरुडपुराणम् | | १-४१ । |
| १९७०० | पञ्चक्रोशीमाहात्म्यम् | | १-२३ । |
| १९७०१ | वेदस्तुतिव्याख्या | भवदेवमिश्रः | १-२१ । |
| १९७०२ | वेणुगीतव्याख्या | धनपतिः | १-८ । |
| १९७०३ | वेणुगीतम् | | १-२५ । |
| १९७०४ | पञ्चक्रोशीमाहात्म्यम् | | १-२३ । |
| १९७०५ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-१०३, १०३-१४४ । |
| १९७०६ | " " | " " | १-१२९ । |
| १९७०७ | पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम् | | १-२९ । |
| १९७०८ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-५४ । |
| १९७०९ | गरुडपुराणम् | | १०० । ( गणनया ) |
| १९७१० | ज्येष्ठमासमाहात्म्यम् | | १-१२ । |
| १९७११ | अष्टादशपुराणव्यवस्था | काशीनाथभट्टः जयरामभट्टसुतः | १-७ । |
| १५७१२ | भागवतम् | | १, ३-११ । |
| १९७१३ | गरुडपुराणम् | | १-३९ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १४·५ × ६·४ | १२ | ४३ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १४·७ × ८·७ | १४ | ३५ | ” | ” | | अपू० | रेवाखण्डप्रभासखण्डांशाः । |
| १२·८ × ६·४ | १३ | ४० | ” | ” | १८१० १६७५ श. | पू० | पद्मपुराणे । |
| ९·६ × ३·९ | ९ | ५५ | ” | ” | १८५८ | ” | |
| ११ × ४·६ | ९ | ३० | ” | ” | १८९९ | ” | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| १२ × ४·७ | ११ | ५६ | ” | ” | १८५१ | ” | पद्मपुराणे । |
| १३·७ × ५·४ | ९ | ५८ | ” | ” | | ” | |
| ९·६ × ४·२ | ११ | ३९ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्त्ते । |
| ९·६ × ४·३ | १५ | ४० | ” | ” | १५६१ श. | ” | भागवते दशमस्कन्धे । |
| ९·८ × ४·२ | १८ | ५२ | ” | ” | १८७१ | ” | भागवतदशमस्कन्धे २१ अध्यायः । |
| १० × ५·१ | ९ | ३३ | ” | ” | | ” | प्रेममञ्जरीटीकोपेतम् । |
| ९·८ × ४·२ | १० | ३२ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्त्ते । |
| १२·९ × ६·३ | १३ | ४९ | ” | ” | | ” | पूर्वार्द्धम्, दशमस्कन्धः । |
| १३·५ × ५·५ | १४ | ६४ | ” | ” | | ” | उत्तरार्द्धम्, दशमस्कन्धः । |
| १२·९ × ६·६ | १६ | ४४ | ” | ” | १८९० | ” | स्कान्दम् । |
| ९·५ × ४·२ | ७ | ३४ | ” | ” | | ” | ब्रह्मपुराणे । |
| ९·९ × ४·३ | ८ | ३७ | ” | ” | १८४४ | ” | |
| १०·७ × ५·२ | १० | ३१ | ” | ” | | अपू० | जैमिनिपुराणे । |
| १३·४ × ४·३ | ९ | ४८ | ” | ” | | पू० | |
| ५·५ × ३·३ | ६ | १७ | ” | ” | | अपू० | द्वादशस्कन्धे द्वादशाध्यायमात्रम् । उभे पार्श्वे सुवर्णरेखाङ्किते । |
| १३·९ × ७ | १७ | ५७ | ” | ” | १९१७ | पू० | प्रेतकल्पः । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५७१४ | भागवतम् | | १-५७, १-३१, १-१०४, १-१०७, १-८०, १-६४, १-५८, १-७१, १-७०, १-१५३, १-१५२, १-१०४, १-४६ । |
| १५७१५ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. गिरिधरः गोपालसू नुः | १-२३९ । |
| १५७१६ | ” ” | टी. का. गिरिधरः | १ । |
| १५७१७ | ” ” | टी. का. श्रीधरः | १-८५ । |
| १५७१८ | भागवतमाहात्म्यम् | | १-१६ । |
| १५७१९ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-६६ । |
| १५७२० | ” ” | ” | १-११० । |
| १५७२१ | ” ” | ” | १-११६ । |
| १५७२२ | ” ” | ” | १-२७ । |
| १५७२३ | ” ” | ” | १-५४ । |
| १५७२४ | ” ” | ” | १४६ । ( गणनया ) |
| १५७२५ | ” ” | ” | १-६७ । |
| १५७२६ | ” ” | | १-५५ । |
| १५७२७ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-४९ । |
| १५७२८ | वैशाखमाहात्म्यम् | | १-५५ । |
| १५७२९ | कूर्मपुराणम् | व्यासः | १-४०, ४०-४७, ४७-२२२ । |
| १५७३० | समत्सुजातीयम् , सभाष्यम् | भाष्यकारः शङ्कराचार्यः | १-२७ । |
| १५७३१ | विष्णुधर्मोत्तरपुराणम् | | ८४० । ( गणनया ) |
| १५७३२ | भारततात्पर्यप्रकाशः | सदानन्दः | १-१२९, १-१६, १-१६ । |
| १५७३३ | मोक्षधर्मसारोद्धारः | ” | १-११४ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·१ × ६ | १० | २९ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १४·४ × ७·८ | १० | ४९ | ” | ” | | ” | प्रथमस्कन्धः । |
| १४·७ × ७·७ | १४ | ५३ | ” | ” | | अपू० | चतुर्थस्कन्धः । |
| १८ × ७·८ | ९ | ६६ | ” | ” | १८५१ | पू० | प्रथमस्कन्धः । |
| १७·२ × ७·३ | १३ | ४७ | ” | ” | १८८४ | ” | पद्मपुराणे । |
| १५·८ × ९·२ | १२ | ४७ | ” | ” | १८८३ | ” | अष्टमस्कन्धः । |
| १५·७ × ७·५ | १० | ६६ | ” | ” | १८८२ | ” | तृतीयस्कन्धः । |
| १२·३ × ६·३ | १२ | ३६ | ” | ” | | अपू० | प्रथमस्कन्धः । |
| १३·६ × ७·२ | १३ | ५२ | ” | ” | | ” | पञ्चमस्कन्धः । |
| १२·४ × ६·५ | ११ | ४३ | ” | ” | | पू० | नवमस्कन्धः । |
| ११·९ × ६·५ | १३ | ४३ | ” | ” | | ” | एकादशस्कन्धः । |
| १२ × ६·४ | १० | ३८ | ” | ” | १९०९ | ” | द्वादशस्कन्धः । |
| ११·६ × ६·२ | १२ | २८ | ” | ” | १८७९<br>१८८५ | ” | भाषाटीकोपेतम्, १-१२ अध्यायाः । |
| १३ ७ × ५·३ | ११ | ४३ | ” | ” | १९११ | ” | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| १३·५ × ५ | ९ | ४२ | ” | ” | १९१३ | ” | पद्मपुराणपातालखण्डस्थम् । |
| १२·१ × ६·५ | ११ | ३२ | ” | ” | १८२६ | ” | |
| १३·१ × ६·७ | १९ | ५० | ” | ” | १८२४ | ” | १-४ अध्यायाः । |
| १०·३ × ७ | १३ | २४ | ” | ” | | ” | काण्डत्रयम् । |
| १३ × ५ | ११ | ४२ | ” | ” | १९८१ | ” | अत्र मोक्षधर्मतात्पर्यत्र्यक्षकृत-त्रिपुरवधतात्पर्यमहाभारततात्पर्य-तिप्रकाशत्रयम् । |
| १२·७ × ४·८ | ११ | ४८ | ” | ” | १८४६ | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५७३४ | भावदीपः | | १-४, १-१६, २१-२४ । |
| १५७३५ | अवन्तिखण्डम् | | ३-४, ८-९५, ९७-११२ । |
| १५७३६ | महाभारतटीका | चतुर्भुजमिश्रः | १-२१, २३-४३, ३९-८४ । |
| १५७३७ | " | लक्ष्मणः | १-७३ । |
| १५७३८ | " | अर्जुनमिश्रः | १-३८ । |
| १५७३९ | " | चतुर्भुजमिश्रः | १-२९ । |
| १५७४० | " | सर्वज्ञनारायणः | १-३४, ३०-६५ । |
| १५७४१ | महाभारतविवरणम् | विमलबोधः | १-७० । |
| १५७४२ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-३७, ४२-४५ । |
| १५७४३ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. धनपतिसूरिः | १-२१ (= २२ – २३) २४-१३२, १-४७ । |
| १५७४४ | रामायणाध्यात्मविचारः | हरिकृष्णपाठकः | १-१६ । |
| १५७४५ | गरुडपुराणम् | | २०१ । ( गणनया ) |
| १५७४६ | शिवपुराणम् | | १-३९१ । |
| १५७४७ | गरुडपुराणसारोद्धारः | नवनिधिरामः | १-८० । |
| १५७४८ | हरिवंशः सटीकः | टी. का. नीलकण्ठः | १-१६६, १६५-२०४, २०४, २०४, २०४, २०४, २०४, २०४-६०१, ६०१-७०६ । |
| १५७४९ | भारताकूतचन्द्रिका | रत्नगर्भः | १-७२ । |
| १५७५० | भारतटीका | रामकृष्णः | २६३ । ( गणनया ) |
| १५७५१ | गीतामाहात्म्यम् | | १-५ । |
| १५७५२ | " | | १-६६ । |
| १५७५३ | भागवतमाहात्म्यम् | | १-८, १०-११ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९ × ३·७ | १० | ३८ | दे. ना. | का. | | अपू० | महाभारतीयसभापर्वविषमपदार्थः। |
| ११·४ × ९·४ | १३ | ४८ | ” | ” | १९३९ | ” | स्कन्दपुराणीयम्। |
| १० × ४·९ | १३ | ५३ | ” | ” | | ” | वाक्यार्थदीपिकाख्या। वनविराटोद्योगपर्वत्रयम्। |
| ९·५ × ४ | ८ | ३४ | ” | ” | १६९२ | पू० | विराटपर्वटीका प्रकाशाख्या। |
| ९·५ × ४·२ | ९ | ४३ | ” | ” | | ” | भारतार्थप्रदीपिकाख्या। द्रोणपर्वटीका। |
| ९·५ × ४·१ | ११ | ४० | ” | ” | | ” | कर्णपर्वटीका। |
| ९·६ × ४·१ | ८ | ३१ | ” | ” | | अपू० | भारतार्थप्रकाशाख्या। शान्तिपर्वतः समाप्तिं यावत्। |
| १०·५ × ४·२ | १३ | ४१ | ” | ” | १७३३ | पू० | भारतीयविषमस्थलटिप्पणी। |
| ७·७ × ४·३ | १२ | २० | ” | ” | | अपू० | पञ्चरात्रागमे भारद्वाजसंहितायाम्। |
| १४ × ७·२ | १२ | ५० | ” | ” | १९०४ | पू० | दशमस्कन्धपूर्वार्द्धे २९-३३, ४७ अध्यायाः। |
| १४ × ४·५ | ८ | ५१ | ” | ” | १९२८ | ” | |
| १३ × ४·२ | ९ | ५५ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·५ × ७ | १३ | ३४ | ” | ” | | पू० | |
| १३·२ × ५·८ | १३ | ४६ | ” | ” | १८८७ | ” | |
| १६·१ × ८·२ | १३ | ४५ | ” | ” | १८५० | ” | |
| १०·६ × ४·८ | १४ | ५२ | ” | ” | | अपू० | |
| १३·३ × ४·२ | १० | ४४ | ” | ” | | ” | विरोधभञ्जिनी, आदिवनविराट-भीष्मद्रोणकर्णशल्यपर्वणाम्। |
| १० × ४·५ | ९ | २७ | ” | ” | | पू० | वाराहपुराणीयम्। |
| ८·५ × ४·२ | १० | २६ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणीयम्। |
| १३·४ × ५·१ | ८ | ४८ | ” | ” | | अपू० | स्कान्दम्। |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५७५४ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. बल्लभाचार्यः | १-१४ । |
| १५७५५ | भागवतटीका | विश्वनाथ-चक्रवर्ती | १-८१, १-५१, १-१०२, १-८२, १-६२, १-४७, १-४६, १-३६, १-२०, १-६२, ६२-६३, ६३-२७९, २८५-२९४, २९२-३९६, १-९९। |
| १५७५६ | भगवल्लीलाचिन्तामणिः | कमललोचनः गोविन्दात्मजः | १-३३ । |
| १५७५७ | विष्णुपुराणम्, सटीकम | टी. का. श्रीधर-स्वामी रत्नगर्भ-भट्टाचार्यश्च | १-१०६, १-४५, ४५-६४, १-४८, १-६६, १-९७, १-३६ । |
| १५७५८ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १४३ । ( गणनया ) |
| १५७५९ | पुरुषोत्तममाहात्म्यम् | | १-३६ । |
| १५७६० | रामायणमाहात्म्यम् | | १-९, ९-२७ । |
| १५७६१ | पराशरोपपुराणम् | | १-४८ । |
| १५७६२ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १-९६ । |
| १५७६३ | महाभागवतम् | वेदव्यासः | १-७९, १-४५, ४५-१६६ । |
| १५७६४ | मत्स्यपुराणम् | | १, ३-५९, १०३-१४५, १४७-२६०, २६२, २८०-२८१ । |
| १५७६५ | अग्निपुराणम् | | १-१२२ । |
| १५७६६ | वाराहपुराणम् | | ४७६ । (गणनया) |
| १५७६७ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. गिरिधरः गोपालसूनुः | १८२ । (गणनया) |
| १५७६८ | रामाश्वमेधः | | १-२१४ । |
| १५७६९ | माघमाहात्म्यम् | | १-१०१ । |
| १५७७० | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-३३, ३३-४८ । |
| १५७७१ | चातुर्मास्यमाहात्म्यम् | | १-५७, ६५-६७, ५४-९१ । |
| १५७७२ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-३९ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·९ × ४·६ | १२ | ५४ | दे. ना. | का. | | अपू० | ४७ अध्यायः । १० स्कन्धपूर्वार्द्धे । |
| १३·७ × ७·१ | १९ | ४९ | " | " | १९१८ | " | सारार्थदर्शिनी । ११ स्कन्धाः । |
| १२·९ × ६·५ | १२ | ५१ | " | " | | पू० | |
| १३·९ × ९·० | ११ | ४८ | " | " | १८४२ | " | प्रथमद्वितीयपञ्चमषष्ठानामंशानां टीका श्रीधरकृता, तृतीयचतुर्थांशयोस्तु रत्नगर्भस्य । |
| १०·९ × ४·७ | ९ | ३० | " | " | | अपू० | पद्मपुराणीयम् । |
| १२·९ × ४·८ | ११ | ५३ | " | " | १८५५ | पू० | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ९ × ४·४ | ७ | ३२ | " | " | १८८८ | " | स्कान्दे, उत्तरखण्डे । |
| ९·५ × ४·१ | १० | ३५ | " | " | १८७२ | " | १-१८ अध्यायाः । |
| १०·२ × ४·७ | ९ | ४१ | " | " | १८११ | " | स्कन्दपुराणीयम् १-२२ अध्यायाः । |
| ११·२ × ९·१ | ९ | ३९ | " | " | ११४२ | " | वेदव्यासजैमिनिसंवादरूपम् । |
| १६·२ × ९·८ | १५ | ९३ | " | " | | अपू० | |
| १९ × ५·६ | ११ | ५६ | " | " | | " | शौचप्रकरणान्तम् । |
| १२ × ५·७ | ११ | ४३ | " | " | | पू० | |
| १३·९ × ७ | १२ | ४३ | " | " | | अपू० | ४ स्कन्धे १-२२ अध्यायाः । |
| १३·१ × ४·८ | ९ | ४० | " | " | १८६० | पू० | पद्मपुराणे पातालखण्डे शेष-वात्स्यायनसंवादे । |
| ११ × ४·७ | ९ | ३८ | " | " | | " | वायुपुराणे । |
| ९·६ × ४·२ | १० | ३९ | " | " | १८७३ | " | पद्मपुराणे उत्तरखण्डे १-२९ अध्यायाः । |
| ११·४ × ९·२ | ९ | ४७ | " | " | | " | वाराहपुराणे । |
| १३·२ × ९ | १० | ५० | " | " | १८८७ | " | सनत्कुमारसंहितायाम् । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५७७३ | वैशाखमाहात्म्यम् | | १-७८ । |
| १५७७४ | गयामाहात्म्यम् | | १-३१ । |
| १५७७५ | विष्णुधर्मपुराणम् | | १-५३, १-१०१ । |
| १५७७६ | स्त्रीलक्षणवर्णनम् | | १-१४ । |
| १५७७७ | बदरीमाहात्म्यम् | | १-७, ९ । |
| १५७७८ | भागवतमाहात्म्यम् | | १-१२ । |
| १५७७९ | अध्यात्मरामायणम् | | १-४४, १-५९, १-५०, १-५१, १-२९, १-९८, १-५७ । |
| १५७८० | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-१८२, १-४२, ४२-१६१, १-१४९ । |
| १५७८१ | आपद्धर्मप्रकरणम् | | १-६२ । |
| १५७८२ | नानकचन्द्रोदयः | गङ्गाराम उदासी | १-३५, १-५४, ५६-१०५ । |
| १५७८३ | जैमिनिमहाभारतम् | जैमिनिः | ३०१ । (गणनया) |
| १५७८४ | नाचिकेतोपाख्यानम् | | १-१३ । |
| १५७८५ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | २-१७, १९-५३, ५७-८४, १-६७, १-१८, १-१६, १-३२, १-१००, १००-१४४, १-१५५। |
| १५७८६ | भागवतटीकाव्याख्या | काशीनाथद्विजः अनन्तोपाध्याय-सूनुः | १-३५ । |
| १५७८७ | बहुलाव्याघ्रसंवादः | | १-१५ । |
| १५७८८ | भागवतम् | | १-२३, २३-३५, २८-३१, १-१८, १-६७, १-६०, १-४५, १-३६, १-४४, १-३५, १-३६, १-७८, १-३५, ३५-७७, १-५२, १-२६, १-२० । |
| १५७८९ | क्रियायोगसारः | व्यासः | १-१०७ । |
| १५७९० | काशीमाहात्म्यम् | | १-७, ७-३४, ३३-६०। |
| १५७९१ | कूर्मपुराणम् | | ५९-१२३, १२२-१४३, १६८ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·४ × ४·७ | ९ | ४४ | दे. ना. | का. | | पू० | स्कान्दम् । १-२४ अध्यायाः । |
| ९·१ × ३·२ | ६ | ३४ | " | " | | अपू० | वायुपुराणे । |
| १३·२ × ६·३ | १३ | ४९ | " | " | | पू० | |
| ७·८ × ५·४ | १४ | १४ | " | " | | " | स्कान्दे काशीखण्डे सप्तत्रिंशोऽध्यायः । |
| १०·८ × ४·८ | ९ | ३० | " | " | १९२१ | " | स्कन्दपुराणे केदारखण्डे । |
| १२·५ × ४·७ | ९ | ३२ | " | " | | " | पद्मपुराणे उत्तरखण्डे । |
| १०·४ × ५·४ | ८ | २७ | " | " | | " | |
| १३·१ × ६·६ | १० | ४७ | " | " | १९१९ | " | अयोध्यारण्यकिष्किन्धाख्य-काण्डत्रयमात्रम् । |
| १२·३ × ५ | १० | ३१ | " | " | १७४२ | " | महाभारते शान्तिपर्वणि कृतघ्नोपाख्यानान्तम् । |
| १२·३ × ५·५<br>१३·९ × ५·३ | १२<br>७ | ३७<br>४१ | " | " | | अपू० | नानककथाख्यापकोऽयमैतिहासिको ग्रन्थः । |
| ९ × ४·७ | ११ | ३० | " | " | | " | अश्वमेधपर्व । |
| ९·७ × ४·२ | १२ | ५३ | " | " | १८६७ | पू० | |
| १४·५ × ५·६ | ११ | ५८ | " | " | १८४६ | अपू० | १, ४, ७, ९, ९, १० स्कन्धाः । |
| १२·७ × ६·४ | १२ | ४० | " | " | १८९३ | पू० | वेदस्तुतिप्रकरणम् । |
| ८·३ × ३ | १० | ३० | " | " | | " | इतिहाससमुच्चये । |
| ८·५ × ५·५ | १४ | ३१ | " | " | १८७३<br>१७३८ श. | " | |
| १२·८ × ४·८ | ९ | ४१ | वङ्ग. | " | | " | पद्मपुराणे १-२० अध्यायान्तः, व्यासजैमिनिसंवादरूपः । |
| १३.३ × ४·९ | १२ | ४० | दे. ना. | " | १८१६ | अपू० | ब्रह्मवैवर्ते । |
| १३·७ × ५·७ | १२ | ४० | " | " | | " | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५७९२ | मथुरामाहात्म्यम् | श्रीमद्रूपगोस्वामी | १-२२ । |
| १५७९३ | महाभारतविराटपर्वटीका | लक्ष्मणभट्टाचार्यः | १-२७ । |
| १५७९४ | भागवतटीका | विश्वनाथ-चक्रवर्ती | १-३४६, ३४६-५१५, १-१३२, १-३६, १६९-२५२, १-२३८, १-५९ । |
| १५७९५ | भागवतमाहात्म्यम् | | १-४२ । |
| १५७९६ | आदिपुराणम् | | १-२५ । |
| १५७९७ | अयोध्यामाहात्म्यम् | | १-१३, १६-३२ । |
| १५७९८ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-८७, १-१२४ । |
| १५७९९ | अध्यात्मरामायणम | | १-२७, २३-११८ । |
| १५८०० | भूगोलपुराणम् | | १, १०-११, १३-१९ । |
| १५८०१ | काशीसारोद्धारः | | १-१२, १४-२१, २५-३५ । |
| १५८०२ | काशीखण्डम सटीकम् | | १-३०, ३०-१२४, १४०-१४३, १४३-१५४, १५६-१६२, १६४-४०३, १-२२९ । |
| १५८०३ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १-६८ । |
| १५८०४ | " | | १-१२५ । |
| १५८०५ | गीतामाहात्म्यम् | | १-१४ । |
| १५८०६ | पञ्चक्रोशीमाहात्म्यम् | | १-२६ । |
| १५८०७ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-१५, १७, १९-२८, १-११ । |
| १५८०८ | अध्यात्मरामायणम् | | ९२ । (गणनया) |
| १५८०९ | महाभारतम् | | १-१० । |
| १५८१० | हरिवंशः | | १-१७२, १७२-२३४ । |
| १५८११ | " | | ४०६-४४२, ४४४-४५४, ४५६ । |
| १५८१२ | अग्निपुराणम | | १-२७६, २७६-२७९, २८१-३३८, ३५१-४९८, ४९८-४९९, ४९९-५१० । |
| १५८१३ | महाभारतम् | | २-११८, ५०-६८ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·१ × ६·८ | ११ | ३७ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १४·४ × २·३ | ५ | ६८ | वङ्ग. | ” | | ” | विषमोद्धारिणी । |
| १२·११ × ६·८ | ९ | ३१ | दे. ना. | ” | १८८४ | ” | सारार्थदर्शिनी । दशमैकादशद्वादश-स्कन्धाः । |
| १३·२ × ६·७ | १३ | ३६ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणीयम्, प्रसिद्धमाहात्म्याद् भिन्नम् । |
| १३·३ × ६·६ | ९ | ४० | ” | ” | | अपू० | १८-२९ अध्यायाः । |
| १३·४ × ६·२ | १० | ३६ | ” | ” | | ” | अयोध्याखण्डे । |
| २०·६ × ३·१ | ६ | ८४ | वङ्ग. | ” | | पू० | आदिकाण्डायोध्याकाण्डे । |
| १२·८ × ६·५ | १६ | ४६ | दे. ना. | ” | १८५५ | ” | |
| ९·९ × ४·४ | ८ | ३२ | ” | ” | १८४८ | अपू० | |
| ११·१ × ४·१ | ९ | ४२ | ” | ” | | ” | |
| १२·८ × ६·६ | १२ | ५१ | ” | ” | १८४२ | ” | स्कान्दम् । |
| १२·३ × ५·९ | १३ | ३९ | ” | ” | | पू० | स्कान्दम् । १-२२ अध्यायाः । |
| ११·१ × ५·२ | ९ | २३ | ” | ” | १८८० | ” | स्कन्दपुराणीयम् । |
| ६·२ × ३·८ | ७ | १३ | ” | ” | १८६० | ” | वाराहपुराणीयम् । |
| १० × ४·५ | ९ | ३१ | ” | ” | १८८३ | ” | ब्रह्मवैवर्त्तीयम् । |
| १०·५ × ४·९ | १० | ३९ | ” | ” | | अपू० | |
| ११·५ × ४·८ | १७ | ४६ | ” | ” | | ” | |
| १३·२ × ४·७ | १२ | ४८ | ” | ” | १६१० | पू० | मौशलपर्व । |
| १४·६ × ५·४ | १० | ५६ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·७ × ५·१ | ११ | ५४ | ” | ” | | ” | |
| १३·५ × ६·९ | ११ | ३६ | ” | ” | १८९० | ” | |
| १२·५ × ५·६ | १२ | ३८ | ” | ” | १७४९ | ” | भीष्मपर्वशल्यपर्वणी । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५८१४ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-८९ । |
| १५८१५ | " | " | १-१६९ । |
| १५८१६ | " | " | १-१३० । |
| १५८१७ | " | " | १-२२६ । |
| १५८१८ | " | " | १-७६, ७८-१७३ । |
| १५८१९ | " | " | १९६ । ( गणनया ) |
| १५८२० | काशीखण्डकथासङ्ग्रहः | | १-२०७, १-२ । |
| १५८२१ | महाचार्यगुरुपरम्परा | गोस्वामी रामप्रतापः | १-८ । |
| १५८२२ | भागवतव्याख्या | अनन्तदेवः | १-८० । |
| १५८२३ | भागवतम् | | १-२७, १-१५, १-४७, १-४६, १-३३, १-२८, १-२७, १-३३, १-४५, १-९६, ९८-२०१, १-७०, १-१७ । |
| १५८२४ | रामायणसारः | | १-२, ६-८, १४-१६ । |
| १५८२५ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १००३ । (गणनया) |
| १५८२६ | मार्कण्डेयपुराणम् | | २-२०४, २०६-२८८ । |
| १५८२७ | बृहन्नारदीयपुराणम् | | ८९ । (गणनया) |
| १५८२८ | विष्णुपुराणम् | | १-४८ । |
| १५८२९ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-४३ । |
| १५८३० | गरुडपुराणम् | | १-४४ । |
| १५८३१ | पञ्चक्रोशमाहात्म्यम् | | १-११, १३-२७ । |
| १५८३२ | पुरुषोत्तममाहात्म्यम् | | १-४० । |
| १५८३३ | काशीखण्डम् | | १-३२, ३४-३६, ३८-४३, ४५-५४, ५६-७३, ७५-७९, ८१, ८३-१४८, १५०-२२८, २३०-२३७, २३९-२४२, २४४ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३२·२ × १·६ | ४ | १०६ | वङ्ग. | ता. प. | | अपू० | बालकाण्डम् । |
| २६·३ × १·५ | ३ | १४० | " | " | | " | अरण्यकाण्डम् । |
| २७·१ × १·६ | ३ | १०० | " | " | | पू० | किष्किन्धाकाण्डम् । |
| ३०·२ × १·८ | ४ | ११२ | " | " | | " | युद्धकाण्डम् । |
| २८·७ × २ | ४ | ११८ | " | " | | अपू० | लङ्काकाण्डम् । |
| २५·८ × १·६ | ४ | ९४ | " | " | | " | अयोध्याकाण्डम् । |
| १४·१ × ५·५ | ६ | ४० | " | का. | | पू० | अन्ते सङ्कटास्तोत्रं शिवविवाहश्च । |
| ६·५ × ५·१ | १२ | २० | दे. ना. | " | १९३७ | " | अत्र निम्बार्कमतानुयायिनामाचार्याणां नामानि । |
| ११·७ × ५·१ | १० | ४८ | " | " | | " | १-६ स्कन्धस्य । |
| १२·५ × ५·४ | १२ | ४८ | " | " | १८९९ | अपू० | प्रथमतो द्वादशस्कन्धान्तम् । |
| १०·८ × ४·७ | ७ | ३३ | " | " | १९१० | " | |
| १४ × ६ | १० | ५२ | " | " | १८७३ | " | विषमपदविवृतिटीकोपेतं बालकाण्डम् । अयोध्याकिष्किन्धेतिकाण्डद्वयं रामाभिरामीयटीकोपेतम् । |
| ११·३ × ४·५ | १० | ३४ | " | " | १९१० | " | |
| ११·४ × २·६ | ५ | ४४ | वङ्ग. | " | | " | |
| ११·२ × ४·२ | १० | ३९ | दे. ना. | " | | पू० | प्रथमोंऽशः, तत्र १-२२ अध्यायाः । |
| १२ × ६ | १२ | ४२ | " | " | १९२५ | " | भविष्योत्तरपुराणे । |
| १३·३ × ७ | १४ | ४१ | " | " | १८७१ | " | प्रेतकल्पः । |
| १०·६ × ४·५ | १० | ४० | " | " | १९१८ | अपू० | ब्रह्मवैवर्ते । |
| १०·८ × ४·७ | ९ | ३८ | " | " | १९१७ | पू० | स्कन्दपुराणे । |
| २८·४ × १·९ | ४ | १०३ | वङ्ग. | ता. प. | | अपू० | स्कन्दपुराणे । |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १९८३४ | भागवतम् | | १-७८, ७८-१३७ । |
| १९८३५ | नासिकेतोपाख्यानम् | | १-३३ । |
| १९८३६ | शम्भलग्राममाहात्म्यम् | | १-९, २-४१, ४१-४४ । |
| १९८३७ | हरिवंशः | | ३२ । ( गणनया ) |
| १९८३८ | काशीमाहात्म्यम् | | ३-१५, ७१-८१, ८१-१४७ । |
| १९८३९ | काशीखण्डम् सटीकम् | टी. का. रामानन्दः चैतन्यवनापर-पर्यायः श्रीरामेन्द्र-वनशिष्यः | १-४२, ३६-६३, १४९, १४७-१७१, २०८-२०९, २१३-२३८, २४०-२९३ । |
| १९८४० | गरुडपुराणम् | | १-१०, २४-१०७ । |
| १९८४१ | भागवततात्पर्यम् | आनन्दतीर्थ-भगवत्पादः | १६-२७ । |
| १९८४२ | माघमाहात्म्यम् | | ५९-८५ । |
| १९८४३ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-१४७ । |
| १९८४४ | हरिलीलानुक्रमणी, सटीका | बोपदेवः टी. का. मधुसूदन-सरस्वती | १-२४ । |
| १९८४५ | विष्णुपुराणम् | | ९-२२, २८-३७ । |
| १९८४६ | ब्रह्मपुराणम् | | ५-४९, ६९-१४७ । |
| १९८४७ | मार्गशीर्षमाहात्म्यम् | | ५०-६५ । |
| १९८४८ | आदिवाराहपुराणम | | ३४-५४ । |
| १९८४९ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-८० । |
| १९८५० | महाभारतम् | | २-३, ५, ७-३५, ३८, ४०-४४, ४६-५० । |
| १९८५१ | ” | | १-९, ६-२५, १-४३ । |
| १९८५२ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १--३४, ३८-४०, ४४-५१ । |
| १९८५३ | शिवपुराणम् | | २५ । (गणमया) |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १८·३ × ३·७ | ८ | ८९ | वङ्ग. | का. | | पू० | १—४ स्कन्धाः । |
| १२·६ × ४·९ | ६ | ४४ | दे. ना. | ” | १८९४ | ” | १-१८ अध्यायाः । |
| १४ × ७·२ | १४ | ४१ | ” | ” | | अपू० | स्कान्दे भूखण्डे १-२३ अध्यायाः । |
| ११ × ६·१ | १६ | ३३ | ” | ” | | ” | भूतसर्गान्तः । |
| ९·४ × ४·२ | १० | ३९ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्त्ते । |
| १३·६ × ५·४ | ८ | ५१ | ” | ” | १९०० | ” | स्कन्दपुराणे । उत्तरार्द्धम् । |
| १३·८ × ५·३ | ८ | ४८ | ” | ” | | ” | |
| ९ × ३·९ | १२ | ४३ | ” | ” | | ” | तृतीयस्कन्धः । |
| १०·३ × ४·७ | १० | ३२ | ” | ” | १६६२ | ” | पद्मपुराणे । |
| १२·५ × ६·२ | १३ | ५१ | ” | ” | | पू० | दशमस्कन्धपूर्वार्द्धम् । |
| १२·९ × ६·५ | १० | ३९ | ” | ” | १७१२ श. | ” | |
| १०·१ × ४·३ | ९ | ३९ | ” | ” | | अपू० | |
| १०·३ × ४·६ | १० | २९ | ” | ” | | ” | |
| ११·८ × ५·१ | १४ | ४६ | ” | ” | | ” | |
| १२·१ × ४·८ | ११ | ३४ | ” | ” | | ” | |
| ११·९ × ५·५ | १३ | ५३ | ” | ” | | ” | १ स्कन्धः । |
| १४·२ × ५·८ | १२ | ४३ | ” | ” | १७२५ | ” | शल्यपर्व । |
| १४·५ × ५·४ | १२ | ५० | ” | ” | | ” | मोक्षपर्व । |
| ११·७ × ५·३ | १० | ३६ | ” | ” | | ” | |
| ८·३ × ४·६ | १४ | ३९ | ” | ” | | ” | वायवीयसंहितायाम् । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १९८५४ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-६ । |
| १९८५५ | काशीखण्डम् | | ६-१३४ (=१३५) १३६-१७८ । |
| १९८५६ | भागवतसारः | | १-४, ६-१५ । |
| १९८५७ | काशीखण्डम् | | ५२६, ५२८-७९२ । |
| १९८५८ | रामचन्द्रचन्द्रिका | | १-३ । |
| १९८५९ | मोहिन्येकादशीमाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १९८६० | योगवासिष्ठरामायणम् सटीकम् | टी. का. आनन्द-बोधेन्द्रसरस्वती | १-८ । |
| १९८६१ | भागवतसारः | | १-४२, १-१६ । |
| १९८६२ | पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम | | १-९२ । |
| १९८६३ | मूलरामायणम् | वाल्मीकिः | १-१३ । |
| १९८६४ | अद्भुतरामायणम् | | १-५८ । |
| १९८६५ | भागवतम् सटीकम् | | १-१८ । |
| १९८६६ | " " | | १-८ । |
| १९८६७ | चातुर्मासमाहात्म्यम् | | ४१-९७ । |
| १९८६८ | वैशाखमाहात्म्यम् | | २१-४०, ४२-४६ । |
| १९८६९ | मत्स्यपुराणम् | | ५९ । ( गणनया ) |
| १९८७० | गरुडपुराणम् | | १-५३ । |
| १९८७१ | काशीमाहात्म्यम् | | १-१५ । |
| १९८७२ | बहुलाव्याघ्रसंवादः | | १-८ । |
| १९८७३ | काशीमाहात्म्यम् | | १-१६८ । |
| १५८७४ | रामायणम् | | १-२८ । |
| १९८७५ | श्राद्धमाहात्म्यम् | | १-१९ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १० × ३·४ | ७ | ३८ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ११·१ × ५·७ | १२ | ३७ | ” | ” | | ” | |
| १२·५ × ४·८ | १० | ४० | ” | ” | | ” | ९ स्कन्धः । |
| ९·२ × ३·९ | ९ | २९ | ” | ” | | ” | |
| ६·४ × ४·५ | १३ | २० | ” | ” | | पू० | वैनतेयसंहितायाम् |
| ७·१ × ३·८ | ९ | ३० | ” | ” | १७९५ | ” | |
| ९·७ × ५·३ | १५ | ४९ | ” | ” | | ” | |
| १२·४ × ४·८ | ११ | ५५ | ” | ” | १८५५ | ” | १-८ स्कन्धाः । |
| १३·१ × ४·१ | ७ | ४६ | ” | ” | १९२३ | ” | बृहन्नारदीयम् । |
| ६·६ × ३·४ | ७ | २१ | ” | ” | १८९१ | ” | |
| १३·८ × ५·३ | १० | ४५ | ” | ” | १८०४ | ” | |
| १४·८ × ७ | १५ | ५४ | ” | ” | | ” | १० स्कन्धे ८७ अध्यायः । |
| ११·५ × ५·७ | १० | ४१ | ” | ” | | ” | १२ ” १२ ” |
| १२·७ × ४·९ | १० | ४७ | ” | ” | १८५१ ? | अपू० | वराहपुराणे । |
| १०·५ × ४·२ | १४ | ४६ | ” | ” | १७६७ | ” | स्कान्दे । |
| १२·६ × ४·९ | १० | ४७ | ” | ” | | ” | |
| ११ × ४·५ | ८ | ३२ | ” | ” | | पू० | |
| १०·५ × ४·७ | १२ | ३६ | ” | ” | | ” | ८–११अध्यायाः, प्रायश्चित्तनिर्णयतः पञ्चक्रोशीयात्रावर्णनान्तो भागः । |
| ९·३ × ४ | ८ | २७ | ” | ” | १६८९ | ” | भविष्योत्तरे । |
| १२·५ × ५·८ | १० | ३३ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्ते तृतीयखण्डे । |
| ६·९ × ३·६ | ५ | १४ | ” | ” | | ” | बालकाण्डस्य प्रथमःसर्गः । |
| १०·७ × ४·४ | १३ | ३८ | ” | ” | | पू० | श्राद्धकल्पो वा । भर्तृयज्ञामर्त्ताधिप-संवादरूपः । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५८७६ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | ७३-२९९, ३०३-३४१ । |
| १५८७७ | ,, ,, | ,, | १-४९, ५१-१३७ । |
| १५८७८ | भागवतम् | | १-४१ । |
| १५८७९ | ,, | | ४६ । (गणनया) |
| १५८८० | एकादशीचतुर्विंशतिनामानि | | १-१० । |
| १५८८१ | काशीसारोद्धारः | | २-२८ । |
| १५८८२ | माघमाहात्म्यम् | | २-५०, ५२-५५ । |
| १५८८३ | रमैकादशीमाहात्म्यम् | | १, ३-९ । |
| १५८८४ | प्रयागमाहात्म्यम् | | ३२-४६ । |
| १५८८५ | मलमासमाहात्म्यम् | | १-२५ । |
| १५८८६ | वैशाखमाहात्म्यम् | | २-६३, ६९-९३, १२१, (=१२२) १२३-१२५ । |
| १५८८७ | पिशाचमोचन्येकादशी-माहात्म्यम् | | १-८ । |
| १५८८८ | पद्मैकादशीमाहात्म्यम् | | १-७ । |
| १५८८९ | गयामाहात्म्यम् | | १-३, ५-७ । |
| १५८९० | ,, ,, | | १-१९ । |
| १५८९१ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-७१ । |
| १५८९२ | स्कन्दपुराणम् | | १५-२६, ३०-१३९, १४१-२३५ । |
| १५८९३ | अधिमासैकादशीमाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १५८९४ | पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम् | | १-४२ । |
| १५८९५ | माघमाहात्म्यम् | | १-२, ४-२९, ३१-३२, ३४, ३९-४२ । |
| १५८९६ | पाण्डुरङ्गमाहात्म्यम् | | २-५४ । |
| १५८९७ | देवीभागवतम् | | १-५ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·९ × ५·१ | १३ | ३७ | दे. ना. | का. | १६७९ | अपू० | १० स्कन्धः । |
| १०·८ × ५ | १५ | ३२ | ” | ” | १९३३ श. | ” | १० स्कन्धोत्तरार्द्धम् । |
| ११·२ × ५·१ | १४ | ४६ | ” | ” | | ” | ११ स्कन्धः । |
| ९.९ × ४·४ | १० | ३९ | ” | ” | १९४६ श. | ” | ७, ११ स्कन्धौ । |
| ९·४ × ४·१ | ९ | ३० | ” | ” | | पू० | एकादश्युत्पत्तिरपि । नारदपुराणे । |
| ९·९ × ४ | ८ | ३६ | ” | ” | | अपू० | |
| ९·७ × ४·४ | ११ | ३० | ” | ” | | ” | पद्मपुराणे उत्तरखण्डे । |
| ६·४ × ३.१ | ८ | २१ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्त्ते । |
| ९·३ × ४ | ८ | २७ | ” | ” | | ” | मत्स्यपुराणे । |
| १०·१ × ५·५ | १४ | ३० | ” | ” | | ” | पद्मपुराणे उत्तरखण्डे । |
| १०·४ × ५ | ७ | २७ | ” | ” | १६२६ | ” | पद्मपुराणे पातालखण्डे । |
| ९·८ × ४·२ | ९ | ३७ | ” | ” | | पू० | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ८·२ × ३·२ | ५ | २३ | ” | ” | | ” | ” |
| ९·१ × ४ २ | १३ | ३७ | ” | ” | | अपू० | गारुडम् । |
| १०·२ × ३·९ | ११ | ३६ | ” | ” | | पू० | श्वेतवाराहकल्पोपपुराणे । |
| ९ × ४·१ | ९ | ३७ | ” | ” | | अपू० | पद्मपुराणे पातालखण्डे । |
| ९·५ × ४·३ | ८ | ३१ | ” | ” | | ” | केदारखण्डे ३—३१ अध्यायाः । |
| ९·३ × ३·९ | ८ | २४ | ” | ” | | ” | |
| ९·७ × ३·८ | १० | ३८ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| १०·१ × ३·९ | १० | ४२ | ” | ” | | ” | पाद्मम् । |
| ७·७ × ३·६ | १० | २५ | ” | ” | १८१२ | अपू० | स्कान्दे । |
| ८·३ × ३·६ | ७ | २५ | ” | ” | | पू० | १० स्कन्धे ४ अध्यायः, रुद्राक्ष-महिमा च । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५८९८ | विष्णुधर्मोत्तरपुराणम् | | १-२५, ३०-४४, ४६-५२ । |
| १५८९९ | काशीमाहात्म्यम् | | ६८-९४ । |
| १५९०० | भागवतम् | | १७ । (गणनया) |
| १५९०१ | ,, सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | २६-३६ । |
| १५९०२ | गरुडपुराणम् | | १-८, २०-२७ । |
| १५९०३ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १६, २१-२२, २४, २७, २९-३५, ४३-५६, ६७, ६८, ७० । |
| १५९०४ | रामायणम् | वाल्मीकिः | २-४, ६-४१, ४३-१६०, १६०-१८७ (=१८८) १८९-२०९, २११-२१५ । |
| १५९०५ | ,, | ,, | ९२-१६३, १६५-१८३ । |
| १५९०६ | इतिहाससमुच्चयः | | ५३-६१, ६३-८७, ८९-१०७, १०९-१३५, १३७-१३९ । |
| १५९०७ | गोपीगीतम् | | १-४ । |
| १५९०८ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-२, ५-४६ । |
| १५९०९ | केदारखण्डम् | | १-१० । |
| १५९१० | पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम् | | १-६७ । |
| १५९११ | वैशाखमाहात्म्यम् | | १-७४ । |
| १५९१२ | माघमाहात्म्यम् | | १-९३ । |
| १५९१३ | धनुर्मासमाहात्म्यम् | | १-६ । |
| १५९१४ | ज्येष्ठमासमाहात्म्यम् | | १-१० । |
| १५९१५ | त्रिजटोपाख्यानम् | | १-३ । |
| १५९१६ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-६८, ७०-७१ । |
| १५९१७ | व्यङ्कटेशरहस्यम् | | १-८ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·४ × ४·७ | १४ | ४४ | दे· ना. | का. | | अपू० | |
| ८·९ × ३·३ | ७ | ३२ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्त्ते । |
| ११·७ × ४ | ८ | ४० | ” | ” | | ” | द्वितीयस्कन्धः । |
| ११·५ × ५·२ | १२ | ३६ | ” | ” | | ” | दशमस्कन्धः । |
| ९·३ × ४·२ | ८ | ३१ | ” | ” | | ” | |
| ९ × ४·४ | १० | ३३ | ” | ” | | ” | स्कान्दे । |
| १२·५ × ४·६ | १० | ४६ | ” | ” | | ” | लङ्काकाण्डम् । |
| ११·१ × ४·८ | १० | ४१ | ” | ” | १६४४ | ” | अयोध्याकाण्डम् । |
| ११·२ × ४·८ | ९ | ३८ | ” | ” | | ” | ११-३४ अध्यायाः । |
| ५·९ × ४·१ | १० | १५ | ” | ” | | पू० | भागवते १० स्कन्धे ३१ अध्यायः । उद्धृतश्लोकाश्च । |
| १० × ४·३ | ९ | ३३ | ” | ” | १७८० | अपू० | पाद्मे । |
| १०·७ × ४·८ | ८ | ३३ | ” | ” | | पू० | स्कान्दे । |
| १०·७ × ४·६ | ८ | ३२ | ” | ” | १९१८ श. १७८३ | ” | पाद्मे । |
| १०·६ × ४·४ | ९ | ३१ | ” | ” | १६७२ | ” | ” |
| १०·४ × ४·४ | ७ | ३२ | ” | ” | | ” | पाद्मम् । |
| १२·२ × ४·४ | १० | ४१ | ” | ” | १८३७ | ” | पञ्चरात्रागमे । अन्ते धनुर्मासपूजा-विधिश्च । |
| ९·३ × ४·९ | १२ | २८ | ” | ” | | ” | जैमिनीयम् । |
| १०·९ × ५·१ | ९ | ३४ | ” | ” | १९०४ | ” | पाद्मम् । |
| ११·५ × ४·९ | ११ | ४२ | ” | ” | | अपू० | स्कान्दम् । |
| ९·४ × ५·१ | १५ | ३३ | ” | ” | | पू० | भविष्योत्तरे । |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५९१८ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-२९, १-१५, १-४, १-६, ६-९ । |
| १५९१९ | " | | १-३७, ३७-३९ । |
| १५९२० | व्यङ्कटेशगिरिमाहात्म्यम् | | १-६८ । |
| १५९२१ | अध्यात्मरामायणम् | | १-८३, १-२७, १-९०। |
| १५९२२ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | ८-११, १३, १६-१८, २०-२५, २७-२९, ३१, ३६-६५, ६७-७५, ७७-९२, ९५-९७, ९९-१००, । |
| १५९२३ | ब्रह्मवैवर्त्तपुराणम् | | १-३१ । |
| १५९२४ | सप्तश्लोकीभागवतम् | | १ । |
| १५९२५ | माघमाहात्म्यम् | | १-८१, ८३-१६३, १६८-१७४, १७७-२४२, २४४-२४६, २४६-२५१ । |
| १५९२६ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १-१८ । |
| १५९२७ | अध्यात्मरामायणम् सटीकम् | टी. का. रामवर्मा | १९०-१९९ । |
| १५९२८ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-२८ । |
| १५९२९ | प्रयागमाहात्म्यम् | | २९ । ( गणनया ) |
| १५९३० | " | | १-८ । |
| १५९३१ | " | | १-१५ । |
| १५९३२ | मत्स्यपुराणम् | | १-२, ४ । |
| १५९३३ | अध्यात्मरामायणम् | | १-७ । |
| १५९३४ | " | | ६ । ( गणनया ) |
| १५९३५ | भागवतम् | | १-५ । |
| १५९३६ | रासपञ्चाध्यायी | | १-१८ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·८ × ५·१ | ११ | ३८ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ११ × ४·९ | १६ | ३८ | ” | ” | | अपू० | |
| १०·७ × ४·९ | १० | ३९ | ” | ” | १७३३ ? | पू० | वाराहपुराणे क्षेत्रकाण्डे । |
| ९·३ × ५·३ | ९ | ३१ | ” | ” | | ” | आरण्यकाण्डतो युद्धकाण्डान्तम् । |
| ८·६ × ३·४ | १० | ३३ | ” | ” | | अपू० | स्कान्दम् । |
| ९·२ × ३·७ | ७ | ३० | ” | ” | १८८० | पू० | तृतीयविभागे ९-११ अध्यायाः । |
| ८ × ४·१ | ११ | २६ | ” | ” | | ” | |
| ४·५ × ३ | ८ | १५ | ” | ” | १८२३ | अपू० | वायुपुराणे । |
| १०·४ × ४.९ | १२ | ४१ | ” | ” | | पू० | स्कान्दम्, ६-९ अध्यायाः । प्रदोष-महिमानुवर्णनं सोमवारव्रत-माहात्म्यं सीमन्तिन्याः प्रभावक-थनञ्च । |
| १२·७ × ६·३ | १३ | ४८ | ” | ” | | अपू० | सुन्दरयुद्धकाण्डे । |
| १३·७ × ७·१ | १३ | ४६ | ” | ” | | ” | बालकाण्डे १-४ सर्गाः । |
| १०·९ × ४·१ | ९ | ४३ | ” | ” | | ” | पाद्मम् । |
| ९·४ × ४·३ | १२ | ३६ | ” | ” | | पू० | मात्स्यम् । |
| ९·४ × ४·२ | ९ | ३७ | ” | ” | | अपू० | ब्रह्मपुराणे । |
| १०·१ × ४·४ | १० | ३३ | ” | ” | | ” | अनुक्रमणिकाध्यायमात्रम् । |
| ६ × ४·६ | ७ | १५ | ” | ” | | पू० | अयोध्याकाण्डे १ सर्गः । |
| ८·९ × ४·७ | ६ | २० | ” | ” | | ” | बालकाण्डे ५ सर्गः । |
| २·७ × ४·७ | ११ | २४ | ” | ” | | ” | कापिलेयी साधना । ३ स्कन्धे २८ अध्यायः । |
| ६·५ × ५ | १२ | २० | ” | ” | | ” | भागवते १० स्कन्धे २९-३३ अध्यायाः । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५९३७ | शिवरहस्यम् | | १-४ । |
| १५९३८ | गोपीगीतम् | | १-२ । |
| १५९३९ | " | | १-५ । |
| १५९४० | गीतामाहात्म्यम् | | १ । |
| १५९४१ | " | | ३ । ( गणनया ) |
| १५९४२ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-६० । |
| १५९४३ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | ३-७, २१-४०, ४२, ४६-४७, ५६-५८, ६०-६१, ६६, ७५-७८ । |
| १५९४४ | " " | " | २-१८, ३९-६३, ८०-११५ । |
| १५९४५ | " " | " | १-२७ । |
| १५९४६ | " " | " | १-३१, ३६, ४२-४६, ५०, ५९-६३, ८०-८६, ९२, ८-१० । |
| १५९४७ | " " | " | १-१३ । |
| १५९४८ | भागवतम् | | २९-४५, ४७-५६ । |
| १५९४९ | काशीखण्डटीका | | १-५१ । |
| १५९५० | विष्णुपुराणम् | | ११-२५, १-२, ४-१५, १७-२१, २३-२८ । |
| १५९५१ | पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम् | | १-४, १८-१९, २७-२९, ३१-४६, ४८-५२, ५५, ६३-६५ । |
| १५९५२ | रुक्माङ्गदचरित्रम् | | १-३७ । |
| १५९५३ | महाभारतम् | | ५-७२, ७४-८३ । |
| १५९५४ | " | | १-८२, ८७-१०७ । |
| १५९५५ | भागवतम् सटीकम् | टी.का. श्रीधरः | १-४, १७-६७, ६९-७८, ७८-१५२ । |
| १५९५६ | " " | " | १-१५ । |
| १५९५७ | " " | " | ४-२६, ३०-६० । |
| १५९५८ | " " | " | १-८० । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६·२ × ३·८ | ८ | १२ | दे. ना. | का. | | पू० | तृतीयांशे २८ अध्यायः । |
| ६·४ × ५·१ | १५ | २२ | ” | ” | | ” | भागवते १० स्कन्धे ३१ अध्यायः । |
| ९·६ × ३·३ | ६ | १५ | ” | ” | | ” | ” |
| ९·२ × ४·२ | ११ | २८ | ” | ” | | ” | वाराहे । |
| ८·४ × ४·५ | ७ | २५ | ” | ” | | ” | |
| ८·७ × ३·८ | ९ | ३३ | ” | ” | १८२८ | ” | भविष्योत्तरे । |
| १४·३ × ५·६ | ११ | ६२ | ” | ” | | अपू० | १ स्कन्धे १-१९ अध्यायाः । |
| १२·७ × ६·४ | १४ | ५० | ” | ” | | ” | ३ स्कन्धे १-१५ अध्यायाः । |
| १३·४ × ६ | १४ | ६४ | ” | ” | | ” | ७ स्कन्धे १-९ अध्यायाः । |
| १२·७ × ४·८ | ७ | ४२ | ” | ” | | ” | ८ स्कन्धः । |
| ११·४ × ५ | १९ | ६० | ” | ” | | ” | ८ स्कन्धे १-८ अध्यायाः । |
| १४·२ × ५·३ | ११ | ४५ | ” | ” | | ” | ११ स्कन्धे २२-३० अध्यायाः । |
| १३·८ × ३·३ | ६ | ४८ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| १२·५ × ३·७ | ९ | ५८ | दे. ना. | ” | | ” | २-३ अंशौ । |
| १०·२ × ५·७ | ९ | २४ | ” | ” | | ” | स्कान्दम् । |
| ८·१ × ३·६ | ७ | ४० | ” | ” | १५८५ | पू० | |
| १३·३ × ५·२ | १० | ४२ | ” | ” | | अपू० | कर्णपर्व । |
| १४·३ × ५·७ | ११ | ४४ | ” | ” | | ” | उद्योगपर्व । |
| १३·१ × ६·१ | १३ | ४२ | ” | ” | | अपू० | भावार्थदीपिका, ११ स्कन्धः । |
| १३·३ × ४·६ | १३ | ४६ | ” | ” | | ” | २ स्कन्धः । |
| १३·६ × ५·३ | ११ | ६६ | ” | ” | | ” | ७ स्कन्धः । |
| १४·३ × ६·४ | १३ | ५० | ” | ” | | पू० | १ स्कन्धः । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५९५९ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | २-८६, ८८-८९ । |
| १५९६० | " | | २-५५ । |
| १५९६१ | " | | १-२, १-११, १३, १३-५८ । |
| १५९६२ | " | | ७६ । (गणनया ) |
| १५९६३ | " | | १-२२, २४-४१, ७०-८२, ४३, ४५-५९, ८७, १-९६ । |
| १५९६४ | महाभारतविषमश्लोकटीका | अर्जुनमिश्रः | १-६० । |
| १५९६५ | चतुःश्लोकीभागवतम् | | १-२ । |
| १५९६६ | त्रिश्लोकीव्याख्या | मधुसूदनसरस्वती | १-२, ४-१६ । |
| १५९६७ | बाणपरीक्षा | | १ । |
| १५९६८ | भागवतम् | | १-५ । |
| १५९६९ | गयामाहात्म्यम् | | ७-२०, २२ । |
| १५९७० | " | | १-३४ । |
| १५९७१ | वेदस्तुतिः सटीका | टी. का. वल्लभाचार्यः | १-४२ । |
| १५९७२ | पञ्चक्रोशीमाहात्म्यम् | | १-१२ । |
| १५९७३ | अयोध्यामाहात्म्यम् | | २२ । (गणनया ) |
| १५९७४ | धात्रीमाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १५९७५ | काशीमाहात्म्यम् | | ३-१२, १५-१६ । |
| १५९७६ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-४, १-३, १-२८, २८-७९ । |
| १५९७७ | " " | | १-३०, ३२-४५, ५०-७४, ७९-८३, ८५-८७ । |
| १५९७८ | भागवतमाहात्म्यम् | | १-१० । |
| १५९७९ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-१२, १४ । |
| १५९८० | गयामाहात्म्यम् | | १, ६-९, ११-३९, ४२-४७ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·२ × ९·८ | १४ | ४७ | दे. ना. | का. | | अपू० | १ स्कन्धः । |
| १२·९ × ६·४ | १३ | ३२ | ” | ” | १८७९ | ” | ५ स्कन्धः । |
| १२·१ × ९·७ | १२ | ३४ | ” | ” | | ” | २, ४ स्कन्धौ । |
| १२·७ × ६·९ | १४ | ५३ | ” | ” | | ” | १० स्कन्धः । |
| १३·८ × ६·४ | १२ | ४४ | ” | ” | १८४० | ” | ९-१० स्कन्धौ । |
| १०·१ × ४·४ | १४ | ३९ | ” | ” | | ” | वनपर्वाद्यनुशासनपर्वान्ता । |
| ३·९ × ३ | ९ | १९ | ” | ” | | पू० | |
| १३ × ६·५ | १३ | ३९ | ” | ” | | अपू० | भागवताद्यपद्यत्रयस्य । |
| ९·४ × ५·१ | १० | २५ | ” | ” | | पू० | लिङ्गपुराणे । प्रदोषनिर्णयश्च । |
| ७·५ × ४·१ | ६ | २४ | ” | ” | | ” | १० स्क० ३५ अध्यायः । |
| ९·८ × ४·३ | ८ | ३२ | ” | ” | | अपू० | वायुपुराणे श्वेतवाराहकल्पे । |
| १·७ × ४·७ | ७ | ३१ | ” | ” | १९३३ | पू० | ८ अध्यायाः । |
| ९ × ५·२ | १३ | ३ | ” | ” | | ” | |
| १०·३ × ४.४ | ९ | ३१ | ” | ” | | अपू० | ब्रह्मवैवर्ते । |
| १०·३ × ४·१ | ९ | ३७ | ” | ” | | ” | |
| ७·८ × ४·८ | १३ | २४ | ” | ” | | ” | |
| ९·४ × ४·२ | ९ | ३१ | ” | ” | | अपू० | अग्निपुराणे । पञ्चक्रोशीयात्रा-विषयकम् । |
| ९·५ × ४ | ७ | ३२ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| १०·९ × ४·३ | ७ | ४० | ” | ” | | ” | स्कान्दम् । |
| १०·७ × ४·६ | १० | ४० | ” | ” | १८९६ | पू० | स्कान्दम् । |
| १० × ४·४ | ८ | ३३ | ” | ” | | अपू० | मात्स्यम् । |
| ९·४ × ४·३ | ७ | ३१ | ” | ” | १८५३ १७१८ श. | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १५९८१ | काशीमाहात्म्यम् | | ४-२३, २५-३०, ३२-३४ । |
| १५९८२ | गयामाहात्म्यम् | | १-३० । |
| १५९८३ | सह्याद्रिखण्डम् | | १-९, ११-१५, २० । |
| १५९८४ | ब्रह्मवैवर्त्तपुराणम् | | १-६, १४-२५ । |
| १५९८५ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १-५ । |
| १५९८६ | मौद्गलपुराणम् | | ६०, ६४-६५, ६७, १०५ । |
| १५९८७ | गोत्रप्रवराध्यायः | | २-१४ । |
| १५९८८ | माघमाहात्म्यम् | | १-१४२ । |
| १५९८९ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-७५ । |
| १५९९० | ,, | | १-६० (=६१) ६२-८७ । |
| १५९९१ | ,, | | १-१३५ । |
| १५९९२ | विनायकमाहात्म्यम् | | १-१०१ । |
| १५९९३ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १६ । ( गणनया ) |
| १५९९४ | भिक्षुगीतटीका | | १ । |
| १५९९५ | भागवतम् | | १-४० । |
| १५९९६ | बहुलाव्याघ्रसंवादः | | १-१६ । |
| १५९९७ | एकादशीमाहात्म्यम् | | २-६, ८ । |
| १५९९८ | ,, | | १-२३ । |
| १५९९९ | ,, | | १५-२८, ४४-५९, ६५-७४ । |
| १६००० | ,, | | ६-८ । |
| १६००१ | ,, | | १७-२८ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·२ × ४·६ | ८ | १९ | दे. ना. | का. | | अपू० | ब्रह्मवैवर्त्त ११ अध्यायाः । |
| ९·१ × ३·६ | ८ | ३० | ” | ” | | पू० | वायुपुराणे । |
| ६·३ × ४·२ | ९ | ३५ | ” | ” | | अपू० | स्कान्दे । |
| ६·३ × ४·३ | १५ | २१ | ” | ” | १९०० १७६५ श. | ” | काशीरहस्ये पञ्चक्रोशयात्राभिधामाध्यायः । |
| १०·३ × ४·८ | ९ | ३५ | ” | ” | | ” | स्कान्दे पञ्चाक्षरमाहात्म्यं नाम १ अध्यायः । |
| ९·६ × ४·३ | ८ | ३७ | ” | ” | | ” | गणेशाराधनपरम् । |
| ६ × ४ | १० | १९ | ” | ” | | ” | मत्स्यपुराणीयः। भृग्वाङ्गिरसपाराशरागस्त्यवंशप्रवरानुकीर्तनं नामाध्यायः। |
| ९·६ × ४·३ | ८ | ३१ | ” | ” | १७३९ श. | पू० | वायुपुराणे । |
| ९·३ × ४·३ | ८ | २६ | ” | ” | १६५५ | ” | पाद्मम् । |
| ९·५ × ४·४ | ९ | २४ | ” | ” | १८१६ १६८१ श. | ” | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| ९·७ × ४·४ | ९ | ३० | ” | ” | १८८३ १७४९ श. | ” | |
| ९·१ × ४·१ | ८ | २८ | ” | ” | १७१५ ? | ” | स्कान्दम् । |
| ११·३ × ६·३ | १३ | ३५ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·६ × ५·७ | २३ | ७९ | ” | ” | १८४८ | पू० | भागवत ११ स्कन्धे २३ अध्यायः । |
| ६·४ × ४·३ | ७ | १५ | ” | ” | | पू० | ११ स्कन्धे १-७ अध्यायाः । |
| ९ × ३·७ | ७ | ३३ | ” | ” | | अपू० | |
| १०·१ × ३·८ | १० | ५३ | ” | ” | १४४९ श. | ” | |
| ९·७ × ४·२ | ९ | ३८ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्त्तपुराणे । |
| ९·२ × ४·२ | ९ | २४ | ” | ” | | ” | |
| ९·२ × ४·५ | १२ | २४ | ” | ” | १६८७ | ” | मात्स्यम् । |
| ९·७ × ४·५ | ७ | २४ | ” | ” | | ” | |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६००२ | विष्णुपुराणम् | | ५९-८३ । |
| १६००३ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | २-४६, ४६-६२ । |
| १६००४ | भागवतम् | | ५०-६७, ६९-९१, ९४-१०२ । |
| १६००५ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | २-६४, ६६-७२, ७५-८२ । |
| १६००६ | भागवतम् सटीकम् | टी.का.श्रीधरस्वामी | ७५-८४, ११२-२२३, २२३-३१४ । |
| १६००७ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १-१७ । |
| १६००८ | मत्स्यपुराणम् | | २८७-३०५, ३१५ । |
| १६००९ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १२-५३ । |
| १६०१० | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-८, (=९) १०-५१, ५३-६२ । |
| १६०११ | देवीभागवतम् | | १-२८, २८-२९ । |
| १६०१२ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-३६, ३८-४२, ४४-४९ । |
| १६०१३ | ” | | १-३२ । |
| १६०१४ | ” | | १-७५ । |
| १६०१५ | ” | | ३-१७, १९-२२, २२-३८ । |
| १६०१६ | चातुर्मास्यमाहात्म्यम् | | ५९ ६४, ६८ । |
| १६०१७ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-१८, २७-३३, ३३-३५, ३८-४९ । |
| १६०१८ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-३५ । |
| १६०१९ | ” | | २-३२ । |
| १६०२० | ” | | १५-३४, ३४-७० । |
| १६०२१ | काशीखण्डम् सटीकम् | | १-६४, २६४-२६५ । |
| १६०२२ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १-२५, २८, ३०, ४०-४१, ४३-४६ । |
| १६०२३ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-२, ४-११ । |
| १६०२४ | काशीमुक्तिविवेकः | | १-१० । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११·४ × ४·५ | ११ | ४८ | दे. ना. | का. | | अपू० | प्रथमांशे २१-२२ अध्यायौ, द्वितीयांशे १-११ अध्यायाः। |
| ९·९ × ३·८ | १० | ४५ | ” | ” | | ” | |
| ७·५ × ४ | ८ | ३८ | ” | ” | | ” | ११ स्कन्धे १६-३१ अध्यायाः। |
| १०·२ × ४·२ | ११ | ३७ | ” | ” | | ” | स्कान्दम्। |
| १०·३ × ४·७ | १३ | ३७ | ” | ” | | ” | १० स्कन्धे १५-८७ अध्यायाः। |
| १३·३ × ६·६ | १३ | ३४ | ” | ” | | ” | स्कान्दम्। |
| १३·७ × ७ | ११ | ५८ | ” | ” | | ” | |
| १३·२ × ६·२ | १४ | ४६ | ” | ” | १९४९ | ” | स्कान्दम्। |
| १५ × ६·३ | १० | ३३ | ” | ” | १८८० | ” | सनत्कुमारसंहितायाम्। |
| १३·२ × ५·१ | १२ | ४१ | ” | ” | | पू० | २ स्कन्धे १—१२ अध्यायाः। |
| १२·२ × ५·५ | ९ | ३६ | ” | ” | | अपू० | सनत्कुमारसंहितायाम्। |
| १२·४ × ६·४ | १३ | ५५ | ” | ” | १८६० | पू० | पाद्मम्। |
| १२·९ × ५ | १० | ३६ | ” | ” | | ” | |
| १२·४ × ४·१ | ९ | ५० | ” | ” | १८१५ १६८० श. | अपू० | पाद्मम्। |
| ११·६ × ५·३ | ९ | ४४ | ” | ” | | ” | वाराहपुराणे। |
| १२·४ × ४·४ | ९ | ३७ | ” | ” | | ” | |
| १२·२ × ५·६ | १० | १२ | ” | ” | | अपू० | पाद्मम्। |
| १०·७ × ४·५ | ९ | ३४ | ” | ” | | ” | ” |
| १२ × ७·५ | १५ | ३० | ” | ” | | ” | ” |
| १३·२ × ५ | १० | ६१ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणे। |
| १२·७ × ६·२ | १२ | ५२ | ” | ” | | ” | स्कान्दम्। |
| १३·१ × ६·८ | १३ | ४५ | ” | ” | | ” | |
| १३·५ × ५ | १० | ३७ | ” | ” | | ” | सर्वार्थसाधनखण्डस्थः। |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६०२५ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-८ । |
| १६०२६ | गयामाहात्म्यम् | | १-१८ । |
| १६०२७ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-५, १७-१८ । |
| १६०२८ | यमुनामाहात्म्यम् | | ५ । ( गणनया ) |
| १६०२९ | गरुडपुराणसारोद्धारः | | २४-४६ । |
| १६०३० | माघमाहात्म्यम् | | १-६४ । |
| १६०३१ | भागवततात्पर्यम् | श्रीमदानन्दतीर्थः | १-१३, १-२२, १-१३, १-५, १-६, १-९, १-२, १-४४, १ । |
| १६०३२ | विष्णुपुराणम् | | ४-१८२, १८५-२३३ । |
| १६०३३ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-८७ । |
| १६०३४ | " " | " | १-७३ । |
| १६०३५ | काशीखण्डम् " | टी.का. रामानन्दः | १-५७, ५९-६७, ६९-७१, ७४, ७७-९४, ९६-१२१, १२४, १२७-१३९ । |
| १६०३६ | " " | " चैतन्यवमापर-पर्यायः श्रीरामेन्द्र-वनशिष्यः | १-४६, ४८-५४, ५६-९० । |
| १६०३७ | भागवतद्वात्रिंशत्प्रश्नोत्तरी | गोविन्दराम-व्यासगौडः | १-१२ । |
| १६०३८ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-१०३, १-५, ५-१५ । |
| १६०३९ | " " | टी. का. वल्लभदीक्षितः | १७-३१८ । |
| १६०४० | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-१० । |
| १६०४१ | " | | १-७, ७, ७, २७-२८, ५३-५७ । |
| १६०४२ | विष्णुपुराणम् | | ७-३५ । |
| १६०४३ | काशीमाहात्म्यम् | | १-२५, २७-४५ । |
| १६०४४ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-३६ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·९ × ४·९ | १० | ६० | दे. ना. | का. | | पू० | पाद्मम् । |
| १३·१ × ९·१ | ९ | ५३ | ” | ” | | अपू० | वायुपुराणे । |
| १२ × ५·६ | १२ | ४४ | ” | ” | | ” | मात्स्यम् । |
| १२·३ × ४·१ | १३ | ७३ | ” | ” | | ” | पाद्मम् । |
| ११·७ × ४·९ | १० | ३७ | ” | ” | १७३० | ” | |
| १०·५ × ५·५ | ११ | २९ | ” | ” | | पू० | पाद्मम् । |
| १०·३ × ४·३ | १० | ४२ | ” | ” | १७६३ | ” | १, ३-८, ११-१२ स्कन्धाः । |
| १३·५ × ९·१ | ९ | ४२ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·६ × ६·४ | १२ | ४६ | ” | ” | १८६६ | पू० | ६ स्कन्धे १-१९ अध्यायाः । |
| १४·२ × ७·१ | ११ | ५१ | ” | ” | १८७९ | ” | ७ स्कन्धः । |
| १२·७ × ६·७ | १४ | ४१ | ” | ” | | अपू० | पूर्वार्द्धम् । |
| १२·९ × ६·८ | १३ | ४३ | ” | ” | | ” | उत्तरार्द्धम् । |
| १३·७ × ७·२ | १२ | २९ | ” | ” | १९३५ | पू० | हरिहराष्टकसहिता । |
| १३·५ × ६·८ | ९ | ५२ | ” | ” | | अपू० | १ स्कन्धः । |
| १२·५ × ६·२ | १० | ३४ | ” | ” | | ” | ” |
| १०·२ × ४·३ | ९ | ३७ | ” | ” | १६५२ | पू० | भविष्योत्तरपुराणे । |
| १०.४ × ४·८ | १० | ३५ | ” | ” | १८७४ | अपू० | ” |
| १०·७ × ४·७ | ९ | ३७ | ” | ” | | ” | |
| १०·७ × ४·८ | ११ | ३२ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्त्तपुराणे । |
| १०·२ × ४·६ | ८ | ३५ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणे १-९ अध्यायाः । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६०४५ | काशीखण्डम् | | ४, ८-११, २०-३१, ३३-३५, ४६-६१, ६३-७२, ७७-८०, ९५-११० । |
| १६०४६ | मल्लारिमाहात्म्यम् | | २५-३४ । |
| १६०४७ | भागवतमाहात्म्यम् | | २-१३ । |
| १६०४८ | गोत्रप्रकरणम् | | १-६ । |
| १६०४९ | गयामाहात्म्यम् | | २-७, १०-१३ । |
| १६०५० | ” | | ४-२१, २६-३७ । |
| १६०५१ | गोमाचलक्षेत्रमाहात्म्यम् | | २, ४-७, ९, १२, १४, १६, २०-२४, २६-२७ । |
| १६०५२ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-२२, १-१३ । |
| १६०५३ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-२३ । |
| १६०५४ | ” | | १-१४ । |
| १६०५५ | ” | | १३-१५ । |
| १६०५६ | ” | | १८-४० । |
| १६०५७ | ” | | ४२-४३ । |
| १६०५८ | काशीमाहात्म्यम् | | ३-२०, २२-३९ । |
| १६०५९ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-५४ । |
| १६०६० | ” | | १-४७ । |
| १६०६१ | ” | | २-१०, १४-४४ । |
| १६०६२ | ” | | ७३ (गणनया) । |
| १६०६३ | मार्गशीर्षमाहात्म्यम् | | २-९० । |
| १६०६४ | ब्रह्मवैवर्त्तम् | | २०५ (गणनया) । |
| १६०६५ | गीतामाहात्म्यम् | | १ । |
| १६०६६ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-५४ । |
| १६०६७ | ” | | १-५९, ३३-७२, ८०-८१ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·४ × ४·४ | १० | ४२ | दे. ना. | का. | | अपू० | २-२७ अध्यायाः । |
| ९·५ × ४·१ | १३ | ४४ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ११ × ९ | १० | ३६ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणोत्तरखण्डे १-३ अध्यायाः । |
| ९·४ × ९ | १३ | २८ | ” | ” | | ” | मत्स्यपुराणे । |
| ७·८ × ९·७ | १० | १७ | ” | ” | | ” | वायुपुराणे । |
| ८·९ × ३·३ | ८ | २९ | ” | ” | | ” | ” |
| ८·८ × ४·२ | ९ | २२ | ” | ” | | ” | स्कान्दे सह्याद्रिखण्डे । |
| ७ × ३·३ | ९ | २९ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणे पातालखण्डे । |
| १०·१ × ४·३ | ८ | २८ | ” | ” | | ” | |
| ९·८ × ४·१ | १२ | ३९ | ” | ” | | ” | |
| ९·३ × ४·१ | १३ | ४८ | ” | ” | | ” | |
| ९·९ × ४·२ | ११ | ३६ | ” | ” | | ” | |
| ९·९ × ४·३ | ९ | ३३ | ” | ” | | ” | |
| ६·७ × ४·१ | १० | २४ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणे पातालखण्डे । |
| १०·७ × ९·३ | १२ | ४४ | ” | ” | १९२३ | पू० | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| ११·९ × ९ | १० | ३४ | ” | ” | | ” | ब्रह्मपुराणे । |
| १०·२ × ४·९ | ९ | ३६ | दे. ना. | का. | १७३९ | अपू० | पद्मपुराणे । |
| ९·८ × ४·३ | १० | ३९ | ” | ” | १८६४ | ” | ब्रह्मपुराणे । |
| ९·७ × ९·४ | ११ | २९ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणे । |
| ११·७ × ५·४ | १९ | ३३ | ” | ” | | ” | |
| ९·३ × ४·३ | ११ | ३६ | ” | ” | १९३१ | पू० | वाराहपुराणे । |
| ९·८ × ४·१ | ९ | ३४ | ” | ” | १८४९ | ” | |
| १०·२ × ४·६ | ८ | ३४ | ” | ” | १७९६ | अपू० | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६०६८ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-५१ । |
| १६०६९ | वेदस्तुतिव्याख्या | द्विजकविचूडामणिः (वृन्दावननिकुञ्जस्थः) | १-२९, ३२-६० । |
| १६०७० | वेदस्तुतिव्याख्याविषमपदविवरणम् | | १-२, ४-५ । |
| १६०७१ | शिवप्रसादमाहात्म्यसङ्ग्रहः | वल्लभेन्द्रः | ४८-७२ । |
| १६०७२ | रुद्राक्षमाहात्म्यम् | ” | १-४७ । |
| १६०७३ | काशीवासिधनिप्रायश्चित्तविधिनिरूपणम् | | १-९ । |
| १६०७४ | अयोध्याखण्डम् | | १-४४ । |
| १६०७५ | अध्यात्मरामायणम् | | १-११ । |
| १६०७६ | व्यङ्कटेशमाहात्म्यम् | | १-३१ । |
| १६०७७ | वैशाखमाहात्म्यम् | | १-७२, ७१-९४ । |
| १६०७८ | पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम् | | १-३९ । |
| १६०७९ | रामायणमाहात्म्यम् | | १-१५ |
| १६०८० | अगस्तिप्रस्थानम् | | १-७ । |
| १६०८१ | दक्षिणामूर्तिमन्त्रप्रशंसा | | १० । ( गणनया ) |
| १६०८२ | भागवतम् | | १-१८ । |
| १६०८३ | ामायणम् | वाल्मीकिः | १-६ । |
| १६०८४ | नृ सहोपकर्षणम् | | १-७ । |
| १६०८५ | लघुवासिष्ठः | | १-१३ । |
| १६०८६ | गीतामाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १६०८७ | महाभारतटीका | अर्जुनमिश्रः | १-३२, १-२० । |
| १६०८८ | कल्पवृक्षकथा | | १-४ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·९ × ४·५ | ११ | ४० | ” | ” | | पू० | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| ९·६ × ४·२ | ११ | ३१ | ” | ” | १८८१ | अपू० | |
| ९·९ × ४·४ | १० | ४९ | ” | ” | | ” | श्रीधरस्वामिकृतव्याख्यायाष्टीका । |
| ९·९ × ४·२ | ९ | २६ | ” | ” | | ” | नाममाहात्म्यं तथा परिचर्या च । |
| ९·८ × ४·४ | १० | २१ | ” | ” | | पू० | स्कन्दपुराणे । |
| १३·२ × ५ | १२ | ३६ | ” | ” | | अपू० | ब्रह्मवैवर्ततृतीयविभागे । |
| १३ × ५ | ८ | ४० | ” | ” | | पू० | स्कान्दम् , १-१० अध्यायाः । |
| १० × ४·४ | ८ | २९ | ” | ” | | ” | अयोध्याकाण्डे १-२ सर्गौ । |
| ७·८ × ४·२ | ९ | २३ | ” | ” | | ” | आदित्यपुराणे १-५ अध्यायाः । |
| ९·१ × ३·९ | ९ | ३३ | ” | ” | | ” | स्कान्दम् । |
| ९ × ४·२ | ९ | ३५ | ” | ” | | ” | ” |
| ९·३ × ४·९ | १० | ३६ | ” | ” | | ” | स्कान्दोत्तरखण्डे । |
| ९·८ × ५·३ | ९ | ३३ | ” | ” | | ” | स्कान्दे काशीखण्डे ५ अध्यायः । |
| ९ × ४·७ | १० | २० | ” | ” | | अपू | मार्कण्डेयोक्ता । |
| ५·४ × ४ | ७ | १५ | ” | ” | | अपू० | १० स्कन्ध २९-३० अध्यायौ । |
| ८·१ × ३·४ | ९ | ३४ | ” | ” | १८१८ | पू० | बालकाण्डे १ सर्गः । |
| ७·८ × ४ | ८ | २६ | ” | ” | | ” | शरभाध्यायः । स्कान्दे कालिकाखण्डे ३० अध्यायः । |
| ७·८ × ३·७ | १० | २५ | ” | ” | | ” | |
| ६ × ४·६ | ९ | १५ | ” | ” | | ” | वाराहपुराणे । |
| १४ × ५·३ | १३ | ५६ | ” | ” | | ” | प्रकाशाख्या । सभाविराटपर्वणी । |
| ५·६ × ३·९ | १० | १६ | ” | ” | १७४७ | ” | |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६०८९ | शालग्रामशिलापरीक्षा | | १-४ । |
| १६०९० | सह्याद्रिखण्डम् | | ३-१२ । |
| १६०९१ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-६ । |
| १६०९२ | त्रिपुरदाहः | | ३-५, ७ । |
| १६०९३ | मार्गशीर्षमाहात्म्यम् | | २-१८ । |
| १६०९४ | " | | १-८२ । |
| १६०९५ | पुराणविषयसूची | | ६१-६७ । |
| १६०९६ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १-१३, १५-२८, ३०-४०, ४२-४३, ४६-५४, ५६-७२, ८०-१०४ । |
| १६०९७ | रासपञ्चाध्यायी सटीका | | १-२०, २८-२९ । |
| १६०९८ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १२१ । ( गणनया ) |
| १६०९९ | रामायणरहस्यम् | अग्निवेशमुनिः | १-२ । |
| १६१०० | यक्षयुधिष्ठिरसंवादः | | १-७ । |
| १६१०१ | रुक्मिणीसन्देशः | | १ । |
| १६१०२ | ब्रह्मवैवर्तपुराणम् | | ११८ । ( गणनया ) |
| १६१०३ | भागवतद्वात्रिंशत्प्रश्नोत्तरी | गोविन्दराम-व्यासगौडः | १-२८ । |
| १६१०४ | काशीमाहात्म्यम् | | २-२४ । |
| १६१०५ | वैशाखमाहात्म्यम् | | १, ३-९, २२, २४, २८-६०, ६३ । |
| १६१०६ | भागवतसूची | | ७३ । ( गणनया ) |
| १६१०७ | भागवतमाहात्म्यम् | | १-१२ । |
| १६१०८ | " | | १-१० । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४·९ × ३·४ | ९ | २२ | दे. ना. | का. | | पू० | वामनपुराणे । |
| १२·१ × ४·८ | ११ | ५३ | ” | ” | | अपू० | स्कान्दे । |
| १३·२ × ६·५ | १६ | ४२ | ” | ” | | पू० | भविष्योत्तरपुराणे । |
| १२·६ × ४·९ | १० | ४५ | ” | ” | | अपू० | मत्स्यपुराणे । |
| ११·७ × ४·६ | ९ | ३७ | ” | ” | | ” | स्कान्दे । |
| ११·१ × ४·५ | १० | ३० | ” | ” | | पू० | ” |
| १२·९ × ४·९ | ९ | ४१ | ” | ” | | अपू० | अत्र शिवपुराणभागवतपुराणयोः विषयसूची तथा भागवतस्य व्यासबोपदेवकृतत्वाकृतत्वविवेचनमथ च भागवतस्याष्टादशपुराणान्तर्गतत्वं नवेति विचारश्च । |
| ९·६ × ४·३ | १० | ३५ | ” | ” | | ” | स्कान्दे । |
| ९·८ × ४·३ | ९ | ४४ | ” | ” | | ” | भागवते । |
| ७·४ × ४·३ | ८ | २० | ” | ” | १८२७ | ” | भविष्योत्तरे । |
| ९·९ × ४·४ | १४ | ४६ | ” | ” | | पू० | |
| ७·४ × ४·७ | १३ | २९ | ” | ” | | ” | महाभारतवनपर्वणि । |
| ९·१ × ४·४ | १० | ३३ | ” | ” | १९६७ | ” | भागवतदशमस्कन्धे ५२ अध्यायः । |
| ११ × ३·६ | १० | ३९ | ” | ” | | अपू० | |
| ६·६ × ४·२ | ६ | १८ | ” | ” | | पू० | |
| ६·४ × ३·८ | ७ | १४ | ” | ” | | अपू० | काशीमुक्तिविवेकसर्वार्थसाधनखण्डे । |
| १०·८ × ५ | ९ | ३९ | ” | ” | १६४ (?) | ” | पद्मपुराणे । |
| ५·१ × ४·२ | १५ | २३ | ” | ” | | ” | भागवतद्वादशस्कन्धानां प्रकरणाध्यायादिक्रमेण विभागसूचीवर्णनम् । |
| ९·४ × ४·४ | ११ | ३२ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणे । |
| ९·४ × ४·४ | १० | ३० | ” | ” | | पू० | गौरीतन्त्रे । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६१०९ | भागवतमाहात्म्यम् | | १-१९ । |
| १६११० | मार्गशीर्षमाहात्म्यम् | | ३९-४८ । |
| १६१११ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-३७ । |
| १६११२ | ” | | ३-१४, १६-६०,६३-६८ । |
| १६११३ | ” | | १-२३, २५-४८ । |
| १६११४ | काशीमाहात्म्यम् | | १-८ । |
| १६११५ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १, ३-३१,३३-५५ । |
| १६११६ | ” | | १-९, ११, १३, १६-२७, २९-४६ । |
| १६११७ | मार्गशीर्षमाहात्म्यम् | | १-३६ । |
| १६११८ | तपतीजन्ममाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १६११९ | रासपञ्चाध्यायी | | १-४७ । |
| १६१२० | द्वारकामाहात्म्यम | | ५-१३ । |
| १६१२१ | लक्ष्म्युत्पत्तिः | | १-२ । |
| १६१२२ | प्रह्लादस्तुतिः | | १-६ । |
| १६१२३ | क्रियायोगसारः | | ११८ । ( गणनया ) |
| १६१२४ | ” | | १-१५, १७-१८, १४७-१४८, १७५-१७६ । |
| १६१२५ | मार्कण्डेयपुराणम | | १-१० । |
| १६१२६ | रासपञ्चाध्यायी | | १-१३ । |
| १६१२७ | राधाकुण्डमाहात्म्यम् | | १ । |
| १६१२८ | पञ्चक्रोशीमाहात्म्यम् | | १-२० । |
| १६१२९ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १२-१६ । |
| १६१३० | प्रदोषमाहात्म्यम् | | १-५, ७-१४ । |
| १६१३१ | काशीमाहात्म्यम् | | १-४ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·३ × ४·४ | ११ | ३२ | दे. ना. | का. | | पू० | पाद्मम् । |
| १०·१ × ४·७ | ९ | ३८ | ” | ” | | अपू० | स्कान्दम् । |
| १०·५ × ४·४ | १२ | ३६ | ” | ” | | ” | पाद्मम् । |
| १० × ३·९ | ७ | ३२ | ” | ” | १६६३ श. | ” | ” |
| १०·६ × ४·७ | ९ | २६ | ” | ” | | ” | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| १०·७ × ४·६ | ११ | ३६ | ” | ” | | ” | पाद्मम् । |
| १०·१ × ४·१ | ८ | ३५ | ” | ” | १६७१ | ” | ” |
| ९·३ × ५·३ | १२ | २७ | ” | ” | १७४४ श. | ” | ” |
| ११·० × ४·६ | ९ | ३७ | ” | ” | | ” | स्कान्दम् । |
| १०·३ × ५·४ | १४ | ३९ | ” | ” | १८६७ | पू० | ” |
| ६·५ × ४ | ५ | १२ | ” | ” | | अपू० | भागवते । |
| १०·५ × ४·९ | ९ | ३२ | ” | ” | | ” | |
| १०·७ × ५·७ | १३ | ३४ | ” | ” | १९१६ | पू० | विष्णुपुराणे । |
| ९·६ × ५ | ९ | ३१ | ” | ” | | ” | भागवते ७ स्कन्धे ९ अध्यायः । |
| १५ × ४ | १० | ६० | वङ्ग. | ” | १६२३ श. | अपू० | पाद्मम् । |
| १७.५ × ४·१ | ६ | ५५ | ” | ” | | ” | ” |
| १५·९ × ३·३ | ७ | ५९ | ” | ” | | ” | |
| ७१·९ × ४ | ५ | ६७ | ” | ” | १७७३ श. १२५८ वङ्ग. | पू० | |
| १६·९ × ३·७ | ८ | ५८ | ” | ” | | ” | |
| ९·९ × ४·३ | ८ | ३४ | दे. ना. | ” | | अपू० | ब्रह्मवैवर्त्ते । |
| ७·३ × ३·९ | ६ | २३ | ” | ” | | ” | |
| ११·२ × ४ | ७ | ३० | ” | ” | | ” | ब्रह्मोत्तरे । |
| १०·३ × ४·६ | ९ | ३० | ” | ” | | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६१३२ | भागवततात्पर्यम् | | १-८ । |
| १६१३३ | धर्मनारायणाख्यानम् | | १-५ । |
| १६१३४ | शिवपूजामाहात्म्यम् | | ६, १५-१६ । |
| १६१३५ | वस्तुदानफलकथनम् | | १-२ । |
| १६१३६ | ज्येष्ठशुक्लैकादशीमाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १६१३७ | जगन्नाथमाहात्म्यम् | | १-२२ । |
| १६१३८ | भागवतसारः | | १-१२ । |
| १६१३९ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-११, १४-१८, २१-२२, २४-३३, ३५-३६ । |
| १६१४० | गीतामाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १६१४१ | मत्स्यपुराणम् | | १-१८ । |
| १६१४२ | हाटकेश्वरक्षेत्रमाहात्म्यम् | | १-२ । |
| १६१४३ | शुकोत्पत्तिः | | १-२ । |
| १६१४४ | ” | | १-३ । |
| १६१४५ | शिवरहस्यम् | | १-७ । |
| १६१४६ | भागवतम् | | १-१८ । |
| १६१४७ | ” | | १-६ । |
| १६१४८ | नृसिंहपुराणम् | | ३-१७, २८-७७, ८१-१०९ । |
| १६१४९ | सनत्सुजातीयम् सभाष्यम् | भा. शङ्कराचार्यः | १-२७ । |
| १६१५० | योगवासिष्ठम् | | ३-२६ । |
| १६१५१ | संक्षेपभागवतम् | | १-२ । |
| १६१५२ | भागवतसारः | | १-७ । |
| १६१५३ | माघमाहात्म्यम् | | ४३-७४ । |
| १६१५४ | अधिकैकादशीमाहात्म्यम् | | ४-७ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८·९ × ४ | ८ | २२ | दे. ना. | का. | | पू० | वर्ण्यविषयोल्लेखमात्रम् । |
| ९·६ × ६·१ | ८ | १९ | ” | ” | | ” | भविष्योत्तरे । |
| १०·७ × ४ | ८ | ३२ | ” | ” | | अपू० | |
| ८·४ × ५·२ | १९ | २८ | ” | ” | | ” | |
| ९·३ × ४·१ | ९ | २६ | ” | ” | | ” | |
| ८·३ × ६ | १० | २६ | ” | ” | | ” | |
| १०·४ × ४·४ | ६ | २४ | ” | ” | | ” | |
| १३ × ४·८ | १३ | ४७ | ” | ” | | ” | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| ६·५ × ३·९ | ८ | १९ | ” | ” | | पू० | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| ९·६ × ४·५ | १२ | ३९ | ” | ” | | अपू० | १२ अध्यायात्मिका मत्स्यनीतिः । |
| ९·५ × ३·६ | १३ | ५३ | ” | ” | | पू० | स्कान्दम् । |
| ९·५ × ३·६ | १० | ५० | ” | ” | | ” | महाभारतशान्तिपर्वणि । |
| ९·६ × ३·९ | ११ | ४४ | ” | ” | | ” | देवीभागवतप्रथमस्कन्धे १४ अध्यायः । |
| १०·२ × ४ | १० | ३६ | ” | ” | १९१७ | ” | स्कान्दम् । |
| ६·४ × ५ | १२ | २० | ” | ” | | अपू० | २ स्कन्धः । |
| ८·१ × ४·२ | ७ | २० | ” | ” | १७४९ श. | पू० | ११ स्कन्धे २८ अध्यायः । |
| ११·८ × ५ | १० | ५१ | ” | ” | | अपू० | |
| ११·२ × ५·६ | ७ | ४९ | ” | ” | | पू० | महाभारतोद्योगपर्वणि । |
| ८·४ × ४·१ | ७ | १८ | ” | ” | | अपू० | |
| ६ × ४ | ८ | १७ | ” | ” | | पू० | भागवतद्वितीयस्कन्धे । |
| ९·७ × ४·२ | ११ | ३७ | ” | ” | | अपू० | नारदव्याससंवादरूपः । |
| ९·७ × ३·९ | ९ | ४० | ” | ” | | ” | |
| १३·३ × ५·३ | १० | ३२ | ” | ” | | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६१५५ | मृगलुब्धकसंवादः | | २-११ । |
| १६१५६ | पञ्चक्रोशीयात्रामाहात्म्यम् | | २-७, १०, १५-१८, २०-२१, २६ । |
| १६१५७ | वेदस्तुतिः | | १-६ । |
| १६१५८ | भागवतसारः | | १-२४ । |
| १६१५९ | सनत्सुजातीयभाष्यम् | | १-३२ । |
| १६१६० | अन्तर्गृहीलिङ्गनामानि | | १-२ । |
| १६१६१ | गीतामाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १६१६२ | इन्द्राग्नीलोकवर्णनम् | | १-२ । |
| १६१६३ | सावित्रीजपयज्ञः | | २-६ । |
| १६१६४ | बहुलाव्याघ्रसंवादः | | ६-१२ । |
| १६१६५ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १ । |
| १६१६६ | मलमासव्रतमाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १६१६७ | रुक्मिणीसन्देशः | | १-२ । |
| १६१६८ | कार्त्तिकशुक्लप्रबोधिन्येकादशीव्रतमाहात्म्यम् | | १-३७ । |
| १६१६९ | गीतामाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १६१७० | ” | | १-४ । |
| १६१७१ | गङ्गास्नानमाहात्म्यम् | | १-६ । |
| १६१७२ | सावित्रीविवरणम् सटीकम् | टी. का. माधवाचार्यः, उपनिषन्मार्गप्रवर्त्तकः | ५-८ । |
| १६१७३ | हरिभक्तिमाहात्म्यम् | | २-४ । |
| १६१७४ | भस्मरुद्राक्षमाहात्म्यम् | | ३-८ । |
| | इन्दिरैकादशीमाहात्म्यम् | | १-७, ३२-३८ । |
| १६१७६ | भागवतम् | | १-५३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८·८ × ३·६ | ११ | ३४ | दे. ना. | का. | | अपू० | स्कान्दे रुक्मिणीविवरणे १-७ सर्गाः। |
| १० × ५·१ | ८ | २७ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्त्ते। |
| ८·२ × ४·२ | ९ | २५ | ” | ” | | पू० | |
| ९·९ × ४·२ | ७ | २७ | ” | ” | | अपू० | |
| ९·४ × ४·१ | १० | ३९ | ” | ” | | पू० | महाभारतोद्योगपर्वणि १-४ अध्यायाः। |
| ६·२ × ३·६ | ८ | १७ | ” | ” | | ” | स्कान्दे काशीखण्डे। |
| ४·७ × ३·६ | ८ | १४ | ” | ” | | ” | वाराहपुराणे। |
| १०·३ × ४·४ | १० | ३० | ” | ” | | ” | काशीखण्डे १० अध्यायः। |
| ५·५ × ३·१ | ९ | २१ | ” | ” | | अपू० | स्कान्दसूतसंहितायां यज्ञवैभवखण्डे ६ अध्यायः। |
| ७·३ × ३·२ | ८ | २५ | ” | ” | | ” | |
| १२.१ × ४·२ | ३३ | १९ | ” | ” | | पू० | किष्किन्धाकाण्डस्य ४४ सर्गः। |
| ८·८ × ३·७ | १३ | ४० | ” | ” | | ” | भविष्योत्तरे। |
| ६·५ × ३·४ | ८ | १७ | ” | ” | | ” | भागवते १० स्कन्धे ५२ अध्यायः। |
| ९·५ × ४·५ | १३ | ४० | ” | ” | १६७२ श. | ” | स्कान्दम्। |
| १३ × ३·७ | ९ | ५४ | वङ्ग. | ” | | ” | ” |
| १२·४ × ३·३ | ६ | ४४ | ” | ” | | ” | ” |
| ९·१ × ४·२ | ९ | २९ | दे. ना. | ” | १६६७ | ” | गङ्गाजलमाहात्म्यमपि। |
| १०·८ × ४·६ | ११ | ४५ | ” | ” | | अपू० | सूतसंहितायां यज्ञवैभवखण्डे। |
| १९·७ × ३ | १० | ११२ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| १०·१ × ४·४ | १३ | ३९ | दे. ना. | ” | | ” | |
| १०·२ × ४·३ | १० | ४० | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्त्ते। |
| ६·५ × ३·५ | ८ | २८ | ” | ” | | पू० | २ स्कन्धे १-१० अध्यायाः। |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६१७७ | विष्णुपुराणानुक्रमणिका | | १-८ । |
| १६१७८ | जयैकादशीमाहात्म्यम् | | २-८ । |
| १६१७९ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-६ । |
| १६१८० | एकादश्युत्पत्तिकथा | | १-३ । |
| १६१८१ | भागवतटीका | वल्लभाचार्यः | २-३१७, ३१७-४८१ । |
| १६१८२ | भागवतम् | | १-१० । |
| १६१८३ | अयोध्याखण्डम् | | १-७७ । |
| १६१८४ | युद्धकाण्डम् | | १-८८ । |
| १६१८५ | उपदेशकाण्डम् | | २०६ । (गणनया) |
| १६१८६ | भागवतम् | | १-६०, ६०-१३८ । |
| १६१८७ | नाममाहात्म्यम् | रघुनाथेन्द्रयतिः | १-४७ । |
| १६१८८ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-१५, १८ । |
| १६१८९ | पाण्डुरङ्गमाहात्म्यम् | व्यासः | १-४६ । |
| १६१९० | शतश्लोकीरामायणम् | अग्निवेशमुनिः | १-२१ । |
| १६१९१ | चतुःश्लोकीभागवतम् | | १-८ । |
| १६१९२ | सरस्वतीपुराणम् | | ३-६५ । |
| १६१९३ | शिवपुराणम् | | १-६२ । |
| १६१९४ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-५, ५-४१ । |
| १६१९५ | ” | | १-५१ । |
| १६१९६ | माघमाहात्म्यम् | | ६-२१, २३-५९ । |
| १६१९७ | भागवतप्रतिस्कन्धदशश्लोकी | लक्ष्मीवल्लभभिक्षुः | १-१६ । |
| १६१९८ | महाभारतम् | | १-७ (=८) ९-३१ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·७ × ६·८ | २३ | १५ | दे. ना. | का. | १९०४ | पू० | |
| ९·६ × ४·२ | ७ | ३३ | ” | ” | | अपू० | भविष्योत्तरे । |
| ९·३ × ४·१ | ९ | २७ | ” | ” | | ” | |
| ११.२ × ४·४ | ११ | ४० | ” | ” | १८७८ | पू० | मात्स्ये । |
| १२·९ × ४·८ | ८ | ४१ | ” | ” | | अपू० | सुबोधिनी २-३ स्कन्धौ । |
| १३·९ × ४·३ | ११ | ७१ | वङ्ग. | ” | | पू० | रासलीला । १० स्कन्धे २९-३० अध्यायौ वङ्गभाषापद्यसमेतौ । |
| १०·८ × ४·७ | ९ | ४१ | दे. ना. | ” | | ” | स्कान्दम् । |
| ८·८ × ४·१ | ९ | ३४ | ” | ” | | अपू० | स्कान्दे शिवरहस्यखण्डे २-२८ अध्यायाः। |
| १०·११ × ४·६ | ९ | ३९ | ” | ” | | ” | स्कान्दे शिवरहस्यखण्डे १-७६अध्यायाः। |
| १३·३ × ५ | १० | ४८ | ” | ” | | पू० | १० स्कन्धः । |
| ९·२ × ५ | ११ | ३० | ” | ” | १८७६ | ” | |
| ११·२ × ५·३ | १० | ३७ | ” | ” | | अपू० | |
| १०·२ × ६.४ | ११ | २९ | ” | ” | १८८८ | पू० | स्कान्दोत्तरसंहितायाम् । |
| ५·८ × ४ | १० | १९ | ” | ” | | ” | |
| ८·५ × ४·४ | ११ | २९ | ” | ” | १७०० श. | ” | मराठीभाषाटीकासहितम् । |
| ९·४ × ५·४ | १४ | ३७ | ” | ” | | अपू० | मार्कण्डेयोक्तम् । |
| १४·६ × ६·३ | १५ | ५१ | ” | ” | | ” | १-४० अध्यायाः । |
| १३·२ × ५·३ | १० | ५३ | ” | ” | | पू० | |
| ९·२ × ५ | ९ | २५ | ” | ” | १७४५ | ” | पाद्मम् । |
| १०·२ × ४·६ | ११ | ३८ | ” | ” | १७२५ | अपू० | ” |
| १०·२ × ४·४ | ९ | २६ | ” | ” | | पू० | |
| १३ × ४·७ | १२ | ५१ | ” | ” | १६१० | पू० | आश्रमवासिपर्व । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६१९९ | अध्यात्मरामायणम् | टी.का.रामवर्मा | १-३९ । |
| १६२०० | भागवतम् | | १-१० । |
| १६२०१ | | | १-२ । |
| १६२०२ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-८ । |
| १६२०३ | भागवतम् | | ७-५६ । |
| १६२०४ | वराहपुराणम् | | १-२, ८-१४५, १४५-३२० । |
| १६२०५ | हरिवंशः | | ४३३-४९१ । |
| १६२०६ | विष्णुपुराणम् | | १-२०७ । |
| १६२०७ | भागवतम् | | २८३ । ( गणनया ) |
| १६२०८ | ब्रह्मस्तुतिः | | १-६ । |
| १६२०९ | काशीखण्डोपाख्यानम् | | २-२१,२३-२९ । |
| १६२१० | भागवतम् | | १-७ । |
| १६२११ | " | | १-६ । |
| १६२१२ | " | | १-७ । |
| १६२१३ | गोपीगीतम् | | १-५ । |
| १६२१४ | पद्मपुराणम् | | २-१२, १४-३१, ३१-४० । |
| १६२१५ | काशीमाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १६२१६ | अद्भुतरामायणम् | वाल्मीकिः | १-१९ । |
| १६२१७ | रामायणम् सटीकम् | टी. का. श्रीरामः | १-२३ । |
| १६२१८ | अध्यात्मरामायणम् | टी. का. श्रीरामवर्मनृपः, हिम्मतिवर्मपुत्रः, भट्टनागेशशिष्यः | १-४४, १-११, १३-४२, १-२६, १-४०, १-२५, १-७४ । |
| १६२१९ | " | " | २० । (गणमया) |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११·५ × ४·७ | १२ | ३८ | दे. ना. | का. | | अपू० | सेतुटीकोपेतम् । |
| ६·७ × ४·२ | ५ | ११ | ” | ” | | पू० | रासक्रीडाध्यायः |
| ८ × ४·६ | ८ | २३ | ” | ” | | ” | १२ स्कन्धे ५ अध्यायः । |
| ८·४ × ५·५ | १० | २३ | ” | ” | | ” | बालकाण्डे १ सर्गः । |
| ९·५ × ४·३ | ८ | ३१ | ” | ” | | अपू० | ११ स्कन्धः । |
| १२ × ५·५ | १२ | ३९ | ” | ” | | ” | |
| १३·८ × ५·६ | ९ | ३२ | ” | ” | | ” | |
| २१·१० × २·२ | ५ | १०२ | वङ्ग. | ता.प. | ल.सं.३२५ | पू० | |
| १४·५ × २·१ | ५ | ६१ | ” | ” | | अपू० | १० स्कन्धः । |
| ११·५ × ३·२ | ७ | ४० | ” | का. | | पू० | भागवते १० स्कन्धे १४ अध्यायः । |
| १३ × ४·७ | ११ | ४३ | ” | ” | | अपू० | गद्यात्मकम् । |
| १४·५ × ३·३ | ५ | ४९ | ” | ” | | पू० | १२ स्कन्धे १२-१३ अध्यायौ । |
| १२·८ × ३·९ | ९ | ४१ | ” | ” | | ” | |
| १२·७ × ४·८ | ८ | ३४ | ” | ” | | ” | |
| १२·६ × ३·९ | ७ | ३९ | ” | ” | | ” | भागवत १० स्कन्धे ३१ अध्यायः । गीतामाहात्म्यञ्च । |
| ११·७ × ४·२ | ९ | ३७ | ” | ” | | अपू० | पातालखण्डे काशीमाहात्म्यवर्णनम् । |
| ९·१ × ३·१ | १० | ३४ | ” | ” | | ” | |
| १२·७ × ६·१ | २२ | ५७ | दे. ना. | ” | १८२३ | पू० | उत्तरकाण्डम् । |
| १२·७ × ६·७ | १३ | ५० | ” | ” | | ” | बालकाण्डस्य १-२ सर्गौ । |
| १२·५ × ६·७ | ११ | ५० | ” | ” | | ”* | सेतुटीकोपेतम् । |
| १२·७ × ६·४ | १० | ४४ | ” | ” | | अपू० | सेतुटीकोपेतम् । बालकाण्डम् । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६२२० | भागवतम् | | ७-९१, १-२९ । |
| १६२२१ | " | | १-८ । |
| १६२२२ | " | | १-४० । |
| १६२२३ | " सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | १-२१३ । |
| १६२२४ | गोपिकागीतम् | | १-४ । |
| १६२२५ | प्राचीनराजेतिहासः | | १-१५ । |
| १६२२६ | रामाश्वमेधः | | १-२४० । |
| १६२२७ | अध्यात्मरामायणम् | | १-१७ । |
| १६२२८ | " सटीकम् | टी. का. श्रीरामः | १-८ । |
| १६२२९ | रामायणसारः | अप्पयदीक्षितः | १-१६ । |
| १६२३० | मन्त्ररामायणम् | | १-१९ । |
| १६२३१ | पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम् | | १-३९ । |
| १६२३२ | गर्गसंहिता | गर्गाचार्यः | १७-२१ । |
| १६२३३ | विष्णुपुराणम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरस्वामी | १-८६, १-५५, १-५८, १-६५, १-७९, १-३६ । |
| १६२३४ | भागवतम् " | " | १-११४, १-७१, ७१-८२, १-५३ । |
| १६२३५ | गोपीगीततात्पर्यार्थ-निरूपणम् | | १-६ । |
| १६२३६ | काशीखण्डम् सटीकम् | टी. का. रामानन्दः | १-३३, (=३४) ३५-१०६, १०६-१३० । |
| १६२३७ | " " | " | ७४, ७६-१२१ । |
| १६२३८ | कामदैकादशीव्रत-माहात्म्यम् | | १-४ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २·४ × ९·८ | ८ | ३२ | दे. ना. | का. | | अपू० | १० स्कन्धेः । |
| ९·३ × ४·३ | ७ | ३९ | ” | ” | | पू० | १२ स्कन्धे १२-१३ अध्यायौ । |
| १३·३ × ९·४ | ९ | ४३ | ” | ” | | ” | प्रथमस्कन्धः । |
| १३ × ९·३ | ११ | ४४ | ” | ” | | ” | भावार्थदीपिकायुतम्, ११ स्कन्धः । |
| ६·३ × ३·६ | ९ | १७ | ” | ” | | ” | भागवते १० स्कन्धे ३१ अध्यायः । |
| १३ × ८·५ | २८ | २६ | ” | ” | | ” | पाण्डवोत्तरकालिकोदन्तो विष्णु-पुराणादिसाहाय्येन सङ्कलितः । |
| ९·३ × ३·९ | ९ | ३६ | ” | ” | | अपू० | पद्मपुराणे पातालखण्डे । |
| ९·७ × ३·९ | ६ | १९ | ” | ” | | पू० | सङ्क्षिप्तम्, बालकाण्डादुत्तर-काण्डान्तम् । |
| १२ × ९·१ | ९ | ३६ | ” | ” | | अपू० | अयोध्याकाण्डम् । |
| ९·६ × ४·७ | १९ | ४३ | ” | ” | | पू० | |
| ९·७ × ४·२ | ८ | २४ | ” | ” | | अपू० | सटीकम् । |
| १२·७ × ९·९ | १२ | ४६ | ” | ” | १८६३ १७२८ श. | पू० | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| १२·९ × ६·३ | १३ | ३२ | ” | ” | | अपू० | गोलोकखण्डम् । |
| १२·९ × ६·६ | ११ | ४८ | ” | ” | | पू० | षडंशात्मकम् । |
| १२·६ × ६·३ | १६ | ३४ | ” | ” | | ” | ४, ९, ८, स्कन्धाः । |
| ८·३ × ४·९ | १३ | ३८ | ” | ” | | ” | भागवते १० स्कन्धे ३१ अध्यायस्य ९ श्लोकमारभ्य ३५ अध्यायान्तम् । |
| १२·८ × ६·३ | १८ | ४९ | ” | ” | | अपू० | स्कान्दम्, पूर्वार्द्धम् । |
| १२·९ × ६·९ | १० | ९४ | ” | ” | | ” | ” उत्तरार्द्धम् । |
| १० × ४·२ | ७ | २४ | ” | ” | | पू० | वाराहपुराणे । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६२३९ | सूतसंहिता | | १-९ । |
| १६२४० | मल्लारिमाहात्म्यम् | | ६१-७६, ७६, ७६-८७ । |
| १६२४१ | ब्रह्मवैवर्त्तम् | | ४४-४९ । |
| १६२४२ | माघमाहात्म्यम् | | १-८ । |
| १६२४३ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-१४ । |
| १६२४४ | भागवतम् सटीकम् | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-४ । |
| १६२४५ | सूतसंहिता | | १-५ । |
| १६२४६ | आषाढकृष्णैकादशी-माहात्म्यम् | | १, ३ । |
| १६२४७ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-१२ । |
| १६२४८ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | ६-१८, २५-४० । |
| १६२४९ | रुद्राध्यायमहिमानुवर्णनम् | | १-६ । |
| १६२५० | हनुमज्जन्मकथा | | १-२ । |
| १६२५१ | तुलसीमाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १६२५२ | वसुधाजन्मकथनम् | | १-५ । |
| १६२५३ | यज्ञोपवीतमाहात्म्यम् | | १ । |
| १६२५४ | भागवतम् | | १-२२ । |
| १६२५५ | विष्णुपुराणम् | | ३८-४५, ४६-२०० । |
| १६२५६ | मल्लारिमाहात्म्यम् | | ३१-३५, १४२-१४३ । |
| १६२५७ | हनुमज्जन्मरहस्यकथनम् | | १-६ । |
| १६२५८ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-९ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·४ × ९ | ११ | ४३ | दे. ना. | का. | | पू० | व्याख्यासहिता, स्कन्दपुराणीया, नमः शिवायेतिमन्त्रमाहात्म्यमाराधनप्रकारश्च । |
| १० × ५·२ | ९ | २४ | ” | ” | | अपू० | ब्रह्माण्डपुराणे ५ स्कन्धे । |
| ९·३ × ४ | ११ | ३८ | ” | ” | | ” | |
| १०·१ × ५·१ | ९ | २३ | ” | ” | | ” | |
| ९·९ × ३·८ | ९ | ३९ | ” | ” | | ” | |
| ९·८ × ४·२ | १० | ३४ | ” | ” | | पू० | ३ स्कन्धे २८ अध्यायः । कपिलदेवहूतिसंवादरूपम् । |
| ९·४ × ४·३ | १४ | ४२ | ” | ” | | ” | सटीका, स्कन्दपुराणे यज्ञवैभवखण्डे ३० अध्यायः, भस्मधारणविधानात्मकः । |
| ८·९ × ४·१ | १० | २५ | ” | ” | | अपू० | ब्रह्मवैवर्त्तपुराणे । |
| १०·६ × ४·४ | ८ | ३४ | ” | ” | | ” | मात्स्यम् । |
| ८·४ × ३·८ | १० | ३६ | ” | ” | | ” | पाद्मम्, २-१२ अध्यायाः । |
| ६·७ × ३·४ | ९ | २१ | ” | ” | | पू० | स्कान्दे ब्रह्मोत्तरखण्डे २१ अध्यायः । |
| ८·१ × ४·४ | १५ | ३८ | ” | ” | | अपू० | |
| ६·४ × ४·६ | ११ | १८ | ” | ” | | ” | |
| ७ × ४·२ | ७ | २० | ” | ” | | ” | |
| ४·२ × ३ | १३ | २५ | ” | ” | १८५७ | पू० | |
| ६·९ × ४·७ | ९ | १९ | ” | ” | | अपू० | १०स्कन्धोत्तरार्द्धस्य ५२-५५ अध्यायाः । |
| १२·८ × ५·४ | ११ | ४३ | ” | ” | | ” | |
| ४·१ × २·१ | ५ | १६ | ” | ” | | ” | |
| ८·३ × ४·२ | ७ | २६ | ” | ” | १९००श.(?) १८३५ सं. | पू० | भृगुगीतबृहद्रामायणे उत्तरकाण्डे । |
| ९·२ × ४·१ | १० | २८ | ” | ” | | अपू० | |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६२५९ | दुर्जनचपेटिका | काशीनाथभट्टः | १-२ । |
| १६२६० | सूतसंहिता | | १ । |
| १६२६१ | योगवासिष्ठम् | | १-२, २७-५० । |
| १६२६२ | शिवमहिमासङ्ग्रहः | | १-८ । |
| १६२६३ | भागवतम् सटीकम् | | १-२७, ३१-१५९ । |
| १६२६४ | ” ” | टी. का. श्रीधरः | १-१०६, १०८-११६ । |
| १६२६५ | ” ” | ” ” | १-५९ । |
| १६२६६ | ” ” | ” ” | १-१०३, १-५९, १-१६२, १-२८, ६३-१५०, १, ३-११६, १-८७, १-८६, १-८७, १-७४, १-२१३, १-१८१, १-१८४, १५९ । |
| १६२६७ | हृदयस्थगुह्यनिरूपणम् | | १-१० । |
| १६२६८ | शिवरहस्यम् | | १-५ । |
| १६२६९ | यमुनासरस्वतीसङ्गमप्रभाव-माहात्म्यम् | | १-८ । |
| १६२७० | माघमाहात्म्यम् | | १-७५ । |
| १६२७१ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-८ । |
| १६२७२ | ” | | १-१९ । |
| १६२७३ | काशीखण्डम् | | १-१० । |
| १६२७४ | काशीसारोद्धारः | | ३-६, ८-१४, १७-१८, २०, २२, २४, २६-२७। |
| १६२७५ | पञ्चक्रोशीमाहात्म्यम् | | १-१३ । |
| १६२७६ | गयामाहात्म्यम् | | १-३१ । |
| १६२७७ | माघमाहात्म्यम् | | १-२, ५-१५, २१, २६, २८-५० । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·५ × ४·१ | १६ | ४२ | दे. ना. | का. | १८४९ | पू० | |
| ९·२ × ४·१ | ११ | ३८ | ” | ” | | अपू० | सप्तमोऽध्यायः । |
| ८·४ × ४·२ | ६ | २३ | ” | ” | | ” | सटीकम् । |
| १२·८ × ५·७ | ९ | ३८ | ” | ” | | ” | स्कन्दशिवपुराणाभ्याम् । |
| १२·७ × ६·२ | १४ | ४१ | ” | ” | | ” | १० स्कन्धे पूर्वार्द्धम् । |
| १६·८ × ६·४ | ९ | ६५ | ” | ” | | ” | ५ स्कन्धः । |
| १६·८ × ६·५ | १० | ५८ | ” | ” | १९१४ | पू० | १२ स्कन्धः । |
| १३ × ६·६ | १३ | ४४ | ” | ” | १८८४-१८९७, १९०३, १८८३, १८८२-१८८३. | अपू० | |
| ६·६ × ३·८ | ९ | १७ | ” | ” | | पू० | पाद्मम् । |
| ७·८ × ४·७ | ५ | ४१ | ” | ” | | ” | सप्तमांशे पञ्चविंशाध्याये चिदम्बर-माहात्म्ये शिवार्चनम् । |
| १२·७ × ४·४ | ६ | ३५ | ” | ” | | ” | वाराहपुराणे । |
| १२·६ × ४·५ | ८ | ३७ | ” | ” | | अपू० | पाद्मम् । |
| ८·६ × ३·६ | १४ | ४१ | ” | ” | | पू० | मात्स्यम् । |
| ९·८ × ३·८ | ९ | ३५ | ” | ” | १७६० ? | ” | ” |
| १०·२ × ४·३ | ९ | ३६ | ” | ” | | अपू० | स्कान्दम् । |
| १०·१ × ४·२ | ११ | ३२ | ” | ” | | ” | |
| ९·५ × ४·९ | १२ | ३४ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्त्ते । |
| ९·७ × ४·२ | ९ | ३० | ” | ” | | पू० | वायुपुराणे । |
| १०·२ × ४·६ | १२ | ३५ | ” | ” | | अपू० | पाद्मे उत्तरखण्डे । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६२७८ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १७-२१, २३-२६, २८-५१ । |
| १६२७९ | शिवरात्रिमाहात्म्यम् | | ४-२१ । |
| १६२८० | गयामाहात्म्यम् | | १-३३ । |
| १६२८१ | वैशाखमाहात्म्यम् | | ६९-९२ । |
| १६२८२ | रुद्राक्षमाहात्म्यम् | | १-८ । |
| १६२८३ | माघमाहात्म्यम् | | ३-६१ । |
| १६२८४ | ” | | १-१७ । |
| १६२८५ | गयामाहात्म्यम् | | १-१० । |
| १६२८६ | चतुःश्लोकीभागवतम् | | १-२ । |
| १६२८७ | ” | | १-२ । |
| १६२८८ | सप्तश्लोकीरामायणम् | | १-४ । |
| १६२८९ | ज्येष्ठकृष्णैकादशी-माहात्म्यम् | | १-२ । |
| १६२९० | काशीमाहात्म्यम् | | १-५६ । |
| १६२९१ | अध्यात्मरामायणम् | | १-१८, २०-२६५, ३०४-४९१ । |
| १६२९२ | योगवाशिष्ठम् | वाल्मीकिः | ७८ । (गणनया) |
| १६२९३ | बदर्याश्रममाहात्म्यम् | | १-१३ । |
| १६२९४ | अध्यात्मरामायणम् | | १-२०(=२१) २२-१६७ । |
| १६२९५ | कार्त्तिकमाहात्म्यम | | १-२९ । |
| १६२९६ | गोपीगीतम् | | १-३ । |
| १६२९७ | चतुःश्लोकीभागवतम् | | १-२ । |
| १६२९८ | सप्तश्लोकीभागवतम् | | १-२ । |
| १६२९९ | सप्तश्लोकीरामायणम् | वाल्मीकिः | १-२ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११·२ × ४·९ | ११ | ३९ | दे. ना. | का. | | अपू० | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| ८·९ × ४·२ | १० | ३४ | ” | ” | | ” | वीरमाहेश्वराचारसङ्ग्रहे । |
| १०·६ × ४·१ | १० | ३७ | ” | ” | | ” | वायुपुराणे । |
| १० × ४·४ | ९ | ३० | ” | ” | १६७८ | ” | पाद्मम् । |
| १०·१ × ४·३ | ८ | २९ | ” | ” | | पू० | पद्मपुराणे १५ अध्यायः । |
| १०·३ × ३·८ | ७ | २९ | ” | ” | | अपू० | पाद्मम् । |
| ९·६ × ४·२ | ९ | २९ | ” | ” | | ” | गारुडम् । |
| ९·३ × ४·२ | ८ | २५ | ” | ” | | ” | |
| ६·६ × ३·२ | ६ | २१ | ” | ” | | पू० | |
| ५·९ × ३·९ | ६ | १२ | ” | ” | | ” | |
| ४·१ × ३·३ | ६ | ११ | ” | ” | | ” | |
| ९·५ × ४.१ | १० | ३१ | ” | ” | | . | |
| ९·२ × ४·९ | १२ | ३८ | ” | ” | | ” | |
| ९·४ × ५·२ | ७ | २४ | ” | ” | | अपू० | |
| १४·१ × ५·४ | १० | ५४ | ” | ” | १७५७ | पू० | स्थितिप्रकरणम् । |
| १२ × ५·८ | १३ | ५४ | ” | ” | | ” | सनत्कुमारसंहितायाम् । |
| १३·७ × ५·५ | १२ | ३५ | ” | ” | १८१९ | ” | ब्रह्माण्डपुराणान्तर्गतम्, बाल-काण्डादुत्तरकाण्डान्तम् । |
| ११·४ × ४·६ | ११ | ४६ | ” | ” | | ” | पाद्मम् । |
| ९·४ × ४·२ | ७ | २३ | ” | ” | | ” | भागवत १० स्कन्धे ३१ अध्यायः । |
| ४·६ × २·९ | ५ | १२ | ” | ” | १८८० | ” | ” २ स्कन्धे, ९ अध्यायः । |
| ४ × २·१ | ५ | १६ | ” | ” | | ” | भागवत २ स्कन्धे ९ अध्यायः । ३०-३६ श्लोकाः । |
| ६·७ × ४·३ | ५ | १३ | ” | ” | | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६३०० | रामायणम् | ” | १-५१ । |
| १६३०१ | एकादश्युत्पत्तिमाहात्म्यम् | | १२-१४ । |
| १६३०२ | पञ्चक्रोशमाहात्म्यम् | | १-१८ । |
| १६३०३ | गीतामाहात्म्यम | | १-४ । |
| १६३०४ | पञ्चक्रोशयात्राविवरणम् | | १-२ । |
| १६३०५ | ” | | ७-१३, ४० । |
| १६३०६ | काशीखण्डम् सटीकम् | टी. का. जयराम-रामानन्दौ | २४-८० । |
| १६३०७ | वेदस्तुतिटीका | श्रीधरः | १-२७ । |
| १६३०८ | भागवतम् | | २-६, ८-९२, ९४-१८७ । |
| १६३०९ | चित्रकूटमाहात्म्यम् | | १-३८ । |
| १६३१० | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-२२, २५-३८, ४१-४२, ४४-४६, ४८ । |
| १६३११ | अध्यात्मरामायणम् | | १-३८, १-५६, १-३६, १-३९, १-२५, १-११० । |
| १६३१२ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-८१ । |
| १६३१३ | भागवतमाहात्म्यम् | | १-३३ । |
| १६३१४ | अध्यात्मरामायणम् | | १-२३, १-४२, १-३६, १-४ । |
| १६३१५ | विष्णुपुराणटिप्पणम् | | २-११, १३-१४, १६-७०, ७२ । |
| १६३१६ | काशीमाहात्म्यसङ्ग्रहः | | १-१२, १७-२६ । |
| १६३१७ | भागवतम् सटीकम् | | १, १-३ । |
| १६३१८ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-१४९ । |
| १६३१९ | कालिकामहापुराणम् | | ७४ । ( गणनया ) |
| १६३२० | माघमाहात्म्यम् | | १-७३ । |
| १६३२१ | शालग्रामशिलापरीक्षा | | १ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६ × ३ | ३ | १४ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ९·२ × ४·२ | ८ | २८ | ” | ” | १६९३ | अपू० | |
| १·६ × ५·६ | १० | ३६ | ” | ” | | ” | |
| १०·७ × ५·५ | १३ | ३७ | ” | ” | १०९९ | पू० | वाराहे। |
| १० × ४·६ | १६ | ३७ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्त्ते १० अध्यायः। |
| ११·६ × ५·६ | १० | ३४ | ” | ” | | अपू० | ” ९ ” |
| १३·३ × ६·४ | १३ | ४३ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणीयम् ६-१२ अध्यायाः। |
| ८·६ × ३·९ | ११ | ३७ | ” | ” | | पू० | |
| ९·३ × ४·४ | ७ | १९ | ” | ” | १·१९ | अपू० | ११ स्कन्धः। |
| १२·८ × ४·८ | ८ | ५१ | ” | ” | १९०९ | पू० | |
| ११·७ × ४·२ | ९ | ४५ | ” | ” | | अपू० | पाद्मम्। |
| ९·९ × ५ | ८ | ५३ | ” | ” | | पू० | बालकाण्डतो युद्धकाण्डान्तम्। |
| ११·७ × ५·८ | ११ | ३५ | ” | ” | | ” | |
| १०·५ × ४·७ | ८ | ३५ | ” | ” | १८६६ | ” | पाद्मम्। |
| १०·६ × ५·४ | १२ | ३१ | ” | ” | | ” | बालायोध्यारण्यकाण्डानि, उत्तर-खण्डस्य ६१ अध्यायश्च। |
| १०·६ × ३·७ | ९ | ४३ | ” | ” | | अपू० | |
| ११ × ७ | २१ | १६ | ” | ” | | ” | |
| १३·३ × ५·७ | १४ | ५० | ” | ” | | ” | मन्त्रभागवतं वा, भागवतीयाद्य-श्लोकत्रयस्य व्याख्या। |
| १४·८ × ६·६ | १३ | ५२ | ” | ” | १८६८ | पू० | ११ स्कन्धः। |
| ११·५ × ५·६ | ११ | ३१ | ” | ” | १६६५ | अपू० | |
| १०·६ × ४·५ | ९ | ४९ | ” | ” | | पू० | |
| ८·६ × ४·१ | ११ | २९ | ” | ” | | ” | पुराणवचनसङ्ग्रहः। |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६३२२ | रामायणम् | अग्निवेशमुनिः | १-९ । |
| १६३२३ | रामायणटीका | | १-८ । |
| १६३२४ | काशीखण्डम् | | १-३ । |
| १६३२५ | भीष्मपञ्चकमाहात्म्यम् | | १-८ । |
| १६३२६ | श्रद्धामाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १६३२७ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १६-२४ । |
| १६३२८ | पञ्चक्रोशीमाहात्म्यम् | | १२-१८ । |
| १६३२९ | गरुडपुराणम् | | १-७९ । |
| १६३३० | मार्गशीर्षमाहात्म्यम् | | १-४७ । |
| १६३३१ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-६ । |
| १६३३२ | जगन्नाथमाहात्म्यम् | | १-४२ । |
| १६३३३ | गङ्गामाहात्म्यम् | | १-७ । |
| १६३३४ | पातालखण्डम् | | १-८, ११-१२, १४-१५ । |
| १६३३५ | ” | | १-३३ । |
| १६३३६ | काशीमाहात्म्यम् | | २-१८ । |
| १६३३७ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १, ३-३३ । |
| १६३३८ | रामायणम् | वाल्मीकिः | ७-२१५, १-१८, १८-८०, १-१२, १२-८४, १-१४, १४-१५, १५, १५-३९, ३९-१३२, १-३२, ३२-६८, ६८-७०, ७०-७५, ७५-१०१, १०१, १०१-१४६, १-११२ । |
| १६३३९ | पञ्चक्रोशमाहात्म्यम् | | १०-२० । |
| १६३४० | माघमाहात्म्यम् | | २७-५४, ४-८, १०-२४ । |
| १६३४१ | ” | | २१-३९, ३९-४९ । |
| १६३४२ | ” | | १-११ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·६ × ४·६ | ९ | ४२ | दे· ना· | का· | | अपू० | |
| ९·९ × ४·३ | १० | ४५ | ” | ” | | ” | रामाभिरामनाम्नी । |
| ९·४ × ४·१ | ९ | ३७ | ” | ” | | पू० | इन्द्रलोकवर्णनं नाम १० अध्यायः, स्कान्दम् । |
| ९·३ × ४·२ | ९ | २९ | ” | ” | | अपू० | कार्त्तिकमाहात्म्ये । |
| ९·८ × ४·३ | ९ | ३ | ” | ” | | पू० | स्कान्दब्रह्मोत्तरखण्डस्थसप्त-दशोऽध्यायः । |
| ९·६ × ४·१ | ८ | २४ | ” | ” | १८४५ | अपू० | मात्स्यम् । |
| ९·२ × ३·९ | १० | ३५ | ” | ” | | ” | |
| ९·६ × ४·३ | ९ | ४० | ” | ” | १८५५ | पू० | प्रेतखण्डम् । |
| १२·३ × ४·६ | ९ | ३७ | ” | ” | १८६५ | ” | स्कान्दम् । |
| ११·९ × ४·५ | ११ | ५८ | ” | ” | | अपू० | १० स्कन्धे १ अध्यायः । |
| ९·७ × ४·३ | १२ | ३६ | ” | ” | | पू० | |
| ९·९ × ४·२ | १२ | ३५ | ” | ” | | ” | काशीखण्डे । |
| १० × ३·६ | ९ | ४८ | वङ्ग· | ” | | अपू० | पद्मपुराणीयम् । |
| १५·३ × ३·४ | ६ | ५४ | ” | ” | | ” | |
| १०·८ × ५·१ | ११ | ४६ | दे· ना· | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्त्ते । |
| ९·५ × ३·९ | ७ | २३ | ” | ” | | ” | पाद्मम् । |
| १३ × ५·७ | १२ | ४३ | ” | ” | | ” | सप्तकाण्डात्मकम् । |
| ९·७ × ४·२ | १० | ३२ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्त्ते । |
| १०·६ × ४· | १५ | २९ | ” | ” | | ” | पाद्मम् । |
| ९·७ × ४ | ११ | ४३ | ” | ” | १७८५ | ” | ” |
| १०.२ × ५ | १० | ४० | ” | ” | | ” | वायुपुराणे । |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६३४३ | पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम् | | ३१ । ( गणनया ) |
| १६३४४ | मार्गशीर्षमाहात्म्यम् | | १-१० । |
| १६३४५ | गयामाहात्म्यम् | | १२-१३, ३१-४४ । |
| १६३४६ | वेदस्तुतिः | | १-६ । |
| १६३४७ | मोक्षदैकादशीमाहात्म्यम् | | १-२३ । |
| १६३४८ | पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम् | | १, ५-१२, १४-१५, १७-१९ । |
| १६३४९ | रामाश्वमेधवर्णनम् | | १४४-१७४ । |
| १६३५० | इतिहाससमुच्चयः | | ५-९८, १००-११५ । |
| १६३५१ | भागवतटीका | विश्वनाथचक्रवर्त्ती | ५-१०, १९, ४१-५३, ५७-९८, १०-१०६, १०८-११८, १२०-१२६, १२८-१४६, १४८-१४९, १५१-१५३, १५५-१५६, १६२-१८८, १९०-१९५, २०१-२०४ । |
| १६३५२ | " | श्रीधरस्वामी | १-१८, २३-३४ । |
| १६३५३ | वेदस्तुतिः | | १-१६ । |
| १६३५४ | भागवतम् | | १११ । ( गणनया ) |
| १६३५५ | भागवतमाहात्म्यम् | | १-१० । |
| १६३५६ | भागवतम् सटीकम् | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-७५ । |
| १६३५७ | " " | " | १०-२१ । |
| १६३५८ | " " | " | २१-११८ । |
| १६३५९ | " " | " | १-२, ४-५, ७-९, ९, १२, ४२, ५७, ६२-८०, ८२-९१ । |
| १६३६० | " " | " | २०, २२-६७ । |
| १६३६१ | " " | " | १, ३-६, ४७-५१ । |
| १६३६२ | " " | " | २-१६, २३-२८ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९ × ३·९ | ७ | २८ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ८·५ × ४·६ | १३ | ३२ | ” | ” | | पू० | १-४ अध्यायाः । |
| ७·८ × ३·८ | ९ | ३० | ” | ” | | अपू० | वाय्वग्निपुराणयोः । |
| ८·२ × ४·५ | ९ | ३० | ” | ” | | पू० | भागवते १० स्कन्धे ८७ अध्यायः । अन्ते भागवतचतुःश्लोकीमहा-मन्त्रोऽपि वर्त्तते । |
| ९·५ × ४·१ | ६ | २७ | ” | ” | | ” | ब्रह्माण्डपुराणे । |
| १०·६ × ४·५ | १२ | ३७ | ” | ” | | ” | स्कान्दम् । |
| १२·६ × ४·७ | ९ | ४० | ” | ” | | अपू० | पाद्मे पातालखण्डे । ६०—६८ अध्यायाः । |
| १२·४ × ५·९ | १२ | ४१ | ” | ” | १७९३ | ” | |
| १३·६ × ५·४ | ११ | ५० | ” | ” | | ” | सारार्थदर्शिनी । १० स्कन्धे १-३३ अध्यायाः । |
| ११ × ४·८ | १० | ४६ | ” | ” | | ” | १० स्कन्धे १-१४ अध्यायाः । |
| १२·५ × ५ | ११ | ५० | ” | ” | | पू० | सटीकभागवते । |
| १२ × ५·३ | १४ | ४२ | ” | ” | | अपू० | १० स्कन्धः । |
| १२·५ × ६·१ | १५ | ४३ | ” | ” | | ” | पाद्मोत्तरखण्डे १-६ अध्यायाः । |
| १४·५ × ५·६ | १० | ५६ | ” | ” | | पू० | १ स्कन्धः । |
| १४ × ६.२ | १७ | ६० | ” | ” | | अपू० | २ स्कन्धे ४-१० अध्यायाः । |
| १४·४ × ६·३ | १२ | ४९ | ” | ” | | ” | ३ स्कन्धे ६—३३ अध्यायाः । |
| १४·३ × ५·७ | ११ | ५५ | ” | ” | | ” | ४ स्कन्धे १—२९ अध्याया[illegible] । |
| १४ × ५·५ | ११ | ४९ | ” | ” | | ” | ७ स्कन्धे ५—१५ अध्या[illegible]याः । |
| १२·४ × ५·८ | ११ | ४५ | ” | ” | | ” | ९ स्कन्धे १-३,२३-२४ [illegible] अध्यायाः । |
| १२·७ × ६·५ | १५ | ५० | ” | ” | | ” | ९ स्कन्धे१-६, १०-[illegible] १२ अध्यायाः । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६३६३ | भागवतम् सटीकम् | टी.का.श्रीधरस्वामी | ४२ । ( गणनया ) |
| १६३६४ | " " | " | ४९-८३, १०३-१३० । |
| १६३६५ | " " | " | ३३-७९, ९२-१३० । |
| १६३६६ | " " | " | १७-३०, ३२-४०, ७६-७८, ८०-८३, ८६-९०, ९२-११४, १२२-१२५ । |
| १६३६७ | " " | " | २-२७, ३१-४८ । |
| १६३६८ | " " | विजयध्वजतीर्थः | १-२१, २३ । |
| १६३६९ | श्रीमालमाहात्म्यम् | | १-७१ । |
| १६३७० | भागवततात्पर्यदीपिका | नृहरिः वरदाचार्यजः | १-१८, ४५-६७ । |
| १६३७१ | भागवततात्पर्यम् | आनन्दतीर्थ-भगवत्पादाचार्यः | १-१६ । |
| १६३७२ | " | | १-९ । |
| १६३७३ | भावार्थदीपिका | श्रीधरस्वामी | ४-१७ । |
| १६३७४ | भागवततात्पर्यनिर्णयः | आनन्दतीर्थ-भगवत्पादाचार्यः | १-१० । |
| १६३७५ | रासपञ्चाध्यायी | | १-१४ । |
| १६३७६ | रामायणम | वाल्मीकिः | ८ । ( गणनया ) |
| १६३७७ | काशीसारः | | १-२ । |
| १६३७८ | पञ्चक्रोशीमाहात्म्यम् | | १८-२१ । |
| १६३७९ | गायत्रीनिर्माणम् | | १ । |
| १६३८० | धर्मयुधिष्ठिरसंवादः | | १५ । ( गणनया ) |
| १६३८१ | माघमाहात्म्यम् | | १२-१५, १७-१०९ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·८ × ७·५ | १६ | ४१ | दे. ना. | का. | | अपू० | ५ स्कन्धे १—१५ अध्यायाः। |
| १३ × ५·३ | १२ | ६० | ” | ” | | ” | १० स्कन्धे ६८—८१, ८६—९० अध्यायाः। |
| १२·३ × ५·६ | १६ | ४३ | ” | ” | १८५२ १७१७ श. | ” | १० स्कन्धे ५९–७९, ८४–९० अध्यायाः। |
| ११·७ × ६·८ | १६ | ४० | ” | ” | | ” | ११ स्कन्धे ३—२६ अध्यायाः। |
| १४ × ५·८ | १२ | ४६ | ” | ” | १७४१ | ” | १२ स्कन्धे १—१३ अध्यायाः। |
| १३·५ × ६·५ | १५ | ४३ | ” | ” | | ” | पदरत्नावलीटीकायुतम्, ८ स्कन्धे १—७ अध्यायाः। |
| १३·७ × ७·१ | १५ | ४६ | ” | ” | | पू० | स्कन्दपुराणे। |
| ९·८ × ४·४ | १२ | ४८ | ” | ” | १८१ (?) | अपू० | तृतीयस्कन्धः। |
| ९·३ × ४ | १० | २९ | ” | ” | | पू० | चतुर्थस्कन्धः। |
| ८·९ × ३·८ | ९ | ३९ | ” | ” | | ” | षष्ठस्कन्धः। |
| ८ × ४ | १० | ३२ | ” | ” | | अपू० | भागवतीया ३—९ स्कन्धाः। |
| ८ × ३·८ | १४ | २५ | ” | ” | | ” | सप्तमस्कन्धः। |
| ९·१ × ४ | ९ | २८ | ” | ” | | पू० | भागवते १० स्कन्धस्य २९—३३ अध्यायाः। |
| ६·४ × २·३ | ७ | २३ | ” | ” | | अपू० | बालकाण्डे प्रथमः सर्गः। |
| ९·७ × ४·१ | ९ | २९ | ” | ” | | ” | मत्स्यपुराणे। |
| ९·३ × ४·१ | ९ | ३९ | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्त्ते ४—५ अध्यायौ। |
| ८·९ × ३·९ | १३ | ३९ | ” | ” | | पू० | अग्निपुराणीयम्। |
| ६·४ × ४·६ | ९ | १७ | ” | ” | | ” | धर्मपुराणे। |
| १४·३ × ६·४ | १० | ३० | ” | ” | | अपू० | वायुपुराणे। |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६३८२ | शिवपुराणम् | | ३ । ( गणनया ) |
| १६३८३ | मत्स्यपुराणम् | | ३१०-३१६, ३१८-३२१, ३३२-३५८, ३६१, ५३२-५३७, ५९७-६०७ । |
| १६३८४ | गरुडपुराणम् | | १-११, १५-१७, १९-२०, २२-६१, ६५-७९, ८१-९१, १ । |
| १६३८५ | " | | १-५० । |
| १६३८६ | पुरुषोत्तममाहात्म्यम् | | १-३२ । |
| १६३८७ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-३१३ । |
| १६३८८ | काशीमाहात्म्यम् | | १-३० । |
| १६३८९ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. श्रीधरः | १-७३, १-४६, १-२९, ३१-४३, ४५-७०, ७२-१०१, १-३९, ४१-४२, ४५-६९, ७१-७३, ७६-९३, ९७, १-९१, १-६९, १-६७, १-६१, १-५३, १-१५२, १-१२६, १-१२२, १-४० । |
| १६३९० | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-३८ । |
| १६३९१ | काशीमाहात्म्यम् | | १-१८ । |
| १६३९२ | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-२१ । |
| १६३९३ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-६४ । |
| १६३९४ | " | | १-७७ । |
| १६३९५ | क्रियायोगसारः | | १३२ । (गणनया) |
| १६३९६ | पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम् | | १-२०८ । |
| १६३९७ | गरुडपुराणम् | | १-४४ । |
| १६३९८ | अयोध्याखण्डम् | | १-४४ । |
| १६३९९ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-७७ । |
| १६४०० | गीतामाहात्म्यम् | | १-५९ । |
| १६४०१ | वामनपुराणम् | | ११-३६, ६० ७१ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·४ × ३·९ | १२ | ३९ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ११·१ × ५·७ | १४ | २१ | ” | ” | | ” | |
| १३ × ६ | ९ | ३० | ” | ” | | ” | |
| १२·५ × ६·३ | १३ | ४९ | ” | ” | १८८२ | ” | १—३३ अध्यायाः। |
| ११ × ४·७ | १० | ४० | ” | ” | १८५२ | पू० | स्कान्दम्। |
| ९·५ × ४ | ९ | ३७ | ” | ” | १८४८ | ” | पाद्मे पातालखण्डे। |
| १३·४ × ५·२ | १२ | ५१ | ” | ” | . | ” | ” ” |
| १३·८ × ६·९ | १४ | ५१ | ” | ” | १८०१ | अपू० | |
| १०·२ × ४·३ | १२ | ३८ | ” | ” | १८५९ १७१४ श. | पू० | पाद्मम्। |
| ११·५ × ५ | ९ | ४० | ” | ” | | ” | ब्रह्मवैवर्त्ते तृतीयविभागे। |
| ९·९ × ४·१ | ८ | २८ | ” | ” | | ” | मात्स्यम्। |
| ११ × ३·४ | ७ | ४३ | ” | ” | | ” | पाद्मम्। |
| ७·९ × ५ | ११ | २५ | ” | ” | | ” | स्कान्दम्। |
| १२·५ × ५·५ | १० | ३८ | ” | ” | १८२७ | ” | पद्मपुराणे २५ अध्यायाः। |
| १२·३ × ३.६ | ७ | ४१ | ” | ” | १९३४ | ” | स्कान्दे उत्कलखण्डे। |
| ९·५ × ५·५ | ११ | ३१ | दे ना. | का. | १७२८ १५९३ श. | ” | १—२३ अध्यायाः, प्रेतमञ्जरीति नामान्तरम्। |
| १३ × ५ | ८ | ४० | ” | ” | | ” | स्कान्दम, १—१० अध्यायाः। |
| ९·८ × ४·२ | ९ | ३१ | ” | ” | १८३९ | ” | पद्मपुराण। |
| १२·९ × ५·१ | ९ | ३१ | ” | ” | १८७१ | ” | पाद्मम्, १—१८ अध्यायाः। |
| ११·३ × ५·३ | ११ | ३९ | ” | ” | | अपू० | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६४०२ | हरिवंशः | व्यासः | १-५३० । |
| १६४०३ | ब्रह्मोत्तरखण्डम् | | १- ८९ । |
| १६४०४ | कपिलपुराणम् | | १-५६ । |
| १६४०५ | काशीमाहात्म्यम् | | १-३२ । |
| १६४०६ | शिवपुराणम् | | ३१ । ( गणनया ) |
| १६४०७ | सूतसंहिता | | ७३ । " |
| १६४०८ | भागवतम् | | १-१२१, १२१-१९८ । |
| १६४०९ | बृहन्नारदीयपुराणम् | | १-१८५ । |
| १६४१० | काशीखण्डम् | | १-२५१, २५०-२६६, २६६-२९१ । |
| १६४११ | महाभारतम् | व्यासः | १-९७ । |
| १६४१२ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-१०४, १-१८८ । |
| १६४१३ | बदरीनाथमाहात्म्यम् | | १-२७, ३०-३१ । |
| १६४१४ | चित्रकूटमाहात्म्यम् | | १-३३ । |
| १६४१५ | अध्यात्मरामायणम् | | १-१६४, १६४-१८७, १८९-१९४, १९४-१९७, (=१९८) १९९-२०८ । |
| १६४१६ | वाराणसीरहस्यम् | | १-२५ । |
| १६४१७ | वेदस्तुतिव्याख्या | | १-१६ । |
| १६४१८ | लिङ्गपुराणम् | | १०८ । (गणनया) |
| १६४१९ | अयोध्यामाहात्म्यम् | | १-४१ । |
| १६४२० | अद्भुतरामायणम् | | २-७६ । |
| १६४२१ | महाभारतम् | | १-१३९ । |
| १६४२२ | बृहन्नारदीयपुराणम् | | १-५८, ५८-१०१ । |
| १६४२३ | विष्णुपुराणम् | | ४-८, ८-९, २६-३१, ३५-५४, ५६-९९, १११-११४, १४१-१४९, २००-२०७, २२१ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·८ × ६·७ | १० | ३६ | दे. ना. | का. | १८०७ | पू० | |
| ९·८ × ४·३ | १० | ३९ | ” | ” | १५४९ | ” | स्कन्दपुराणे । |
| ११·७ × ४·९ | ८ | ४१ | ” | ” | १९६७ | ” | १—२१ अध्यायाः । |
| ९ × ४·१ | ९ | ४० | ” | ” | | ” | पद्मपुराणे पातालखण्डे । |
| १०·९ × ४ | १० | ४७ | ” | ” | | अपू० | वायवीयसंहितामात्रम् । |
| १३·२ × ६·२ | १२ | ४१ | ” | ” | | ” | ज्ञानयोगयज्ञवैभवब्रह्मगीतामुक्ति-खण्डांशाः । |
| १९·३ × ३·६ | ६ | ७० | वङ्ग. | ” | १६०२ श. | पू० | दशमस्कन्धः । |
| १३·९ × २·८ | ६ | ४६ | ” | ” | १५८० श. | ” | |
| १९·२ × ४·१ | ८ | ७७ | ” | ” | | ” | स्कन्दपुराणे । |
| १९ × ४ | ७ | ४४ | ” | ” | १६६१ श. | ” | विराटपर्व । |
| १३·६ × ६·४ | १८ | ५५ | दे. ना. | ” | १८१६ | ” | बालायोध्याकाण्डे । |
| ९·८ × ५·२ | ८ | २६ | ” | ” | | अपू० | स्कान्दम् । |
| १२·८ × ५·५ | १० | ४५ | ” | ” | | पू० | रामायणे । |
| ९.१ × ४·७ | ९ | ३१ | ” | ” | १८३२ | ”* | |
| ७·३ × ५·६ | ९ | १८ | ” | ” | | ” | स्कान्दम् । अन्ते जाह्नवीस्तोत्रमपि । |
| १०·४ × ४·४ | ११ | ३० | ” | ” | | अपू० | |
| १४·१ × ५·६ | ११ | ४८ | ” | ” | | ” | ४१—१०५ अध्यायाः । |
| ९·८ × ४·१ | १२ | ३२ | ” | ” | | पू० | स्कन्दपुराणे । |
| १० × ४·६ | १० | ३५ | ” | ” | १८१६ | अपू० | उत्तरकाण्डात्मकम् । |
| १५·४ × २·७ | ५ | ५५ | वङ्ग. | ” | १६०७ | पू० | विराटपर्व । |
| १०·८ × ६·१ | १३ | २८ | दे. ना. | ” | १६४६ | ” | |
| १०·८ × ४·८ | ११ | ३५ | ” | ” | | अपू० | |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६४२४ | भागवतम् सटीकम् | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-४१, ४३-८३, ८६-१९९ । |
| १६४२५ | केदारमाहात्म्यम् | | १-३५, १-८ । |
| १६४२६ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-४२ । |
| १६४२७ | मार्गशीर्षमाहात्म्यम् | | १-२९, ३१-३३ । |
| १६४२८ | धनुर्मासमाहात्म्यम् | | १-७ । |
| १६४२९ | चातुर्मास्यमाहात्म्यम् | | १-१४१ । |
| १६४३० | व्यासशुकसंवादः | | १-३४ । |
| १६४३१ | महाभारतम् सटीकम् | टी.नारायणसर्वज्ञः | १-२९४, १-१४५, १४५-२३३, १-८ । |
| १६४३२ | रामायणम् | वाल्मीकिः | २-७५, १-१६७ । |
| १६४३३ | नन्दिकेश्वरसंहिता | | १-५९ । |
| १६४३४ | माघमाहात्म्यम् | | १-५७ । |
| १६४३५ | क्रियायोगसारः | | १-१३५ । |
| १६४३६ | पितृस्तवः | | १-८ । |
| १६४३७ | भगवद्भक्तमाहात्म्यम् | | १-५८ । |
| १६४३८ | रामायणसारः | अग्निवेशमुनिः | १-१५ । |
| १६४३९ | महाभारतम् सटीकम् | टी. का. नीलकण्ठचतुर्द्धरः | १-३६३, १-१४३ । |
| १६४४० | ” ” | ” | १-५२३, १-९९ । |
| १६४४१ | ” ” | ” | १-२९७, १-२०० (=२०?) २०२-२९१, २९१-३२२ । |
| १६४४२ | ” ” | ” | १-२५ (=२६) २७-१२३, १२३-२९६, १-१५६, १-४६, १-५१, १-२६, १-९, १-२५ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·८ × ४·८ | १० | ३९ | दे. ना. | का. | | अपू० | एकादशस्कन्धः । |
| ८ × ४·४ | ११ | १९ | ” | ” | | ” | १-१० अध्यायाः । |
| १० × ४·१ | १२ | ४४ | ” | ” | १८०० | पू० | सनत्कुमारसंहितायाम् १-२४ अध्यायाः । |
| १० × ४·३ | ९ | २३ | ” | ” | | अपू० | स्कन्दपुराणे । |
| ९·६ × ४·१ | १० | ३६ | ” | ” | | पू० | पञ्चरात्रागमे १-४ अध्यायाः । |
| १०·४ × ४·५ | १० | २२ | ” | ” | १८१६ | ” | वाराहपुराणे । |
| ९·९ × ४·१ | ८ | ३३ | ” | ” | १८१९ | ” | पितापुत्रसंवादो वा, महाभारते । |
| १३ × ६ | १६ | ५२ | ” | ” | | ” | उद्योगभीष्मस्वर्गारोहणपर्वाणि । उद्योगपर्वणोऽल्पांशस्यैव भारतार्थ-प्रकाशनाम्नी टीका वर्तते । |
| १२·७ × ६·५ | १२ | ३६ | ” | ” | | अपू० | बालायोध्याकाण्डे । |
| १०·२ × ४·८ | १० | ४२ | ” | ” | १६०८ | पू० | |
| १२·४ × ५·५ | ११ | ३९ | ” | ” | १९२३ | ” | १-१५ अध्यायाः । नवमाध्याये योगसारस्तोत्रस्य यादवेन्द्राश्रम-विरचिता टीकापि । |
| १३·८ × ७·२ | ९ | २८ | ” | ” | १८९६ | ” | पद्मपुराणे । |
| ११ × ४·७ | ९ | २१ | ” | ” | | ” | मार्कण्डेयपुराणे । |
| १३·९ × ५·४ | १० | ३५ | ” | ” | | अपू० | आदावन्ते च खण्डितम् । |
| १०·४ × ३·४ | ७ | ४३ | ” | ” | १८९४ | पू० | |
| १५·९ × ५·९ | १२ | ६० | ” | ” | १८९७ | ” | भारतभावदीपटीकायुतम् । आदि-सभापर्वणी । |
| १६·२ × ६ | १२ | ५५ | ” | ” | | ” | वनविराटपर्वणी । |
| १६ × ६·१ | १० | ५४ | ” | ” | | ” | उद्योगभीष्मपर्वणी । |
| १६·३ × ६·२ | ११ | ६४ | ” | ” | १८९९ | ” | द्रोणकर्णशल्यगदासौप्तिकविशोक-स्त्रीपर्वाणि । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६४४३ | महाभारतम् सटीकम् | टी. का. नीलकण्ठचतुर्द्धरः | १-२३, २३-७९, ७९-८३, ८३-३१४, १-११४, १-४०, १-१०, १-९, १-११ । |
| १६४४४ | " " | " | १-५७४ । |
| १६४४५ | " " | " | १-१३०, १-६, ६-३४ (=३५) ३६-५४, १-५३ । |
| १६४४६ | कालिकापुराणम् | | १-१०५ । |
| १६४४७ | रामाश्वमेधः | | १-२२५ । |
| १६४४८ | कृष्णजन्मखण्डः | | १-११८, २३१-३१९, ३१९-३८५ । |
| १६४४९ | गरुडपुराणम् | | १-५८ । |
| १६४५० | कृष्णजन्मखण्डः | | १-३७० । |
| १६४५१ | काशीखण्डः | | १९६ । ( गणनया ) |
| १६४५२ | अद्भुतरामायणम् | वाल्मीकिः | १-४९ । |
| १६४५३ | अध्यात्मरामायणम् | | ३२४ । ( गणनया ) |
| १६४५४ | महाभागवतम् | | ६-२३० । |
| १६४५५ | आत्मपुराणम् | | १-९० । |
| १६४५६ | महाभारतम् सटीकम् | टी. का. नीलकण्ठः | १९-११७ । |
| १६४५७ | " | | १-२७५ । |
| १६४५८ | " | | १-१६, २६-३४, ३४-५१, ६१-७४ । |
| १६४५९ | भागवतम् सटीकम् | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-७८, १-४३, १-१२०, १-११२, १-८३, १-६३, १-६२, १-६३, १-५४, १-१२५, १-११० । |
| १६४६० | " | | १-४ । |
| १६४६१ | गरुडपुराणम् | | १-७० । |
| १६४६२ | वैशाखमाहात्म्यम् | | १-६८ । |
| १६४६३ | " | | १-१०८ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १९·९ × ६ | १० | ५९ | दे. ना. | का. | | पू० | आनुशासनिकाश्वमेधिकाश्रमवासिकमौसलमहाप्रस्थानस्वर्गारोहणपर्वाणि । |
| १९·९ × ६·१ | १४ | ५२ | ” | ” | | ” | शान्तिपर्वणि मोक्षधर्मप्रकाशः । |
| १६·५ × ६·२ | ११ | ४९ | ” | ” | | ” | शान्तिपर्वणि राजधर्मापद्धर्मौ । |
| १२·९ × ८·१ | १६ | ४८ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·८ × ४·९ | ८ | ४३ | ” | ” | १९०२ | पू० | पाद्मः, शेषवात्स्यायनसंवादात्मकः । १-६८ अध्यायाः । |
| १३·४ × ६·८ | १३ | ४२ | ” | ” | | अपू० | ब्रह्मवैवर्ते । |
| १२·४ × ४·२ | ९ | ४३ | ” | ” | | पू० | प्रेतकल्पः । १-३५ अध्यायाः । |
| १४·१ × ९·८ | १३ | ४७ | ” | ” | १८६६ | ” | ब्रह्मवैवर्ते । १-१३२ अध्यायाः । |
| ११·६ × ४ | १० | ४१ | ” | ” | | अपू० | स्कान्दः । |
| १२·४ × ९·९ | १० | ९० | ” | ” | १८१८ | पू० | १-२७ सर्गाः । |
| १०·८ × ७ | ९ | २६ | ” | ” | | अपू० | |
| १३ × ९·१ | ८ | ४६ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| १२·७ × ६·७ | १३ | ४६ | दे. ना. | ” | | ” | |
| १२·७ × ६·९ | १६ | ४२ | ” | ” | | ” | सभापर्व । |
| १२·८ × ६·६ | १२ | ४९ | ” | ” | | पू० | भीष्मपर्व । |
| १४·५ × ९·६ | १२ | ६० | ” | ” | | अपू० | द्रोणपर्व । |
| १९·७ × ६·८ | ११ | ९६ | ” | ” | १८१९ | ” | १-१० स्कन्धाः । |
| १० × ४·४ | १२ | ३९ | ” | ” | | ” | १० स्कन्धः । |
| १०·८ × ४·२ | १३ | ४२ | ” | ” | | पू० | |
| १० × ४·२ | १० | ४० | ” | ” | १८४२ १७०७ श. | ” | पाद्मे पातालखण्डे । |
| १०·७ × ४·४ | ९ | ३२ | ” | ” | १७२२ श. | ” | स्कान्दम् । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६४६४ | काशीमाहात्म्यम् | | १-२७ (=२८) २९-१०२ । |
| १६४६५ | अध्यात्मरामायणम् | | १-२२, १-३१, १-५२, ५४, ५८-५९, ७४-७९, ३९-६७ । |
| १६४६६ | जैमिनिमहाभारतम् | | ३०-६२, ६४-७६ (=७७) ८-८९ । |
| १६४६७ | योगवासिष्ठसारः सविवृतिः | विवृतिकारः महीधरः | १-२४, २४-३० । |
| १६४६८ | इन्द्रप्रस्थमाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १६४६९ | अद्भुतरामायणम् | वाल्मीकिः | १-३७ । |
| १६४७० | गयामाहात्म्यम् | | १-१० । |
| १६४७१ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-४० । |
| १६४७२ | " | | १-४५ । |
| १६४७३ | गयामाहात्म्यम् | | १-२५ । |
| १६४७४ | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-४२ । |
| १६४७५ | " | | २४ । (गणनया) |
| १६४७६ | कामदैकादशीमाहात्म्यम् | | १ । |
| १६४७७ | मथुरामाहात्म्यम् | | १-२५ । |
| १६४७८ | अयोध्यामाहात्म्यम् | | १-४ । |
| १६४७९ | पञ्चक्रोशमाहात्म्यम् | | १-१९ । |
| १६४८० | प्रयागमाहात्म्यम् | | १-१४ । |
| १६४८१ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-५ । |
| १६४८२ | मार्गशीर्षमाहात्म्यम् | | १-१४, (=१५) १६-३५ । |
| १६४८३ | " | | १-७६ । |
| १६४८४ | काशीमाहात्म्यम् | | १-६१ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·६ × ४·१ | १० | ४६ | दे. ना. | का. | | अपू० | ब्रह्मवैवर्त्ते । |
| १० × ९ | ११ | ३६ | ” | ” | | पू० | बालायोध्यारण्यकिष्किन्धायुद्धोत्तर-काण्डात्मकम् । |
| ११ × ९ | १० | ४० | ” | ” | | अपू० | ११-२२ अध्यायाः । |
| ९·५ × ४·९ | ११ | २९ | ” | ” | | पू० | |
| ८·९ × ४ | ९ | २८ | ” | ” | १९३३ | ” | |
| १२·९ × ९ | १२ | ९६ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| ८·९ × ४·७ | ११ | २८ | दे. ना. | ” | १७३९ | ” | गारुडे । |
| ९·८ × ४·३ | ११ | ३४ | ” | ” | | ” | पाद्मम् । |
| १० × ४·२ | १० | ३९ | ” | ” | १८३८ | ” | |
| १०·४ × ३·८ | ८ | ३८ | ” | ” | | ” | वायुपुराणे १-८ अध्यायाः । |
| ९·६ × ९·१ | १२ | ३९ | ” | ” | १८७२ | ” | |
| ९·७ × ४·२ | ९ | २४ | ” | ” | | अपू० | |
| ११·९ × ४·९ | १० | ३३ | ” | ” | | पू० | |
| १०·३ × ४·१ | ९ | ३९ | ” | ” | | ” | |
| ९·६ × ५·१ | १० | ३५ | ” | ” | | ” | पाद्मे कोशलखण्डे यज्ञोपवीत-माहात्म्यञ्च । |
| ९·९ × ४·३ | ९ | ३३ | ” | ” | १८४६ | ” | ब्रह्मवैवर्त्ते । |
| ९·९ × ४·३ | १० | ३७ | ” | ” | १८४१<br>१७०७ श. | ” | मात्स्यम्, १-१० अध्यायाः । |
| १०·२ × ४·४ | १२ | ३७ | ” | ” | | ” | बालकाण्डस्य प्रथमः सर्गः । |
| ११·६ × ४·८ | १४ | ४० | ” | ” | १६३३ श. | ” | स्कान्दम् । |
| ९·८ × ४·२ | १० | ३८ | ” | ” | १८४६ | ” | ” |
| ९·४ × ३·९ | ७ | १९ | ” | ” | १७९५<br>१६६० श. | ” | पाद्मे पातालखण्डे । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६४८५ | लक्ष्मीसंहिता | | ३९-४८, ५१-७० । |
| १६४८६ | अधिकैकादशीमाहात्म्यम् | | १ । |
| १६४८७ | लक्ष्म्युत्पत्तिः | | १-२ । |
| १६४८८ | भागवतम् सटीकम् | | १०१-१०९, १११-११६ । |
| १६४८९ | रामायणम् | | १ । |
| १६४९० | सूतसंहिता सटीका | टी॰का॰माधवाचार्यः | १२३ । ( गणनया ) |
| १६४९१ | नन्दीश्वरमाहात्म्यम् | | ३६२ । ,, |
| १६४९२ | काशीमाहात्म्यम् | | १-५९, ५९, ५९-१५०, (=१५१) १५२-१५३ । |
| १६४९३ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-२२, २४ = ४९, ५१-५३ । |
| १६४९४ | माघमाहात्म्यम् | | १-१५७ । |
| १६४९५ | पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम् | | १-२७ (=२८) २९ (=३०) ३१ (=३२) ३३ । |
| १६४९६ | मल्लारिमाहात्म्यम् | | १-४४ । |
| १६४९७ | गीतामाहात्म्यम् | | १-३ । |
| १६४९८ | पञ्चक्रोशमाहात्म्यम् | | २०-२१ । |
| १६४९९ | पञ्चक्रोशयात्राविधानम् | | १-१८ । |
| १६५०० | भागवतमहत्त्वम् | | १-४ । |
| १६५०१ | अध्यात्मरामायणम् सटीकम् | | २१-३४ । |
| १६५०२ | महाभारतटीका | नीलकण्ठः | १-७, १०-११, १३-१८ । |
| १६५०३ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-८ । |
| १६५०४ | ,, | ,, | ११-१४ । |
| १६५०५ | स्यमन्तकाख्यानम् | | ७-१२ । |
| १६५०६ | व्यासशुकसंवादः | | १-२ । |
| १६५०७ | कार्त्तिकमाहात्म्यम् | | १-३८ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·५ × ५·८ | १२ | ३० | दे. ना. | का. | | अपू० | वायुपुराणे। |
| १०·९ × ४·४ | ११ | ४० | ” | ” | | पू० | भविष्ये। |
| १०·७ × ५·७ | १३ | ३४ | ” | ” | १९१६ | ” | विष्णुपुराणे। |
| १३·६ × ५·४ | ६ | ५४ | ” | ” | | अपू० | १० स्कन्धे ४-५ अध्यायौ। |
| ९.४ × ४·२ | १५ | ३२ | मलय. | ” | | ” | |
| ९·९ × ४·१ | ११ | ४७ | दे. ना. | ” | | ” | टीका च तात्पर्यदीपिकाख्या, स्कान्दे यज्ञवैभवखण्डे। |
| १४·२ × ७·२ | १३ | ३८ | ” | ” | | ” | स्कान्दम्। |
| १०·३ × ५·५ | १० | २८ | ” | ” | १८९९ | पू० | ब्रह्मवैवर्ते। |
| १०·८ × ४·७ | ९ | ३१ | ” | ” | १८३६ | अपू० | पाद्मम्। |
| ९·१ × ३·९ | ८ | ३० | ” | ” | १७७३ | पू० | वायवीये। |
| ९·३ × ३·८ | ८ | २७ | ” | ” | | ” | १-५ अध्यायाः। |
| ४·६ × २·६ | ७ | १४ | ” | ” | | अपू० | ब्रह्माण्डे क्षेत्रखण्डे। |
| ७·१ × ४·५ | ९ | २१ | ” | ” | | पू० | वाराहे। |
| ९·९ × ४·३ | ८ | ३९ | ” | ” | | अपू० | ब्रह्मवैवर्ते। |
| ८·७ × ३·६ | ९ | ३२ | ” | ” | | पू० | ” |
| १२·५ × ९·५ | १४ | ३७ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·७ × ६·४ | ९ | ३८ | ” | ” | | ” | उत्तरकाण्डम्। |
| ९·४ × ४·४ | १३ | ३४ | ” | ” | | ” | आदिपर्व। |
| ८·४ × ४·२ | १० | २८ | ” | ” | | ” | अयोध्याकाण्डम्। |
| ८·५ × ४·२ | १० | ३२ | ” | ” | | ” | ” |
| ८·४ × ३·७ | ९ | ३३ | ” | ” | | ” | स्कान्दम्। |
| ८·५ × ३·९ | ११ | ३४ | ” | ” | | पू० | पितापुत्रसंवादो वा, महाभारते। |
| ९·३ × ४·८ | १० | ३१ | ” | ” | | ” | पञ्चरात्रागमे भारद्वाजसंहितायाम्। |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६५०८ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-६, ८-१० । |
| १६५०९ | भागवतम् | | १-२ । |
| १६५१० | एकादशीमाहात्म्यम् | | १-५, ७-९, १३-४६ । |
| १६५११ | रामायणम् | वाल्मीकिः | १-२ । |
| १६५१२ | भागवतम् | | १-२ । |
| १६५१३ | अद्भुतरामायणम् | | १-५९ । |
| १६५१४ | गणेशपुराणम् | | १-२८ । |
| १६५१५ | ,, | | १-१३८, १४२-१६६, १६६-१६७, १-२३, २५-३१, ३१-७०, १-१२ । |
| १६५१६ | भविष्यपुराणम् | | १-१४, २० १७१, ( =१७२ ) १७३-२२१, (=२२२) २२३-२५०, ( =२५१ ) २५२-३०७, ३१३, ३१५-४२८ । |
| १६५१७ | महाभारतम् | जैमिनिः | १-९१, ८२-९९, ११०-११९, २२०-२४० । |
| १६५१८ | सह्याद्रिखण्डम् | | १-४४, ४६-५३, १-२२, १-२, २-१८, १-१०, १-१७, १-३२ । |
| १६५१९ | भागवतम् सटीकम् | टी.का.श्रीधरस्वामी | १ ४ । |
| १६५२० | ,, ,, | ,, | १-२३ । |
| १६५२१ | ,, ,, | | १-१२२ । |
| १६५२२ | ,, ,, | टी.का श्रीधरस्वामी | १-११ । |
| १६५२३ | ,, ,, | ,, | १-२०, २३-१४६ । |
| १६५२४ | ,, ,, | ,, | १-२६, ३०-५८ । |
| १६५२५ | ,, ,, | ,, | ४१३ । ( गणनया ) |
| १६५२६ | ,, ,, | ,, | १-७४ । |
| १६५२७ | ,, ,, | ,, | १-९७ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७ × ४·५ | ९ | १६ | दे. ना. | का. | | अपू० | बालकाण्डम्, प्रथमसर्गः । |
| ९·४ × ५ | ११ | ३४ | ” | ” | | पू० | दशमस्कन्धे ३९ अध्यायाः । |
| ११·९ × ५·२ | ११ | ४० | ” | ” | | अपू० | |
| ९·७ × ४·६ | १० | ३४ | ” | ” | १९१३ | पू० | आरण्यकाण्डे षष्ठःसर्गः । |
| ९·६ × ५ | ११ | ३३ | ” | ” | | ” | दशमस्कन्धे २१ अध्यायः । |
| ११ × ५·६ | ९ | ३१ | ” | ” | १८०० | ” | १-२७ सर्गाः । |
| १२·२ × ४·७ | ७ | २४ | ” | ” | | अपू० | १-७ अध्यायाः । |
| १२·४ × ४·८ | ७ | ३१ | ” | ” | | ” | उपासनाखण्डम् । १-७७ अध्यायाः । |
| १४ × ९·३ | ९ | ९२ | ” | ” | | ” | नवमीकल्पान्तभागः । |
| ११·९ × ९·९ | १३ | ३६ | ” | ” | | पू०* | १-६६ अध्यायाः, अनुक्रमणिका-सहितम् । |
| १४.१ × ७·४ | १३ | ३९ | ” | ” | १९३३ | अपू० | |
| ९·६ × ५ | १४ | ३९ | ” | ” | | पू० | षष्ठस्कन्धे ८ अध्यायः । |
| १७ × ६·७ | १६ | ७७ | वङ्ग. | ” | | ” | षष्ठस्कन्धः । |
| १३·९ × ९·३ | ११ | ५२ | दे. ना. | ” | | अपू० | तृतीयस्कन्धः । |
| ९·१ × ९·३ | १३ | २९ | ” | ” | | पू० | तृतीयस्कन्धस्य २८ अध्यायः । |
| १३·८ × ६·९ | १३ | ४६ | ” | ” | | अपू० | दशमस्कन्धस्य पूर्वार्द्धम् । |
| १४·१ × ६ | १० | ९४ | ” | ” | | ” | अष्टमस्कन्धः । |
| १७ × ९·९ | २४ | ७२ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| १४·९ × ५·८ | १२ | ६५ | दे. ना. | ” | | पू० | प्रथमस्कन्धः । |
| १४·९ × ९·६ | १० | ६३ | ” | ” | | ” | चतुर्थस्कन्धः । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६५२८ | भागवतम् सटीकम् | टी. का. विजयध्वजतीर्थः | ९४-९७ । |
| १६५२९ | ,, ,, | टी. का. श्रीधरस्वामी | १-४३ । |
| १६५३० | ,, ,, | ,, | ६५-७८ । |
| १६५३१ | ,, ,, | ,, | १-६२ । |
| १६५३२ | ,, ,, | ,, | १-६७ । |
| १६५३३ | ,, ,, | टी.का. विजयध्वजतीर्थः | ९१ । ( गणनया ) |
| १६५३४ | ,, ,, | ,, | २-८, १०-१५ १७-४९, ७१, ८०-८९ । |
| १६५३५ | भागवतम् | | १ । |
| १६५३६ | ,, | | १-४ । |
| १६५३७ | ,, | | १-५ । |
| १६५३८ | ,, | | १-११ । |
| १६५३९ | ,, | | १-७१, १-६० । |
| १६५४० | भागवतसमालोचना | | १-८ । |
| १६५४१ | भागवतकथा | | २-९ । |
| १६५४२ | ,, | | २-११, १३-१९, २७-३५ । |
| १६५४३ | भागवतव्याख्या | | १-२ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·८ × ६·४ | १३ | ५३ | दे. ना. | का. | | अपू० | गोपीगीतम् । |
| १२·८ × ५·५ | ११ | ४१ | ” | ” | १६६४ | पू० | द्वादशस्कन्धः । |
| १३·७ × ७·२ | १८ | ३६ | ” | ” | | अपू० | पञ्चमस्कन्धः । |
| १३·९ × ५·७ | ११ | ५७ | ” | ” | | पू० | षष्ठस्कन्धः । |
| १३·४ × ६ | १२ | ५४ | ” | ” | | ” | सप्तमस्कन्धः । |
| १४·२ × ६·४ | १२ | ५६ | ” | ” | | अपू० | दशमस्कन्धः, २-४७ अध्यायाः । |
| १३·८ × ६·४ | १३ | ४५ | ” | ” | | ” | दशमस्कन्धः, ५०-८२ अध्यायाः । |
| ९·६ × ५ | १३ | ३६ | ” | ” | | ” | दशमस्कन्धः, ४७ अध्यायः । |
| ८·७ × ४·८ | १३ | ३१ | ” | ” | | पू० | दशमस्कन्धः, ८७ अध्यायः । |
| ८·७ × ४·३ | ३६ | २० | ” | ” | | ” | ३ स्कन्धे ३०-३१ अध्यायौ तथा ४ स्कन्धे २४ अध्यायः । |
| ९·६ × ५ | ११ | ३२ | ” | ” | | ” | रासपञ्चाध्यायी । |
| १२·३ × ६·४ | १२ | ३८ | ” | ” | १८६४ | ” | दशमस्कन्धः । |
| १०·२ × ४·५ | १० | ३४ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·७ × ६·६ | ११ | ३६ | ” | ” | | ” | |
| १३·२ × ७·८ | ११ | ३८ | ” | ” | | ” | |
| १०·९ × ४·५ | ९ | ३७ | ” | ” | | ” | जन्माद्यस्येतिश्लोकस्य । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

# हस्तलिखितग्रन्थविवरणपञ्जिकायाः

## गीताग्रन्थसङ्ग्रहात्मको भागः

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६५४४ | गर्भगीता | | १ । |
| १६५४५ | भगवद्गीता | | १-३ । |
| १६५४६ | अष्टावक्रगीता | | १-११ । |
| १६५४७ | भगवद्गीता | | १-६१, ६१-६८ । |
| १६५४८ | " | | २-४७, ४७-७२ । |
| १६५४९ | " | | १-३० । |
| १६५५० | " | | १-७२, ७९-९० । |
| १६५५१ | " सटीका | | १-३८, ३८-६७, ७०-७२, ७२, ७४-७६, ७८ । |
| १६५५२ | " " | | ३२ । ( गणनया ) |
| १६५५३ | " " | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-३३ । |
| १६५५४ | " " | " | ७, १-७, १३-५०, ५९-८२, ८५ । |
| १६५५५ | " " | " | ९, २०-४६, ५७-१०४ । |
| १६५५६ | " " | | १-४ । |
| १६५५७ | " | | २-५४ । |
| १६५५८ | भगवद्गीताटीका | शङ्करानन्दः | २०० । ( गणनया ) |
| १६५५९ | भगवद्गीताभाष्यम् | भास्कराचार्यः | २-७१ । |
| १६५६० | उत्तरगीता सटीका | टी. का. ज्ञानेश्वरः | १-१९, १-१४, १-९ । |
| १६५६१ | भगवद्गीता " | | १-१४, १-२१, १-१२, १-११, १-८, १-१३, १-८, १-८ । |
| १६५६२ | गीतासारः | | १-९ । |
| १६५६३ | यमगीता | | १-३ । |
| १६५६४ | भगवद्गीता | | १-६ । |
| १६५६५ | " | | १-४० । |
| १६५६६ | " | | १-१३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·१ × ५·३ | १४ | ४३ | वङ्ग. | का. | | पू० | |
| १३·१ × ४·५ | १० | ५३ | ” | ” | | ” | १ अध्यायः। |
| ९·२ × ५ | १८ | ३५ | दे. ना. | ” | १७३२ श. | ” | |
| १२·७ × ३·९ | ५ | ३७ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| १३·४ × ४·२ | ५ | ४८ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·५ × ५·३ | १२ | ४२ | ” | ” | | पू० | |
| १३·३ × ४·२ | ६ | ४४ | ” | ” | | अपू० | अत्र पृष्ठाङ्का न पत्राङ्काः। |
| १३·३ × ४·१ | ४ | १७ | ” | ” | | ” | |
| १३·३ × ५·४ | ९ | ४१ | दे. ना. | ” | | ” | |
| ११·१ × ५ | १३ | ३७ | ” | ” | | ” | १-४ अध्यायाः। |
| ९·४ × ४·७ | ८ | २७ | ” | ” | | ” | |
| ११·८ × ५ | ११ | ४४ | ” | ” | | ” | |
| ११·६ × ५·८ | १३ | ३२ | ” | ” | | ” | टीका हिन्दीभाषायाम्, १ अध्यायः। |
| १४ × ४·३ | ३ | ४६ | वङ्ग. | ” | | ” | प्रारम्भे पत्रचतुष्टये टीकापि दृश्यते। |
| १७·३ × १·१ | ६ | ९३ | द्राविड़ | ता. प. | | पू० | गीतातात्पर्याभिधायिनी। |
| ९·८ × ४·३ | ११ | ३१ | दे. ना. | का. | | अपू० | भगवदाशयानुसरणाभिधानम्। |
| ९ × ६·३ | ११ | २२ | ” | ” | | पू० | मराठीभाषायां पद्यमयी टीका, १-३ अध्यायाः। |
| ११·२ × ६·४ | ११ | ३२ | ” | ” | | अपू० | मराठीभाषाटीकोपेता १-८ अध्यायाः। |
| ५·७ × ४ | ९ | १६ | ” | ” | | पू० | |
| ६ × ४·२ | ९ | १९ | ” | ” | | ” | |
| ५·२ × ३·४ | ६ | १४ | ” | ” | १९३७ | अपू० | मराठीभाषाटीकायुता, १३ अध्यायः। |
| १२·२ × ४ | ७ | ४० | वङ्ग. | ” | | पू० | |
| १२·५ × ३·३ | ४ | ३० | ” | ” | | ” | ५-९ अध्यायाः। |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६५६७ | गर्भगीता | | १-२ । |
| १६५६८ | गुरुगीता | | २-९, ११-१७ । |
| १६५६९ | गीतासारः | | १-४ । |
| १६५७० | अर्जुनगीता | | २-५ । |
| १६५७१ | भगवतीगीता | | १-१२ । |
| १६५७२ | उत्तरगीता | | १-५ । |
| १६५७३ | रामगीता | | १-८ । |
| १६५७४ | " | | ६ । ( गणनया ) |
| १६५७५ | शिवगीता | | १-४ । |
| १६५७६ | " | | १-३४ । |
| १६५७७ | अष्टावक्रगीता | | १-१५ । |
| १६५७८ | " | | १-१५ । |
| १६५७९ | भगवद्गीता | | १ । |
| १६५८० | " | | १-३ । |
| १६५८१ | " | | १-३९ । |
| १६५८२ | " | | २ । ( गणनया ) |
| १६५८३ | " | | १-३ । |
| १६५८४ | " | | १-३, १-४ । |
| १६५८५ | " | | ४-१३ । |
| १६५८६ | भगवद्गीताटीका सुबोधिनी | श्रीधरस्वामी | १-१६ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·९ × ३·५ | ८ | ३७ | वङ्ग. | का. | १२६४ वं. | पू० | |
| ६·३ × ३·३ | ६ | १७ | दे. ना. | " | | अपू० | |
| १३.२ × ३·३ | ८ | ५२ | वङ्ग. | " | १६६७ श. | पू० | |
| १० × ३·६ | ७ | ३४ | " | " | | अपू० | |
| १२·७ × ४·८ | ७ | ३१ | " | " | | पू० | देवीभागवते । |
| १४ × ५·३ | १४ | ४६ | " | " | | " | |
| १२·७ × ४·१ | ५ | ४१ | " | " | | " | अध्यात्मरामायणे उत्तरकाण्डे । |
| १२·८ × ४ | १० | ५६ | " | " | | "* | " " रामकवचं रामस्तोत्रञ्च । |
| १३·७ × ४·३ | ११ | ४९ | " | " | | अपू० | मोक्षोपायाख्यस्त्रयोदशोध्यायः, ऋभुगीतेशावास्योपनिषच्च । |
| १४·५ × ४·५ | ८ | ५० | " | " | | पू० | पद्मपुराणे । |
| ८·७ × ३·५ | ८ | ४२ | " | " | १२५६ वं. | " | १-२१ प्रकरणानि । |
| १३·७ × ३·८ | ११ | ६८ | " | " | १६३० श. | " | वेदान्ततत्त्वं वा । वेदान्तसार आत्मबोधो वेदान्तपरिभाषा च । पत्राणि सर्वाणि युग्मानि । |
| १२·९ × ३.१ | ७ | ५७ | " | " | | " | १५ अध्यायः । |
| १०·६ × ४·२ | ८ | ४० | " | " | | " | १ अध्यायः । |
| १०·५ × ४·५ | ९ | ३२ | " | " | १८८० ? | " | |
| ९·७ × ३·१ | ८ | ३७ | " | " | | " | १५ अध्यायः । |
| ८·९ × ३·७ | ६ | २३ | " | " | | " | १५ " |
| ९·४ × ४ | ८ | ३० | " | " | | " | ८, १० अध्यायौ । |
| १४ × ४·७ | ७ | ४३ | " | " | | " | २-५ अध्यायाः । |
| १२ × ३·७ | ६ | ४० | " | " | | " | १०-११ अध्यायौ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६५८७ | भगवद्गीता सटीका | टी.का. मधुसूदन-सरस्वती | १-२३, १०८-११४, ११६-१४५, १४५-२१८, २५३-२९०, २९२-४००, ४०२-४३२, ४४०-४८९ । |
| १६५८८ | ” ” | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-१३६ । |
| १६५८९ | भगवद्गीता भाष्यटीका | भा.का.शङ्कराचार्यः टी. आनन्दगिरिः | १-१२३ । |
| १६५९० | भगवद्गीता सभाष्या | भा.का.शङ्कराचार्यः | १-१७, १७-४१, ४१-२२५, २१५-२४६ । |
| १६५९१ | ” ” | ” | १-८० । |
| १६५९२ | भगवद्गीता सटीका | | १-२७ (=२८) २९-१२८ । |
| १६५९३ | ” ” | | १-८, १०-२२३ । |
| १६५९४ | गुरुगीता | | १-८ । |
| १६५९५ | अवधूतगीता | दत्तात्रेयः | १-१० । |
| १६५९६ | शिवगीता | | १-३५ । |
| १६५९७ | नारदगीता | | १-४ । |
| १६५९८ | ” | | १-२ । |
| १६५९९ | उत्तरगीता | | १-९ । |
| १६६०० | रामगीताविवृतिः | महीधरः | १-१० । |
| १६६०१ | गुरुगीता | | २-८ । |
| १६६०२ | ” | | १-४ । |
| १६६०३ | ” | | १-४ । |
| १६६०४ | भगवद्गीता सटीका | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-३१, ३३-४६, ४९-८६, ८८, ९१-९७, १००, १०२-१३१ । |
| १६६०५ | शिवगीता | | १-५ । |
| १६६०६ | ” | | १-२० । |
| १६६०७ | भगवद्गीता | | १-१४, १८-२३, २६-३० । |
| १६६०८ | ” | | १-३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·९ × ४·७ | ८ | ३९ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ९·५ × ४·५ | १३ | ३८ | ” | ” | | पू० | टीका सुबोधिनी । |
| १३·९ × ६·७ | १८ | ५३ | ” | ” | १८१५ | ” | |
| १०·१ × ४·९ | १२ | २३ | ” | ” | १५१८ | ” | |
| १३·६ × ६·७ | १७ | ४७ | ” | ” | १८१५ | ” | |
| ९·८ × ४·६ | १० | ३५ | ” | ” | | ” | मराठीभाषाटीकोपेता । |
| ११ × ५·२ | १३ | ३५ | ” | ” | १८६१ | अपू० | हिन्दीभाषाटीकायुता । |
| ९·४ × ४·९ | १३ | ३१ | ” | ” | १८०५ | पू० | स्कन्दपुराणे । |
| ९·१ × ४.३ | १३ | ४३ | ” | ” | | ” | |
| १०·९ × ५·३ | ११ | ३७ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणीया । |
| ६·२ × ४·३ | ८ | १९ | ” | ” | | ” | |
| १२·२ × ६·२ | १३ | ३४ | ” | ” | | अपू० | |
| १३ × ३·५ | ६ | ४५ | वङ्ग. | ” | | पू० | |
| १२·८ × ४·८ | १० | ३९ | ” | ” | | ” | |
| १३·३ × ३·५ | ९ | ५१ | ” | ” | | अपू० | |
| ११·१ × ३·८ | १३ | ६० | ” | ” | | पू० | विश्वसारतन्त्रे । |
| १९ × ·४२ | ११ | ६४ | ” | ” | | ” | ” |
| १३·६ × २·२ | २ | ५० | ” | ” | | अपू० | टीका सुबोधिनी । |
| ९·५ × ३·८ | ६ | २९ | ” | ” | | पू० | १ अध्यायः । |
| १२·५ × ५·१ | ९ | ५२ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणे । |
| १३·१ × ४ | ९ | ६२ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·५ × ५ | १४ | ४८ | ” | ” | | पू० | १० अध्यायः । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६६०९ | भगवद्गीता | | १-२०, २०-४६ । |
| १६६१० | ” | | १-५१, ६२-८० । |
| १६६११ | ” | | १-३ । |
| १६६१२ | ” | | १-३२, ८१-१०० । |
| १६६१३ | ” | | १-२३ । |
| १६६१४ | ” | | १-२७ । |
| १६६१५ | ” | | १-६ । |
| १६६१६ | ” | | २-११, १३, १३-१९, २३, ३०, ३३, ३३-३५, २७-३८ । |
| १६६१७ | ” | | १, ४-८ । |
| १६६१८ | ” | | १-३ । |
| १६६१९ | भगवद्गीतान्यासादयः | | २-५ । |
| १६६२० | पाण्डवगीता | | १, ३-१३ । |
| १६६२१ | ” | | २-११, १३ । |
| १६६२२ | ” | | १-११ । |
| १६६२३ | ” | | २ । ( गणनया ) |
| १६६२४ | भगवद्गीता | | १-४१ । |
| १६६२५ | ” | | १-४७ । |
| १६६२६ | गीतासारः | | १-९ । |
| १६६२७ | अर्जुनगीता | | १-५ । |
| १६६२८ | गर्भगीता | | १२ । ( गणनया ) |
| १६६२९ | ” | | ३ । ” |
| १६६३० | कर्मगीता | | १ । |
| १६६३१ | यमगीता | | १-८, १०-१२ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·९ × ४·७ | ७ | ३२ | वङ्ग. | का. | | पू० | |
| ६·९ × ३·८ | ७ | १९ | दे. ना. | ” | | अपू० | |
| १२·७ × ३ | ७ | ५८ | वङ्ग. | ” | | पू० | १० अध्यायः । |
| ६·३ × ४·२ | ८ | १७ | दे. ना. | ” | | अपू० | |
| ९·५ × ३·३ | ५ | ३४ | वङ्ग. | ” | | ” | ११-१८ अध्यायाः । |
| ९·५ × ३·२ | ६ | ३७ | ” | ” | | पू० | १-९ अध्यायाः । |
| ९·७ × ३·३ | ७ | ३९ | ” | ” | १७१८ श. | ” | २ अध्यायः । |
| ८·६ × ४·५ | ९ | ३९ | दे. ना. | ” | | अपू० | |
| ९·८ × ४·४ | ७ | ३५ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| ९·७ × ४·२ | ९ | ३१ | ” | ” | | पू० | ४ अध्यायः । |
| ६·५ × ४·९ | ५ | २२ | दे. ना. | ” | | अपू० | |
| ५·९ × ४·३ | ८ | १६ | ” | ” | | ” | |
| ८·२ × ४·१ | ८ | २९ | ” | ” | | ” | |
| ८·९ × ३·९ | ६ | ३५ | ” | ” | १७१८ | पू० | |
| ९·८ × ४·१ | १४ | ५१ | ” | ” | | ” | |
| ९·३ × ४ | ९ | ३२ | ” | ” | १८५१ | ” | |
| ८·९ × ४·१ | ७ | २९ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| ९·२ × ४·३ | ९ | २५ | दे. ना. | ” | १८५९ | ” | |
| १० × ५·२ | १३ | ४५ | ” | ” | | अपू० | |
| ५·६ × ३·१ | ५ | १६ | ” | ” | | पू० | निर्वाणषट्कञ्च । |
| ११ × ४·७ | ९ | ३५ | ” | ” | | अपू० | |
| ९·५ × ४·३ | ९ | २९ | ” | ” | | ” | |
| ५·२ × ३·१ | ५ | १२ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणे । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६६३२ | यमगीता | | १-२ । |
| १६६३३ | गुरुगीता | | ८-१२, १५ । |
| १६६३४ | नारदगीता | | २ । ( गणनया ) |
| १६६३५ | अवधूतगीता | | १-८ । |
| १६६३६ | रामगीता | | १-८ । |
| १६६३७ | उत्तरगीता | | १-२० । |
| १६६३८ | भगवद्गीता | | १-४८ । |
| १६६३९ | भगवतीगीता | | १-१० । |
| १६६४० | " | | १-५ । |
| १६६४१ | गुरुगीता | | १-३ । |
| १६६४२ | " | | २-१९ । |
| १६६४३ | भगवद्गीता सटीका | टी.का. श्रीधरः | १-१३९ । |
| १६६४४ | भगवद्गीताटीका | मधुसूदनः | १-२१ । |
| १६६४५ | भगवद्गीताभाष्यटीका | आनन्दगिरिः | १-३३ । |
| १६६४६ | भगवद्गीता | | ८-३० । |
| १६६४७ | " | | १-६ । |
| १६६४८ | " | | १-२, ७-१० । |
| १६६४९ | " | | १२-१७ । |
| १६६५० | अष्टावक्रगीता | | १-१२, १४-१९ । |
| १६६५१ | अष्टावक्रगीता सटीका | टी.का.विश्वेश्वरः | १-२३ । |
| १६६५२ | भगवतीगीता | | १-१२ । |
| १६६५३ | " | | १-८ । |
| १६६५४ | गीतासारः | | १-५ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६·४ × ३·९ | १२ | २४ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ९·२ × ४ | ९ | ३९ | वङ्ग. | ” | | ” | विश्वसारतन्त्रे । पौराणिकशान्तिमन्त्राश्च । |
| ९·५ × ३·५ | ६ | ३१ | मैथि. | ” | | पू० | |
| ९ × ४·१ | १७ | ४६ | दे. ना. | ” | | ” | |
| ७·५ × ३·६ | ९ | ३१ | ” | ” | १७३५ श. | ” | |
| ६·६ × ४·२ | ७ | १५ | ” | ” | १७५९ श. | ” | |
| ९·९ × ४·१ | ८ | ३४ | ” | ” | १६४३ | ” | |
| १२·५ × ३·१ | ५ | ४५ | वङ्ग. | ” | | ” | कूर्मपुराणोया । |
| १२·४ × ४·८ | ७ | ५४ | ” | ” | | ” | ” |
| १४·९ × ३·५ | ६ | ५० | ” | ” | | अपू० | |
| ९·६ × ३·६ | ४ | २४ | ” | ” | | ” | रुद्रयामले । |
| १४ × ३·६ | ११ | ३९ | ” | ” | | पू० | टीकालेखस्त्वपूर्ण एव । |
| १३ × ५·१ | १५ | ४४ | ” | ” | | अपू० | यत्किञ्चित्संग्रहः । |
| १३ × ५·१ | १२ | ४६ | ” | ” | | ” | ” |
| १२ × ५·१ | १२ | ४५ | ” | ” | १७१७ श. | ” | |
| १५·६ × ३·३ | ४ | ४५ | ” | ” | | पू० | १० अध्यायः । |
| १३·१ × ४ | ७ | ५२ | ” | ” | | अपू० | १-३ अध्यायाः । |
| १२·९ × ४·७ | ८ | ३९ | ” | ” | | ” | ४-७ अध्यायाः । |
| १४.२ × ३·६ | ७ | ४८ | ” | ” | | ” | |
| १३ × ४·३ | ११ | ६२ | ” | ” | १६३१ श. | पू० | |
| १४·१ × ४·५ | ९ | ५१ | ” | ” | | ” | महाभागवते १९ अध्यायः । |
| १४·१ × ३·२ | ७ | ३९ | ” | ” | | ” | कूर्मपुराणे । |
| १३.१ × ३·६ | ७ | ४८ | ” | ” | | ” | स्कान्दे अजितखण्डे ३२ अध्यायः । |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६६५५ | गीतासारः | | १-७ । |
| १६६५६ | " | | १-४ । |
| १६६५७ | गर्भगीता | | १-२ । |
| १६६५८ | " | | १ । |
| १६६५९ | रामगीता | | १-७ । |
| १६६६० | गुरुगीता | | १ । |
| १६६६१ | " | | १-१२ । |
| १६६६२ | गीतासारः | | १-३, ६-१९ । |
| १६६६३ | " | | १-९ । |
| १६६६४ | " | | २-६ । |
| १६६६५ | शिवगीता | | १-९१ । |
| १६६६६ | पाण्डवगीता | | १, ३, ५, ७-११ । |
| १६६६७ | गणेशगीता सटीका | | १-७ । |
| १६६६८ | अष्टावक्रगीता | | १-१८ । |
| १६६६९ | हंसगीता | | १-२६, ३०-३१ । |
| १६६७० | उत्तरगीता सव्याख्या | व्या. का. गौडपादाचार्यः | ३४-३७ । |
| १६६७१ | रामगीता सटीका | | १-१८ । |
| १६६७२ | भगवद्गीताटीका | श्रीधरस्वामी | ९१ । ( गणनया ) |
| १६६७३ | भगवद्गीता सटीका | टी. का. पञ्चोलाचार्यः | ११०-१३२ । |
| १६६७४ | " | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-७१ । |
| १६६७५ | " | " | १-१० । |
| १६६७६ | " सटीका | टी. का. मधुसूदनः | १-९८, १००-१५५ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·१ × ४·१ | ८ | ३५ | वङ्ग. | का. | | ” | गायत्रीन्यासश्च । |
| १४·१ × ५ | ८ | ४० | ” | ” | | ” | |
| १३·२ × ३·९ | ८ | ५० | ” | ” | | ” | |
| १२·२ × ५ | १३ | ३९ | ” | ” | | ” | |
| १०·९ × ४·४ | ८ | ३५ | ” | ” | | ” | |
| १५.४ × ३·३ | ५ | ६१ | ” | ” | | ” | कङ्कालमालिनीतन्त्रे । |
| ७·७ × ३·८ | ९ | ३२ | दे. ना. | ” | | ” | स्कन्दपुराणे १ अध्यायः । |
| ५ × २·५ | ५ | १७ | ” | ” | १७६६ | अपू० | |
| ८ × ४ | ९ | २२ | ” | ” | | ” | |
| १० × ४ | ७ | २४ | ” | ” | | पू०* | ॐकारमुक्तिपदाख्यः । |
| ६·४ × ३.७ | ६ | १६ | ” | ” | | ” | |
| ९·३ × ३·५ | ६ | २८ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·७ × ४·९ | १३ | ५६ | ” | ” | | ” | गणेशपुराणे । |
| ६·९ × ४ | १० | १७ | ” | ” | | पू० | |
| ७·२ × ४·४ | ८ | २४ | ” | ” | वं. सन् १२३४ (?) | अपू० | |
| ८·८ × ४·८ | १० | २८ | ” | ” | | ” | ३ अध्यायः । |
| १३·३ × ५·७ | ७ | ४१ | ” | ” | | पू० | मराठीभाषाटीका । |
| ९ × ४·६ | ११ | ३४ | ” | ” | | अपू० | सुबोधिनी । |
| ११ × ५ | १० | ३७ | ” | ” | १७९० | ” | टीका पञ्चोलीनामिका । १५-१८ अध्यायाः । |
| १२ × ५·१ | ७ | ३५ | ” | ” | | ” | टीका सुबोधिनी, १-८ अध्यायाः । |
| १२·४ × ६·८ | १३ | ३९ | ” | ” | | ” | १-२ अध्यायौ । |
| ११·५ × ३·४ | १६ | ५७ | वङ्ग. | ” | | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६६७७ | भगवद्गीता सटीका | टी. का. ज्ञानेश्वरः | २३७। (गणनया) |
| १६६७८ | " सभाष्या | भा.का. शङ्कराचार्यः | १-१९६। |
| १६६७९ | " सटीका | टी.का. आनन्द-गिरिः | २७३। (गणनया) |
| १६६८० | " " | टी. का. मधुसूदनः | १४४-३१६, ३१६-३२४। |
| १६६८१ | " " | टी. का. ज्ञानेश्वरः | १-७। |
| १६६८२ | गीताभाष्यम् | रामानुजः | १-१२५। |
| १६६८३ | भगवतीगीता | | १-४। |
| १६६८४ | उत्तरगीता | | १-१४। |
| १६६८५ | रामगीता सटीका | टी. का. रामकुमारः | १-४२। |
| १६६८६ | भगवद्गीता | | १-३। |
| १६६८७ | गुरुगीता | | १-८। |
| १६६८८ | सप्तश्लोकीगीता | | १-२। |
| १६६८९ | " | | १-१३। |
| १६६९० | रामगीता | | १-१४। |
| १६६९१ | भगवद्गीता | | ९७-१५७। |
| १६६९२ | " सभाष्या | | १-१६१। |
| १६६९३ | शिवगीता सटीका | | १-८। |
| १६६९४ | रामगीता | | १-११। |
| १६६९५ | " सटीका | टी. का. महीधरः | ९-१२। |
| १६६९६ | गीताभाष्यम् | शङ्कराचार्यः | ३०-३८। |
| १६६९७ | गीतातात्पर्यबोधिनी | शङ्करानन्दः | १-२४७, २४७-३००। |
| १६६९८ | शिवगीता सटीका | टी. का. वेङ्कटाद्रि-नायकः | १-१२७। |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·४ × ६·५ | ११ | १५ | दे. ना. | का. | | अपू० | टीका महाराष्ट्रभाषायाम् । |
| ९·८ × ५ | १२ | ३१ | ” | ” | १८४३ | पू० | |
| १०·७ × ३·९ | ९ | ३३ | ” | ” | | ” | |
| १२·८ × ४·९ | ८ | ४२ | वङ्ग. | ” | | अपू० | मधुसूदनीटीकायुता । |
| १०·२ × ५·७ | ११ | ३३ | दे. ना. | ” | | ” | ११ अध्याये विश्वरूपवर्णनम् । टीका महाराष्ट्रभाषायाम् । |
| ११·५ × ५·१ | ११ | ४४ | ” | ” | | पू० | |
| १२ × ३·५ | ८ | ५१ | वङ्ग. | ” | | अपू० | |
| १३ × ६·८ | १७ | ५१ | दे. ना. | ” | | ” | |
| १४·२ × ४·६ | ८ | ५५ | ” | ” | | पू० | ब्रह्माण्डपुराणान्तर्गता । |
| ९·८ × ३·९ | ७ | ३४ | वङ्ग. | ” | | अपू० | १० अध्यायः । |
| ६·८ × ४·१ | १४ | २६ | दे. ना. | ” | | पू० | स्कन्दपुराणे । |
| ६·२ × ३·४ | ८ | २० | ” | ” | | ” | चतुःश्लोकीभागवतञ्च । |
| ४·४ × २·९ | ५ | १२ | ” | ” | | ” | चतुःश्लोकीभागवतं कृष्णनिर्याणञ्च । |
| ४·४ × ४·८ | ८ | १२ | ” | ” | | ” | |
| ९·९ × ३·६ | ८ | ३६ | ” | ” | | अपू० | गुर्जरभाषाटीकायुता । |
| १२ × ५·८ | १० | ३६ | ” | ” | | पू० | |
| ९·२ × ५ | ९ | २७ | ” | ” | | ” | |
| ११·६ × ४·८ | १२ | ५५ | ” | ” | | ” | अध्यात्मरामायणे, उत्तरखण्डे । |
| १२·९ × ५·२ | २० | ५० | वङ्ग. | ” | | अपू० | |
| १०·२ × ३·८ | १२ | ३७ | दे. ना. | ” | | ” | ३-४ अध्यायौ । |
| १३·२ × ६·८ | १३ | ३६ | ” | ” | | पू० | |
| १२·४ × ६·७ | ११ | ४२ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणे । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६६९९ | शिवगीता | | २-३९ । |
| १६७०० | भगवद्गीता सटीका | टी.का. श्रीधरः | १-५६ । |
| १६७०१ | ,, | | १-१५, १[illegible]-५३, ५५-५७, ६४-७० । |
| १६७०२ | ,, | | १-२६ । |
| १६७०३ | ,, | | ३७-४६ । |
| १६७०४ | उत्तरगीता | | १-५ । |
| १६७०५ | भगवद्गीता | | १-५२, ५४-५७ । |
| १६७०६ | ,, सटीका | टी. का. जयरामः | १-३० । |
| १६७०७ | गीतासारः | | १-१३ । |
| १६७०८ | गीताविवरणम् | राजानकरामकविः | १-२१४ । |
| १६७०९ | दत्तगीता | | १-२० । |
| १६७१० | अर्जुनगीता | | १-५ । |
| १६७११ | शिवगीता | | ६-४९, ५१-५२ । |
| १६७१२ | सप्तश्लोकीगीता | | १ । |
| १६७१३ | भगवद्गीता सटीका | टी. का. श्रीधरः | १-११ । |
| १६७१४ | शिवगीता | | १, १-९४ । |
| १६७१५ | लघुगीता | | १-९ । |
| १६७१६ | भगवद्गीता सभाष्या | | १०१-१२३, १२७-१७५, १८४-१९०, २०४-२३५, २३८-२३९, २४८-२५७, २६०-२७१ । |
| १६७१७ | भगवद्गीता सटीका | टी. का. श्रीधरः | १-११२ । |
| १६७१८ | ,, ,, | ,, ,, | १-११४ । |
| १६७१९ | ,, ,, | ,, ,, | १-११३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८·६ × ४·६ | १२ | ३१ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| १३·२ × ४·३ | १३ | ७७ | वङ्ग. | ” | | ” | १-१३ अध्यायाः । तत्र १-५ अध्यायाः सटीका वङ्गभाषाटीकोपेताश्च । |
| ८·८ × ३·९ | ८ | २४ | दे. ना. | ” | १७११ | ” | |
| ८ × ४·३ | ५ | २२ | ” | ” | | ” | |
| १० × ३·७ | ८ | ३७ | ” | ” | | ” | |
| ८·२ × ४·३ | १० | २५ | ” | ” | | ” | |
| ८·५ × ३·५ | ७ | ३० | ” | ” | | ” | |
| १२·८ × ४·९ | १४ | ४५ | ” | ” | | पू० | ८ अध्यायः । |
| ४·५ × ६·७ | १३ | ११ | ” | ” | १८३० | ” | |
| ८·३ × १३·३ | ३० | २५ | ” | ” | १८४९ श. | ” | |
| ९·७ × ५·१ | ९ | ३१ | ” | ” | १७६० श. | ” | |
| ११ × ३.२ | ९ | ५८ | ” | ” | १६९८ | ” | |
| ८·५ × ४ | ९ | २६ | ” | ” | १६८५ श. | अपू० | |
| ८·३ × ४·५ | ९ | २७ | ” | ” | | पू० | |
| १०·५ × ४·८ | १० | ३३ | ” | ” | | ” | |
| ६·४ × ३·८ | ८ | १९ | ” | ” | | ” | |
| ६·५ × ४·६ | ८ | १६ | ” | ” | | ” | महाराष्ट्रभाषायां हिन्दीभाषायाञ्च समश्लोकीसहिता । |
| ११·१ × ३·५ | ७ | २६ | ” | ” | | अपू० | |
| १३·१ × ६·५ | ९ | ३५ | ” | ” | | पू० | |
| १३·३ × ६·४ | १३ | ४४ | ” | ” | १८२९ | ” | |
| १२ × ४·६ | ९ | ३९ | ” | ” | १६९२ | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६७२० | भगवद्गीता सटीका | टी.का. राजानक-रामकण्ठः | १-२७ (=२८) २९-५२, ४९-५३, ५३-६४ (=६५) ६६-१११ (=११२) ११३-२०६ । |
| १६७२१ | " " | | १-१३९ । |
| १६७२२ | शिवगीता " | टी. का. केलदी-वेंकटाद्रिनायकः | १-१६५ । |
| १६७२३ | रामगीता " | टी. का. श्रीधरः | १-१० । |
| १६७२४ | " | | १-९ । |
| १६७२५ | " | | १-१० । |
| १६७२६ | भगवद्गीता | | १-७८ । |
| १६७२७ | " | | २-५६ । |
| १६७२८ | " | | १३५ । (गणनया) |
| १६७२९ | " | | ८-१३, १५-१५८, १-२२, १-१७ । |
| १६७३० | गणेशगीता | | १-६७, ६९-७९, ७७-८३, ८३-८४, ८६-१११ । |
| १६७३१ | गीतासारः | | १-६ । |
| १६७३२ | " | | १-७ । |
| १६७३३ | " | | १-५ । |
| १६७३४ | पाण्डवगीता | | १, ३-४, १३ । |
| १६७३५ | " | | १-५, ९-११ । |
| १६७३६ | पाण्डवगीता | | १० (गणनया) । |
| १६७३७ | गीतारहस्यप्रकाशः | जगदीशतर्कालङ्कारः | १-१३ । |
| १६७३८ | ब्रह्मगीता | | १-२६, २६-८६ । |
| १६७३९ | " | | १-६१, ६१-८७ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·२ × ४·१ | ११ | ४५ | दे. ना. | का. | १८७६ | पू० | टीका सर्वतोभद्राख्या। |
| १३·१ × ४·८ | १० | ४७ | ” | ” | | ” | पञ्चोलीटीकासहिता। |
| १०·७ × ५·९ | १० | ३१ | ” | ” | १९०६ | ” | पाद्मोत्तरखण्डे। |
| १०·४ × ४ | १९ | ३९ | ” | ” | | ” | |
| ९ ९ × ३·९ | ७ | ३० | ” | ” | १९३२ | ” | हनुमद्द्वादशनामस्तोत्रञ्च। |
| ७·९ × ४·३ | ७ | २३ | ” | ” | | ” | |
| ८ × ४·९ | ७ | १८ | ” | ” | | ” | |
| ८·७ × ४ | ९ | २७ | ” | ” | १८३४ | अपू० | |
| ६·४ × ३ | ८ | १४ | ” | ” | | पू० | |
| ९·८ × ४ | ८ | १२ | ” | ” | श. १७१(?) | अपू० | विष्णोर्दिव्यसहस्रनामस्तोत्रं गजेन्द्र-मोक्षो विष्णुस्तवराजः प्रयाणकालो-पदेशश्च। |
| ६·१ × ४·८ | ८ | १४ | ” | ” | | पू० | गणेशस्य कवचसहस्रनामस्तोत्र-दुर्गोपनिषत्सङ्कटनाशनस्तोत्रद्वादश-नामानि च। |
| ११·२ × ९·१ | ८ | २९ | ” | ” | | ” | |
| ७·६ × ३·९ | ७ | २९ | ” | ” | | ” | |
| ९·३ × ४·९ | १० | ३२ | ” | ” | १८६० | ” | |
| ६·१ × ३·५ | ७ | १९ | ” | ” | | अपू० | |
| ८·३ × ४ | ७ | २३ | ” | ” | १७८८ | ” | |
| १६·६ × ४ ३ | ९ | ४८ | दे. ना. | ” | १९०७ | पू० | नेपालीभाषाटीकासहित। |
| १८ × ४·४ | ८ | ७० | वङ्ग. | ” | | ” | १-२ अध्यायौः। |
| ७·१ × ३·९ | ९ | २१ | दे. ना. | ” | १९७६ | ” | १-१२अध्यायाः। |
| ७·७ × ३·८ | ८ | २७ | ” | ” | १९६९ | ” | १-१२ अध्यायाः। |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६७४० | गुरुगीता | | १-१४ । |
| १६७४१ | " | | १-१४ । |
| १६७४२ | गीतासारः | | १-११ । |
| १६७४३ | गीताव्याख्या | व्या.का.चक्रवर्त्ती | २ । ( गणनया ) |
| १६७४४ | सप्तश्लोकीगीता | | १-२ । |
| १६७४५ | भगवद्गीता | | १-१३८ । |
| १६७४६ | " | | १-६५ । |
| १६७४७ | " | | १-४० । |
| १६७४८ | उत्तरगीता | | १-२४ । |
| १६७४९ | पाण्डवगीता | | १-११ । |
| १६७५० | गणेशगीता | | १-१०, १९-२०, ३०-६९ । |
| १६७५१ | अवधूतगीता | दत्तात्रेयः | ३-१७ । |
| १६७५२ | याज्ञवल्क्यगीता | याज्ञवल्क्यः | १-३० । |
| १६७५३ | भगवद्गीताटीका | टी. का. श्रीमद्दैवज्ञ-पण्डितवर्यसूर्यः | २७ । ( गणनया ) |
| १६७५४ | भगवद्गीताभाष्यं सटीकम् | श्रीशङ्कराचार्यः टी. आनन्दगिरिः | १-२२३, २२३-२८९, २८९-३३५ । |
| १६७५५ | भगवद्गीता सटीका | टी. का. श्रीधरः | १-१३८ । |
| १६७५६ | " | | २२७ । ( गणनया ) |
| १६७५७ | " सभाष्या | भा. शङ्कराचार्यः | १-२, ४-२५७ । |
| १६७५८ | " सटीका | टी. का. श्रीधरः | १- ११३ । |
| १६७५९ | " " | टी. का. श्रीबाल-कृष्णदासः, निम्बा-र्कमतावलम्बि-गिरिधरदासशिष्यः | १ (=२) ३-१८६ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७·८ × ३·४ | ७ | २८ | वङ्ग. | का. | | पू० | विश्वसारतन्त्रे । |
| ६·७ × ४·४ | ७ | २० | दे. ना. | ” | | अपू० | |
| ५·५ × ४·१ | १२ | १३ | ” | ” | १८२२ | पू० | |
| १३ × ६ | १४ | ४२ | ” | ” | | ” | सर्वधर्मानित्यादिश्लोकस्य । |
| ९·९ × ४·४ | ८ | ३० | ” | ” | | ” | सप्तश्लोकीभागवतञ्च । |
| ९·२ × ४·२ | ५ | १९ | ” | ” | | ” | |
| ७·१ × ३·८ | १२ | २७ | ” | ” | १८४७ | ” | |
| ९·२ × ४·७ | १० | ३० | ” | ” | १८२६ | ” | |
| ५·८ × ३·६ | ७ | १५ | ” | ” | | ” | महाभारताश्वमेधपर्वणि । |
| ८.२ × ४·४ | ८ | २२ | ” | ” | १८०९ | ” | |
| ५·९ × ४ | ७ | १८ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·५ × ३·४ | ७ | ५२ | ” | ” | | ” | १-८ प्रकरणानि । |
| ९·२ × ४·६ | १० | २५ | ” | ” | | ” | |
| १२·४ × ४·७ | ११ | ५८ | ” | ” | | ” | परमार्थप्रपाख्या । |
| १२·५ × ४·३ | ११ | ३४ | ” | ” | १७७७ | पू० | |
| ११·१ × ४·८ | १० | ४६ | ” | ” | १८४३ | ” | |
| ३·८ × २·७ | ६ | १३ | ” | ” | | ” | विष्णुसहस्रनामस्तोत्रं रामरक्षास्तोत्रञ्च । |
| ११·२ × ४·२ | ८ | ३९ | ” | ” | | अपू० | |
| १३ × ५·६ | १० | ४० | ” | ” | १७३० | पू० | |
| १४·६ × ५·६ | १२ | ५७ | ” | ” | १९२८ | ” | टीका भावप्रकाशिनी । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६७६० | भगवद्गीता | | ३९ । (गणनया) |
| १६७६१ | " सभाष्या | भा.शङ्कराचार्यः | १०-२३, २६-५१ । |
| १६७६२ | " | | १-१६९, १६९-१८६ । |
| १६७६३ | शिवगीता | | १-२२ । |
| १६७६४ | " सटीका | टी. का. व्यङ्कटाद्रिनायकः | १-१०७ । |
| १६७६५ | रामगीता " | | १-१७ । |
| १६७६६ | गणेशगीतासारः | | १-४ । |
| १६७६७ | गणेशगीता | | १-४८ । |
| १६७६८ | पाण्डवगीता | | १-२२ । |
| १६७६९ | ज्ञानगीता | | १-२१ । |
| १६७७० | रामगीता | | १-६ । |
| १६७७१ | " | | २-१० । |
| १६७७२ | उत्तरगीता | | १-२० । |
| १६७७३ | " | | १-१२ । |
| १६७७४ | उत्तरगीताटिप्पणसारः | | १-८ । |
| १६७७५ | शिवरामगीता | | १-४६ । |
| १६७७६ | गणपतिगीता | | २३-४८, ५२-५५, ५७-६७, ६९-७६, ८०-८५। |
| १६७७७ | दत्तात्रेयगीता | | १-२१ । |
| १६७७८ | कपिलगीता | | १-१७ । |
| १६७७९ | पाण्डवगीता | | १-१० । |
| १६७८० | " | | १-२५ । |
| १६७८१ | " | | २-१२, १४-१७ । |
| १६७८२ | " | | १, ३-४, ६-१७ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७·५ × ३·८ | ७ | १६ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ८·७ × ३·५ | ६ | ३१ | " | " | १७१९ | " | १३ अध्यायः । |
| ९.१ × ५ | ८ | २७ | " | " | १८८६ | पू० | मराठीसमश्लोकीसहिता । |
| ९·५ × ५ | १५ | ३८ | " | " | १७३४ श. | " | |
| १२·९ × ४·८ | ९ | ५१ | " | " | १८६९ | " | |
| १३·५ × ६·५ | ११ | ५६ | " | " | | " | |
| ४·४ × २·४ | ७ | १४ | " | " | १८७९ | " | श्रीमदान्त्ये मौद्गलपुराणे । |
| ५·९ × ४ | ८ | १९ | " | " | | " | |
| ६·७ × ३·९ | ५ | १८ | " | " | | " | |
| ६·१ × ३·४ | १० | २६ | " | " | | " | अवधूतगीता वा । |
| ९·३ × ४·२ | ८ | ३३ | " | " | | " | |
| ६·३ × ४ | ९ | १९ | " | " | १९१३ | अपू० | |
| ५·९ × ३·३ | ८ | १६ | " | " | | पू० | |
| ७·६ × ४·४ | ७ | २२ | " | " | १७२१ | " | निष्कलाध्यायः । |
| ८·७ × ३·९ | १२ | ४२ | " | " | १६९४ | " | |
| ८·४ × ४·६ | ६ | २० | " | " | | " | |
| ६·३ × ४·२ | ७ | १३ | " | " | | अपू० | गणेशकवचगणेशसहस्रनामसहिता । |
| ११ × ४·९ | ९ | ३० | " | " | | पू० | |
| ११·५ × ५·३ | ११ | ३७ | " | " | १७२० श. | " | |
| ५·६ × ३·५ | ८ | १६ | " | " | | अपू० | |
| ६·२ × ४·२ | ७ | १३ | " | " | | " | |
| ५·५ × ३·१ | ६ | १७ | " | " | १७७८(?) | " | |
| ५·३ × ३·७ | ८ | १४ | " | " | १८३५ | " | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६७८३ | भगवद्गीता | | २ । ( गणनया ) |
| १६७८४ | ,, | | १-२ । |
| १६७८५ | ,, सटीका | | १ । ( गणनया ) |
| १६७८६ | अष्टादशश्लोकीगीता | | १ । |
| १६७८७ | गीतार्थसंग्रहः | | १-२ । |
| १६७८८ | सप्तश्लोकीगीता | | ४१- ४८ । |
| १६७८९ | गुरुगीता | | १-१० । |
| १६७९० | ,, | | १-१९ । |
| १६७९१ | ,, | | २-४ । |
| १६७९२ | ,, | | ३-१६ । |
| १६७९३ | ,, | | १ । |
| १६७९४ | गीतासारः | | १ । |
| १६७९५ | ,, | | १-११ । |
| १६७९६ | ,, | | १-६ । |
| १६७९७ | ,, | | १-९ । |
| १६७९८ | अष्टावक्रगीता | | १-३६ । |
| १६७९९ | ,, सटीका | टी. का. विश्वेश्वरः | १-४२ । |
| १६८०० | शतश्लोकीगीता | | १-१०, १ । |
| १६८०१ | गीतासप्तश्लोकी | | १-२ । |
| १६८०२ | वैष्णवगीता | | १-४ । |
| १६८०३ | रामगीता | | १-७ । |
| १६८०४ | शिवगीता | | २-८० । |
| १६८०५ | भगवद्गीता सटीका | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-१६७ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५ × ३·३ | ९ | १८ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ५ × २·७ | ८ | १९ | ,, | ,, | | ,, | |
| ६·३ × ३·२ | ९ | २३ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५ × ३·३ | १० | १५ | ,, | ,, | | ,, | |
| १४·३ × ४·१ | ८ | २६ | ,, | ,, | | पू० | अष्टादशाध्यायः। |
| ४·२ × २·८ | ५ | १४ | ,, | ,, | | अपू० | विष्णुपञ्जरस्तोत्रञ्च। |
| ९·९ × ४·२ | ९ | ३९ | ,, | ,, | | पू० | स्कन्दपुराणे। |
| ४·९ × ३·३ | ७ | १७ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८ × ३·१ | ७ | २८ | ,, | ,, | | अपू० | |
| ७·८ × ३·६ | ५ | २० | वङ्ग. | ,, | | ,, | विश्वसारमहातन्त्रे। |
| ८·५ × ४·२ | ७ | २६ | दे. ना. | ,, | | ,, | |
| ५ × ३·३ | ८ | १६ | ,, | ,, | | ,, | |
| ९·४ × ४ | ८ | २७ | ,, | ,, | १७८८ | पू० | |
| ९·१ × ४ | १० | २५ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७·३ × ५·५ | १३ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ५·६ × ३·८ | ८ | १८ | ,, | ,, | | ,, | |
| ११·५ × ५·२ | ९ | ५१ | ,, | ,, | | ,, | |
| ७·३ × ४·२ | ८ | २७ | ,, | ,, | | अपू० | सप्तश्लोकीगीता च। |
| ६·४ × ३·३ | ६ | १९ | ,, | ,, | | पू० | |
| ८·५ × ३·७ | ९ | २६ | ,, | ,, | | ,, | १ अध्यायः। |
| ५·८ × ३·१ | १२ | २२ | ,, | ,, | | ,, | |
| ८·६ × ४ | ७ | २६ | ,, | ,, | | अपू० | |
| १०·३ × ५·३ | १० | २८ | ,, | ,, | १६५५ | पू० | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|---|
| १६८०६ | भगवद्गीता | सटीका | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-१०४ । |
| १६८०७ | " | " | टी.का.मधुसूदन-सरस्वती | १-२४८ । |
| १६८०८ | | " | | १-२५२ । |
| १६८०९ | " | " | टी.का.वल्लभाचार्यः | १-१३८ । |
| १६८१० | " | " | " | १-१३८ । |
| १६८११ | " | सभाष्या | भा. शङ्कराचार्यः | १-१६५, १६८-२२८। |
| १६८१२ | " | | | १३-९५, ९९, १०१-१०२, ११०-१२९ । |
| १६८१३ | " | | | ८८ । (गणनया) |
| १६८१४ | " | | | १-३६ । |
| १६८१५ | " | | | ६-१३,१८-२०,२२ २९,३३,३५-६४,६७-७८। |
| १६८१६ | " | | | १-४६ । |
| १६८१७ | " | | | १-१९ । |
| १६८१८ | " | | | ३-७५ । |
| १६८१९ | " | | | ५९ । (गणनया) |
| १६८२० | " | | | १-१८६ । |
| १६८२१ | " | | | १-८६ । |
| १६८२२ | " | | | १-१५६ । |
| १६८२३ | " | | | १-६३ । |
| १६८२४ | " | | | ६-४३, ५०-६२, ६८ । |
| १६८२५ | " | | | १-३, ३-४, २३-२४। |
| १६८२६ | " | | | २-११, १३-८१ । |
| १६८२७ | " | | | १-६८ । |
| १६८२८ | " | | | १-४२, ४४-६३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२ × ५ | १० | ३२ | दे. ना. | का. | १७४८ | पू० | सुबोधिनीटीकासहिता । |
| ११·७ × ४·४ | १२ | ४६ | ” | ” | १७४२ | ” | गूढार्थदीपिकाख्या टीका । |
| १०·५ × ५·२ | ९ | २८ | ” | ” | | ” | रसिकरञ्जिनीटीकोपेता १-६ अध्यायाः । |
| १३ × ५ | १० | ४८ | ” | ” | १८५८ | ” | तत्त्वदीपिकाटीकोपेता । |
| १२·९ × ४·९ | १० | ४२ | ” | ” | | ” | ” |
| ११·४ × ४·६ | ८ | ३६ | ” | ” | | अपू० | |
| ६·३ × ३·३ | ५ | १७ | ” | ” | | ” | |
| ६ × ४·३ | ९ | १६ | ” | ” | १८२३ | ” | |
| ९·४ × ५·३ | १२ | ३० | ” | ” | | पू० | |
| ८·२ × ४·६ | ९ | १९ | ” | ” | १७६३ | अपू० | |
| ९·५ × ६·२ | ११ | २२ | ” | ” | १८६३ | पू० | विष्णुसहस्रनाम अपूर्णा रामगीता च । |
| ८·४ × ३·२ | ६ | २४ | वङ्ग. | ” | | अपू० | |
| ९·५ × ३·२ | ६ | ३४ | दे. ना. | ” | | ” | |
| १३ × १·४ | ५ | ५७ | वङ्ग. | ता. प. | | ” | |
| ५·३ × ३·२ | ५ | १४ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ७·१ × ४ | ७ | १८ | ” | ” | १८४४ | ” | |
| ८·१ × ४·१ | ५ | १७ | ” | ” | १७५७ | ” | |
| ९ × ५·७ | ११ | २६ | ” | ” | १८७४ | ” | |
| ७·७ × ४·१ | ८ | २७ | ” | ” | | अपू० | |
| ५·१ × ३·२ | ७ | १४ | ” | ” | | ” | |
| ७ × ५·४ | १० | १४ | ” | ” | | ” | |
| ८·४ × ४ | ८ | २२ | ” | ” | १८२८ | पू० | |
| ९·१ × ४·१ | ७ | २७ | ” | ” | | अपू० | |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६८२९ | भगवद्गीता | | १-७० । |
| १६८३० | " सटीका | | ३-४३ । |
| १६८३१ | भगवद्गीताटीका | | १७-१९ । |
| १६८३२ | गीताव्याख्या | | १-४ । |
| १६८३३ | भगवद्गीताभाष्यविवेचनम् | आनन्दज्ञानाचार्य्यः | १-१२१, १२१-१२६ । |
| १६८३४ | शिवगीता | | १-४२ । |
| १६८३५ | भगवद्गीताव्याख्या | नीलकण्ठचतुर्द्धरः | १, ३-६ । |
| १६८३६ | भगवद्गीताटीका | श्रीधरस्वामी | १-१५९ । |
| १६८३७ | गीताभाष्यव्याख्या | आनन्दगिरिः | १, ३-१३६ । |
| १६८३८ | भगवद्गीता सटीका | | १-५ । |
| १६८३९ | " सभाष्या | भा.का.शङ्कराचार्यः | २६३ । ( गणनया ) |
| १६८४० | " सटीका | | १-१०५ । |
| १६८४१ | " | | ४-५२ । |
| १६८४२ | " | | २९ । ( गणनया ) |
| १६८४३ | " सटीका | टी.का.ब्रह्मेन्द्रयतिः | १-२४ (=२५-२८) २९-१७ । |
| १६८४४ | " | | १-१४ । |
| १६८४५ | " | | ५३-७० । |
| १६८४६ | " | | १० । ( गणनया ) |
| १६८४७ | " | | ५३-६९ । |
| १६८४८ | भगवतीगीता | | १-३ । |
| १६८४९ | " | | १-२ । |
| १६८५० | भगवद्गीता सटीका | टी.का.यामुनाचार्यः | १-६८ । |
| १६८५१ | " सभाष्या | टी.रामानुजाचार्यः | १-४८, ४८-६५, ६८-१३२ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·२ × ४·१ | ७ | २८ | दे. ना. | का. | १९३८ | पू० | |
| १०·७ × ४·५ | ९ | ३९ | ” | ” | | अपू० | २ अध्यायः । |
| १०·७ × ४·६ | ८ | ३७ | ” | ” | | ” | |
| ५ × ३·१ | १० | १६ | ” | ” | | पू० | सुबोधिनी, गीतासारसङ्ग्रहात्मिका। |
| १२ × ५·२ | १३ | ३६ | ” | ” | | अपू० | |
| ११·७ × ४·७ | ९ | ३३ | ” | ” | | पू० | अष्टादशाध्यायः । |
| १२·३ × ६·१ | १५ | ४३ | ” | ” | | अपू० | |
| ११ × ४·९ | ९ | २८ | ” | ” | | पू० | सुबोधिनी । |
| १०·७ × ४·६ | १५ | ४६ | ” | ” | | अपू० | |
| १२·३ × ४·९ | १० | ४७ | ” | ” | १८६१ | पू० | प्रथमाध्यायस्य १-२० श्लोकाः । |
| १२·१ × ५·८ | ७ | २६ | ” | ” | १८७३ | ” | |
| १४ × ७·१ | १३ | ३३ | ” | ” | | ” | टीका, अमृततरङ्गिणी । |
| ११·४ × १·७ | ५ | ५१ | वङ्ग. | ता. प. | | अपू० | |
| ९·५ × २ | २० | × | द्राविड़ | ” | | पू० | |
| १०·५ × ४·९ | १२ | ३४ | दे. ना. | का. | | ” | प्रबोधचन्द्रिकाख्यमराठीटीका । |
| १०·१ × ३·४ | ७ | ४० | वङ्ग. | ” | | ” | १०-१४ अध्यायाः । |
| १२·९ × ४·३ | ४ | ३६ | ” | ” | | अपू० | १५-१८ अध्यायाः । |
| १३ × ४·४ | ८ | ४४ | ” | ” | | ” | १३-१४, १७-१८ अध्यायाः । |
| १२·९ × ४·८ | ५ | ३१ | ” | ” | | ” | १५-१८ अध्यायाः । |
| १३·४ × ४·९ | १० | ५१ | ” | ” | | ” | कूर्मपुराणीया । अन्तिमपत्रे प्रणवस्य ऋषिच्छन्दआदिकं वर्त्तते । |
| ९.९ × ४·१ | १४ | ४० | ” | ” | | पू० | कूर्मसंहितायाम् । |
| १३·८ × ५·४ | ११ | ६० | ” | ” | | ” | |
| ११·३ × ४·५ | ९ | ११ | ” | ” | | अपू० | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६८५२ | भगवद्गीता सभाष्या | टी.रामानुजाचार्यः | १-१३७ । |
| १६८५३ | " " | " " | १-१०६ । |
| १६८५४ | भगवद्गीताभाष्यटीका | टी. आनन्दगिरिः | २० । ( गणनया ) |
| १६८५५ | भगवद्गीता सटीका | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-१६, १६-६४, ६४-७२, ७५-१[illegible] । |
| १६८५६ | " " | " " | १-११२ । |
| १६८५७ | " " | " " | १-१०४ । |
| १६८५८ | " " | " " | ३१-५७ । |
| १६८५९ | " " | " " | ९७-११० । |
| १६८६० | भगवद्गीताभाष्यम् | भा.का.शङ्कराचार्यः | १-५, ७ । |
| १६८६१ | शिवगीता | | ९-२२ । |
| १६८६२ | " | | १-१६ । |
| १६८६३ | ऋभुगीता | | ३-६ । |
| १६८६४ | भगवद्गीता सभाष्या | भा. रामानुजाचार्यः | १-१३९ । |
| १६८६५ | " " | भा. का. पिशाचः ? | १-६४ । |
| १६८६६ | " सटीका | टी. का. शङ्करानन्दः | १-४१८ । |
| १६८६७ | ब्रह्मगीता " | " माधवाचार्यः | २१-९४ । |
| १६८६८ | रामगीता | | २८-३५ । |
| १६८६९ | पाण्डवगीता | | २-१० । |
| १६८७० | गुरुगीता | | २-३ । |
| १६८७१ | गुरुगीता | | ३-५ । |
| १६८७२ | भगवद्गीताभाष्यटीका | भा. का. रामानुजाचार्यः टी.का. व्यङ्कटनाथः | १-४७६ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११·७ × ९·८ | १४ | ४७ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १२·९ × ९·८ | १४ | ४२ | ” | ” | १७६० | ” | |
| १३·९ × ४·९ | १५ | ६३ | वङ्ग. | ” | | अपू० | |
| १३·१ × ६ | ११ | ३५ | दे. ना. | ” | | ” | सुबोधिन्याख्या । |
| १३·४ × ५·१ | १० | ४० | ” | ” | १७५६ | ” | ” |
| १२·३ × ४·९ | ११ | ४५ | ” | ” | | ” | |
| १० × ४·६ | १४ | ४० | वङ्ग. | ” | | अपू० | सुबोधिनी । |
| १३ × ४ | ११ | ५४ | ” | ” | | ” | ” |
| १३ × ३·९ | १० | ५१ | ” | ” | | ” | |
| ९·९ × ४·६ | ८ | ३७ | ” | ” | | ” | पाद्मे । |
| १३ × ५ | १० | ३७ | ” | ” | | ” | ” |
| १२ × ३·२ | ६ | ३२ | ” | ” | | ” | |
| १३·३ × ६·६ | १२ | ५० | दे. ना. | ” | १८९५ | पू० | |
| १३·२ × ८·४ | २३ | २५ | ” | ” | १९४३ | ” | |
| १२·३ × ४·७ | १२ | ४१ | ” | ” | १८६० | ” | तात्पर्यबोधिन्याख्या । |
| १२ × ५·२ | १५ | ५९ | ” | ” | | अपू० | तात्पर्यदीपिकाख्या । |
| १४ × ४·३ | ८ | ६१ | वङ्ग. | ” | | ” | पञ्चमाध्यायः । रामगीताप्रशंसनं शङ्कराचार्यविरचितमपरोक्षानुभवाख्यं प्रकरणञ्च । |
| ९·५ × ३·४ | ७ | २७ | दे. ना. | ” | | ” | |
| ९·७ × ४ | ८ | ३७ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| १३ × ४·७ | ३२ | ५१ | ” | ” | | ” | |
| ११·६ × ७·६ | १९ | १९ | दे. ना. | ” | १९५५ | पू० | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६८७३ | भगवद्गीताभाष्यटीका | भा.का.शङ्कराचार्यः टी.का.आनन्दज्ञानः (शुद्धानन्दशिष्यः) | १-९ । |
| १६८७४ | गणेशगीता सभाष्या | भा.का. गार्ग्यः | १-३२; १-१६; १-१९; १-१४; १-१३; १-७ १-८; १-६; १-१३; १-५; १-१४ । |
| १६८७५ | देवीगीता | | १-४९ । |
| १६८७६ | भगवद्गीता सटीका | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-५० (=५१) ५२-५६ । |
| १६८७७ | " " | " | ९-८० (=८१) ८२-९३, ९५-१२९ । |
| १६८७८ | " | | २१ । ( गणनया ) |
| १६८७९ | " | | १-३, ५ । |
| १६८८० | रामगीता | | १-८ । |
| १६८८१ | " | | १-३ । |
| १६८८२ | " | | १-११ । |
| १६८८३ | " | | १-७ । |
| १६८८४ | गणेशगीतासारः | | १-२ । |
| १६८८५ | योगगीता | | १-४ । |
| १६८८६ | उत्तरगीता | | ६-१२ । |
| १६८८७ | पाण्डवगीता | | १-१७, १-५ । |
| १६८८८ | " | | १-६ । |
| १६८८९ | " | | ६-८, १०-१३ । |
| १६८९० | " | | १, ४-१३ । |
| १६८९१ | नारदगीता | | १-३ । |
| १६८९२ | गर्भगीता | | १-२ । |
| १६८९३ | रामगीता | | १-४ । |
| १६८९४ | " सटीका | | १-१५ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·६ × ६·८ | १५ | ५१ | दे. ना. | का. | | पू० | १५ अध्यायः। |
| १२·३ × ७·१ | १३ | ३५ | ” | ” | १८०८ श. | ” | १-११ अध्यायाः। |
| ९·६ × ४·३ | ६ | ३२ | ” | ” | | ” | देवीभागवते ७ स्कन्धे १-१०अध्यायाः। |
| ११·७ × ५·१ | १३ | ४० | ” | ” | | अपू० | सुबोधिन्याख्या। |
| ९·५ × ४·८ | १२ | ३२ | ” | ” | | ” | ” |
| ६·१ × ३·८ | ८ | २ | ” | ” | | ” | |
| ५·७ × ३·७ | ७ | १८ | ” | ” | | ” | |
| १०·६ × ३·५ | ६ | ४० | ” | ” | | पू० | |
| १०·४ × ४·५ | १३ | ४७ | ” | ” | | ” | |
| ६·६ × ३·५ | ७ | १८ | ” | ” | | अपू० | |
| ८·५ × ४·९ | ११ | २६ | ” | ” | | पू० | |
| ८·७ × ५ | १३ | ३२ | ” | ” | | ” | मौद्गलपुराणे १ खण्डे १६ अध्यायः। |
| ९·८ × ४·३ | ११ | ३९ | ” | ” | | ” | तत्त्वविचारयोगो नामैकादशोऽध्यायः। |
| ५·६ × ३·३ | १२ | २४ | ” | ” | १६३१ श. | अपू० | २–३ अध्यायौ। |
| ६·१ × ४·६ | ९ | १० | ” | ” | | पू० | आदित्यहृदयस्तोत्रञ्चापूर्णम्। |
| ९ × ५·१ | १३ | ४२ | ” | ” | १८५१ | ” | |
| ४·४ × ३·५ | ११ | १६ | ” | ” | १५१८ | अपू० | |
| ९ × ३·७ | ६ | २४ | ” | ” | | ” | |
| ९·८ × ५·१ | ११ | ३५ | ” | ” | | पू० | |
| ९·७ × ५·१ | १३ | ३५ | ” | ” | | ” | |
| ९·७ × ५·१ | १३ | ४५ | ” | ” | १८७१ | ” | |
| ९·६ × ५·१ | १२ | ४४ | ” | ” | १८७१ | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६८९५ | सप्तश्लोकीगीता | | १ । |
| १६८९६ | अर्जुनगीता | | १-१२ । |
| १६८९७ | उत्तरगीता | | १-५ । |
| १६८९८ | भगवद्गीता | | १-४ । |
| १६८९९ | " सटीका | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-११५, ११७-१८४ । |
| १६९०० | भगवद्गीताटीका | | ३ ( गणनया ) । |
| १६९०१ | भगवद्गीता | | १-४४, ४६, ४५-४६, ४८-६७ । |
| १६९०२ | " | | १-६ । |
| १६९०३ | " | | १३८ । ( गणनया ) |
| १६९०४ | " | | १-८० । |
| १६९०५ | " | | १-३, १-६७ । |
| १६९०६ | " | | १-६५, ६५, ६७-१७०, १७२-१८३ । |
| १६९०७ | " | | १-१५८ । |
| १६९०८ | " | | १२८ । ( गणनया ) |
| १६९०९ | " | | १-६७ । |
| १६९१० | " | टी.का. तुलसीदासः | १-१८७ । |
| १६९११ | " | | १-१६ । |
| १३९१२ | " | | २-९। |
| १६९१३ | " | | १-६२ । |
| १६९१४ | " | | १-१३१, १३१-१३४ । |
| १६९१५ | " | | १-७५ । |
| १६९१६ | " | | १-८, १-१३४, १, १-३६, १-१८, १-४, १-२, १-६ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·८ × ५ | १० | ३६ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ८·७ × ३·७ | ७ | २९ | ” | ” | | ” | |
| ९·७ × ९·१ | १३ | ४० | ” | ” | | ” | १-३ अध्यायाः । |
| ९ × १·७ | ७ | ४८ | वङ्ग. | ता. प. | | अपू० | १०-११ अध्यायौ । |
| ११·३ × ४·२ | ७ | २४ | दे. ना. | का. | १६७२ | ” | |
| ११·१ × ४·३ | ७ | ४४ | ” | ” | | ” | |
| ९·७ × ३·४ | ६ | ३३ | ” | ” | १८०४ | ” | |
| ६·४ × ३·४ | ६ | १४ | ” | ” | | पू० | १९ अध्यायः । |
| ९·९ × ३·९ | ६ | १६ | ” | ” | १६८६श. | ” | |
| ७·८ × ४·४ | ९ | २२ | ” | ” | | ” | |
| ७ × ३·४ | ९ | २२ | ” | ” | १७९१ | ” | |
| ९·१ × ३·२ | ९ | १४ | ” | ” | | अपू० | |
| ४·६ × ३·१ | ६ | १२ | ” | ” | | पू० | |
| ७·९ × ३·६ | ५ | १९ | ” | ” | | ” | |
| ८·३ × ४·१ | ७ | २१ | ” | ” | | ” | |
| ९·२ × ४ | ७ | ३८ | ” | ” | १८९९ | ” | हिन्दीमराठीभाषासमश्लोकोटीका-सहिता । |
| ९ × ३·१ | ९ | १२ | ” | ” | | ” | १ अध्यायः । |
| ९·४ × ३·७ | ७ | ३६ | ” | ” | | अपू० | |
| ७·७ × ३·८ | ७ | २८ | ” | ” | | पू० | |
| ९·२ × ३·२ | ७ | १४ | ” | ” | १७०२श. | ” | विष्णुसहस्रनामस्तोत्रञ्च । |
| ८·४ × ३·९ | ७ | २५ | ” | ” | | ” | |
| ९·९ × ३ | ६ | २१ | ” | | १८०९ | ” | तर्पणविधिस्नानविधिगायत्रीजपविधिहस्तामलकोपनिषत्स्वानुभवपञ्चकब्रह्मैक्यवृत्त्यष्टकपञ्चामृतमन्त्राश्च । |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६९१७ | भगवद्गीता | टीका. श्रीधरस्वामी | १-४, १-२, १-२, १-२७ । |
| १६९१८ | पाण्डवगीता | | १-६ । |
| १६९१९ | " | | १-८ । |
| १६९२० | " | | १-८ । |
| १६९२१ | " | | २-१२ । |
| १६९२२ | " | | २-१४ । |
| १६९२३ | " | | १-११ । |
| १६९२४ | " | | १-९ । |
| १६९२५ | " | | १-१० । |
| १६९२६ | रामगीता | | १-१४ । |
| १६९२७ | " | | १-१०, २ ८ । |
| १६९२८ | " सटीका | टी. का. महीधरः | १-१५ । |
| १६९२९ | गुरुगीता | | १-२१ । |
| १६९३० | " | | १-२४ । |
| १६९३१ | गीतासारः | | ५ । ( गणनया ) |
| १६९३२ | " | | ३-८ । |
| १६९३३ | उत्तरगीता | | १-९ । |
| १६९३४ | " | | १-६ । |
| १६९३५ | गणेशगीता | | १-१३ । |
| १६९३६ | गर्भगीता | | २-४ । |
| १६९३७ | " | | १-३ । |
| १६९३८ | " | | २ । ( गणनया ) |
| १६९३९ | हंसगीता | | ६३-१०५ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·५ × ४·२ | १० | ३६ | दे. ना. | का. | | अपू० | अत्र चत्वारि पत्राणि निरङ्काणि । |
| ६·४ × ३·८ | १० | ३१ | ” | ” | | ” | |
| ९·९ × ४·५ | ९ | ३० | ” | ” | १७६८ | पू० | |
| ८·५ × ४·५ | ९ | ३१ | ” | ” | | ” | |
| ८·५ × ३·८ | ७ | २६ | ” | ” | १७९३ | अपू० | |
| ५·६ × ३·८ | १० | १९ | ” | ” | | ” | |
| ६·७ × ४·४ | ९ | २३ | ” | ” | १८३७ | पू० | |
| ६ × ४·८ | १३ | १७ | ” | ” | | ” | |
| ७ × ३·६ | ७ | २५ | ” | ” | | ” | |
| ६·६ × ३·८ | ७ | १८ | ” | ” | | ” | अध्यात्मरामायणोत्तरकाण्डे । |
| ६·७ × ४·२ | ९ | २१ | ” | ” | १९६१ | ” | अन्ते मराठीभाषाटीकासहिता सप्तश्लोकी गीता च । |
| ९ × ४·२ | ११ | ३३ | ” | ” | १७०१ | ” | |
| ६ × ३·७ | ८ | १७ | ” | ” | | ” | स्कान्दोत्तरखण्डे । |
| ६·९ × ४ | ७ | १७ | ” | ” | | ” | ” |
| ९·८ × ४·१ | १३ | ३९ | ” | ” | | ” | प्रणवोपासनाविधिरपि । |
| १० × ३·४ | ८ | ३४ | ” | ” | | अपू० | निष्कलाध्यायः । |
| १०·२ × ४·४ | १० | ३१ | ” | ” | | पू० | |
| ५·८ × ३·९ | ११ | १९ | ” | ” | | ” | |
| १०·३ × ४·४ | १३ | ३२ | ” | ” | १८३२ | ” | |
| ४·५ × ३·४ | ८ | १४ | ” | ” | | अपू० | |
| १०·१ × ४·७ | ९ | २४ | ” | ” | १८४५ | पू० | |
| ४·५ × ४·१ | ८ | ६२ | ” | ” | | अपू० | |
| ११·३ × ४·५ | १४ | ४३ | ” | ” | | ” | विष्णुधर्मोत्तरे । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६९४० | सप्तश्लोकी गीता | | १ । |
| १६९४१ | भगवद्गीता | | १-७, ७-१६, १८-६३ । |
| १६९४२ | " | | १-९४ । |
| १६९४३ | " | | १-७ । |
| १६९४४ | " | | २-४७ । |
| १६९४५ | " | | १-१५८ । |
| १६९४६ | " | | १-७९ । |
| १६९४७ | " सभाष्या | भा. का. शङ्कराचार्यः | १-२९, १-१४, १-२२ । |
| १६९४८ | " | | १-३० । |
| १६९४९ | " | | १-१४ । |
| १६९५० | " | | १-९८ । |
| १६९५१ | भगवद्गीताभाष्यटीका | आनन्दगिरिः | १-३६३ । |
| १६९५२ | भगवद्गीता | टी.का.ब्रह्मेन्द्रयतिः | २१० । ( गणनया ) |
| १६९५३ | " | टी.का.वामनस्वामी | २५४ । ( गणनया ) |
| १६९५४ | भगवद्गीताटीका | मधुसूदनसरस्वती | १-१४६ । |
| १६९५५ | भगवद्गीता | | २१५ । ( गणनया ) |
| १६९५६ | भगवद्गीता सटीका | टी.का. नीलकण्ठः | १०७-१४२ । |
| १६९५७ | " | | १०१-१०६ । |
| १६९५८ | भगवद्गीता | | १-१९, १९, १९-१०८ । |
| १६९५९ | " | | १-२२८ । |
| १६९६० | " | | १-९१ । |
| १६९६१ | " | | १-२ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३·२ × ३·८ | २८ | १४ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ६·७ × ४·६ | ९ | २० | ” | ” | १९११ | ”❀ | |
| ६·५ × ४·४ | ७ | १८ | ” | ” | श. १७४९ | ” | |
| ६·२ × ४·२ | ५ | ११ | ” | ” | | ” | पुरुषोत्तमाध्यायः। |
| ९·८ × ४·२ | १० | ३८ | ” | ” | | अपू० | सुबोधिनीसहिता। |
| ५·४ × ३·५ | ७ | १२ | ” | ” | १७५३ | पू० | |
| ७ × ४·६ | ८ | २० | ” | ” | १९११ | ” | |
| ९·५ × ४.३ | १० | ३० | ” | ” | १८८८ | ” | २-३, १३ अध्यायाः। |
| १०·५ × ४·३ | १० | ३१ | ” | ” | | ” | |
| ९·४ × ५·२ | १२ | २६ | ” | ” | श. १६०१ | ” | मराठीज्ञानेश्वरीसहिता, १२ अध्यायः। |
| ५ × ३·२ | ७ | १५ | ” | ” | श. १६८२ | ” | |
| १० × ४·४ | १० | ३६ | ” | ” | श. १६८६ | ” | |
| ९·५ × ५·२ | १० | ३० | ” | ” | १८७८ | ” | मराठीभाषाटीकासहिता। |
| ८ × ४·२ | ८ | १९ | ” | ” | | ” | मराठीसमश्लोकीसहिता। |
| १०·१ × ५·३ | १६ | ३६ | ” | ” | | अपू० | गूढार्थदीपिकाख्या। |
| ६·२ × ४·१ | ७ | १५ | ” | ” | १८६६ | पू० | मराठीसमश्लोकीसहिता। |
| ९·७ × ४·१ | ८ | ४७ | ” | ” | | अपू० | भावार्थदीपिकाभारतभावदीपेति-टीकाद्वयान्विता। |
| ९·६ × ४·२ | ९ | ४१ | ” | ” | | ” | |
| ६·१ × ४·५ | ७ | १४ | ” | ” | | पू० | |
| ६·५ × ३·८ | ५ | १० | ” | ” | | ” | |
| ५·८ × ४ | ८ | १९ | ” | ” | श. १७२१ | ” | |
| ८·४ × ३·९ | ९ | २७ | ” | ” | | ” | १५ अध्यायः। |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|---|
| १६९६२ | भगवद्गीता | | | १४५ । ( गणनया ) |
| १६९६३ | " | | | १-७६ । |
| १६९६४ | " | | | १-७३ । |
| १६९६५ | " | सटीका | टी.का.ब्रह्मेन्द्रयतिः | २०२ । ( गणनया ) |
| १६९६६ | गर्भगीता | | | ४ । ( गणनया ) |
| १६९६७ | कपिलगीता | | | १-९, २०-३०, ३९, १०१, १०८-११३ । |
| १६९६८ | ब्रह्मगीता | सटीका | टी. का. माधवाचार्य्यः | १-९७ । |
| १६९६९ | भिक्षुगीता | | | १-४ । |
| १६९७० | गुरुगीता | | | १-१५ । |
| १६९७१ | " | | | १-२१ । |
| १६९७२ | " | | | १-१६ । |
| १६९७३ | ओङ्कारगीता | | | १-२ । |
| १६९७४ | उत्तरगीता | | | ४ । ( गणनया ) |
| १६९७५ | " | | | १-२१ । |
| १६९७६ | रामगीता | | | १-५ । |
| १६९७७ | " | | | १-४, ६-८ । |
| १६९७८ | " | | | १-८ । |
| १६९७९ | रामगीता | | | १-१०, १५-१७, १९ । |
| १६९८० | भगवद्गीता | सटीका | टी.का. मधुसूदन-सरस्वती | ३१३ । ( गणनया ) |
| १६९८१ | सूतगीता | | | १-५ । |
| १६९८२ | पाण्डवगीता | | | १-१० । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४·४ × २·९ | ६ | १८ | दे.ना. | का. | १८३९ | पू० | चतुःश्लोकीभागवतं सप्तश्लोकीरामायणञ्च । |
| ९·८ × ४·७ | ७ | २४ | ” | ” | १९२२ | ” | |
| ८·२ × ४·२ | ९ | १८ | ” | ” | श. १७१७ | ” | |
| १०·१ × ५·१ | ११ | २५ | ” | ” | १८३० | ” | पदपदार्थबोधिनीप्रबोधचन्द्रिकाख्य-मराठीटीकासहिता । |
| ६ × ३.९ | ९ | १८ | ” | ” | | ” | |
| ४·८ × ३·२ | ५ | ११ | ” | ” | | अपू० | पद्मपुराणे । |
| ९·७ × ४·४ | ८ | ३७ | ” | ” | | पू० | तात्पर्यदीपिकाख्या टीका । |
| ७·६ × ४ | ७ | १९ | ” | ” | | ” | भागवते ११ स्कन्धे २३ अध्यायः । |
| ४·८ × ३·२ | ९ | १८ | ” | ” | | ” | |
| ६·४ × ३·८ | ७ | १६ | ” | ” | | ” | स्कान्दी । |
| ६·६ × ४·९ | ९ | २१ | ” | ” | | ” | ” |
| ८·१ × ३·८ | १० | ३१ | ” | ” | | अपू० | |
| ८·५ × ४ | ७ | २४ | ” | ” | | ” | मराठीटीकासहिता । |
| ९·२ × ४·८ | १३ | २९ | ” | ” | १८९१ श. १७५६ | पू० | गौडपादीयव्याख्यासहिता । |
| ८·६ × ३·८ | ९ | ३७ | ” | ” | | ” | |
| ९·४ × ४·२ | ७ | २३ | ” | ” | | अपू० | |
| ८ × ३·४ | ७ | ३२ | ” | ” | | पू० | |
| ७·९ × ४·२ | ५ | १९ | ” | ” | १९०५ | अपू० | |
| १३·३ × ६·७ | ११ | ४५ | ” | ” | | पू० | मधुसूदनीसहिता । |
| ९·७ × ४·३ | ९ | ३२ | ” | ” | | ” | सूतसंहितायाम् । |
| ७·१ × ३·३ | १० | १९ | ” | ” | | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६९८३ | देवर्षिगीता | | १-२६ । |
| १६९८४ | उत्तरगीता सव्याख्या | व्या. का. गौडपादाचार्यः | १-२८ । |
| १६९८५ | भगवद्गीता | | १-३९ । |
| १६९८६ | भगवद्गीताभाष्यटीका | आनन्दगिरिः | १-१४१ । |
| १६९८७ | उत्तरगीताव्याख्या | गौडपादाचार्यः | १-२६ । |
| १६९८८ | पाण्डवगीता | | १-७ । |
| १६९८९ | " | | १-१२ । |
| १६९९० | रामगीता | | १-५ । |
| १६९९१ | अष्टावक्रगीताटीका | टी. का. विश्वेश्वरः | १-३३ । |
| १६९९२ | शिवगीता | टी.का. त्र्यम्बकः | १-१६६ । |
| १६९९३ | ब्रह्मगीता सटीका | टी. का. माधवाचार्यः | १-६३, ६३-१२८ । |
| १६९९४ | भगवद्गीताभाष्यम् | शङ्कराचार्यः | १-७५, ७५-१४२ । |
| १६९९५ | रामगीता | | १-३८ । |
| १६९९६ | " | | १-४७ । |
| १६९९७ | भगवद्गीता | | १-१३३, १३२-१८०, १८२, १८२ । |
| १६९९८ | रामगीता | | १-१८ । |
| १६९९९ | " | | १-४ । |
| १७००० | भगवद्गीता | | १-१०, १-११, १३-१७, १-७ । |
| १७००१ | अष्टावक्रगीता | | १-१८ । |
| १७००२ | भगवद्गीताभाष्यम् | टी.का. शङ्कराचार्यः | १-६ । |
| १७००३ | ब्रह्मगीता | | १-८८ । |
| १७००४ | शिवगीता | | १-८ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·४ × ४·६ | ९ | ३७ | दे. ना. | का. | | पू० | स्कान्दे निर्वाणखण्डे । |
| १३·३ × ४·७ | ८ | ५२ | ” | ” | | ” | |
| ११·४ × ४·१८ | ९ | ४१ | ” | ” | १७६५ | ” | |
| १०·९ × ५·२ | १५ | ४८ | ” | ” | | ” | |
| ९·७ × ४·५ | ११ | २९ | ” | ” | | ” | |
| ९·४ × ४·३ | ९ | ३३ | ” | ” | १७४४ | ” | |
| ७ × ४·२ | १० | १४ | ” | ” | | ” | |
| ८·२ × ४ | १३ | ३० | ” | ” | | ” | |
| १३ × ६·१ | १३ | ५७ | ” | ” | १८५५ | ” | |
| ८·३ × ४·१ | ७ | २७ | ” | ” | १७६९ श. | ” | मराठीसमश्लोकीसहिता । |
| ११ × ४·६ | ११ | ४० | ” | ” | | ” | |
| १०·१ × ४·४ | १३ | ४२ | ” | ” | | ” | |
| ६·८ × ४·९ | ७ | १४ | ” | ” | १७८२ श. | ” | मराठीपद्यटीकासहिता । |
| ५·३ × ४·१ | ७ | १३ | ” | ” | १९१७ | ” | ” |
| ३.६ × २·६ | ७ | १३ | ” | ” | | ”* | विष्णुसहस्रनामस्तोत्रञ्च । |
| १०·४ × ४·५ | ११ | ४५ | ” | ” | | अपू० | सटीका । |
| ९·५ × ४·७ | १२ | ३४ | ” | ” | | पू० | |
| ७·९ × ४·५ | ९ | २४ | ” | ” | | अपू० | मराठीटीकासहिता १२-१३, १५, अध्यायाः । |
| ७·३ × ३·९ | ७ | २५ | ” | ” | | ” | |
| ८·३ × ४ | १२ | ४१ | ” | ” | | पू० | १५ अध्यायः । |
| ९·३ × ५ | ९ | २४ | ” | ” | | ” | स्कान्दे, सूतसंहितायाम् । |
| ७ × ४·५ | ८ | १७ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणे, उत्तरखण्डे । |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १७००५ | अष्टावक्रक्रमव्याख्या | | १-१७ । |
| १७००६ | ब्रह्मगीता, सव्याख्या | व्या. का. माधवाचार्यः | १-५०, ८०-१३३ । |
| १७००७ | " | | १-१०२ । |
| १७००८ | रामगीता | | १-१९ । |
| १७००९ | भगवद्गीताभाष्यटीका | आनन्दगिरिः | १-१७१(=१७२) १७३-२२२ । |
| १७०१० | गुरुगीता | | १-४ । |
| १७०११ | विद्यागीता | | ८-१० । |
| १७०१२ | रामगीताव्याख्या | | १-११ । |
| १७०१३ | अवधूतगीता | | १-२ । |
| १७०१४ | सप्तश्लोकीगीता | | १ । |
| १७०१५ | अष्टावक्रगीता सटीका | टी. का. विश्वेश्वरः | १-३८ । |
| १७०१६ | भगवद्गीता | | १-१८० । |
| १७०१७ | " | | २-१५७ । |
| १७०१८ | " | | २०, १६४-१७५ । |
| १७०१९ | उत्तरगीता | | १, ३-१५ । |
| १७०२० | भगवद्गीता | | १-३ । |
| १७०२१ | " | | १-१०८ । |
| १७०२२ | " | | १८-२२, २५-३४ । |
| १७०२३ | " सटीका | | १७-४२ । |
| १७०२४ | " " | टी.का.श्रीधरस्वामी | २५-४८ । |
| १७०२५ | भगवद्गीताभाष्यम् | शङ्कराचार्यः | ८-३६ । |
| १७०२६ | गुरुगीता | | १-१३ । |
| १७०२७ | " | | १-१५ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ७·९ × ४·९ | १२ | ३० | दे. ना. | का. | | पू० | |
| १२·३ × ६·२ | ९ | ३८ | ” | ” | | अपू० | सूतसंहितायाम् । |
| ९.७ × ४·२ | ८ | २२ | ” | ” | | पू० | ” |
| १२·१ × ४·७ | ८ | ५० | ” | ” | | ” | सटीका । |
| ११ × ४·८ | ११ | ३७ | ” | ” | | ” | |
| ५·९ × ४·१ | ९ | १७ | ” | ” | १८५२ | ” | गुरुस्तवश्च। |
| ८·९ × ५ | ११ | २४ | ” | ” | | अपू० | त्रि. (?) ज्ञानखण्डे । |
| ९·८ × ४·२ | १२ | ३५ | ” | ” | | ” | |
| ६·३ × ३·१ | ८ | १६ | ” | ” | | पू० | |
| ८·५ × ४·४ | १० | २९ | ” | ” | | ” | |
| ११·९ × ५ | १२ | ४३ | ” | ” | | ” | |
| ६·१ × ३·१ | ५ | १३ | ” | ” | | ” | |
| ६·२ × ३·६ | ५ | १९ | ” | ” | | अपू० | |
| ६·१ × ३·३ | ५ | १४ | ” | ” | | ” | |
| ६·६ × ३·७ | ११ | १८ | ” | ” | | ” | |
| ५·७ × २·८ | ७ | २१ | ” | ” | | पू० | १५ अध्यायः । |
| ९ × ४·१ | ५ | २५ | ” | ” | १७३५ | ” | |
| १२·८ × ३·९ | ७ | ४० | वङ्ग. | ” | | अपू० | |
| १२·७ × ३·३ | ८ | ६५ | ” | ” | | ” | १–२ अध्याययोः पञ्चोलीव्याख्या। अग्र मूलमात्रम् । |
| १३·२ × ४·९ | १४ | ७५ | ” | ” | | ” | सुबोधिनी । |
| ४·९ × ३·९ | ९ | ५५ | ” | ” | | ” | २—४ अध्यायाः । |
| ७·७ × ३·९ | ८ | २६ | दे. ना. | ” | १८९० | पू० | स्कान्दे । |
| ९·४ × ४·२ | ९ | २५ | ” | ” | | ” | ” |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १७०२८ | गुरुगीता | | १-८ । |
| १७०२९ | सप्तश्लोकीगीता | | १ । |
| १७०३० | रामगीता | | १-५ । |
| १७०३१ | गर्भगीता | | ४ । ( गणनया ) |
| १७०३२ | भगवद्गीता | | १ । |
| १७०३३ | " | | ११-११० । |
| १७०३४ | " सटीका | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-५, ७-१८, २१-९४ । |
| १७०३५ | सप्तश्लोकीगीता " | " | १-२ । |
| १७०३६ | रामगीता | | १-९ । |
| १७०३७ | भगवद्गीता | | १-२२४ । |
| १७०३८ | " | | १-७६ । |
| १७०३९ | " | | १-४१ । |
| १७०४० | " | | १-३, ५-६३ । |
| १७०४१ | " | | १-३, ३-६३ । |
| १७०४२ | " | | १-२१ । |
| १७०४३ | " सटीका | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-११९, ११९-१७१ । |
| १७०४४ | " " | " | १-२४ । |
| १७०४५ | " " | " | १-८०, ८०-८३, ८५-८६, ८८-१३४ । |
| १७०४६ | भगवद्गीताभाष्यम् | शङ्कराचार्यः | १-७७, १-६ । |
| १७०४७ | सप्तश्लोकीगीता | | १-२ । |
| १७०४८ | पाण्डवगीता | | १-५ । |
| १७०४९ | उत्तरगीता | | १-८ । |
| १७०५० | गीतासारः | | १-५ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२.५ × ४·७ | ८ | ४९ | वङ्ग. | का. | | पू० | पञ्चीकरणं महावाक्यार्थविवरणञ्च । |
| ७·२ × २·६ | ६ | २६ | दे.ना. | ” | | अपू० | |
| १३·३ × ४·९ | १० | ४४ | वङ्ग. | ” | | पू० | अध्यात्मरामायणे । |
| ५·२ × ४·४ | १२ | १४ | दे.ना. | ” | | ” | |
| २९·६ × ४·९ | १६ | १४ | ” | ” | | अपू० | १५—१६ अध्यायौ । |
| ५·६ × ४·१ | ७ | २० | ” | ” | | ” | |
| ९·३ × ४·८ | १९ | ४२ | ” | ” | | ” | |
| ९·३ × ४·४ | ११ | ४७ | ” | ” | | पू० | |
| ९·२ × ३·५ | ७ | २९ | ” | ” | | ” | |
| ६·६ × ४·२ | ९ | १४ | ” | ” | १९३० | ” | सचित्रं पुस्तकम् । |
| ९·७ × ३·२ | ६ | ३१ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| ११·२ × ४ | ९ | ३६ | ” | ” | | ” | |
| १३·९ × ४·२ | ८ | ४३ | ” | ” | | अपू० | शङ्कराचार्यविरचितं गोपालाष्टकञ्च । |
| १०·१ × ३·६ | ७ | २३ | ” | ” | १७०१श.(?) | ” | स्कान्दं गीतामाहात्म्यमपि पूर्णम् । |
| १४ × ४·८ | ८ | ३८ | ” | ” | | ” | १—११ अध्यायाः । |
| ११·२ × ५·२ | ९ | ४३ | ” | ” | | पू० | सुबोधिनी । |
| १३·४ × ३·३ | १० | ६४ | ” | ” | | अपू० | १—७ अध्यायाः । |
| १२·६ × ३·४ | ९ | ६९ | ” | ” | | ” | |
| १४·२ × ४·२ | १४ | ७९ | ” | ” | | पू० | २–१८ अध्यायाः |
| ७ × ४·६ | ६ | १७ | दे.ना. | ” | | ” | |
| ८·९ × ४·१ | ११ | ४१ | ” | ” | | ” | |
| १० × ४·१ | १० | ३१ | वङ्ग. | ” | १७११ श. | ” | १—३ अध्यायाः । |
| ८·९ × ४·६ | १० | ३१ | दे.ना. | ” | | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १७०५१ | शिवगीता | | १-५ । |
| १७०५२ | " | | १२-२२, २८-३१ । |
| १७०५३ | " सटीका | टी. का. केलदी-वेङ्कटाद्रिनायकः | १-४१ । |
| १७०५४ | " " | " | १-७३ । |
| १७०५५ | गुरुगीता | | १-३४, ३४-३६ । |
| १७०५६ | उत्तरगीता | | ७-९ । |
| १७०५७ | " | | २-१० । |
| १७०५८ | " सटीका | | १-९ । |
| १७०५९ | भगवतीगीता | | १-६ । |
| १७०६० | भगवद्गीतासारः | | १-२ । |
| १७०६१ | नारदगीता | | १-४ । |
| १७०६२ | रामगीता | | १-६ । |
| १७०६३ | " | | १-३३ । |
| १७०६४ | भगवद्गीता | | १-१५, १७-५४, ५६-११२, १३२, १४२-१५८ (=१५९) १६०-१६४ । |
| १७०६५ | " | | १-५४ । |
| १७०६६ | भगवद्गीताटीका | श्रीधरस्वामी | २-१० । |
| १७०६७ | भगवद्गीताभाष्यटीका | भा.का.शङ्कराचार्यः टी. आनन्दगिरिः | १-२४, २४-१०५ । |
| १७०६८ | भगवद्गीतागूढार्थदीपिका | मधुसूदनसरस्वती | १-१०९, १०९-१६०(=१६१) १६२-१६६। |
| १७०६९ | ब्रह्मगीता सटीका | टी. का. माधवाचार्यः | १-१४२ । |
| १७०७० | भगवद्गीता | | १-६१ । |
| १७०७१ | " | टी. का. वामनपण्डितः | ३५ । (गणनया) |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·९ × ४·९ | ९ | ४७ | वङ्ग. | का. | | अपू० | पाद्मे । |
| ९·२ × ५ | ८ | २० | दे. ना. | ” | | ” | ” |
| १०·७ × ४·७ | १३ | ४२ | ” | ” | | ” | |
| १३ × ५ | ९ | ५२ | वङ्ग. | ” | १७२४ श. | पू० | ” , १—१६ अध्यायाः । |
| ६·१ × ३·८ | ५ | १४ | दे. ना. | ” | १९३४ | ”* | |
| ७·३ × ४·२ | ११ | २६ | ” | ” | | अपू० | |
| १० × ३·२ | ८ | ३८ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| १२·५ × ४·८ | १५ | ६६ | ” | ” | | पू० | भवान्यष्टकञ्च । |
| १० × ४·३ | ९ | ३३ | ” | ” | | ” | कौर्मे । |
| १२·७ × ४·९ | ११ | ६३ | ” | ” | | ” | |
| ८·२ × ३·९ | ६ | २२ | दे. ना. | ” | १८४५ | ” | |
| १० × ४·४ | ९ | ३४ | ” | ” | १८४४ | ” | |
| १०·४ × ५·१ | ८ | ३१ | ” | ” | १७४९ श. | ” | मराठीटीकासहिता । |
| ६·३ × ३·९ | ५ | १६ | ” | ” | | अपू० | |
| १३·३ × ३ | ५ | ५६ | वङ्ग. | ” | | पू० | |
| १४ × ३·३ | १० | ६० | ” | ” | | अपू० | सुबोधिनी । |
| १४·५ × ४·२ | १४ | ८० | ” | ” | | पू० | |
| १३·७ × ४·७ | १२ | ५४ | ” | ” | | ” | |
| १२ × ५·४ | ७ | ४० | दे. ना. | ” | १७११ | ” | तात्पर्यदीपिकाख्या । |
| ९·७ × ३·३ | ७ | ३७ | वङ्ग. | ” | १६८४ श. | ” | |
| १२·३ × ५·८ | ९ | २५ | दे. ना. | ” | १९०७ | अपू० | समश्लोकीटीकासहिता । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १७०७२ | भगवद्गीता | | १०-२२, २४-७० । |
| १७०७३ | " | | १-४ । |
| १७०७४ | " | | १-३१ । |
| १७०७५ | " | | १-८ । |
| १७०७६ | " | | २-५ । |
| १७०७७ | " | | १-३ । |
| १७०७८ | " | | १-२ । |
| १७०७९ | " सटीका | टी. का. मधुसूदनसरस्वती | ३९-८०, ८३-१७६ । |
| १७०८० | भगवद्गीतार्थसंग्रहः | यामुनमुनिः | १-४ । |
| १७०८१ | पाण्डवगीता | | १-६ । |
| १७०८२ | उत्तरगीता | | १-११ । |
| १७०८३ | शिवगीता | | १-८ । |
| १७०८४ | भगवतीगीता | | १-४ । |
| १७०८५ | सप्तश्लोकीगीता | | २ । ( गणनया ) |
| १७०८६ | गुरुगीता | | १-७, ७-१५ । |
| १७०८७ | गीतासारः | | १-१७ । |
| १७०८८ | अष्टावक्रगीता | | १-५३ । |
| १७०८९ | अवधूतगीता | | १-३८ । |
| १७०९० | भगवद्गीता सटीका | | १-५१ । |
| १७०९१ | " | | १-८३ । |
| १७०९२ | " | | ४९ । ( गणनया ) |
| १७०९३ | पाण्डवगीता | | १-८ । |
| १७०९४ | रामगीता सटीका | | १-१९ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८·६ × ४·६ | ७ | २८ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ११·४ × ३·५ | ३ | २७ | वङ्ग. | ” | | पू० | १५ अध्यायः । |
| ९·३ × ३·१ | ७ | ३२ | ” | ” | | ” | १-१० अध्यायाः । |
| ९·६ × ३·२ | ५ | २९ | ” | ” | | अपू० | १-२ अध्यायौ । |
| ११·४ × ३·१ | ५ | २७ | ” | ” | | ” | दशमाध्यायस्थाः ६-३७ श्लोकाः । |
| १२ × ३·५ | ६ | ३८ | ” | ” | | ” | १ अध्यायः । |
| १२·५ × ४·७ | ७ | ३४ | ” | ” | | पू० | १५ अध्यायः । |
| ९·६ × ४·४ | १३ | ५६ | दे. ना. | ” | १५६९ श. | अपू० | गूढार्थदीपिका । |
| ८·६ × ४·६ | ७ | ३० | ” | ” | | पू० | |
| ७ × ३·६ | १० | २५ | ” | ” | | ” | |
| १० × ३·८ | ८ | ३७ | वङ्ग. | ” | १७१५ श. | ” | १-३ अध्यायाः । |
| ९·२ × ३ | ८ | ४० | ” | ” | | अपू० | |
| १३·९ × ४ | ९ | ५१ | ” | ” | | पू० | कौर्मे । |
| ५·९ × ३·८ | ७ | १५ | दे. ना. | ” | | ” | |
| १०·८ × ४·५ | ७ | २६ | ” | ” | १९०७ | ” | पाद्मे । |
| ६·३ × ३·८ | ६ | १७ | ” | ” | | ” | |
| ८·५ × ५ | १४ | ३६ | ” | ” | | ” | मराठीटीकासहिता । |
| ७·९ × ४·२ | ९ | २१ | ” | ” | १७५८ | ” | |
| १४·५ × ५·६ | ९ | ४४ | ” | ” | | अपू० | |
| ९·१ × ४·२ | १० | ३० | ” | ” | | पू० | |
| १२·९ × ४·९ | ६ | ३४ | वङ्ग. | ” | | ”* | |
| ८·४ × ३·९ | ८ | २९ | दे. ना. | ” | १८३३ | ” | |
| ९·१ × ४·५ | १० | ३३ | ” | ” | १८९० | ” | |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १६६९५ | गीतासारः | | १-७ । |
| १६६९६ | " | | १-४ । |
| १६६९७ | गर्भगीता | | १-२ । |
| १६६९८ | " | | १ । |
| १६६९९ | रामगीता | | १-७ । |
| १६६६० | गुरुगीता | | १ । |
| १६६६१ | " | | १-१२ । |
| १६६६२ | गीतासारः | | १-३, ६-१९ । |
| १६६६३ | " | | १-९ । |
| १६६६४ | " | | २-६ । |
| १६६६५ | शिवगीता | | १-९१ । |
| १६६६६ | पाण्डवगीता | | १, ३, ५, ७-११ । |
| १६६६७ | गणेशगीता सटीका | | १-७ । |
| १६६६८ | अष्टावक्रगीता | | १-१८ । |
| १६६६९ | हंसगीता | | १-२६, ३०-३१ । |
| १६६७० | उत्तरगीता सव्याख्या | व्या. का. गौडपादाचार्यः | ३४-३७ । |
| १६६७१ | रामगीता सटीका | | १-१८ । |
| १६६७२ | भगवद्गीताटीका | श्रीधरस्वामी | ९१ । (गणनया) |
| १६६७३ | भगवद्गीता सटीका | टी. का. पञ्चोलाचार्यः | ११०-१३२ । |
| १६६७४ | " | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-७१ । |
| १६६७५ | " | " | १-१० । |
| १६६७६ | " सटीका | टी. का. मधुसूदनः | १-९८, १००-१५५ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·४ × ५ | ८ | २३ | दे. ना. | का. | | अपू० | |
| ६·२ × ४·३ | ६ | १५ | ” | ” | | पू० | |
| ६·३ × ४·५ | ९ | १७ | ” | ” | | ” | १—३ अध्यायाः । अन्तेऽवधूतोपनिषच्च । |
| ८·८ × ५·२ | ९ | २४ | ” | ” | १८३४ | ” | १२ अध्यायः, टीका मराठीभाषायाम् । |
| ९·३ × ३·४ | ५ | ३३ | वङ्ग. | ” | | ”* | |
| १३·८ × ३·२ | ६ | ४० | ” | ” | | ” | अद्वैताचारश्च । |
| १२·३ × २·१ | ५ | ४१ | ” | ता. प. | | ” | |
| १४·८ × २·९ | ४ | ४६ | ” | का. | | ” | १० अध्यायः । |
| ९·७ × ३·३ | ६ | २० | ” | ” | | ” | |
| १०·३ × ४·५ | १२ | २७ | ” | ” | | अपू० | १—४ अध्यायाः । |
| १२·८ × ३·८ | ११ | ५३ | ” | ” | | ” | |
| १३·७ × ४·२ | ६ | ४२ | ” | ” | | पू० | |
| १५·२ × ४·२ | १० | ५५ | ” | ” | | ” | स्कान्दे । |
| १३·८ × ३·६ | ८ | ४५ | ” | ” | | ” | |
| ९·६ × ३·१ | ५ | ४१ | ” | ” | | ” | १० अध्यायः । |
| ९·७ × ३·८ | ७ | ३५ | ” | ” | | ” | १५ ” |
| १०·२ × ३·५ | ७ | ३६ | ” | ” | | ” | स्कान्दे । |
| ८·५ × १२·५ | २९ | ३० | ” | ” | | ” | |
| १२ × ३·५ | ८ | ४३ | ” | ” | | अपू० | |
| १५·२ × ३·४ | ४ | ४६ | ” | ” | | पू० | १० अध्यायः । |
| १२·२ × ३·७ | ८ | ४९ | ” | ” | | अपू० | २२, ३०, ४३ प्रकरणानि । |
| ११·३ × ३·३ | ९ | ४५ | दे. ना. | ” | | ” | २—१८ अध्यायाः । |
| १३·५ × ३·८ | ६ | ५० | वङ्ग. | ” | १७९४ श. | पू० | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १७११८ | पाण्डवगीता | | १-३ । |
| १७११९ | भगवद्गीता सटीका | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-१४८ । |
| १७१२० | " | | १-१८ । |
| १७१२१ | " | | ६-३२ । |
| १७१२२ | भगवद्गीताभाष्यम् | | १७६ । ( गणनया ) |
| १७१२३ | गर्भगीता | | १ । |
| १७१२४ | पाण्डवगीता | व्यासः | १ । |
| १७१२५ | भगवद्गीता सटीका | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-१२७, १२७-१३७ । |
| १७१२६ | " " | " " | १-११२ । |
| १७१२७ | " " | " " | १-१९२ । |
| १७१२८ | " | | १-४६ । |
| १७१२९ | ईश्वरगीता | | १-६९ । |
| १७१३० | शिवगीता | | १-७२ । |
| १७१३१ | याज्ञवल्क्यगीता | | १-२३ । |
| १७१३२ | अष्टावक्रगीता | | १-२३ । |
| १७१३३ | गणेशगीता | | १-७ । |
| १७१३४ | गीतासारः | | १-११ । |
| १७१३५ | भगवद्गीतातात्पर्यबोधिनी | शङ्करानन्दः | २९४ । ( गणनया ) |
| १७१३६ | भगवद्गीताभाष्यव्याख्या | भा.का.शङ्कराचार्यः व्या. का. आनंदज्ञानः | ३६८ । ( गणनया ) |
| १७१३७ | रामगीता सटीका | टी.का. महीधरः | १-१८ । |
| १७१३८ | गर्भगीता | | १ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १·३ × ३·५ | ७ | ४९ | वङ्ग. | का. | | पू० | |
| १३·२ × ३·५ | १० | ५४ | ” | ” | १२६४ बं. | ” | सुबोधिनी । |
| १३·५ × ४·२ | ७ | ४६ | ” | ” | | ” | १—६ अध्यायाः परिव्राजकोपनिषच्च । |
| १० × ४·५ | १० | २९ | ” | ” | | अपू० | २—१० अध्यायाः । |
| १५·१ × ३·१ | ६ | ५६ | ” | ” | | पू० | वेददीपाख्यपुरुषसूक्तभाष्यम् , पुरुषसूक्तम्, माण्डूक्यकारिका गौड-पादीया माण्डूक्योपनिषच्च । |
| १९·३ × ३·५ | ८ | ८५ | ” | ” | | ” | |
| १९·३ × ३·५ | ९ | ८२ | ” | ” | | ” | |
| ११·६ × ५·१ | ११ | २९ | दे. ना. | ” | | ” | |
| ११·८ × ५·८ | १२ | ३७ | ” | ” | १८०० | ” | |
| ९·१ × ४·६ | ११ | ३० | ” | ” | | ” | |
| १०·९ × ५·५ | ११ | २९ | ” | ” | | ” | |
| ६·७ × ३·७ | ७ | १९ | ” | ” | १८६९ | ” | |
| ८·६ × ४ | ७ | २६ | ” | ” | १८३२ | ” | |
| १०·८ × ४·६ | ९ | ५३ | ” | ” | | ” | |
| १०·२ × ४·७ | ८ | ३० | ” | ” | १७२१ | ” | |
| ५·९ × ४·२ | ५ | १७ | ” | ” | १९२० | ” | |
| ९·५ × ४ | ७ | ३३ | ” | ” | १८९५ | ” | |
| १२·५ × ६·२ | १७ | ४२ | ” | ” | | ” | |
| १२ × ८ | २१ | ३८ | ” | ” | | ” | |
| ७·४ × ४·३ | १२ | २९ | ” | ” | | ” | |
| ६·४ × ३·५ | ८ | २३ | ” | ” | | अपू० | अन्ते भागवतचतुःश्लोको । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १७१३९ | अर्जुनगीता | | १-९ । |
| १७१४० | कपिलगीता | | १, १-४१ । |
| १७१४१ | गणेशगीता | | १-१०५ । |
| १७१४२ | शिवगीता सटीका | | १-४, ६-१३, १५-३०, ३२-३७, ३७-३८ ४५-५४ । |
| १७१४३ | अष्टावक्रगीता | | १-२० । |
| १७१४४ | " | | १-५ । |
| १७१४५ | " | | १-७० । |
| १७१४६ | " सटीका | टी.का. विश्वेश्वरः | १-६० । |
| १७१४७ | " " | " " | १-१२० । |
| १७१४८ | भगवद्गीता सटीका | टी. का. मधुसूदन-सरस्वती | १-४ । |
| १७१४९ | " " | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-१५० । |
| १७१५० | " | | १-३ । |
| १७१५१ | " | | १-२, ५०-१२८ । |
| १७१५२ | " | | १-७६, ८५-९०, ९२, ९४-९५ । |
| १७१५३ | " | | १-२१ । |
| १७१५४ | " | | १-२२, २४-५४, ५४-१०५ । |
| १७१५५ | " | | १-११५ । |
| १७१५६ | " | | ६४-८४ । |
| १७१५७ | " | | १-९२ । |
| १७१५८ | " | | १-८८ । |
| १७१५९ | " | | १-१८४ । |
| १७१६० | " | | १-८६ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६·५ × ३·६ | ८ | २७ | दे. ना. | का. | | पू० | |
| ६·८ × ३·५ | ७ | २३ | ” | ” | | ” | |
| ६·५ × ४·२ | ५ | १३ | ” | ” | | ” | |
| १०·५ × ५·३ | १३ | ३६ | ” | ” | | अपू० | |
| ८ × ३·९ | ९ | ३१ | ” | ” | | पू० | |
| ६·५ × ४·४ | ९ | १८ | ” | ” | | ” | |
| ९·६ × ४·२ | ६ | १७ | ” | ” | | ” | १—२१ प्रकरणान्ता । |
| ११·७ × ४·९ | ९ | ३५ | ” | ” | | ” | |
| ७·९ × ५ | ९ | २७ | ” | ” | १६९७ श. | ” | |
| ८·३ × ४·१ | ९ | २३ | ” | ” | | ” | गूढार्थदीपिकाख्या टीका । १ अध्यायः । |
| ९·२ × ५·४ | १३ | ३२ | ” | ” | १७७६ | ” | सुबोधिनी । |
| ८·२ × ४·३ | ७ | २५ | ” | ” | | अपू० | |
| ५·७ × ३·६ | ६ | १४ | ” | ” | | ” | |
| ६·५ × ३·८ | ७ | १८ | ” | ” | | ” | |
| ६ × ४·१ | ७ | १६ | ” | ” | | पू० | १—२ अध्यायौ । |
| ५·९ × ३·८ | ७ | १४ | ” | ” | | ”* | १–१७ अध्यायाः । |
| ६·५ × ४·८ | ७ | १५ | ” | ” | | ” | |
| ६·३ × ४·३ | ९ | १६ | ” | ” | | अपू० | |
| ६·८ × ४·३ | ८ | १४ | ” | ” | | पू० | |
| ५·८ × ३·७ | ८ | २१ | ” | ” | | ” | |
| ६·४ × ४·४ | ५ | १५ | ” | ” | १६८४ श. | अपू० | |
| ६·५ × ४·३ | ८ | १५ | ” | ” | १८४७ | पू० | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १७१६१ | भगवद्गीता | | १-८६ । |
| १७१६२ | " | | १९ । ( गणनया ) |
| १७१६३ | " | | १-२ । |
| १७१६४ | " | | १-६३ । |
| १७१६५ | " | | १-१२०, १२३-१२५ । |
| १७१६६ | " | | १-११२ । |
| १७१६७ | " | | १-१०६ । |
| १७१६८ | " | | ९५ । ( गणनया ) |
| १७१६९ | ब्रह्मगीता सटीका | टी. का. माधवाचार्यः | १-५ । |
| १७१७० | दत्तगीता | | १-२, ११ । |
| १७१७१ | नारदगीता | | १-८ । |
| १७१७२ | गणेशगीता | | १-२, ७-१०, १२, १५-१६, १८-१९, २१-४३, ४५-६२ । |
| १७१७३ | गीतासारः | | १-७ । |
| १७१७४ | " | | १-१० । |
| १७१७५ | गर्भगीता | | १-३ । |
| १७१७६ | " | | १-३ । |
| १७१७७ | हंसगीता | | १-१० । |
| १७१७८ | रामगीता | | १-१० । |
| १७१७९ | " | | १-९ । |
| १७१८० | अवधूतगीता | दत्तात्रेयः | १-६० । |
| १७१८१ | गुरुगीता | | १-१९ । |
| १७१८२ | " | | १-१८, २० । |
| १७१८३ | शिवगीता | | १-३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकार | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५·५ × ३·८ | ७ | १५ | दे. ना. | का. | १७३४ श. | पू० | |
| ५ × ३·८ | ७ | १२ | ” | ” | | अपू० | |
| ६·१ × ४·२ | ९ | २१ | ” | ” | | पू० | १५ अध्यायः। |
| ६·५ × ४·४ | ८ | १५ | ” | ” | | अपू० | |
| ६·१ × ३·३ | ६ | १९ | ” | ” | १८२२ | ” | |
| ७ × ३·८ | ६ | १८ | ” | ” | | पू० | |
| ६·१ × ३·४ | ७ | १८ | ” | ” | | ” | |
| ६·७ × ३·३ | ७ | २१ | ” | ” | | अपू० | |
| १०·२ × ४·४ | १२ | ४५ | ” | ” | | पू० | |
| ६·३ × ३·८ | ७ | २० | ” | ” | | अपू० | मौद्गलमहापुराणीया, १३ अध्यायः। |
| ५·३ × ३·१ | ६ | १८ | ” | ” | | पू० | |
| ६ × ४·२ | ८ | १६ | ” | ” | | अपू० | |
| ८·५ × ४·१ | ९ | ३० | ” | ” | | पू० | |
| ६·३ × ४·१ | ७ | २० | ” | ” | | ” | |
| ६·२ × ४·१ | ९ | १९ | ” | ” | | ” | |
| ६·५ × ४·५ | ११ | २० | ” | ” | | ” | |
| ५·९ × ३·६ | ८ | १४ | ” | ” | | ” | भागवते ११ स्कन्धे १३ अध्यायः। |
| ७·३ × ३ | ७ | २५ | ” | ” | | ” | |
| ६·५ × ३·८ | ९ | १९ | ” | ” | | ” | अध्यात्मरामायणे ५ सर्गः। |
| ६ × ३·४ | ६ | १५ | ” | ” | | ” | |
| ८·१ × ३·९ | ८ | २६ | ” | ” | १६२५ श. | ” | स्कान्दे उत्तरखण्डे। |
| ६·९ × ३·८ | ७ | १८ | ” | ” | | अपू० | |
| ६·४ × ४·३ | १० | १९ | ” | ” | | ” | |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|---|
| १७१८४ | शिवगीता | | | १-४ । |
| १७१८५ | पाण्डवगीता | | | १-३, ५-१६ । |
| १७१८६ | " | | | १-१५ । |
| १७१८७ | " | | | १-३२ । |
| १७१८८ | कपिलगीता | | | १-१८ । |
| १७१८९ | " | | | १-५८ । |
| १७१९० | शिवगीता | सटीका | टी. का. अप्पाजीदीक्षितः | १-१६४ । |
| १७१९१ | रामगीता | " | टी.का. महीधरः | १-१२ । |
| १७१९२ | " | " | " विश्वरूपः | १-२० (= २१) २२-४३ । |
| १७१९३ | भगवद्गीता | " | " सदानन्दः | १-१२३, १३५-२१७ । |
| १७१९४ | सिद्धगीता | | | १ । |
| १७१९५ | अवधूतगीता | | दत्तात्रेयः | १-१६ । |
| १७१९६ | रामगीता | सटीका | | १-२० । |
| १७१९७ | शिवगीता | " | टी. का. वेङ्कटाद्रिनायकः | ९३ । ( गणनया ) |
| १७१९८ | भगवद्गीता | " | भा.का. शङ्कराचार्यः टी.का.आनन्दज्ञानः | १-१०, १-७, १-९, १-५, १-२३, १-६ । |
| १७१९९ | गर्भगीता | " | | २-१३ । |
| १७२०० | गीतासारः | | | १-७ । |
| १७२०१ | रामगीता | | | २-२७ । |
| १७२०२ | भगवद्गीता | सटीका | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-९१ । |
| १७२०३ | " | " | " | १-३७ । |
| १७२०४ | " | " | " | १-९० । |
| १७२०५ | " | " | " | १-६७ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६·५ × ४·२ | ९ | २४ | दे. ना. | का. | १८८७ | पू० | |
| ५·९ × ३·७ | ६ | १६ | ” | ” | | अपू० | |
| ६·३ × ३·२ | ५ | २३ | ” | ” | | पू० | |
| ५ × २·९ | ५ | १३ | ” | ” | | अपू० | |
| ६·३ × ४·६ | ११ | १९ | ” | ” | | ” | |
| ६·२ × ४ | ६ | २० | ” | ” | श. १७३६ | पू० | १-५ अध्यायाः । |
| ९·२ × ५ | १० | २८ | ” | ” | | ” | |
| १२ × ५·८ | १४ | ३६ | ” | ” | | ” | |
| १४·२ × ७·३ | १० | ५३ | ” | ” | | ” | |
| १३·१ × ५·१ | १० | ३८ | ” | ” | १८३७ | ”* | |
| १०·७ × ४·६ | ८ | ३६ | ” | ” | | अपू० | |
| १०·८ × ४·८ | १० | ४० | ” | ” | | पू० | |
| १४ × ५·५ | ११ | ६८ | ” | ” | | ” | |
| १३·८ × ५·९ | ११ | ४६ | ” | ” | | अपू० | |
| १४ × ७·२ | १९ | ३९ | ” | ” | | पू० | भाष्यसहिता १, १०-१४ अध्यायाः । |
| ९·५ × ४·९ | १० | २६ | ” | ” | | अपू० | |
| ५·१ × ३·५ | १० | १६ | ” | ” | | ” | |
| ४·४ × ३·४ | ६ | ९ | ” | ” | | ” | |
| १३·५ × ५ | १४ | ६० | वङ्ग. | ” | | पू० | |
| १३ × ५ | १६ | ७० | ” | ” | | ” | १-८ अध्यायाः । |
| १४·७ × ५ | १३ | ७५ | ” | ” | | ” | |
| १५·८ × ४·८ | १५ | ७८ | ” | ” | | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १७२०६ | भगवद्गीता सभाष्या | | १-३२ । |
| १७२०७ | रामगीता सटीका | | १-२४ । |
| १७२०८ | अष्टावक्रगीता " | टी. का. विश्वेश्वरानन्दः | ४-१६, २०-६१, ६३-७१ । |
| १७२०९ | गुरुगीता | | १-९ । |
| १७२१० | जीवन्मुक्तिगीता | दत्तात्रेयः | १ । |
| १७२११ | रामगीता | | १, २९ । |
| १७२१२ | " | | १-११ । |
| १७२१३ | " | | १-६ । |
| १७२१४ | " | | १-१० । |
| १७२१५ | " | | १-१० । |
| १७२१६ | " | | १-१० । |
| १७२१७ | " सटीका | | १-१७ । |
| १७२१८ | " " | | १-२६ । |
| १७२१९ | " " | टी. का. भारती विश्वरूपः | १-३५ । |
| १७२२० | रामगीताटीका | रामवर्मा | ४-२४ । |
| १७२२१ | " | ? | १-१७ । |
| १७२२२ | शिवगीता | | १-१३, २२-५७ । |
| १७२२३ | अष्टावक्रगीता | | ६-२० । |
| १७२२४ | " | | १-५८ । |
| १७२२५ | " | | १, ४-५ । |
| १७२२६ | " | | १, ६-८ ( =९ ) १०, १४-१५ । |
| १७२२७ | " | | १-१५ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·२ × ४·९ | १२ | ४५ | वङ्ग. | का. | | पू० | पैशाचभाष्योपेता, १–४ अध्यायाः। |
| १०·१ × ५·१ | ११ | २३ | दे. ना. | ” | | ” | |
| ९·६ × ४·९ | १० | २९ | ” | ” | १८९० | अपू० | |
| १६·२ × २·५ | ७ | ५६ | वङ्ग. | ” | | [illegible] | |
| ११·२ × ४ | ८ | ३१ | ” | ” | | अपू० | आत्मषट्कञ्च। |
| ४·५ × ३·२ | ५ | ११ | दे. ना. | ” | | ” | अध्यात्मरामायणोत्तरखण्डे पञ्चमः सर्गः। |
| ८ × ४·५ | ८ | १५ | ” | ” | | ” | ” |
| ८·५ × ४·२ | ११ | ३५ | ” | ” | | पू० | ” |
| ८·२ × ४·४ | ८ | २४ | ” | ” | | ” | ” |
| ६·६ × ४·६ | ९ | १६ | ” | ” | | ” | ” |
| ८·४ × ४·३ | ७ | २२ | ” | ” | १८७३ | ” | ” |
| ९·५ × ४·४ | १० | ३६ | ” | ” | १८९० | ” | ” |
| १० × ५ | १२ | ३३ | ” | ” | | अपू० | ” |
| १४·२ × ५·९ | १४ | ५५ | ” | ” | १५८८ ? | पू० | स्कन्दपुराणे निर्वाणखण्डे ३२—३४ अध्यायाः। |
| ११·७ × ५ | ११ | ३२ | ” | ” | | अपू० | सेतुनामिका। |
| ९·७ × ४·३ | ११ | ४० | ” | ” | | ” | |
| ८ × ४·२ | १० | २३ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणे। |
| ७·९ × ३·६ | ८ | २५ | ” | ” | | ” | |
| ९·५ × ४·१ | ७ | १८ | ” | ” | | पू० | |
| ८·१ × ३·६ | ९ | २५ | ” | ” | | अपू० | |
| ७·८ × ४·३ | ८ | २१ | ” | ” | | ” | |
| ८·२ × ३·९ | १० | २८ | ” | ” | | पू० | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|---|
| १७२२८ | अष्टावक्रगीता | सटीका | टी.का. विश्वेश्वरः | १७-६२ । |
| १७२२९ | ” | ” | ” ” | १-१६ । |
| १७२३० | ” | ” | ” ” | १-३९ । |
| १७२३१ | ” | ” | ” ” | १-४४ । |
| १७२३२ | उत्तरगीता | ” | ” गौडपादाचार्यः | १-४० । |
| १७२३३ | भगवद्गीता | | | ३१० । ( गणनया ) |
| १७२३४ | ” | | | ३-४ । |
| १७२३५ | ” | सटीका | टी.का. मधुसूदन-सरस्वती | १-१७ । |
| १७२३६ | ” | ” | | १६-२३, ३१-५३, ५५-८३ । |
| १७२३७ | ” | ” | | ७-३४, ५८-६० (=६१) ६२-६७, १८७-१९० । |
| १७२३८ | ऋभुगीता | | | १-२ । |
| १७२३९ | ” | | | १-६४, ६७-१३५ । |
| १७२४० | अर्जुनगीता | | | १-११ । |
| १७२४१ | उत्तरगीता | | | १-८, १-९, १-५ । |
| १७२४२ | ” | | | १-८ । |
| १७२४३ | ” | सटीका | टी. का. गौडपादाचार्यः | १-२० । |
| १७२४४ | कपिलगीता | | | १-२६ । |
| १७२४५ | गर्भगीता | | | १-४ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९·२ × ४·५ | १० | ३७ | दे.ना. | का. | | अपू० | |
| १० × ३ | ९ | ५८ | ” | ” | | ” | शान्तिशतकं, आत्मविश्रान्त्यष्टकं, जीवन्मुक्तचतुर्दशकं संख्याक्रम-प्रकरणञ्च। |
| ९·८ × ४·३ | १२ | ३८ | ” | ” | १८५९ | पू० | |
| १२·६ × ५·२ | १० | ४३ | ” | ” | | अपू० | |
| ११·९ × ५.२ | ८ | २८ | ” | ” | | पू० | १—३ अध्यायाः। |
| ४·७ × ३ | ६ | १३ | ” | ” | | अपू० | विष्णुसहस्रनाम, भीष्मस्तवराजः, गजेन्द्रमोक्षः, त्रिवेणीस्तोत्रं, गङ्गाष्टकं, मणिकर्णिकास्तोत्रं, अन्नपूर्णाष्टकं, भैरवाष्टकं, जगन्नाथाष्टकं, गुरुगीतानुस्मृतिस्तवः विश्वनाथाष्टकञ्च। |
| ५·४ × ३ | ७ | १८ | ” | ” | | ” | |
| ११·१ × ४·६ | ११ | ३५ | ” | ” | | ” | १ अध्यायः, टीका गूढार्थदीपिका। |
| ११·३ × ५·३ | ८ | ३४ | ” | ” | | ” | |
| १४·५ × ५·७ | ८ | ६२ | ” | ” | | ” | |
| ९·४ × ५·१ | १५ | ३५ | ” | ” | | पू० | शिवरहस्ये। |
| १०·६ × ४·५ | १० | ३२ | ” | ” | | अपू० | स्कन्दपुराणीया। |
| ७·१ × ४ | ८ | २४ | ” | ” | | पू० | |
| ७·१ × ४·७ | ७ | १७ | ” | ” | | ” | १—३ अध्यायाः। |
| ९·२ × ४ | ९ | ३१ | ” | ” | | ” | १—३ ” । |
| ९·५ × ४·२ | १२ | ३६ | ” | ” | १८२१ | ” | |
| ८·१ × ४ | ११ | २९ | ” | ” | | ” | पद्मपुराणे, १—५ अध्यायाः। |
| ७·२ × ४·७ | ७ | १८ | ” | ” | | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १७२४६ | सूतगीता सव्याख्या | व्या. का. माधवाचार्यः | १-७ । |
| १७२४७ | अष्टादशश्लोकीगीता | | १-३ । |
| १७२४८ | दत्तगीता | | १४-४३ । |
| १७२४९ | भगवद्गीताटीकाव्याख्या | पुरुषोत्तमः पीताम्बरात्मजः | १-१७ । |
| १७२५० | भगवद्गीता | | १९ । ( गणनया ) |
| १७२५१ | " | | ७ । |
| १७२५२ | " | | ९-१६ । |
| १७२५३ | " | | ४-६, ८४-८६ । |
| १७२५४ | " | | १-२, ३३-३५ । |
| १७२५५ | " भाष्यटीकोपेता | भा.का.शङ्कराचार्यः टी. का. आनन्द-गिरिः | १७-३० । |
| १७२५६ | " सटीका | टी.का.श्रीधरस्वामी | १-१२२ । |
| १७२५७ | भगवद्गीतासमालोचना | | ८ । ( गणनया ) |
| १७२५८ | रामगीता | | १-५ । |
| १७२५९ | " | | २-४ । |
| १७२६० | " | | १-५ । |
| १७२६१ | रामगीताव्याख्या | महीधरः | १-९ । |
| १७२६२ | " | " | १-९ । |
| १७२६३ | रामगीता सटीका | | १-१६ । |
| १७२६४ | " | | १-४ । |
| १७२६५ | सप्तश्लोकीगीता | | १-३, ३-४ । |
| १७२६६ | रामगीताटीका | कृपारामशर्मा | १-१२ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ११·९ × ५·५ | १२ | ४२ | दे॰ ना॰ | का॰ | | पू॰ | स्कान्दे सूतसंहितायां यज्ञवैभवखण्डे ५ अध्यायः । |
| ६·३ × ४·४ | ७ | १८ | ” | ” | | ” | |
| ५·५ × ४·८ | ११ | १८ | ” | ” | १७०१ | अपू॰ | गर्भगीता पाण्डवगीता च पूर्णा । |
| १०·२ × ६·१ | ९ | २७ | ” | ” | १८८५ | पू॰ | सुबोधिनीप्रकाशः अष्टादशाध्यायः । |
| ६·५ × ४·६ | ८ | १० | ” | ” | | ” | ८ अध्यायः, आदौ हरिनाममालाऽन्ते द्वादशतिलकधारणप्रकारश्चेति । |
| ६·५ × ४·५ | ९ | १६ | ” | ” | | अपू॰ | |
| ७·७ × ४·७ | ९ | २१ | ” | ” | | ” | |
| ६·९ × ४·१ | ८ | १८ | ” | ” | | ” | |
| ७·६ × ४·१ | ९ | २५ | ” | ” | | ” | |
| १३·१ × ६·७ | २५ | ५९ | ” | ” | | ” | |
| ११·६ × ६·३ | १० | ३७ | ” | ” | | पू॰ | |
| १०·८ × ७ | १६ | ३८ | ” | ” | | अपू॰ | |
| १३ × ४ | ७ | ४५ | वङ्ग॰ | ” | | पू॰ | |
| १३ × ४·९ | ११ | ४३ | ” | ” | | ” | गायत्रीकल्पः । |
| १२·३ × ५·४ | ८ | ५० | ” | ” | | ” | |
| १६·६ × ३·६ | ८ | ७३ | ” | ” | | ” | |
| १२·२ × ५·६ | १० | ४६ | ” | ” | | ” | |
| १३·१ × ३·९ | ८ | ५३ | ” | ” | | अपू॰ | |
| १०·१ × ४·४ | ९ | ५१ | दे॰ ना॰ | ” | | ” | |
| ५·८ × ३·२ | ५ | २० | ” | ” | | ” | सप्तश्लोकीभागवतं, विष्णुपञ्जर-स्तोत्रञ्च । |
| १६·७ × ३·७ | १० | ७६ | वङ्ग॰ | ” | | पू॰ | |



CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १७२६७ | शिवगीता | | ४१-५० । |
| १७२६८ | " सटीका | | ३-२१ । |
| १७२६९ | " " | टी. केलदीव्यङ्कटाद्रिनायकः | १-२३ । |
| १७२७० | गुरुगीता | | १-४ । |
| १७२७१ | " | | ८ । ( गणनया ) |
| १७२७२ | " | | १-७ । |
| १७२७३ | " | | २-१५ । |
| १७२७४ | दत्तात्रेयगीता | | १-१७ । |
| १७२७५ | गीतासारः | | १-५ । |
| १७२७६ | " | | ५-१६ । |
| १७२७७ | रामगीता सटीका | टी. का. रामवर्मा | १-८ । |
| १७२७८ | भगवद्गीता सटीका | | ३-४, १२, १८-३४ । |
| १७२७९ | " | टी. पुरुषोत्तमभिक्षुः | १-५, ७-१५ । |
| १७२८० | भगवद्गीताटीका | श्रीधरस्वामी | १-२९, ३२-११८ । |
| १७२८१ | " | " | १-९१ । |
| १७२८२ | भगवद्गीता सभाष्या | भा.रामानुजाचार्यः | १०९ । (गणनया ) |
| १७२८३ | " " | भा.का.शङ्कराचार्यः | २४-५४ । |
| १७२८४ | भगवद्गीताभाष्यटीका | भा.का.ज्ञानानन्दः | ३, ९-२७, ३९-९१, । |
| १७२८५ | रामगीता सटीका | टी. का. महीधरः | १, ४, ७-१५ । |
| १७२८६ | भगवद्गीता " | "मधुसूदनसरस्वती | १९-३९, ९३, १३५, १३७-१३९, १३९-१५६ । |
| १७२८७ | " " | टी.का. वामनाश्रमः | २-५८ । |
| १७२८८ | " " | | ३-१२, १४-१५, १७-२४, २९-८१, ८३-९७ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८·५ × ३·९ | ८ | ३५ | दे. ना. | का. | १८५३ | अपू० | |
| ११·५ × ६·५ | १३ | ३३ | ” | ” | | ” | |
| १३·८ × ७ | ८ | ४६ | ” | ” | | ” | |
| १७ × ३·५ | ७ | ४४ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| १३·६ × ४·२ | ९ | ४८ | ” | ” | श. १७७७ | ” | |
| ७ × ५·४ | १४ | २१ | दे. ना. | ” | | पू० | |
| १३·६ × ५·९ | ९ | ३० | वङ्ग. | ” | | अपू० | |
| ८·८ × ५·३ | १० | २६ | दे. ना. | ” | | पू० | उपदेशः,आत्मानुभवोल्लासबन्धमोक्ष-चतुष्कम्, निर्वेदाष्टकम्, उपशमाष्टकम्, ज्ञानाष्टकं तत्त्वोपदेशश्च। |
| १२·३ × ५·३ | १० | ३८ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| ६·२ × ४·४ | ७ | १३ | दे. ना. | ” | १७७५ | अपू० | |
| ११·२ × ५ | १७ | ५७ | ” | ” | | पू० | सेतुनाम्नी टीका। |
| १३ × ५·५ | ११ | ५८ | ” | ” | | अपू० | |
| १४·१ × ५·८ | ११ | ५२ | ” | ” | | ” | गूढार्थदीपिकाख्या। |
| ९·७ × ४·७ | १२ | ३३ | ” | ” | | ” | |
| १३·५ × ५·१ | ९ | ६२ | ” | ” | | पू० | |
| १४·१ × ७·४ | १५ | ४५ | ” | ” | | ” | |
| ९·८ × ४·९ | १३ | ३१ | ” | ” | | अपू० | |
| ११·५ × ५·३ | ९ | ४५ | ” | ” | | ” | |
| १३·२ × ५·९ | १० | ४५ | ” | ” | | ” | विवृतिनाम्नी टीका। |
| १०·२ × ४·८ | ११ | ३२ | ” | ” | | ” | टीका गूढार्थदीपिका। |
| १०·२ × ४ ७ | १५ | ३३ | ” | ” | १६४६ श. | ” | टीका मराठीभाषानुवादात्मिका। |
| ९·३ × ६·१ | १७ | २८ | ” | ” | | ” | टीका तात्पर्यबोधिनी मराठीभाषायाम्। |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १७२८९ | भगवद्गीता सटीका | टी. रामाद्वयतातः | ८४ । ( गणनया ) |
| १७२९० | भगवद्गीताटीका | श्रीधरस्वामी | २-४०, ४०-१२१ । |
| १७२९१ | भगवद्गीताभाष्यटीका | आनन्दज्ञानः | १-२३ । |
| १७२९२ | गीतासारः | | २-६ । |
| १७२९३ | रामगीता | | १-८ । |
| १७२९४ | " सटीका | | १-११ । |
| १७२९५ | भगवद्गीता " | टी.का श्रीधरस्वामी | १-९१ । |
| १७२९६ | " सभाष्या | भा.रामानुजाचार्यः | १-१८ । |
| १७२९७ | गर्भगीता | | १-२९ । |
| १७२९८ | भगवद्गीता सटीका | टी. का. विट्ठलेश्वरः | १-६ । |
| १७२९९ | " " | " जयरामः | १-१९, १-१०७, १-२७, १-३३, १-२४, १-६०, १-९७, १-५३, १-२५, १-२७, १-२०, १-९८, १-२२, १-२४, १-१६, १-१३, १-३८, ३८-८६ । |
| १७३०० | " " | टी.का.श्रीधरस्वामी | १९-३३, ५७-११२ । |
| १७३०१ | " " | " " | २७-९७, ९९-१०० । |
| १७३०२ | " " | " " | १-१०३ । |
| १७३०३ | " " | | ६४ । ( गणनया ) |
| १७३०४ | " " | | १-१२७ । |
| १७३०५ | " | टी.का. आनंदज्ञानः | २-१०, १-१२, १-१०, १-१५, १-७, २-३३ |
| १७३०६ | भगवद्गीता | | ५-२९, ३१-४७ । |
| १७३०७ | भगवद्गीताटीका | रामकृष्णः | १-२४ । |
| १७३०८ | अवधूतगीता | | २-३९ । |
| १७३०९ | ईश्वरगीता | | १-२, ६-४० । |
| १७३१० | उत्तरगीता सव्याख्या | व्या.गौडपादाचार्यः | २-२० । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०·२ × ४·६ | ८ | ५१ | दे.ना. | का. | | अपू० | |
| १०·५ × ४·६ | ११ | ३४ | " | " | | " | |
| १४ × ५·५ | १४ | ४७ | " | " | | पू० | ३ अध्यायः, शाङ्करभाष्यटीका। |
| ८ × ४·४ | ९ | २३ | " | " | | अपू० | |
| १०·६ × ४·५ | १० | ३४ | वङ्ग. | " | | पू० | रामाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रञ्च। |
| १२·६ × ५·९ | १० | ३६ | दे.ना. | " | | अपू० | उत्तरगीता वा। |
| १५·४ × ६·९ | १२ | ४० | " | " | | पू० | टीका सुबोधिनी। |
| ११·५ × ४·७ | १२ | ४१ | " | " | | " | १-२ अध्यायौ। |
| ६ × ४·६ | ९ | १९ | " | " | | " | हिन्दीभाषाटीकासहिता। |
| १०·७ × ४·६ | ९ | ४० | " | " | | " | प्रथमाध्यायस्य १-२० श्लोकाः। |
| १२·५ × ४·९ | ११ | ५४ | " | " | | " | टीका गीतार्थसारसङ्ग्रहदीपिकाख्या, १-७, ९-१८ अध्यायाः। |
| १० × ४·६ | १२ | ५० | " | " | | अपू० | टीका सुबोधिनी, ३-१८ अध्यायाः। |
| ९·८ × ५·१ | १५ | ४० | " | " | | " | ४-१८ अध्यायाः। |
| १२·६ × ६·२ | १२ | ३२ | " | " | | पू० | |
| ७·५ × ४·४ | १० | २३ | " | " | | अपू० | टीका कर्णाटभाषायाम्, ५, ९, १२-१३, १५, १८ अध्यायः। |
| ११·१ × ५·२ | १० | ४२ | " | " | १८९४ | पू० | टीका नेपालीभाषायाम्। |
| १२·५ × ६·४ | ११ | ५४ | " | " | | अपू० | १, ९-१३ अध्यायाः। |
| ७·८ × ४·५ | ९ | ३० | " | " | | अपू० | |
| १३ × ६ | १० | ४३ | " | " | | पू० | |
| ६·७ × ३·१ | ७ | २७ | " | " | | अपू० | दत्तात्रेयगीता वा। |
| १०·६ × ४·७ | ८ | ३० | " | " | | " | कूर्मपुराणीया, १-११ अध्यायाः। |
| १४·७ × ५·८ | ९ | ५३ | " | " | | " | १-३ अध्यायाः। |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| क्रमसंख्या | ग्रन्थनाम | ग्रन्थकारनाम | पत्रसंख्याविवरणम् |
|---|---|---|---|
| १७३११ | उत्तरगीता सव्याख्या | व्या.गौडपादाचार्यः | १५ । |
| १७३१२ | भगवद्गीता सटीका | टी. का. काश्मीरि-केशवभट्टः | २-६५ । |
| १७३१३ | गुरुगीता | पूर्णानन्दः | १ । |
| १७३१४ | भगवद्गीता | | १-६, ८-२०, २३-६४ । |
| १७३१५ | " | | ३-३३ । |
| १७३१६ | " | | १-२, ८-२७, २९-३० । |
| १७३१७ | " | | ३१ । ( गणनया ) |
| १७३१८ | " | | १-४५ । |
| १७३१९ | " | | ३-२३, ३१-४१, ५२-५५ । |
| १७३२० | " | | ६५-९० । |
| १७३२१ | " | | १०-६८ । |
| १७३२२ | " | | ३-५९, ६१-८० । |
| १७३२३ | " | | ८-५३, ५३-५५, ५७, ५९-६५ । |
| १७३२४ | " | | ५-११ । |
| १७३२५ | " | | ३०-३४, ३६-३८, ४०-५२, ५६-५७, ५९-६०, ६३-७३, ७६, ७८, ९०-९४ । |
| १७३२६ | " | | १-४ । |
| १७३२७ | " | | ८-५२ । |
| १७३२८ | " | | १-१०४ । |
| १७३२९ | " | | १-६७ । |
| १७३३० | पाण्डवगीता | | १ । |
| १७३३१ | " | | १-४ । |
| १७३३२ | भारतसावित्रीगीता | व्यासः | १-३ । |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

| आकारः | पङ्क्ति-संख्या | अक्षर-संख्या | लिपिः | आधारः | लिपिकालः | पूर्णापूर्ण-विवेकः | विशेषविवरणम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२·७ × ६·६ | १२ | ४८ | दे. ना. | का. | १८५२ | अपू० | ३ अध्याय । |
| १५·७ × ८ | १७ | ६२ | ” | ” | | ” | १-१० अध्यायाः । |
| १२·९ × ४·९ | १६ | ४७ | वङ्ग. | ” | | पू० | |
| ९·२ × ३·९ | ५ | ३० | दे. ना. | ” | | अपू० | |
| ९·६ × ८·१ | २४ | १८ | ” | ” | | ” | शाङ्करमात्मबोधप्रकरणञ्च पूर्णम् । |
| १० × ४·९ | १२ | ३५ | ” | ” | | ” | |
| ८·२ × ६·९ | १८ | ३६ | वङ्ग. | ” | | ” | |
| ८·३ × ३·६ | ७ | २७ | दे. ना. | ” | | ” | |
| १०·४ × ४·६ | ८ | ३२ | ” | ” | | ” | |
| ८·९ × ३·९ | ५ | २९ | ” | ” | | ” | |
| ७·५ × ४·२ | ८ | २५ | ” | ” | | ” | |
| ८·२ × ४·७ | ७ | २२ | ” | ” | | ” | |
| ८·७ × ४·३ | ७ | २० | ” | ” | | ” | |
| ९·५ × ४·३ | १० | ३१ | ” | ” | | ” | |
| ९ × ३·९ | ५ | २६ | ” | ” | | ” | |
| ९·५ × ४·६ | ११ | ३० | ” | ” | | ” | |
| ८·७ × ४·४ | १० | २७ | ” | ” | | ” | |
| ८·६ × ४·४ | ७ | २० | ” | ” | | ” | |
| ९·९ × ५·३ | ८ | २७ | ” | ” | | पू० | |
| १२ × ४·९ | ११ | ५९ | वङ्ग. | ” | वङ्गसं. १२०७ | ” | |
| १६·६ × ३·९ | ८ | ८१ | ” | ” | | ” | |
| १६·७ × ३·८ | ८ | ८५ | ” | ” | वङ्गसं. १२२८ | ” | |

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

# चतुर्थभागोल्लिखितपुराणेतिहासग्रन्थानामक्षरानुक्रमणिका


अगस्तिप्रस्थानम् १६०८० ।

अगस्त्यसंहिता १४९७१ ।

अगस्त्यसंहितापरमरहस्यम् १४६३७ ।

अग्निपुराणम् १४८६८, १५७६५, १६८१२ ।

अग्निवेशरामायणम् १५६९७ ।

अजैकादशीपुत्रदैकादशीमाहात्म्यम् १४६३१ ।

अद्भुतमाहात्म्यम् १४७३६ ।

अद्भुतरामायणम् १४६३३, १४९७७, १५२०२, १५२७२, १५६५६, १५८६४, १६२१६, १६४२०, १६४५२, १६४६९, १६५१३ ।

अधिकमासमाहात्म्यम् १४३७२, १५४४०, १५४५१, १५४६६ ।

अधिकैकादशीमाहात्म्यम् १६१५४, १६४८६ ।

अधिमासशुक्लकमलैकादशीव्रतकथामाहात्म्यम् १४७४६ ।

अधिमासैकादशीमाहात्म्यम् १५८९३ ।

अध्यात्मरामायणम् १४३५२, १४४४५, १४५७६, १४५७९, १४६१९, १४६३०, १४६३४ – १४६३५, १४६८५, १४७१६ – १४७१७, १४७६१, १४७६८, १४८०४ – १४८०५, १४८५५ – १४८५६, १४९७८, १५०२६, १५०४१, १५०७३, १५१०२, १५१४१, १५२०४ – १५२०५, १५२१३, १५२१५, १५३००, १५४२५, १५४३८, १५४८४, १५४९२, १५५३२, १५५३६, १५५४७, १५५५०, १५५७५, १५५७८, १५५९९, १५६६३, १५६६६, १५६६९, १५७७९, १५८०३, १५९२१, १५९३३ – १५९३४, १६०७५, १६२९१, १६२९४, १६३११, १६३१४, १६४१५, १६४५३, १६४६५ ।

अध्यात्मरामायणम् ( सङ्क्षिप्तम् ) १६२२७ ।

अध्यात्मरामायणम् ( सटीकम् ) १५१४०, १५५०४, १५५२२, १५६६५, १५९२७, १६१९९, १६२१८, १६२१९, १६२२८, १६५०१ ।

अध्यात्मरामायणटीका १६६६४ ।

अन्तर्गृहीलिङ्गनामानि १६१६० ।

अमरनाथयात्रा १५१६२ ।

अम्बिकाखण्डम् १४३११ ।

अयोध्याखण्डम् १४६७२, १६०७५, १६१८३, १६३९८ ।

अयोध्यामाहात्म्यम् १४२३६, १५७९७, १५६७३, १६४१९, १६४७८ ।

अर्बुदमाहात्म्यम् १४९०५ ।

अवन्तिखण्डम् १५७३५ ।

अष्टादशपुराणव्यवस्था १५७११ ।

अष्टादशोपपुराणनामानि १४४८६ ।

अष्टावक्रीयाख्यानम् १४५८८ ।

आत्मपुराणम् १४२८८, १४३३८, १५६८९ १६४५५ ।

आदित्यपुराणम् १४८२६ ।


CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

आदिपुराणम् १४३३०, १५३०३, १५५१४, १५७९६।
आदिवाराहपुराणम् १५८४८।
आनन्दकाननमाहात्म्यम् १४५६०, १४६८४।
आनन्दवनमञ्जरी १४२५२।
आपद्धर्मप्रकरणम् १४७८१।
आपद्धर्मविषमपदव्याख्या १५०८५।
आमलीग्राममाहात्म्यम् १४५६३।
आर्षरामायणम् १५६५८।
आश्विनशुक्लपक्षे पाशाङ्कुशैकादशीमाहात्म्यम् १४५९०।
आषाढकृष्णैकादशीमाहात्म्यम् १६२४६।
षाढशुक्लपक्षे पद्मामाहात्म्यम् १४५९७।
आषाढशुक्लैकादशीमाहात्म्यम् १४५९१- १४५९२, १४८५३।
इतिहाससमुच्चयः १४३२६, १४४९०, १४६२०, १४६८९, १४७१५, १४७९७, १४८२७, १५०८४, १५२६४, १५४४२, १५९०६, १६३५०।
इन्दिरामाहात्म्यम् १४६२२।
इन्दिराव्रतमाहात्म्यम् १४६२३।
इन्दिरैकादशीमाहात्म्यम् १४६२४, १५४५०, १६१७५।
इन्दिरैकादशीव्रतमाहात्म्यम् १४६२१।
इन्द्रप्रस्थमाहात्म्यम् १४७५९, १६४६८।
इन्द्रवरप्रदानम् १४२२९।
इन्द्राग्नीलोकवर्णनम् १६१६२।
उत्पन्नैकादशीमाहात्म्यम् १५०६८।
उद्योगपर्वटीका १५२३६।
उद्योगपर्वणि प्रजागरः १५०८३।
उपदेशकाण्डम् १६१८५।
उमोत्तरखण्डम् १५३०६।
एकादशीचतुर्विंशतिनामानि १५८८०।
एकादशीमाहात्म्यम् १४२३०- १४२३१, १४४४६, १४४६५, १४५१८, १४६२६, १४७०४, १४७४३, १४७७८, १४७७९- १४७८०, १४८५०, १४८५२, १४८५७, १५००१, १५०६५, १५३१७, १५३५६, १५८०७, १५८२९, १५८५२, १५८५४, १५९१८, १५९१९, १५९४२, १५९७६, १५९७७, १५९९३, १५९९७, १६००१, १६०१७, १६०२३, १६०२७, १६०४०- १६०४१, १६०५३, १६०५५, १६०६६- १६०३७, १६०९१, १६०९८, १६१२९, १६१७९, १६१८८, १६२४३, १६२५८, १६४७४, १६४७५, १६५१०।
एकादशीमाहात्म्यसङ्ग्रहः १५१०१।
एकादश्युत्पत्तिकथा १६१८०।
एकादश्युत्पत्तिमाहात्म्यम् १४७९३, १६३०१।
एकाम्रपुराणम् १५१२७।
ऐश्वर्यकादम्बिन्यामुत्तरलीलावर्णनम् १४७८१।
ओङ्कारमहिमा १५५६८।
ओङ्कारमाहात्म्यम् १५०९४।
कथाप्रशंसा १५२८९।
कपिलपुराणम् १६४०४।
कपिलेश्वरमाहात्म्यम् १४४४७।
कमलामाहात्म्यम् १४२४३।
कमलैकादशीमाहात्म्यम् १४८५४।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

कलिकालजयोपायः १५६४३ ।

कलिव्यवहारः १४४३९,

कलिरूपवर्णनम् १४८४९ ।

कल्किपुराणम् १४७८३, १५५३३ ।

कल्किबुद्धावतारकथनम् १५०८४ ।

कल्पवृक्षकथा १६०८८ ।

कामदैकादशीमाहात्म्यम् १६४७६ ।

कामदैकादशीव्रतमाहात्म्यम् १६२३८ ।

कामधेनुः १५०८१ ।

कामाख्याकवचमाहात्म्यम् १४४५२ ।

काम्यकवनप्रवेशवर्णनम् १५४३२ ।

कायस्थपुराणम् १५०८२ ।

कायस्थोत्पत्तिकथा १४७६२ ।

कार्त्तवीर्यार्जुनमाहात्म्यम् १४५७४ ।

कार्त्तिककृष्णैकादशीरमामाहात्म्यम् १४४६२, १४४६३ ।

कार्त्तिकपुराणम् १५०९७ ।

कार्त्तिकमासमाहात्म्यम् १४४६०–१४४६१, १४६१८ ।

कार्त्तिकमाहात्म्यम् १४२३४, १४४४८, १४४५०–१४४५१, १४४८३, १४६१०, १४६१२, १४७५१, १४८४४, १४८४८, १४९०९, १४९३५, १४९९१, १४९९८–१४९९९, १५०५२, १५०५९, १५४६८, १५४७१, १५६७५, १५६९७, १५७२७, १५७४२, १५७७०, १५७७२, १५९०८, १५९१६, १५९८९–१५९९१, १६००३, १६०१०, १६०१२–१६०१५, १६०१८–१६०२०, १६०४४, १६०५९–१६०६२, १६०६८, १६१११–१६१११३, १६११५–१६१११८, १६१३९, १६१९४, १६१९५, १६२४८, १६२७८, १६२९५, १६३१०, १६३३७, १६३९०, १६३९३, १६३९४, १६३९९, १६४२६, १६४७१–१६४७२, १६४९३, १६५०७ ।

कार्त्तिकशुक्लपक्षीयप्रबोधिन्येकादशीमाहात्म्यम् १४६५५ ।

कार्त्तिकशुक्लप्रबोधिन्येकादशीव्रतमाहात्म्यम् १६१६८ ।

कार्त्तिकीयहरिप्रबोधिन्येकादशीमाहात्म्यम् १४६९४ ।

कार्ष्णिरामायणम् १५०५३ ।

कालिकाखण्डम् १५४०७ ।

कालिकापुराणम् १५०९२, १५२९५, १५३४२, १६४४६ ।

कालिकामहापुराणम् १६३१९ ।

काशिकातिलकम् १५०९४ ।

काशिवासिधनिप्रायश्चित्तविधिनिरूपणम् १६०७३ ।

काशीकेदारमाहात्म्यम् १५६०० ।

काशीखण्डम् १४३१३, १४३१६, १४४३०, १४४४८, १४४८५, १४५४९, १४५५१, १४८६६, १५०३३, १५०४४, १५१४३, १५२८१, १५३८४, १५५७१, १५५९८, १५८०२, १५८३३, १५८३९, १५८५५, १५८५७, १६०४५, १६२७३, १६३२४, १६४१०, १६४५१ ।

काशीखण्डम् (सटीकम्) १६०२१, १६०३५–१६०३६, १६२३६–१६२३७, १६३०६ ।

काशीखण्डकथासङ्ग्रहः १४४६७, १४५९९, १५८२० ।

काशीखण्डटीका १४३७५, १५९४९ ।

काशीखण्डोपाख्यानम् १६२०९ ।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

काशीतत्त्वप्रकाशः १४८११ ।

काशीतत्त्वप्रकाशिका १५०२८, १५५७७ ।

काशीप्रादुर्भावः १४६०८ ।

काशीमरणफलम् १५५३५, १५६४१, १५६४५ ।

काशीमाहात्म्यम् १४२९०, १४४२१, १४५०४, १४६०७, १४६०९, १४७७५, १४८६०, १४८९९, १४९३३, १४९४०, १५००२, १५००५, १५०६०, १५१६०, १५१६३, १५१६६, १५१९९, १५२४९, १५४९०, १५५६७, १५६०७, १५६८६, १५७९०, १५८३८, १५८७१, १५८७३, १५८९९, १५९७५, १५९८१, १६०४३, १६०५८, १६१०४, १६११४, १६१३१, १६२१५, १६२९०, १६३३६, १६३८८, १६३९१, १६४००, १६४६४, १६४८४, १६४९२ ।

काशीमाहात्म्यकौमुदी १४२४७ ।

काशीमाहात्म्यवर्णनम् १५०८० ।

काशीमाहात्म्यसङ्ग्रहः १४२४४, १४२४९, १४५२२, १६३१६ ।

काशीमाहात्म्यसारः १५०९० ।

काशीमुक्तिप्रकाशिका १५०५५ ।

काशीमुक्तिविवेकः १६०२४ ।

काशीमृतिमोक्षनिर्णयः १४३५५ ।

काशीसारः १६३७७ ।

काशीसारोद्धारः १५८०१, १५८८१, १६२७४ ।

काशीस्थितिचन्द्रिका १४३०३ ।

काशीस्वरूपकथनम् १५०६९ ।

कुमारिकाखण्डम् १४३३३ ।

कूर्मपुराणम् १४२७८, १५४७०, १५७२९, १५७९१ ।

कृष्णजन्मकथा १४६०६ ।

कृष्णजन्मखण्डः १६४४८, १६४५० ।

केदारखण्डम् १५३७१, १५३७२, १५९०९ ।

केदारखण्डमाहात्म्यम् १४४२८ ।

केदारमाहात्म्यम् १४७६०, १४९४१, १६४२५ ।

कैलासयात्रा १५०५६ ।

कैलाससंहिता १४९६१ ।

कोकिलामाहात्म्यम् १४५९५, १५४५७ ।

कोकिलाव्रतम् १५४५४ ।

कोकिलाव्रतमाहात्म्यम् १४४८८ ।

क्रियायोगसारः १४६८८, १४६९९, १५०६१, १५२०३, १५४३४, १५७८९, १६१२३ – १६१२४, १६३९९, १६४३५ ।

गङ्गाजलमाहात्म्यम् १६१७१ ।

गङ्गामाहात्म्यम् १४२७६, १४९६५, १५४९८, १६३३३ ।

गङ्गामाहात्म्यसङ्ग्रहः १४८४३ ।

गङ्गास्नानमाहात्म्यम् १६१७१ ।

गणेशखण्डम् १४४१८ ।

गणेशपुराणम् १४५७७, १४९८०, १४९८१, १५१३९, १६५१४ – १६५१५ ।

गयामाहात्म्यम् १४२५१, १४३६७, १४६०३ – १४६०५, १४९३७, १५१२१, १५४६६, १५४९९, १५७७४, १५८८९, १५८९०, १५९६९ –

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

१५९७०, १५९८०, १५९८२, १६०२६, १६०४९, १६०५०, १६२७६, १६२८०, १६२८५, १६३४५, १६४७०, १६४७३।

गरुडपुराणम् १४२९३, १४६०२, १४७३१–१४७३२, १४९०७, १४९९८, १४९९९–१४९९६, १५००३, १५००८, १५००९, १५०५०–१५०५१, १५१२९, १५२९१, १५४६९, १५४७२, १५४८८, १५५२६, १५६९९, १५७०९, १५७१३, १५७४५, १५८३०, १५८४०, १५८७०, १५९०२, १६३२९, १६३८४–१६३८५, १६३९७, १६४४९, १६४६१।

गरुडपुराणसारोद्धारः १६०२९।

गरुडपुराणसारोद्धारः ( सटीकः ) १५७४७।

गरुडसंवादः १५०७०।

गर्गसंहिता १४६८३, १३९५, १६०८, १६२३२।

गायत्रीनिर्माणम् १६३८९।

गायत्रीमाहात्म्यम् १४२३३, १५५७४।

गायत्रीरामायणम् १४४५३।

गारुडं महापुराणम् १४६९०।

गीतामाहात्म्यम् १४३३५, १४३४८, १४४२६, १४४८२, १४४८७, १४४९२, १४५७८, १४५८०, १४५८७, १४६१६, १४६२५, १४६२७, १४६३६, १४६९१, १५५६९, १५५८०, १५६०१, १५६४९, १५७५१–१५७५२, १५८०५, १५९४०–१५९४१, १६०६५, १६०८६, १६१४०, १६१६१, १६१६९, १६१७०, १६३०३, १६४००, १६४९७।

गोत्रप्रकरणम् १६०४८।

गोत्रप्रवराध्यायः १५९८७।

गोत्रिरात्रव्रतकथा १५०८९।

गोपिकागीतम् १६२२४।

गोपीगीतम् १४४८६, १५४६२, १५९०७, १५९३८–१५९३९, १६२१३, १६२९६।

गोपीगीतम् ( सटीकम् ) १५१९८।

गोपीगीततात्पर्यार्थनिरूपणम् १६२३५।

गोमतीमाहात्म्यम् १४८४२।

गोमाचलक्षेत्रमाहात्म्यम् १६०५१।

चतुःश्लोकीभागवतम् १४३९३, १४८४१, १५३२०, १५६४६, १५९६५, १६१९१, १६२८६–१६२८७, १६२९७, १६३४६।

चतुःश्लोकीभागवतम् ( समश्लोकीसहितम् ) १४५३२।

चातुर्मास्यमाहात्म्यम् १४७३०, १४८७३, १४८९६, १५७७१, १५८६७, १६०१६, १६४२९।

चित्रकूटमाहात्म्यम् १४३७१, १६३०९ १६४१४।

चित्रगुप्तकथा १४७२८।

चैत्रकृष्णपक्षपापमोचनीमाहात्म्यम् १४७२७।

चैत्रकृष्णपापमोचन्येकादशीमाहात्म्यम् १४७२६।

चैत्रकृष्णैकादशीमाहात्म्यम् १४७२५।

चैत्रमासमाहात्म्यम् १४५४७।

चैत्रशुक्लकामदैकादशीमाहात्म्यम् १४७२३–१४७२४।

चैत्रशुक्लैकादशीमाहात्म्यम् १४८४०।

जगन्नाथमाहात्म्यम् १५४१०, १६१३७, १६३३२।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

जगन्नाथस्थितिः १४३६९ ।

जन्माद्यस्येतिश्लोकव्याख्या १४५७४ ।

जयैकादशीमाहात्म्यम् १९०४५, १६१७८ ।

जलधरोपाख्यानम् १४९४८।

जातिसम्बन्धनिर्णयः १४८१७ ।

जैमिनिभारतम् १४६२८, १५११८, १५२११, १५३६६ – १५३६७, १५५२५, १५५२७, १५५२९ ।

जैमिनिमहाभारतम् १५४४३ – १५४४५, १५६२४, १५७८३, १६४६६।

ज्ञानोपदेशः १४९५०।

ज्येष्ठकृष्णैकादशीमाहात्म्यम् १६२८९ ।

ज्येष्ठकृष्णैकादश्यपरामाहात्म्यम् १४७२२ ।

ज्येष्ठमासमाहात्म्यम् १५७१०, १५९१४ ।

ज्येष्ठमाहात्म्यम् १४९४४ ।

ज्येष्ठशुक्लैकादशीमाहात्म्यम् १४७२१, १६१३६ ।

ज्येष्ठैकादशीमाहात्म्यम् १४७२० ।

ढुण्ढिप्रादुर्भावः १५६४८ ।

ढुण्ढिप्रादुर्भावकथा १५५०९ ।

तत्तदेकादशीमाहात्म्यम् १५४६१ ।

तत्त्वदीपः १४५७२, १४६८२, १४६८६, १४६९४, १५१८४, १५१८५।

तत्त्वदीपनिबन्धयोजना १४६९५ ।

तत्त्वदीपनिबन्धविवृतिटिप्पणम् १५१६९ ।

तत्त्वदीपप्रकाशावरणभङ्गः १५१९० – १५१९२ ।

तपतीजन्ममाहात्म्यम् १६११८ ।

तापीमाहात्म्यम् १४२८२ ।

तारकरामब्रह्ममन्त्रः १५४९४ ।

तुलजामाहात्म्यम् १४७०३ ।

तुलसीपूजामाहात्म्यम् १४९५१ ।

तुलसीमाहात्म्यम् १४४५४, १४७१९, १४९४७, १५०४६, १६२५१ ।

त्रिजटोपाख्यानम् १५९१५ ।

त्रिपुरदाहः १६०९२ ।

त्रिश्लोकीव्याख्या १५९६६ ।

त्रैलोक्यविजयापराजिता १४९७२, १४९९० ।

दक्षिणामूर्त्तिमन्त्रप्रशंसा १६०८१ ।

दशविधब्राह्मणोत्पत्तिवर्णनम् १४९५२ ।

दशावतारकथा ४४२२ ।

दशावतारनिरूपणम् १४८३९ ।

दशावतारप्रादुर्भावसमयः १४४२७ ।

दानव्रतादिमाहात्म्यसङ्ग्रहः १४२४१ ।

दुर्जनचपेटिका १६२५९ ।

दुर्जनमुखचपेटिका १४२५५ – १४२५६, १५०५७, १५०७१ ।

दुर्वासस उपाख्यानम् १४८३८ ।

देविकामाहात्म्यम् १४४२५ ।

देवीपुराणम् १५३०७, १५३११ ।

देवीभागवतम् १५३१०, १५५७६, १५८१७, १६०११ ।

देवीभागवतम् ( सटीकम् ) १५३१८ ।

देवीभागवतस्थितिः १४४१०, १५०६७, १५०७२, १५०८८, १५३८९, १५३९२ ।

देशविभागे निर्णयः १४२७७ ।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

द्वारकामाहात्म्यम् १४२८३, १४६४२, १४७१८, १५५०१, १६१२०।

धनुर्मासमाहात्म्यम् १४७२९, १४८३४, १४८३६–१४८३७, १४९५४, १४९९७, १५९१३, १६४२८।

धनुर्माहात्म्यम् १५३७५।

धर्मकथा १५०४७।

धर्मज्ञानसंवादः १४९५५।

धर्मनारायणाख्यानम् १६१३३।

धर्मयुधिष्ठिरयज्ञः १४७७६।

धर्मयुधिष्ठिरसंवादः १६३८०।

धर्मविषयसंवादः १४८१२।

धर्मसंवादः १५०३८।

धर्माधिकारिवंशवर्णनम् १५०८६।

धर्मारण्यमाहात्म्यम् १४६९७।

धात्रीमाहात्म्यम् १५९७४।

नन्दिकेश्वरसंहिता १६४३३।

नन्दीश्वरमाहात्म्यम् १६४९१।

नरदेहे दशावतारवर्णनम् १५४७४।

नरसिंहपुराणम् १५३३६।

नागरखण्डम् १४३१९, १४५५२, १४७६७, १५४०८।

नाचिकेतोपाख्यानम् १५७८४।

नानकचन्द्रोदयः १५७८२।

नाममाहात्म्यम् १४७८२, १६१८७।

नारदीयपुराणम् १४४११, १५०१६।

नारायणवर्म १४४५५, १५०४९।

नारायणवर्मोपदेशः १४५०२ – १४५०३, १४९६९।

नासिकेतोपाख्यानम् १४४५६, १४७७७, १४८५९, १४९५६, १५४९१, १५६६१, १५६६२, १५८३५।

निबन्धविवृतियोजना १५३७६।

निर्जलैकादशीमाहात्म्यम् १४५०१, १४९५७।

निष्कलाध्यायः १४७११।

नृसिंहचतुर्दशीकथा १४४९९ – १४५००।

नृसिंहपुराणम् १४३०४, १५३०४, १६१४८।

नृसिंहोपकर्षणम् १६०८४।

नेपालमाहात्म्यम् १४३४७।

पञ्चक्रोशमाहात्म्यम् १४७०७, १५४२८, १५४५८, १५४६३, १५८३१, १६३०२, १६३३९, १६४७९, १६४९८।

पञ्चक्रोशयात्रामाहात्म्यम् १६१५६।

पञ्चक्रोशयात्राविवरणम् १६३०४–१६३०५, १६४९९।

पञ्चक्रोशीमाहात्म्यम् १४२४२, १४४६८, १४८१८, १४८३५, १४९७६, १५०३२, १५३२१, १५३३५, १५७००, १५७०४, १५८०६, १५९७२, १६१२८, १६२७५, १६३२८, १६३७८।

पञ्चक्रोशीयात्रामाहात्म्यम् १४४९७।

पञ्चप्रेतोपाख्यानम् १५०००, १५६७३।

पञ्चाक्षरीमाहात्म्यम् १५०४३।

पदरत्नावली १६३६८।

पद्मपुराणम् १४३६२, १४३६६, १४८९५, १४९८२, १५०९१, १५१२८, १५१७१, १५३७७, १६२१४।

पद्माधर्मसंवादः १४४२३।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

पद्मैकादशीमाहात्म्यम् १४४९६, १५८८८।

पयोष्णीमाहात्म्यम् १४९२१।

परानन्दपुराणम् १५३०९।

पराशरपुराणम् १५३०८।

पाण्डुरङ्गमाहात्म्यम् १४२८५, १५८९६, १६१८९।

पातालखण्डम् १४२८१, १६३३४ – १६३३५।

पापाङ्कुशैकादशीमाहात्म्यम् १४३६५।

पाराशरोपपुराणम् १४३९६, १४९१२, १५०९३, १५५१६, १५७६१।

पितृस्तवः १६४३६।

पिशाचमोचिन्येकादशीमाहात्म्यम् १५८८७।

पुण्डरीकपुरमाहात्म्यम् १५१५३।

पुराणदानमाहात्म्यम् १४५०५।

पुराणपाठानुक्रमः १०१३१।

पुराणसमुच्चयः १५२९०।

पुराणानां विषयसूची १३०६५।

पुराणोपपुराणखण्डादिनामसूची १४४५७।

पुराणोपपुराणपरिगणनम् १४४२४।

पुरुषोत्तमक्षेत्रमाहात्म्यम् १४७७०, १४८९२।

पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम् १५७०७, १५८९४, १५९१०, १६०७८।

पुरुषोत्तममाहात्म्यम् १४३७९, १४३९८, १४६६२, १६६३४, १४९९३, १५००७, १५१५५, १५५४४, १५५६६, १५७५९, १५८३२, १५८६२, १५९५१, १६२३१, १६३४३, १६३४८, १६३८६, १६३९६, १६४९५।

पुष्करप्रादुर्भावः १४३९९।

पुष्करप्रादुर्भावटीका १४६११, १४९६२।

पुष्करमाहात्म्यम् १४६६१।

पौषकृष्णैकादशीमाहात्म्यम् १४५२४, १४६५९–१४६६०।

पौषशुक्लपुत्रदैकादशीमाहात्म्यम् १४५०६।

पौषशुक्लैकादशीपुत्रदामाहात्म्यम् १४६५८।

पौषमाहात्म्यम् १४८७०।

प्रजागरपर्वटिप्पणी १४९००।

प्रदोषमाहात्म्यम् १६१३०।

प्रबोधिनीमाहात्म्यम् १५०१०।

प्रबोधिन्यैकादशीमाहात्म्यम् १४४५८, १४६५३।

प्रभासखण्डम् १४२९४।

प्रयागमाहात्म्यम् १४४५९, १४६४४, १४६४७, १४६५१ – १४६५२, १४६६६, १४६६९, १४६७१, १४८३३, १५१२०, १५३८८, १५७०८, १५७५८, १५८८४, १५८९१, १५९२९ – १५९३१, १५९७९, १६०२५, १६०५२, १६२४७, १६२७१ – १६२७२, १६३२७, १६३८७, १६३९२, १६४८०।

प्रह्लादचरितम् १४७७३।

प्रह्लादस्तुतिः १६१२२।

प्राचीनराजेतिहासः १३२२५।

प्रेतमञ्जरी १६३९७।

फाल्गुनपूर्णिमामहोत्सवः १४६४१।

फाल्गुनशुक्लद्वादश्यामामर्दकीमाहात्म्यम् १४५८९।

फाल्गुनशुक्लामर्दकीमाहात्म्यम् १४५०७, १४६३८।

फाल्गुनशुक्लामर्दक्येकादशीमाहात्म्यम् १४५०८।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

बदरिकाखण्डम् १४९०६ ।

बदरीनाथमाहात्म्यम् १६४१३ ।

बदरीमाहात्म्यम् १४४०२, १९७७७ ।

बदर्याश्रममाहात्म्यम् १६२९३ ।

बलदेवाह्निकम् १५५०० ।

बहुलाव्याघ्रसंवादः १५७८७, १५८७२, १५९९६, १६१६४ ।

बहुलोपाख्यानम् १४४४९ ।

बाणगङ्गामाहात्म्यम् १४५९८ ।

बाणपरीक्षा १५९६७ ।

बिल्वकेश्वरमाहात्म्यम् १९४४८ ।

बृहद्धर्मपुराणम् १९३३७ ।

बृहद्रामायणम् १९००४ ।

बृहद्वासिष्ठसारसंग्रहः १४३६१ ।

बृहन्नारदीगम् १४२६६, १४२९१ ।

बृहन्नारदीयपुराणम् १४४०९, १४९२२, १९०४२, १९२८०, १९८२७, १६४०९, १६४२२ ।

ब्रह्मखण्डम् १९००६ ।

ब्रह्मणः कल्पभेदेन नामानि १९४८९ ।

ब्रह्मपुराणम् १४२८९, १४४४१, १९४११, १९८४६ ।

ब्रह्मरहस्यसंहिता १९६८८ ।

ब्रह्मवैवर्तम् १४२९४, १४२९७, १४२६४, १४२६९, १९३८३, १६०६४, १६२४१ ।

ब्रह्मवैवर्तपुराणम् १४२६८, १४२८७, १४३४१, १४३८२, १४९१६, १४५१७, १९०३९, १९०९८, १९१९७, १९६०२, १९९२३, १९९८४, १६१०२ ।

ब्रह्मसंहिता १४७०२ ।

ब्रह्मस्तुतिः १६२०८ ।

ब्रह्माण्डपुराणम् १४२७० ।

ब्रह्माण्डोत्तरपुराणम् १९१३८ ।

ब्रह्मावर्तक्षेत्रमाहात्म्यम् १४४१२ ।

ब्रह्मोत्तरखण्डम् १४२९९, १४९१९, १४९९८, १४६३२, १४७०९, १४७८४, १४८९८, १४८९८, १४९६८, १९३१६, १९४०३, १९७६२, १९८०३ – १९८०४, १९९०३, १९९२२, १९९२६, १९९८९, १६००९, १६००७, १६००९, १६०२२, १६०९६, १६४०३ ।

भक्तितरङ्गिणी १४२९९ ।

भक्तिरत्नावली १४४४० ।

भगवच्चरितामृतरहस्यसङ्ग्रहः १९१३२ ।

भगवदुक्तज्ञानरहस्यम् १४८९० ।

भगवद्गीतामाहात्म्यम् १४९३७ ।

भगवद्भक्तमाहात्म्यम् १६४३७ ।

भगवद्भक्तिमाहात्म्यम् १९१२४, १५१९६ ।

भगवन्नाममाहात्म्यम् १४९४६, १४९४३ ।

भगवल्लीलाचिन्तामणिः १९७९६ ।

भविष्यपुराणम् १४७९६, १४८९४, १६९१६ ।

भविष्यपुराणभागः १४६६७ ।

भस्ममहिमा १४२३९ ।

भस्मरुद्राक्षमाहात्म्यम् १६१७४ ।

भागवतम् १४२५३, १४२६१, १४२६३, १४२६७, १४२७२, १४२७९ – १४२८०, १४२९२, १४२९७, १४३०२, १४३१४, १४३१७,

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

१४३३७, १४३३९, १४३५०, १४३६०, १४३९५, १४४१४, १४४१७, १४४३३–१४४३९, १४४४४, १४४७३–१४४८०, १४४९३ – १४४९४, १४५११–१४५१४, १४५२३, १४५२९, १४५३२, १४५३६, १४५४०, १४५६२, १४५६६, १४५७३, १४५७५, १४५८२ – १४५८३, १४६४६, १४६४८– १४६५०, १४६७६ – १४६८१, १४६९३, १४६९६, १४७०६, १४७५८, १४७६३, १४७७२, १४७९८ – १४८००, १४८६१, १४८६४ – १४८६५, १५९७५-१४८८०, १४८९३, १४९०१ – १४९०२, १४९०४, १४९१३, १४९१७ – १४९१९, १४९२३– १४९२५, १४९५३, १४९६७, १४९७५, १४९८४, १४९८७ – १४९८८, १४९९४, १५०११, १५०२२ – १५०२४, १५०२७, १५०२९ – १५०३०, १५०३४, १५०४०, १५०६२ – १५०६५, १५०९३, १५१०८, १५१३७, १५१६१, १५१७४–१५१७५, १५२२० – १५२२५, १५३७३–१५३७४, १५३८७. १५३९९, १५४३३, १५४३५, १५४५६, १५४५९ – १५४६०, १५४९३, १५५४१, १५७१२, १५७१४, १५७८८, १५८२३, १५८३४, १५८६५–१५८६६, १५८७८ – १५८७९, १५९००, १५९३५, १५९४८, १५९६० – १५९६३, १५९६८, १५९९५, १६००४, १६०३३–१६०३४, १६०८२, १६१४६ – १६१४७, १६१७६, १६१८६, १६२०० – १६२०१, १६२०३, १६२०७, १६२१० – १६२१२, १६२२०,–१६२२२, १६२५४, १६३०८, १६३५४, १६४०८, १६४२४, १६४५९–१६४६०, १६४८८, १६५०९, १६५१२, १६५३५–१६५३९ ।

भागवतम् ( वङ्गभाषापद्यसमेतम् ) १६१८२ ।

भागवतम् (सटीकम्) १४४०४ – १४४०५, १४५३१, १४५३९, १५०७५, १५१४४, १५१७९, १५२७४ – १५२७६, १५२८८, १५२९२ – १५२९४, १५३००, १५३८१ – १५३८२, १५४३१, १५५२३, १५५२४, १५५६४ – १५५६५, १५६०३–१५६०४, १५६१५ – १५६२१, १५६४७, १५६५०, १५६५९–१५६६०, १५६७६. १५६७८, १५६८१, १५७०५, १५७०६, १५७१५ – १५७१७, १५७१९–१५७२६, १५७४३, १५७५४, १५७६७, १५७८५, १५८४३, १५८४९, १५८७६ – १५८७७, १५९०१, १५९४३ – १५९४७, १५९५५ – १५९५९, १६००६, १६०३८ – १६०३९, १६२२३, १६२३४, १६२४४, १६२६३–१६२६६, १६३१७ – १६३१८, १६३३१, १६३५६ – १६३६८, १६३८९, १६५१९–१६५३४ ।

भागवतकथा १६५४१ – १६५४२ ।

भागवतकथाकथनक्रमः १५१४२ ।

भागवतकथासङ्ग्रहः १४४३२, १५१५१ ।

भागवतकथासारः १४४४२ ।

भागवतं किं कल्पीयमितिविचारः १५१८९ ।

भागवतगूढशब्दार्थः १४९६३ ।

भागवतटिप्पणिका १५१८७–१५१८८ ।

भागवतटिप्पणी १५३९१ ।

भागवतटीका १४३००, १४५८१, १४६८७, १४९३१, १४९८५, १५४९७, १५६१४, १५६८०, १५७५५, १५७९४, १६१८१, १६३५१–१६३५२ ।

भागवतटीकाव्याख्या १५७८६ ।

भागवततत्त्वदीपः १५५११ ।

भागवततत्त्वप्रदीपः १४२४५ ।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

भागवततात्पर्यम् १५१८३, १५६८२, १५८४१, १६०३१, १६१३२, १६३७१–१६३७२।

भागवततात्पर्यदीपिका १४२२८, १४२६९, १६३७०।

भागवततात्पर्यनिर्णयः १६३७४।

भागवतद्वात्रिंशत्प्रश्नोत्तरी १६०३७, १६१०३।

भागवतनिर्णयः १५५१३।

भागवतप्रतिस्कन्धदशश्लोकी १६१७९।

भागवतभावार्थदीपिका १४२३५, १४९१५, १५०२५, १५०७४, १५६९२।

भागवतभावार्थदीपिकादीपनम् १५४७५।

भागवतमाहात्म्यम् १४५६१, १४५९४, १४७६४, १४८७२, १४९३८–१४९३९, १४९४५, १५१६४, १५१८०–१५१८१, १५४७३, १५७१८, १५७५३, १५७७८, १५७९५, १५७९८, १६०४७, १६१०७–१६१०९, १६३१३, १६३५५, १६५००।

भागवतवादार्थनिर्णयसारोद्धारप्रकाशः १४७६५।

भागवतवादितोषिणी १५६९१।

भागवतविवरणम् १५१८२।

भागवतविवृतिः १४६१९।

भागवतविवृतिप्रकाशः १५६८७।

भागवतव्याख्या १४४६८, १५६७९, १५८२२, १६५४३।

भागवतश्रीधर्य्याष्टीका १४७८७।

भागवतसंक्षिप्ताख्यानम् १५४७७।

भागवतसंग्रहः १५५७३।

भागवतसमालोचना १६५४०।

भागवतसारः १४३९२, १५८९६, १५८६१, १६१३८, १६१५२, १६१९८।

भागवतसारांशः १५१७८–१५१७९।

भागवतसारार्थदर्शिनी १५१५४।

भागवतसुबोधिनीकारिकाव्याख्या १४८९१।

भागवतसुबोधिनीटीकायाष्टिप्पण्याः प्रकाशः १४७९२।

भागवतसुबोधिनीप्रकाशः १४७९०, १४७९१।

भागवतसुबोधिनीयोजना १५४१२।

भागवतसुबोधिन्याष्टीका १४७५३, १४७८५–१४७८७।

भागवतसूचनिका १५१७७।

भागवतसूचिका १५१७६।

भागवतसूची १६१०६।

भागवतस्य टीकायाष्टीका १५१७३।

भागवताध्यायप्रक्षिप्तत्वसमर्थनम् १४७८९।

भागवतानुक्रमणिका १४७३३, १४८८२–१४८८३, १४९०८।

भागवतानुक्रमणी १४४४३।

भागवतामृतम् १४६४३।

भाद्रपदकृष्णाजैकादशीमाहात्म्यम् १४८८८, १४८८९।

भाद्रशुक्लकामिकैकादशीमाहात्म्यम् १४६५७।

भारतटीका १५७५०।

भारततात्पर्यम् १५२३५।

भारततात्पर्यप्रकाशः १५७३२।

भारतश्रवणविधानं फलश्रुतिश्च १४४१९।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

भारतसावित्री १४३७३, १५२१७, १५२१९।
भारताकूतचन्द्रिका १४७३४, १५७४९।
भार्गवपुराणम् १९२००।
भावदीपः १५७३४।
भावार्थदीपिका १५०३७, १६३७३।
भिक्षुगीतटीका १९९९४।
भीष्मपञ्चकमाहात्म्यम् १६३२९।
भूखण्डम् १४६७८।
भूगोलपुराणम् १९८००।
भूगोलोत्पत्तिः १९०३६।
भ्रमरगीतम् १४७४२।
भ्रमरगीतटिप्पणम् १४७८८।
भ्रमरगीतटिप्पणी १४८८४।
भ्रमरगीतटीका १९१७२।
मत्स्यपुराणम् १४२९६, १४३४०, १४७३९, १४७६४, १९८६९, १९९३२, १६००८, १६१४१, १६३८३।
मथुरामाहात्म्यम् १४८६२, १४९३४, १९७९२, १६४७७।
मथुरामाहात्म्यम् (सचित्रम्) १४४०८।
मथुरामाहात्म्यसंग्रहः १९९७२।
मन्त्रकाशीखण्डम् १५०७९।
मन्त्रभागवतम् १९०७८।
मन्त्रभागवतव्याख्या १९९१२।
मन्त्ररहस्यप्रकाशिका १४३७४।
मन्त्ररामायणम् १४३८३, १९२१८।
मन्त्ररामायणम् (सटीकम्) १६२३०।
मन्वन्तरवर्णनम् १५४०९ – १५४०६।
मयूखादित्यद्रौपदादित्याख्यानम् १५९१०।
मलमासकथा १४९३६।
मलमासकृष्णकामदैकादशीमाहात्म्यम् १९१३६।
मलमासकृष्णैकादशीमाहात्म्यम् १४७४४।
मलमासपुत्रदैकादशीमाहात्म्यम् १४९१०।
मलमासमाहात्म्यम् १४७४९, १४७९२, १४८२२, १४८७१, १९८८९।
मलमासव्रतमाहात्म्यम् १६१६६।
मलमासशुक्लकमलैकादशीमाहात्म्यम् १४७४७।
मलिम्लुचव्रतकथा १४४८९।
मल्लारिमाहात्म्यम् १४३०१, १४४००, १४४९१, १४९४८, १४८८१, १६०४६, १६२४०, १६४९६।
महाचार्यगुरुपरम्परा १५८२१।
महाभागवतम् १५५३८–१५५४०, १५७६३, १६४५४।
महाभागवतम् (सटीकम्) १५९३०।
महाभारतम् १४२८४, १४३२५, १४३२७, १४३३८, १४३४२, १४३४५, १४३५४, १४३५६, १४५२०, १४५३०, १४६७५, १४७१०, १४७३६–१४७४०, १४७४८–१४७४९, १४७५४, १४८०३, १४८०७, १४८१४–१४८१५, १४८३२, १४९२६, १४९६०, १४९७०, १५०७७, १५०९५, १५१११, १५११७, १५१२५, १५१३५, १५१४८–१५१४९, १५१५८–१५१५९, १५१९३, १५१९५, १५२०८–१५२०९, १५२१२, १५२१४, १५२१६, १५२२६–१५२२८, १५२५५, १५२६०, १५२६६–१५२६८, १५२८२–१५२८७, १५२९७–१५२९८, १५३१९, १५३२४–१५३३४, १५३३८–१५३३९, १५३५५, १५३५७–१५३६५,

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

१९३६८–१९३६९, १९३८६, १९४००–१९४०१, १९४१६, १९४१९–१९४२१, १५४२९, १५४४७, १९५०२–१५५०३, १५५३१, १५५४५–१९५४६, १५५४९, १९५५३–१९५६०, १५६१०–१९६११, १५६१३, १९६२२–१५६२३, १९६२५, १९६२७, १९६७०, १५६७२, १९६७५, १५८०९, १९८१३, १९८५०–१९८५१, १५९५३–१५९५४, १६१९८, १६४११, १६४२१, १६४३१, १६४३९–१६४४६, १६४५७, १६४५८, १६५१७।

महाभारतम् ( सटीकम् ) १५३२३, १५३९६, १५४०२, १५४०४, १५४१४ – १५४१५, १५४१७ – १५४१८, १५४२२, १५४४६, १५४८०, १५५५१–१५५५२, १५६२६।

महाभारतकूटश्लोकटीका १४५७०।

महाभारतटिप्पणी १५०१३।

महाभारतटीका १४२५०, १४६७३, १४९१०, १४९१४, १५१२३, १५१४७, १५२६९, १५६३८, १५६७१, १५७३६ – १४७४०, १५७९३, १६०८७, १६५०२।

महाभारततात्पर्यटीका १५२३४।

महाभारततात्पर्यनिर्णयटीका १५१६५।

महाभारततात्पर्यप्रकाशः १५२३२ – १५२३३।

महाभारततात्पर्यसंग्रहः १५२५७।

महाभारतदुःखदश्लोकटिप्पणी १५५१७।

महाभारतदुष्करश्लोकानां टिप्पणिका १५०२०।

महाभारतयुद्धकालनिर्णयः १४८१३।

महाभारतविवरणम् १५७४१।

महाभारतविषमश्लोकटीका १५९६४।

महाभारतविषमश्लोकव्याख्या १४७१३।

महाभारतव्याख्या १५६२८।

महाभारतसङ्क्षेपः १५६३९।

महाभारतसावित्री १५६३४।

महाभारतादिशास्त्राणां वादनिराकरणार्थाः श्लोकाः १५२५६।

महाभारतार्थसङ्ग्रहदीपिका १५४२३, १५४२७।

महाभारतीयश्लोकानां व्याख्या १५०१९।

महाभारतीयसभापर्वसङ्क्षेपः १५६२९।

महारामायणम् १५६५५।

माघकृष्णे षट्तिलैकादशीमाहात्म्यम् १५२५३–१५२५४।

माघमासमाहात्म्यम् १४२३२, १४५६७, १४८०९–१४८१०, १५११२ – १५११३, १५२३०, १५२४४ – १५२४७, १५२५१ – १५२५२।

माघमाहात्म्यम् १४३८१, १५३२२, १५३७८, १५४३९, १५६४०, १५६९८, १५७६९, १५८८२, १५८९५, १५९१२, १५९२५, १५९८८, १६०३०, १६१५३, १६१९६, १६२४२, १६२७०, १६२७७, १६२८३ – १६२८४, १६३२०, १६३४० – १६३४२, १६३८१, १६४३४, १६४९४।

माघशुक्लैकादशीमाहात्म्यम् १५२४८।

मार्कण्डेयपुराणम् १४३१०, १४६२९, १४७१४, १५३८५, १५८२६, १६१२५।

मार्गशीर्षमासमाहात्म्यम् १५२४९ – १५२५०।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

मार्गशीर्षमाहात्म्यम् १४४१६, १४७९९, १४८०८, १४९२७, १५२३१, १५४६९, १५८४७, १६०६३, १६०९३–१६०९४, १६११०, १६११७, १६३३०, १६३४४, १६४२७, १६४८२ – १६४८३ ।

मुक्तिक्षेत्रप्रकाशः १४४२९ ।

मुक्तिचिन्तामणिः १४९४२ ।

मुद्गलपुराणम् १५१२६ ।

मूर्तिरहस्यम् १५०६६ ।

मूलरामायणम् १४४७० – १४४७२, १५०३९, १५१०३, १५११४ – १५११६, १५२४०, १५८६३ ।

मृगलुब्धकसंवादः १६१९९ ।

मोक्षदैकादशीमाहात्म्यम् १५२३९, १५२४१–१५२४२ ।

मोक्षधर्मसारोद्धारः १५७३३ ।

मोक्षैकादशीमाहात्म्यम् १६३४७ ।

मोक्षोपायसारः १४९७९ ।

मोहिन्येकादशीमाहात्म्यम् १५३४५, १५८५९ ।

मौद्गलपुराणम् १५९८६ ।

यक्षयुधिष्ठिरसंवादः १६१०० ।

यज्ञोपवीतमाहात्म्यम् १६२५३ ।

यतिमाहात्म्यम् १४८०६ ।

यमुनामाहात्म्यम् १४९९२, १६०२८ ।

यमुनासरस्वतीसङ्गमप्रभावमाहात्म्यम् १६२६९ ।

युद्धकाण्डम् १६१८४ ।

योगनिद्रासंविधानम् १५१९२ ।

योगवासिष्ठम् १४३४९, १४३९८, १५२९९, १५३१३, १५३१५, १५६५३, १६१५०, १६२९२ ।

योगवासिष्ठम् (सटीकम्) १४३२२, १४४१३, १५३१४, १५६५१–१५६५२, १५६५४, १६२६१ ।

योगवासिष्ठरामायणम् १५८६० ।

योगवासिष्ठसारः १४२७४, १४३७०, १४३८७, १४५०९, १४५२७ – १४५२८, १६४६७ ।

योगवासिष्ठसारः ( सटिप्पणः ) १४४०१ ।

योगवासिष्ठसारः ( सटीकः ) १४२८६, १४४०६–१४४०७ ।

योगवासिष्ठसारः ( सविवरणः ) १४५२१ ।

योगवासिष्ठसारः ( सविवृतिः ) १४३५७ ।

योगवासिष्ठसारसङ्ग्रहः १४३६३, १५३०२ ।

योगवासिष्ठे सप्तभूमिका १५४८२ ।

रमैकादशीमाहात्म्यम् १५८८३ ।

राजगृहमाहात्म्यम् १४६१३ ।

राजधर्मः १४३९१ ।

राधाकुण्डमाहात्म्यम् १६१२७ ।

रामचन्द्रचन्द्रिका १५८५८ ।

रामनाममाहात्म्यम् १४२७५ ।

रामरासः १५२६६ ।

रामशिलामाहात्म्यम् १५३७९ ।

रामायणम् १४२३८, १४२५८, १४२६०, १४२७१, १४३०५, १४३२१, १४३८०, १४४०३, १४५७१, १४५९६, १४६७४, १४७०८, १४८२३ – १४८२५, १५०१२, १५०९९-

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

१९१००, १९१०९–१९१०७, १५११०, १९१३४, १९१४९-१५१४६, १९२०६-१९२०७, १९२१०, १९२९८, १९३०१, १९३९३, १९३९४, १९४२६, १९४३७, १९४४९, १९९१९, १९९२८, १९९४२-१५९४३, १९९८१–१९९९२, १९६०९, १९६४२, १९६९६, १९७८०, १९७९८, १९८१४ – १९८१९, १९८२५, १९८७४, १९९०४ - १९९०५, १९९२८, १६०८३, १६१६५, १६२०२, १६३००, १६३१२, १६३२२, १६३३८, १६३७६, १६४१२, १६४३२, १६४८१, १६४८९, १६५०३, १६५०४, १६५०८, १६५११ ।

रामायणम् ( सटीकम् ) १९१६७-१९१६८, १९१७०, १९९९३–१९९९७, १६२१७ ।

रामायणकथा १४९२८ ।

रामायणकथानां सङ्क्षिप्तसङ्ग्रहः १९६७४ ।

रामायणटीका १९०१९, १९४८७, १९९१९, १६३२३ ।

रामायणतत्त्वम् १९०१७ ।

रामायणतत्त्वदीपिका १४९४९ ।

रामायणभारतावश्यकपदविवरणम् १४६१४ ।

रामायणमाहात्म्यम् १९७६०, १६०७९ ।

रामायणरहस्यम् १९९०८, १६०९९ ।

रामायणसारः १४३७६, १४३८८ – १४३९०, १४९३३, १४९४४, १४९६९, १४९८९, १९२४३, १९४८३, १९८२४, १६२२९, १६४३८ ।

रामायणसारसङ्ग्रहः १४३७७ ।

रामायणाध्यात्मविचारः १५७४४ ।

रामाश्वमेधः १४७६९, १५२२९, १९७६८, १६२२६, १६४४७ ।

रामाश्वमेधवर्णनम् १६३४९ ।

रासक्रीडा १४९८४ ।

रासपञ्चाध्यायी १४३७८, १४८८६ – १४८८७, १९९३६, १६११९, १६१२६, १६३७५ ।

रासपञ्चाध्यायी ( सटीका ) १९१९६, १६०९७ ।

रासपञ्चाध्यायी ( सव्याख्या ) १९१११ ।

रुक्माङ्गदचरित्रम् १४८०२, १९९९२ ।

रुक्मिणीसन्देशः १६१०१, १६१६७ ।

रुक्मिणीसन्देशः ( सटीकः ) १९०८७ ।

रुचिकथा १४९२९ ।

रुद्राक्षमाहात्म्यम् १४३७९, १९९३४, १६०७२, १६२८२ ।

रुद्राध्यायमहिमानुवर्णनम् १६२४९ ।

रेणुकामाहात्म्यम् १४९९९ ।

रेवाखण्डम् १४९९० ।

रोहिणाष्टमीमाहात्म्यम् १९२९९ ।

लक्ष्मीसंहिता १६४८९ ।

लक्ष्म्युत्पत्तिः १६१२१, १६४८७ ।

लघुवासिष्ठः १६०८९ ।

ललितोपाख्यानम् १४९८९, १९०३१ ।

लिङ्गपुराणम् १४३२३, १४३९१, १४६१९, १६४१८ ।

लोके व्यवायेतिश्लोकव्याख्या १९१३३ ।

वनपर्वकथासङ्ग्रहः १९१९० ।

वनपर्वार्थदीपिका १९०९८ ।

वराहपुराणम् १४३२८, १९१९४, १९२३७, १६२०४ ।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

वसुधाजन्मकथनम् १६२५२ ।

वस्तुदानफलकथनम् १६१३९ ।

वामनपुराणम् १६४०१ ।

वामनैकादशीमाहात्म्यम् १९२३८ ।

वायवीयसंहिता १४६१७, १४६९२ ।

वायुपुराणम् १४३९३ – १४३९४, १४९८६, १४७७१. १९४०९, १९५०९, १९५०७ ।

वाराणसीरहस्यम् १६४१६ ।

वाराहपुराणम् १४३२१, १९७६६ ।

वासिष्ठलैङ्गमुपपुराणम् १४३८९ ।

विजयैकादशीमाहात्म्यम् १९३४३ ।

विनायकमाहात्म्यम् १४९९६, १९६८९, १९९९२ ।

विनायकाविर्भावप्रकारः १९४८९ ।

विरजामाहात्म्यम् १४८०१ ।

विराटपर्व १९२७७ ।

विराटपर्वटीका १९२७१ ।

विराटपर्वपदार्थचन्द्रिका १४९४३ ।

विष्णुधर्मपुराणम् १९७७५ ।

विष्णुधर्मोत्तरपुराणम् १९६९०, १९६९३, १९७३१, १९८९८ ।

विष्णुपुराणम् १४२९९, १४३१५, १४३३१, १४३३४, १४३३६, १४४८१, १९०७६, १९३९३, १९४९२, १९९७९, १९८२८, १९८४५, १९९९०, १६००२, १६०३२, १६०४२, १६२०६, १६२९९, १६४२३ ।

विष्णुपुराणम् ( सटीकम् ) १९३९४, १९४३०, १९७९७, १६२३३ ।

विष्णुपुराणटिप्पणम् १६३१९ ।

विष्णुपुराणव्याख्या १९०२१ ।

विष्णुपुराणानुक्रमणिका १६१७७ ।

विश्वरूपदर्शनम् १४८२१ ।

विश्वेश्वरमाहात्म्यम् १४९४२ ।

वृत्तान्तसङ्ग्रहो हरिवंशश्रवणमाहात्म्यञ्च १९६३७ ।

वृन्दावनरहस्यम् १९४९६ ।

वेङ्कटेशगिरिमाहात्म्यम् १४८६९ ।

वेणुगीतम् १९७०३ ।

वेणुगीतम् ( सटीकम् ) १४६४९, १९२७८ ।

वेणुगीतव्याख्या १९७०२ ।

वेदगर्भापुरीमाहात्म्यम् १४८६७ ।

वेदपारायणमाहात्म्यम् १४६४० ।

वेदस्तुतिः १४८८९, १९९७१, १६१९७, १६३४६ ।

वेदस्तुतिः ( सटीका ) १९४३६, १९४७६, १६३९३ ।

वेदस्तुतिः ( सव्याख्या ) १९६८३ ।

वेदस्तुतिटीका १४३८४, १४७४१, १४७९३, १४७९४, १९४२४, १९६८४, १६३०७ ।

वेदस्तुतिटीकाव्याख्यानम् १९४४१ ।

वेदस्तुतिव्याख्या १४९६८, १९४१३, १९७०१, १६०६९, १६०७०, १६४१७ ।

वेदस्तुतिव्याख्याया व्याख्या १४७९० ।

वैद्यनाथलिङ्गमाहात्म्यम् १४९३२ ।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

वैशाखकृष्णवरूथिन्येकादशीमाहात्म्यम् १९३४४, १९३४६।

वैशाखमासमाहात्म्यम् १९३४७–१९३४८।

वैशाखमाहात्म्यम् १४६३९, १४८२०, १४८३०, १४८६३, १४९४६, १९१३०, १९४९३, १९४९९, १९४६७, १९९१८, १९७२८, १९७७३, १९८६८, १९८८६, १९९११, १६०७७, १६१०५, १६२८१, १६४६२ – १६४६३।

वैशाखशुक्लमोहिन्येकादशीमाहात्म्यम् १९३४९।

वैष्णवतीर्थमाहात्म्यम् १९६७७।

वैष्णवतोषिणी १४९८६।

व्यङ्कटाद्रिमाहात्म्यम् १९१२२।

व्यङ्कटेशगिरिमाहात्म्यम् १५९२०।

व्यङ्कटेशमाहात्म्यम् १६०७६।

व्यङ्कटेशरहस्यम् १९९१७।

व्यासचरित्रम् १४७०५।

व्यासशुकसंवादः १९६०६, १६४३०, १६९०६।

शङ्करदिग्विजयः १९३१२।

शङ्करसंहिता १४६९९।

शङ्खमाहात्म्यम् १४६००।

शतरुद्रीयम् १४९३०।

शतरुद्रीयमाहात्म्यम् १५०१४।

शतश्लोकीरामायणम् १६१९०।

शम्भलग्राममाहात्म्यम् १९८३६।

शरभकथा १४६०१।

शाम्बपुराणम् १४६६८, १९३०५।

शालग्रामपरीक्षा १९९२०।

शालग्राममाहात्म्यम् १९५७०।

शालग्रामशिलापरीक्षा १४९२५, १६०८९, १६३२१।

शालग्रामशिलामाहात्म्यम् १९६४४।

शिवतत्त्वसुधानिधिः १९३९७।

शिवपुराणम् १४२६२, १४५६४, १४९८३, १५३९०, १९३८०, १९६०५, १९७४६, १९८९३, १६१९३, १६३८२, १६४०६।

शिवपूजामाहात्म्यम् १६१३४।

शिवप्रसादमाहात्म्यसङ्ग्रहः १६०७१।

शिवमहिमसङ्ग्रहः १६२६२।

शिवमाहात्म्यम् १४२४६।

शिवरहस्यम् १४३१२, १४३१८, १४३३२, १४३६८, १९९३७, १६१४५, १६२६८।

शिवरात्रिमाहात्म्यम् १६२७९।

शिवलिङ्गवर्णनम् १९१०४।

शिववर्म १४८२८।

शिवविवाहः १४२३७, १४२४०।

शिवसंहिता १४४६६, १४५४१।

शुकोत्पत्तिः १६१४३–१६१४४।

श्रद्धामाहात्म्यम् १६३२६।

श्रवणद्वादशीमाहात्म्यम् १४४९९।

श्राद्धमाहात्म्यम् १९८७९।

श्रावणकृष्णकामिकैकादशीमाहात्म्यम् १४४६४, १९३९१।

श्रावणमाहात्म्यम् १५४९७।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

श्रावणशुक्लपुत्रदैकादशीमाहात्म्यम् १९३४१, १९३५२।
श्रीमालमाहात्म्यम् १४६९८, १६३६९।
श्रुत्यध्यायटीका १४३६९।
षट्तिलैकादशीमाहात्म्यम् १४८२९।
षोडशयोगचिह्नानि १५४९५।
संवत्सरोत्सवकल्पलता १४२४१।
सङ्क्षिप्तभागवतम् १६१९१।
सङ्क्षिप्तशङ्करजयः १५२६५।
सत्योपाख्यानम् १४४२०।
सदाशिवसंहिता १४९७४।
सनत्कुमारसंहिता १४७५७।
सनत्सुजातविवरणम् १४२४८।
सनत्सुजातीयम् १४४३१, १४७१२, १५७३०।
सनत्सुजातीयम् ( सटीकम् ) १४३५९, १६१४९।
सनत्सुजातीयभाष्यम् १६१५९।
सनत्सुजातीयविवरणम् १४५२६।
सप्तश्लोकीभागवतम् १४३६४, १५९२१, १६२९८।
सप्तश्लोकीरामायणम् १६२८८, १६२९९।
सम्बन्धजातिनिर्णयः १५५२१।
सरस्वतीपुराणम् १६१९२।
सह्याद्रिखण्डम् १४२९८, १४५३४, १५९८३, १६०९०, १६५१८।
सावित्रीजपयज्ञः १६१६३।
सावित्रीविवरणम् १६१७२।
सावित्र्युपाख्यानम् १५६३४।
सीतारामरत्नमञ्जूषा १६३९९।
सुधर्माविलासः १४९४९।
सूतसंहिता १४३२९, १४३४४, १४९२०, १५१०९, १६२६०, १६४०७।
सूतसंहिता (सव्याख्या) १६२३९, १६२४५, १६४९०।
सेतुखण्डम् १४८७४।
सेतुमाहात्म्यम् १४४१५, १५१८६, १५५०६।
सोमोत्पत्तिकथनम् १६२५६।
सौरसंहिता १४५१५, १५३९०।
स्कन्दपुराणम् १४३०६, १४३४३, १५५३७, १५६९४, १५८९२।
स्त्रीलक्षणवर्णनम् १५७७६।
स्यमन्तकाख्यानम् १६५०५।
स्यमन्तकोपाख्यानम् १४३८६, १४७०१।
हनुमज्जन्मकथा १६२५०।
हनुमज्जन्मरहस्यकथनम् १६२५७।
हनुमत्संहिता १४९६६।
हरिप्रबोधिन्येकादशीव्रतम् १४६५६।
हरिभक्तिमाहात्म्यम् १६१७३।
हरिभक्तिसुधोदयः १५४७८।
हरिलीला १४७५५, १४८१९।
हरिलीलानुक्रमणी १५८४४।
हरिवंशः १४२७३, १४३०७, १४३२०, १४५५३–१४५५५, १४५५७, १४५६५, १४७००, १४८३१, १४९७३, १५२०१, १५२६१–१५२६३, १५२७०, १५२७३, १५४८१, १५५६२–१५५६३, १५६१२, १५६३०–१५६३२, १५८१०–१५८११, १५८३७, १६२०५, १६४०२।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

हरिवंशः ( सटीकः ) १९९४८, १९९६१, १९६३३, १९७४८ ।

हरिवंशटिप्पणम् १४९६४ ।

हरिवंशवृत्तान्तसङ्ग्रहः १९६३६ ।

हरिश्चन्द्रोपाख्यानम् १९३४० ।

हरिहरसंवादः १४८१६ ।

हरिहराष्टकम् १६०३७ ।

हाटकेश्वरक्षेत्रमाहात्म्यम् १६१४२ ।

हाटकेश्वरमाहात्म्यम् १४३०८ ।

हालास्यमाहात्म्यम् १४३०९, १९३९८ ।

हिमवत्खण्डम् १४३४६ ।

हृदयस्थगुह्यनिरूपणम् १६२६७ ।

होलिकामाहात्म्यम् १४८९७, १४९०३ ।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

# चतुर्थभागोल्लिखितगीताग्रन्थानामक्षरानुक्रमणिका


अर्जुनगीता १६५७०, १६६२७, १६७१०, १६८९६, १७१३९, १७२४० ।

अवधूतगीता १६५९५, १६६३५, १६७५१, १७०१३, १७०८९, १७१८०, १७१९५, १७३०८ ।

अष्टादशश्लोकीगीता १६७८६, १७२४७ ।

अष्टावक्रक्रमव्याख्या १७००५ ।

अष्टावक्रगीता १६५४६, १६५७७ – १६५७८, १६६५०, १६६६८, १६७९८– १६७९९, १७००१, १७०८८, १७१३२, १७१४३ – १७१४५, १७२२३ – १७२२७ ।

अष्टावक्रगीताटीका १६९९१ ।

अष्टावक्रगीता (सटीका) १६६५१, १७०१५, १७१४६– १७१४७, १७२०८, १७२२८– १७२३०, १७२३४ ।

ईश्वरगीता १७१२९, १७३०९ ।

उत्तरगीता १६५७२, १६५९९, १६६३७, १६६८४, १६७०४, १६७४८, १६७५२– १६७७३, १६८८६– १६८८७, १६९३३– १६९३४, १६९७४– १६९७५, १७०१९, १७०४९, १७०५६– १७०५७, १७०८२, |१७०९७, १७११२, १७२४१– १७२४२ ।

उत्तरगीताटिप्पणसारः १६७७४ ।

उत्तरगीताव्याख्या १६९८७ ।

उत्तरगीता (सटीका) १६५६०, १७०५८, १७२३२, १७२४३ ।

उत्तरगीता (सव्याख्या) १६६७०, १६९८४, १७३१०– १७३११ ।

ऋभुगीता १६८६३, १७११५, १७२३८– १७२३९ ।

ओङ्कारगीता १६९७३ ।

कपिलगीता १६७७८, १६९६७, १७१४०, १७१८८- १७१८९, १७२४४ ।

कर्मगीता १६६३० ।

गणपतिगीता १६७७६ ।

गणेशगीता १६७३०, १६७५०, १६७६७, १६९३५, १७१३३, १७१४१, १७१७२ ।

गणेशगीता (सटीका) १६६६७ ।

गणेशगीता (सभाष्या) १६८७४ ।

गणेशगीतासारः १६७६६, १६८८४ ।

गर्भगीता १६५४४, १६५६७, १६६२८ – १६६२९, १६६५७ – १६६५८, १६८९२, १६९३६– १६९३८, १६९६६, १७०३१, १७१२३, १७१३८, १७१७५ – १७१७६, १७१९९, १७२४५, १७२९७ ।

गीतातात्पर्यबोधिनी १६६७९ ।

गीताभाष्यम् १६६८२, १६६९६ ।

गीताभाष्यव्याख्या १६८३७ ।

गीतारहस्यप्रकाशः १६७३७ ।

गीतार्थसङ्ग्रहः १६७८७ ।

गीताविवरणम् १६७०८ ।

गीताव्याख्या १६७४३, १६८३२ ।

गीतासप्तश्लोकी १६८०१ ।


CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

गीतासारः १६५६२, १६५६९, १६६२६, १६६५४–१६६५६, १६६६२–१६६६४, १६७०७, १६७३१–१६७३३, १६७४२, १६७९४–१६७९७, १६९३१–१६९३२, १७०५०, १७०८७, १७०९६, १७१००, १७१०६–१७१०८, १७१११, १७११३, १७१३४, १७१७३–१७१७४, १७२००, १७२७५–१८२७६, १७२९२।

गुरुगीता १६५६८, १६५९४, १६६०१–१६६०३, १६६३३, १६६४१–१६६४२, १६६६०–१६६६१, १६६८७, १६७४०–१६७४१, १६७८९–१६७९३, १६८७०–१६८७१, १६९२९–१६९३०, १६९७०–१६९७२, १७०१०, १७०२६–१७०२८, १७०५५, १७०८६, १७११७, १७१८१, १७२०९, १७२७०–१७२७३, १७३१३।

जीवन्मुक्तिगीता १७२१०।

ज्ञानगीता १६७६९।

दत्तगीता १६७०९, १७१७०, १७२४८।

दत्तात्रेयगीता १६७७७, १७२७४।

देवर्षिगीता १६९८३।

देवीगीता १६८७५।

नारदगीता १६५९७–१६५९८, १६६३४, १६८९१, १७०६१, १७१७१।

पाण्डवगीता १६६२०–१६६२३, १६६६६, १६७३४–१६७३६, १६७४९, १६७६८, १६७७९–१६७८२, १६८६९, १६८८७–१६८९०, १६९१८–१६९२५, १६९८२, १६९८८, १६९८९, १७०४८, १७०८१, १७०९३, १७११८, १७१२४, १७१४८, १७१८५–१७१८७, १७३३०–१७३३१।

ब्रह्मगीता १६७३८–१६७३९, १७००३, १७००७।

ब्रह्मगीता ( सटीका ) १६८६७, १६९६८, १६९९३, १७०६९, १७१६९।

ब्रह्मगीता ( सव्याख्या ) १७००६।

भगवतीगीता १६५७१, १६६३९–१६६४०, १६६५२–१६६५३, १६६८३, १६८४८–१६८४९, १७०८४।

भगवद्गीता १६५४५, १६५४७–१६५५०, १६५५७, १६५६१, १६५६४–१६५६६, १६५७९–१६५८५, १६६०७–१६६१८, १६६२४–१६६२५, १६६३८, १६६४६–१६६४९, १६६८६, १६७०१–१६७०३, १६७०५, १६७२६–१६७२९, १६७४५–१६७४७, १६७५६, १६७६०, १६७६२, १६७८३–१६७८४, १६८१२–१६८२९, १६८४१, १६८४३–१६८४७, १६८७८–१६८७९, १६८९८, १६९०१–१६९०९, १६९११–१६९१७, १६९४१–१६९४३, १६९४५–१६९४६, १६९४८, १६९५०, १६९५५, १६९५८–१६९६४, १६१८५, १६९९७, १७०१६–१७०१८, १७०२०–१७०२२, १७०३२–१७०३३, १७०३७–१७०४२, १७०५९, १७०६४–१७०६५, १७०७०, १७०७२–१७०७८, १७०९१–१७०९२, १७१०१–१७१०४, १७१०९–१७११०, १७११४, १७१२०–१७१२१, १७१२८, १७१५०–१७१६८, १७२०६, १७२३३–१७२३४, १७२५०–१७२५४, १७२९८, १७३०६, १७३१४–१७३२९।

भगवद्गीता टीका १६५५८, १६५८६, १६६४४, १६६७२, १६७२०, १६७५३, १६८३१, १६८३६, १६९००, १६९५४, १७०६६, १७०६८, १७१३५, १७२८०–१७२८१, १७२९०, १७३०७।

भगवद्गीताटीकाव्याख्या १७२४९।

भगवद्गीतान्यासादयः १६६१९।

भगवद्गीताभाष्यम् १६५५९, १६८६०, १६९९४, १७००२, १७०२५, १७०४६, १७११६, १७१२२।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

भगवद्गीताभाष्यटीका १६५८९, १६६४५, १६८५४, १६८७२ – १६८७३, १६९५१, १६९८६, १७००९, १७०६७, १७२८४, १७२९१।

भगवद्गीताभाष्यविवेचनम् १६८३३।

भगवद्गीताभाष्यव्याख्या १७१३६।

भगवद्गीताभाष्यम् ( सटीकम् ) १६७५४।

भगवद्गीतार्थसङ्ग्रहः १७०८०।

भगवद्गीताव्याख्या १६८३५।

भगवद्गीता (सटीका) १६५५१ – १६५५६, १६५८७– १६५८८, १६५९२ – १६५९३, १६६०४, १६६४३, १६६७३– १६६७७, १६६८० – १६६८१, १६६९१, १६७००, १६७०६, १६७१३, १६७१६ – १६७१९, १६७२१, १६७५५, १६७५८– १६७५९, १६७८५, १६८०५– १६८१०, १६८३०, १६८३८, १६८४०, १६८४२, १६८५०, १६८५५ – १६८५९, १६८६६, १६८७६ – १६८७७, १६८९९, १६९१०, १६९४४, १६९४९, १६९५२– १६९५३, १६९५६– १६९५७, १६९६५, १६९८०, १७०००, १७०२३ – १७०२४, १७०३४, १७०४३ – १७०४५, १७०७१, १७०७९, १७०९०, १७०९८, १७११९, १७१२५– १७१२७, १७१४८ – १७१४९, १७१९३, १७१९८, १७२०२– १७२०५, १७२३५ – १७२३७, १७२५६, १७२७८ – १७२७९, १७२८६– १७२८९, १७२९५, १७२९९– १७३०५, १७३१२।

भगवद्गीता (सभाष्या) १६५९०– १६५९१, १६६७८– १६६७९, १६६९२, १६७५७, १६७६१, १६८११, १६८३९, १६८५१ – १६८५३, १६८६४– १६८६५, १६९४७, १७२५५, १७२८२ – १७२८३, १७२९६।

भगवद्गीतासमालोचना १७२५७।

भगवद्गीतासारः १७०६०।

भारतसावित्रीगीता १७३३२।

भिक्षुगीता १६९६९।

यमगीता १६५६३, १६६३१ – १६६३२।

याज्ञवल्क्यगीता १६७५२, १७१३१।

योगगीता १६८८५।

रामगीता १६५७३ – १६५७४, १६६३६, १६६५९, १६६९०, १६६९४, १६७२४ – १६७२५, १६७७० – १६७७१, १६८०३, १६८६८, १६८८० – १६८८३, १६८९३, १६९२६– १६९२७, १६९७६ – १६९७९, १६९९०, १६९९९, १७००८, १७०३०, १७०३६, १७०६२ – १७०६३, १७१७८ – १७१७९, १७२०१, १७२११ – १७२१६, १७२५८– १७२६०, १७२९३।

रामगीताटीका १७२२० – १७२२१, १७२६६।

रामगीताविवृतिः १६६००।

रामगीताव्याख्या १७०१२, १७२६१ – १७२६२।

रामगीता (सटीका) १६६७१, १६६८५, १६६९५, १६७२३, १६७६५, १६८९४, १६९२८, १६९९५ – १६९९६, १६९९८, १७०९४, १७०९९, १७१३७, १७१९१ – १७१९२, १७१९६, १७२०७, १७२१७– १७२१९, १७२६३ – १७२६४, १७२७७, १७२८५, १७२९४।

लघुगीता १६७१५।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

विद्यागीता १७०११।

वैष्णवगीता १६८०२।

शतश्लोकीगीता १६८००।

शिवगीता १६५७५–१६५७६, १६५९६, १६६०५–१६६०६, १६६६५, १६६९९, १६७११, १६७१४, १६७६३, १६८०४, १६८३४, १६८६१–१६८६२, १७००४, १७०५१–१७०५२, १७०८३, १७०९५, १७१३०, १७१८२–१७१८३, १७२२२, १७२६७,

शिवगीताटीका १७१०५।

शिवगीता (सटीका) १६६९३, १६६९८, १६७२२, १६७६४, १६९९२, १७०५३–१७०५४, १७१४२, १७१९०, १७१९७, १७२६८–१७२६९,

शिवरामगीता १६७७५।

सप्तश्लोकीगीता १६६८८–१६६८९, १६७१२, १६७४४, १६७८८, १६८९५, १६९४०, १७०१४, १७०२९, १७०४७, १७०८५, १७२६५।

सप्तश्लोकीगीता ( सटीका ) १७०३५।

सिद्धगीता १७१९४।

सूतगीता १६९८१।

सूतगीता ( सव्याख्या ) १७२४६।

हंसगीता १६६६९, १६९३९, १७१७७।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri